



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section I

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 223]

No. 223]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 3, 2012/आश्विन 11, 1934

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 3, 2012/ASVINA 11, 1934

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी तथा संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अंतिम जांच परिणाम

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 2012

**विषय:—** चीन जन.गण. तथा जापान के मूल की या वहां से निर्यातित डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेटों के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच—अंतिम जांच परिणाम ।

फा. सं. 14/7/2011-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं संग्रहण तथा क्षति-निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए ;

**क. प्रक्रिया**

निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

1. निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) को उपर्युक्त नियमावली के अंतर्गत चीन जन. गण., और जापान (जिन्हें आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल की या वहां से निर्यातित डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेटों के पाटन का आरोप लगाते हुए घरेलू उद्योग की ओर से मै. टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम्स (प्रा.) लि., मुंबई (जिसे आगे आवेदक कहा गया है) से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ ।
2. आवेदन की प्रारंभिक छानबीन से कुछ कमियों का पता चला जिन्हें बाद में आवेदक ने सुधार दिया था। अतः आवेदन को समुचित रूप से प्रलेखित माना गया था ।
3. जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराते हुए आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्णय लिया ।
4. पाटनरोधी नियमावली के उप-नियम 5 (5) के अनुसार जांच शुरू करने से पूर्व प्राधिकारी ने पाटन के आरोप की प्राप्ति के बारे में भारत स्थित संबद्ध देशों के दूतावास को अधिसूचित किया ।
5. प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए 13 जून, 2011 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया ।

6. प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार समस्त ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे आवेदक ने उपलब्ध कराए थे) और उद्योग एसोसिएशनों को भेजी तथा उन्हें अपने विचारों से लिखित में अवगत कराने का अवसर प्रदान किया ।
7. प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भारत में संबद्ध वस्तु के सभी ज्ञात आयातकों को भी भेजी और उन्हें पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी ।
8. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार प्राधिकारी ने आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों और भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावास को उपलब्ध कराई । अनुरोध किए जाने पर आवेदन की प्रति अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई थी ।
9. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार प्राधिकारी ने संगत सूचना मांगने के लिए संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजीं:

10.

**कोडक (चीन) ग्राफिक कम्युनिकेशन**  
सं 308, वेंगजियाओ रोड, जियांग इंडस्ट्रियल डिस्ट्रिक्ट,  
हेईकांग, जियामेन 361022  
फ्यूजियान, चीन जन.गण.

**कोडक (सिंगापुर) पीटीई लि**  
151 लोरांग चुआन, #05-01 (लॉबी क),  
न्यू टेक पार्क, सिंगापुर 556741

**फ्यूजी प्रिंटिंग प्लेट (चीन) कं लि.**  
नं.202 लॉगटन रोड  
सुझोऊ इंडस्ट्रियल पार्क - 215024  
जियानशू प्रोविन्स, चीन

**फ्यूजीफिल्म कार्पोरेशन**  
2-26-30 निशि अजाबू मिनाटो-  
टोक्यो 106-8620  
जापान

**जिनजियांग इंडस्ट्रियल पार्क**  
चेंगडू, सिचुआन, 610063, चीन जन गण

**दि सेकेंड फिल्म फैक्टरी ऑफ लकी ग्रुप**  
718, साउथ स्टेशन रोड, ननयांग,  
हिनान, चीन

11. जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में चीन जन.गण. और जापान के निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने उत्तर दिया है:

- (क) दि सेकेंड फिल्म फैक्ट्री ऑफ लकी ग्रुप
- (ख) फ्यूजीफिल्स प्रिंटिंग प्लेट (चीन) कं. लि., चीन जन.गण.
- (ग) फ्यूजी कार्पोरेशन, टोक्यो, जापान
- (घ) कोडक (चीन) ग्राफिक कम्युनिकेशन (के सी जी सी सी एल), चीन जन. गण.
- (ङ) कोडक (चीन) इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड (के सी आई सी एल) चीन जन. गण.
- (च) फ्यूजीफिल्स प्रिंटिंग प्लेट (सुझोऊ) कं. लि.
- (छ) फ्यूजीफिल्स (चीन) इन्वेस्टमेंट कं. लि०
- (ज) कोडक (सिंगापुर) पीटीई लि.
- (झ) मै. टोरे इंडस्ट्रीज इंक. जापान

12. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं । :

- 1) कोडक इंडिया प्रा.लि.  
तीसरा तल, कल्पतरु सिनर्जी  
संताकूज (ई), मुंबई, महाराष्ट्र
- 2) फ्यूजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड  
प्लॉट नं. बी-16, दूसरा तल, ब्लॉक-1  
कम्युनिटी सेंटर, जनकपुरी  
नई दिल्ली
- 3) न्यूजटैक (इंडिया) प्रा. लि.  
प्रभादेवी, मुंबई, महाराष्ट्र
- 4) कपूर इमेजिंग प्रा.लि.  
नं. 6, तीसरा तल, बालाजी नगर,  
रायपेट, चेन्नई-600014  
तमिलनाडु
- 5) हेडलबर्ग इंडिया प्रा.लि.  
जमीन पल्लावरम  
चौरमपेट, चेन्नई- 600 044.  
तमिलनाडु

इसके अलावा, प्राधिकारी ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना पर टिप्पणियां देने के लिए निम्नलिखित प्रयोक्ताओं को पत्र लिखा :

नाम	पता
प्रगति ऑफसेट प्रा.लि.	17, रोड हिल रोड, हैदराबाद - 500 004 आंध्रप्रदेश, भारत
के. जोशी एंड कंपनी (पुणे)	1745/2 स्वदेशी पेठ, नजदीक भीकरदास मारुति टेम्पल, पुणे 411 030
सिल्वर प्वाइंट प्रेस प्रा. लि.	165, कोहिनूर इंडस्ट्रियल इस्टेट, फॉनिक्स मिल के सामने, तुलसी रोड, लोअर परेल, मुंबई - 400 013
आर आर डोनेली-इंडिया, एशिया	43 ए, फर्स्ट मेन रोड, आर ए पुरम, चेन्नई- 400 028
टी सी पी एल पैकिंग लि.	49, शिव स्मृति, डा. ऐनीबेसेंट रोड, वली, मुंबई - 400 018
बेनेट, कोलेमन एंड कं. लि.	टाइम्स ऑफ इंडिया बिल्डिंग, डॉ. डी एन रोड, फोर्ट, मुंबई - 400 001
जागरण प्रकाशन लि.	जगरण बिल्डिंग, 2, सर्वोदया नगर, कानपुर- - 208 005
दैनिक भास्कर ग्रुप ऑफ पब्लिकेशन्स	द्वारका सदन, 6 प्रेस कॉम्प्लेक्स, एम.पी.नगर, भोपाल, मध्य प्रदेश - 462 011
यूटीलिटी प्रिंटर्स	ए-2, 155, शाह एंड नहाई इंड. इस्टेट, एस जे मार्ग, लोअर पार्ले शाह एंड नाही इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस जे मार्ग, लोअर पार्ले (वैस्ट), मुंबई- 400063, महाराष्ट्र राज्य

13. जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के संबंध में निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं ने उत्तर दिया है:

- क. कपूर इमेजिंग प्रा.लि., चेन्नई
- ख. एव पी ग्लोबल इम्पेक्स प्रा. लि., चेन्नई
- ग. रावे इंडिया, गुडगांव, हरियाणा
- घ. पारस ऑफसेट प्रा.लि., नई दिल्ली
- ड. थोमसन प्रेस (इंडिया) लिमिटेड, फरीदाबाद, हरियाणा
- च. वॉटपॉक, नई दिल्ली
- छ. फर्स्ट इम्प्रेशन कार्पोरेट सर्विस प्रा. लि., नोएडा, उ. प्र.
- ज. इंडियन ग्राफिक्स, दिल्ली
- झ. जी-स्कोन, नई दिल्ली
- ट. वी.के.बॉक्स इंडस्ट्रियज नि.



- ठ. प्रैस टच ग्राफिक्स, नई दिल्ली
- ड. फोटोन, अहमदाबाद
- ढ. ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ मास्टर प्रिंटर, नई दिल्ली तथा इसके क्षेत्रीय संगठनों द्वारा स्थापित ।
- ण. जे.आर, एसोसिएट्स, नई दिल्ली
- त. ग्राफटोन, पुणे
- थ. प्रान्जपे ग्राफिक्स
- द. ऑफसेट प्रिन्टर्स एसोसिएशन, कालीकट
- ध. केरला मास्टर प्रिन्टर्स एसोसिएशन, कालीकट
- न. राकेस प्रेस, दिल्ली
- प. केरला मास्टर प्रिन्टर्स एसोसिएशन, तिरुवनंतपुरम
- फ. अमर उजाला पब्लिकेशन्स लि., नोएडा
- ब. मैक्सपफ्लैक्स इमेजिंग सिस्टम्स लि. मुंबई
- म. इन्साइट प्रिन्ट कम्युनिकेशन्स प्रा. लि. चेन्नई
- य. मै. ग्राफिक्स प्रा. लि.
- र. आर वी मार्केटिंग्स कं. लि., बंगलौर
- ल. फ्यूजिटो इंडिया प्रा. लि., हैदराबाद
- व. ग्राफिक्स एटरप्राइज, कोलकाता
- श. विनायक कलर्स ऑफसेट, नई दिल्ली
- ष. रमनीक क्लिएशन्स, हैदराबाद
- स. दि सरस्वती प्रिंटिंग वर्क्स, कोलकाता
- ह. बालाजी प्रिप्रेस, शिवाकाशी
- क्ष. आई सी आई टी सॉफ्टवेयर सेंटर प्रा. लि. हैदराबाद
- त्र. हाफटोन, हैदराबाद
- ज्ञ. न्यू अनुटेया ऑफसेट प्रेस, विजयवाड़ा
- कक. न्यू अनुटेया ऑफसेट प्रैस, विजयवाड़ा
- खख.. पिक्सल क्यूब, हैदराबाद
- गग. आई सी एम सी कार्पोरेशन लि., चेन्नई
- घ.घ. चेतन्या इमेज जोन, विजयवाड़ा
- ड.ड.इंटरप्रेस प्रिंटर, विजयवाड़ा
- चच. श्रीलेखा पावर प्रिन्टर्स, विजयवाड़ा
- छछ. फोरेस्केन ग्राफिक प्रा. लि. कोलकाता
- जज. राजन्या ऑफसेट प्रिन्टर्स, विजयवाड़ा
- झ.झ. सर्कस ग्राफिक्स प्रा. लि., नई दिल्ली
- टट. इंडियन लैंग्वेज न्यूज पेपर एसोसिएशन

14. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया जिसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा । जांच की कार्रवाई के दौरान निर्यातकों, ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ मास्टर प्रिन्टर्स (ए आई एफ एम पी) के अंतर्गत आयातकों/प्रयोक्ताओं, इसकी संबद्ध एसोसिएशनों तथा घरेलू उद्योग ने जांच से संगत सूचना प्रस्तुत की ।
15. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी । संतुष्ट होने के बाद प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है जिसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है । जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था ।
16. आवेदक तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों से आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सूचना मांगी गई थी ।
17. सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा बेचने के आधार पर क्षति रहित कीमत निकाली गई है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ;
18. यह जांच 1 अप्रैल, 2010 से 31 मार्च, 2011 (जांच अवधि) के लिए की गई थी । क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में 2007-08, 2008-09, 2009-10 की अवधि और जांच अवधि शामिल थी ।
19. जांच अवधि के लिए अम.डा. से रूपए में परिवर्तन हेतु विनिमय दर सीमाशुल्क आंकड़ों के अनुसार 46.17 रूपए मानी गई है ।
20. प्रारंभिक जांच परिणाम 16 मार्च, 2012 को जारी किए गए थे जिसकी एक प्रति समस्त हितबद्ध पक्षकारों के पास उनकी टिप्पणियों के लिए भेजी गई थी । इसी के साथ-साथ इसकी एक प्रति सभी संबद्ध पक्षकारों की सूचना हेतु वेबसाइट पर भी डाल दी गई थी ।
21. नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने 10 अप्रैल, 2012 को आयोजित मौखिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से व्यक्त करने के लिए सभी हितबद्ध पक्षकारों को एक अवसर प्रदान किया था । सार्वजनिक सुनवाई में जिन हितबद्ध पक्षकारों ने अपने विचार मौखिक रूप से व्यक्त किए थे उनसे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों के लिखित अनुरोध और उसके बाद एक माह के भीतर उनके उत्तर दायर करने का आग्रह किया गया था । केन्द्र सरकार ने 13 जून, 2012 के का.ज्ञा.सं. 354/45/2012-टीआरयू के तहत उपर्युक्त जांच की समयावधि को 12 सितंबर, 2012 तक और 24 सितंबर, 2012 की अधिसूचना के तहत 12 दिसंबर, 2012 तक बढ़ाया है ।
22. बाजार अर्थव्यवस्था, सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बारे में दावों का सत्यापन करने के लिए संभव सीमा तक सहयोगी और प्रतिवादी निर्यातकों के बारे में भीकें पर सत्यापन किया गया था और सत्यापन के आधार पर गोपनीय आधार पर सत्यापित निर्यातकों को एक सत्यापन रिपोर्ट जारी की गई थी और उन पर प्राप्त टिप्पणियों की संबद्ध जांच में संगत समझी गई सीमा तक इस अंतिम जांच परिणाम में विधिवत जांच की गई है ।

23. उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार इस जांच परिणाम के लिए विचारित आवश्यक तथ्यों/आधार का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को किया गया था और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर अंतिम जांच परिणाम में विचार किया गया है। निवल निर्यात कीमत तथा पहुंच मूल्य की गणना के व्यौरों की अगोपनीय प्रतियां भी प्रतिवादी उत्पादकों तथा निर्यातकों को प्रदान की गई थीं। इसी प्रकार घरेलू उद्योग को भी लागत सीट की वह प्रति प्रदान की गई थी जिसमें क्षति रहित कीमत निर्धारण का विस्तृत लेखा-जोखा दिया गया था। गणना संबंधी त्रुटि का पता चलने के बाद एक पूरक प्रकटन विवरण समस्त हितबद्ध पक्षकारों में उनकी टिप्पणियों के लिए परिचालित किया गया था जिसमें प्रतिवादी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन का उल्लेख किया गया था। इन गणनाओं/निर्धारणों पर प्राधिकारी से अनुरोध किए जाने के बाद प्रतिवादी उत्पादकों, निर्यातकों और घरेलू उद्योग के साथ चर्चा भी की गई थी। इसके अलावा, प्रयोक्ता एसोसिएशन का प्रतिनिधित्व करने वाले कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी से यह अनुरोध किया था कि वह प्रकटन विवरण का उत्तर प्रस्तुत करने के लिए कुछ और समय प्रदान करें जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रदान कर दिया था।

24. प्रकटन विवरण के बाद निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों ने अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत की हैं :-

- आंध्र प्रदेश प्रिंटर्स एसोसिएशन, हैदराबाद
- नोएडा ऑफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन, नोएडा
- केरल मास्टर प्रिंटर्स एसोसिएशन, कोचीन
- कोडक कंपनी समूह (के सी जी सी सी एल, के सी आई सी एल और कोडक सिंगापुर पी टी ई लि. तथा कोडक इंडिया लि.) की ओर से दुआ एसोसिएट्स।
- थामसन प्रेस (इंडिया) लि., हरियाणा
- ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ मास्टर प्रिंटर्स, नई दिल्ली
- फ्यूजी कंपनी समूह (एफ एफ पी एस, एफ एफ पी बी, एफ एफ आई एन और फ्यूजी फिल्म कॉर्पोरेशन, जापान) की ओर से कोछर एंड कंपनी।
- टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम्स (प्रा.) लि., महाराष्ट्र
- टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम्स (प्रा.) लि., महाराष्ट्र की ओर से एल एंड एस तथा मै. ई एल पी
- लकी हुआंगुआंग ग्राफिक, चीन जन गण की ओर से टी पी एम कन्सलटेंट्स
- चेन्नई प्रिंटर्स एसोसिएशन

25. उपर्युक्त हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त प्रकटन विवरण पर टिप्पणियों पर इस जांच परिणाम में उस सीमा तक विचार किया गया है जिस सीमा तक उन्हें वर्तमान जांच के लिए संगत माना गया है ।

26. जहां किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच के दौरान आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया है या जांच में अत्यधिक बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर यह जांच परिणाम दर्ज किया है ।

27.\*\*\* यह चिन्ह इस अंतिम जांच परिणाम में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमों के अंतर्गत उसे गुण-दोष के आधार पर गोपनीय ही माना है ।

#### ख. विचाराधीन उत्पाद (पी यू सी) तथा समान वस्तु

28. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेटें (जिन्हें आगे "डिजिटल प्लेट" या संबद्ध वस्तु कहा गया है) हैं । डिजिटल प्लेटों का उपयोग कागज पर या गैर- अवशोषी टिन शीटों या पॉली फिल्मों आदि जैसे पदार्थों पर छवि (डॉट पैटर्नस या टैक्स्ट) छवि के रूप में आंकड़े अंतरित करने हेतु मुद्रण उद्योग में किया जाता है । डिजिटल प्लेटों का उपयोग करते हुए मुद्रण प्रक्रिया में डिजिटल कार्य की गति से समनुरूपी कार्य की गति जिसमें छवि के अंतरण हेतु किसी मध्यवर्ती फिल्म की जरूरत होती है, के विपरीत लेजरों का उपयोग करते हुए "कंप्यूटर से प्लेट" (सी टी पी) से छवि के प्रत्यक्ष अंतरण होता है । डिजिटल प्लेटें अत्यंत शुद्ध लिथो-ग्रेड के एल्युमिनियम क्वॉयलों से किया जाता है जिस पर रासायनिक कोटिंग होती है । डिजिटल प्लेटें या तो पॉजिटिव (नॉन एक्सपोज एरिया फॉर्मर्स इमेज) या नेगेटिव (एक्सपोज एरिया फॉर्मर्स इमेज) वर्किंग प्लेटें हो सकती हैं । "सेंसीटाइजर" के रूप में भी ज्ञात कोटिंग संघटक प्लेटों के अलग-अलग आकारों के अनुसार अलग-अलग होते हैं ।

29. जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में डिजिटल प्लेटें उनके अनुप्रयोग के आधार पर 3 श्रेणियों अर्थात् थर्मल, वायलेट और सी टी सी पी ("कंप्यूटर-टू-कन्वेंशनल प्लेट") में वर्गीकृत की गई थीं। जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में यह उल्लेख किया गया था कि जिन डिजिटल प्लेटों को इन्फ्रारेड एनर्जी के प्रयोग से प्रदर्शित किया जाता है, उन्हें थर्मल प्लेटें कहा जाता है जबकि डिजिटल प्लेटें, जिनका प्रदर्शन दृश्य एवं दृष्टव्य कम ऊर्जा (वायलेट लेजर) के उपयोग से होता है वे वायलेट प्लेटें कहलाती हैं । यह भी उल्लेख किया गया था कि सी टी सी पी प्लेटों ("कंप्यूटर-टू-कन्वेंशनल प्लेट") के रूप में ज्ञात डिजिटल प्लेटों के कुछ प्रकार ऐसे होते हैं जिनमें कंप्यूटर से प्लेटों में छवि के प्रदर्शन एवं सीधे अंतरण हेतु पराबैंगनी किरणों का उपयोग होता है । समस्त आयामों की डिजिटल प्लेटों के सभी प्रकार विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में शामिल हैं ।

निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

30. मै. लकी हुआगुआंग ग्राफिक्स कंपनी लि. (लकी) (चीन में उत्पादक एवं निर्यातक) ने यह दावा किया है कि सी टी पी टी प्लेटें डिजिटल प्रिंटिंग प्लेटें नहीं हैं। और इन्हें विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए।

31. अन्य आयातकों तथा प्रयोक्ता एसोसिएशन ने यह दावा किया है कि सी टी पी टी प्लेटें पारंपरिक मुद्रण प्लेटें हैं जिन पर पहले से पाटनरोधी शुल्क लागू है।

32. इसी प्रकार फ्यूजी फिल्म कार्पो., जापान, फ्यूजी फिल्म प्रिंटिंग प्लेट्स (चीन) कंपनी लि., ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ मास्टर प्रिन्टर्स (ए आई एफ एम टी) सहित विभिन्न प्रयोक्ताओं और आयातकों ने भी डिजिटल प्लेटों से सी टी सी पी से भेद करने का प्रयास किया है और इन्हें विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखने का अनुरोध किया है। इसके अलावा, फ्यूजी ने यह भी बताया है कि उनकी वी पी प्लेटें पारंपरिक प्लेटें हैं न कि डिजिटल प्लेटें। उसने यह भी अनुरोध किया है कि "सी टी सी पी" कंप्यूटर से पारंपरिक प्लेटों के लिए होती हैं और सी टी सी पी प्रणाली के विकास का उद्देश्य सी टी पी प्रणाली/प्लेटों की तुलना में सामग्री की कम लागत प्राप्त करने हेतु पारंपरिक प्लेटें उपलब्ध कराना है। यह अनुरोध किया गया है कि सी टी सी पी की प्राप्ति लेजर की उचित लागत (कम लागत) में वृद्धि के कारण नहीं हो सकती न कि स्वयं प्लेट में सुधार/विकास के कारण। अतः कई ग्राहक सी टी सी पी प्लेटों के लिए सामान्य पारंपरिक प्लेटों का उपयोग करते हैं। तथापि, फ्यूजी फिल्म ने पारंपरिक प्लेटों की तर्ज पर सी टी सी पी के लिए अनन्य प्लेटें तैयार की हैं न कि केवल मैट सामग्री के आधार पर जिसका आम तौर पर उपयोग पारंपरिक प्लेटों में किया जाता है। इस अनन्य सी टी सी पी प्रकार की प्लेट को फ्यूजी फिल्म प्लेटों की श्रृंखला में वी पी सी-एच के नाम से जाना जाता है जिसे चीन के बाजार में उतारा जाता है परंतु इसका भारतीय बाजार में कभी आयात नहीं हुआ है। फ्यूजी फिल्म चीन की फैक्ट्रियों से समस्त पारंपरिक प्लेटें पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के योग्य हैं भले ही ग्राहकों की ओर से उनका उपयोग किसी भी रूप में किया जाए।

33. आगे यह अनुरोध किया गया है कि सी टी सी पी समर्पित प्लेटें कम संवेदनशीलता के कारण सी टी पी सैटर से प्रदर्शित नहीं की जा सकती। इसके अलावा, इसका उपयोग कोई मैट सामग्री न होने के कारण प्रदर्शन की दृष्टि से पारंपरिक प्लेट के साथ नहीं किया जा सकता। मैट सामग्री के बिना फिल्म और प्लेटों (फिल्म में छवि प्लेटों में प्रदर्शित होनी चाहिए) के बीच अंतर है और इस अंतर से अनावश्यक वायु आ जाती है जिससे प्रदर्शन में कमी आ जाती है। विलोमतः सी टी पी प्लेटें सी टी सी पी सैटर में प्रदर्शित नहीं की जा सकती। थर्मल प्लेटें सी टी सी पी सैटर द्वारा 405 एन एम तरंग की लंबाई की लेजर के प्रति अभिक्रिया नहीं कर सकती। वायलेट प्लेटें 405 एन एम तरंग की लंबाई की लेजर पर प्रदर्शित करने के लिए होती हैं परंतु सी टी सी पी प्लेटों की तुलना में अधिक संवेदनशील होने के कारण सी टी सी पी सैटल पर प्रदर्शित करते समय इनका प्रदर्शन अधिक होता है। मै. फ्यूजी ने यह अभ्यावेदन दिया है कि चीन से उनकी वी पी एस-ए और वी पी प्लेटें पारंपरिक प्लेटों के साथ वर्गीकृत की जानी चाहिए जो भारत में वर्तमान पाटनरोधी शुल्क के अधीन हैं और इन्हें इस समय जांच के दायरे से अलग रखा जाना चाहिए।

34. सार्वजनिक सुनवाई के बाद विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा लिखित अनुरोध और उत्तर दायर किए गए हैं जिनमें उन्होंने अपने विचारों को दोहराया है। यह मामला निर्यातक के मौके पर सत्यापन के दौरान निर्यातकों ने पुनः उठाया था जिसमें उन्होंने विचाराधीन उत्पाद के बारे में स्पष्ट किए थे और सी टी सी पी प्लेटों और वी पी प्लेटों के बारे में अपने दावे प्रस्तुत किए थे। मै. लकी ने इस तथ्य के बारे में अपने अनुरोधों को दोहराया कि सी टी सी पी प्लेटें डिजिटल प्लेटों से भिन्न हैं और इन्हें वी पी एस प्लेटों के समान वर्गीकृत किया जाना चाहिए। कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी अनुरोध किया था कि समान और सी टी सी पी प्लेटों का उपयोग अदल-

बदल कर किया जा सकता है और समान तथा सी टी सी पी प्लेटों की लागत में कोई अंतर नहीं है। इसके अलावा, यह भी अनुरोध किया गया था कि सी टी सी पी प्लेटों की बिक्री कीमत समान प्लेटों की बिक्री कीमत से अत्यधिक मिलती-जुलती है और दोनों एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इन बातों को ध्यान में रखते हुए कुछ हितबद्ध पक्षकार सी टी सी पी प्लेटों को डिजिटल प्लेटों से अलग रखना चाहते थे। एक अन्य उत्पादक तथा निर्यातक मै. टोरे इंड इंक, जापान ने जांच के दौरान भाग लेते हुए यह अनुरोध किया कि उनका उत्पाद सी टी पी जलरहित प्लेटें विचाराधीन उत्पाद से भिन्न हैं क्योंकि इसकी विनिर्माण प्रक्रिया अलग है और इसमें कोटिंग की तीन परतें होती हैं और उनके उत्पाद को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखा जाना चाहिए। पक्षकार ने यह अनुरोध किया है कि सी टी पी जल रहित प्लेटें समान वस्तु नहीं हैं क्योंकि सी टी पी जल रहित प्लेटें न तो डिजिटल प्लेटों के समनुरूप हैं और न ही उनमें उससे मिलती-जुलती विशेषताएं हैं और उन्हें जांच के दायरे से अलग रखा जाना चाहिए। यह भी अनुरोध किया गया था कि सी टी पी जल रहित प्लेटों का उपयोग जल रहित मुद्रण प्रौद्योगिकी हेतु किया जाता है। जल रहित मुद्रण एक आफसेट लिथोग्राफिक मुद्रण प्रक्रिया है जिसमें जल का स्राव होता है अथवा पारंपरिक मुद्रण में एकत्रीकरण की प्रक्रिया अपनाई जाती है। इसमें सिलिकॉन रबड़ कोटेड मुद्रण प्लेटों और खासकर तैयार की गई स्याही का प्रयोग किया जाता है और जल रहित प्रक्रिया में तापमान नियंत्रणकारी प्रणाली का एकीकरण किया जाता है। पारंपरिक जल रहित मुद्रण में जल संग्रहण जिसमें एच सोल्यूशन तथा आईसोप्रोपाइल (आई पी ए) जैसे खतरनाक पदार्थ होते हैं, का प्रयोग मुद्रण प्रक्रिया में किया जाता है। यह भी अनुरोध किया गया था कि जल रहित मुद्रण हेतु एक विशेष रूप से तैयार की गई मुद्रण प्रैस की जरूरत होती है। भारत के ग्राहक "जीनियस" नामक मुद्रण प्रैस का प्रयोग कर रहे हैं जिसे विशेष रूप से सी टी पी जल रहित प्लेटों के लिए तैयार किया जाता है।

35. प्रकटन विवरण के बाद आयातकों, प्रयोक्ताओं और निर्यातकों का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने जांच की कार्यवाई के दौरान उनके द्वारा पूर्व में व्यक्त किए गए विचारों को दोहराया है और उन्होंने प्राधिकारी को सी टी सी पी प्लेट को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखने का अनुरोध किया है।

### घरेलू उद्योग के विचार

घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार हैं:

36. सी टी सी पी प्लेटों और डिजिटल प्लेटों में उन्हें शामिल किए जाने के मुद्दे के बारे में यह अनुरोध किया गया है कि जब प्रिंटर समनुरूपी प्रिंटिंग से आगे चलते हुए डिजिटल प्रिंटिंग पर आते हैं तो उन्हें डिजिटल प्लेटों का उपयोग करना होता है। चूंकि डिजिटल प्लेटें समनुरूपी प्लेटों से महंगी हैं इसलिए कम महंगे विकल्प की जरूरत होती है। इस प्रयोजनार्थ समनुरूपी प्लेटों में कुछ वृद्धियां और संशोधन करते हुए "कंप्यूटर टू कन्वेंशनल प्लेट" (सी टी सी पी) तैयार की गई थी। चूंकि समनुरूपी प्लेटों में यू वी संवेदनशील किरणें उपयोग हो रही थीं इसलिए सी टी सी पी का विकास भी यू वी संवेदनशील किरणों के उपयोग द्वारा प्लेट सैटिंग हेतु किया गया था। इस वजह से उन्हें भी "यू वी-सी टी पी" कहा जाता है।

37. डिजिटल प्लेटों से इनकी भिन्नता के बारे में यह अनुरोध किया गया है कि समनुरूपी प्लेटें "इलेक्ट्रोस्टैटिक वैक्यू असिस्ट (ई वी ए)" अथवा "मैट सर्फेस" से कोटेड होती हैं ताकि प्लेट और फिल्म के बीच परिपूर्ण संपर्क बनाया जा सके। सी टी सी पी के मामले में ऐसी किसी कोटिंग या मैट सर्फेस की जरूरत नहीं होती है जिससे इसकी विनिर्माण प्रक्रिया समनुरूपी प्लेटों से अलग हो जाती है। इसके अलावा, समनुरूपी प्लेट का उपयोग करते समय शारीरिक कार्य भी किया जाता है जिसमें एक कार्य प्लेट तैयार करने हेतु "प्रिंटिंग डाउन फ्रेम" के उपयोग का होता है। सी टी सी पी/यू वी-सी टी पी के मामले में "प्रिंटिंग डाउन फ्रेम" का उपयोग कतई अपेक्षित नहीं होता है।

38. यह भी अनुरोध किया गया है कि सी टी पी प्रौद्योगिकी का एक उपसैट सी टी सी पी है। उद्योग आम तौर पर सी टी सी पी को केवल डिजिटल प्लेट मानता है न कि समनुरूपी प्लेट। इस संबंध में निम्नलिखित को नोट किया जा सकता है : चीन में एल एंड वाई प्रिंटिंग मैटीरियल मैन्युफैक्चरल की वेबसाइट में निम्नानुसार उल्लेख किया गया है

"सी टी सी पी प्लेट कंप्यूटर से पारंपरिक प्लेट हेतु एक संक्षिप्त रूप है। यह सी टी पी प्रौद्योगिकी का एक रूप है।"

39. जियांगशू युनयान प्रिंटिंग प्लेट कंपनी लि., चीन की वेबसाइट में सी टी सी पी प्लेट शीर्ष के अंतर्गत उन्होंने इसे "यू वी-सी टी पी" दर्शाया है। उल्लिखित उपयोग "डिजिटल प्रिंटिंग" है।

40. इसके अलावा, लकी हुआगुआंग ग्राफिक्स कं. लि. की वेबसाइट में सी टी सी पी प्लेट हेतु उत्पाद विवरण में यह बताया गया है कि यह यू वी-सी टी पी प्लेट मेकिंग हेतु एक पॉजिटिव ऑफसेट प्लेट है। उन्होंने सी टी सी पी प्लेट को 12 सी टी पी प्लेटों में समूहबद्ध भी किया है।

41. एक प्लेट विनिर्माता-कोन ने उन सभी सी टी सी पी प्लेटों को सूचीबद्ध किया है जो उनकी कोन सी टी सी प्लेट सैटल मशीन के अनुकूल हैं। फ्यूजी की "वी पी" मॉडल प्लेटों का उल्लेख सी टी सी पी प्लेटों में से एक के रूप में किया गया है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि फ्यूजी की वी पी प्लेटें समनुरूपी प्लेटें नहीं हैं। अपितु सी टी सी पी डिजिटल प्लेटें हैं।

42. यह स्मरणीय है कि बुल्गारिया, चीन जन.गण. मलेशिया, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया से पी एस प्लेटों के आयात के बारे में 23 अगस्त 2007 के अंतिम जांच परिणाम के पैरा 5 में 3 प्रकार की डिजिटल प्लेटों का स्पष्ट उल्लेख किया गया था अर्थात् "डिजिटल प्लेटें(थर्मल या वायलेट या यू वी संवेदनशील)"। थर्मल प्लेटों में इन्फ्रारेड लेजरों का उपयोग होता है और वायलेट प्लेटों में वॉयलेट लेजरों का उपयोग होता है। यू वी संवेदनशील डिजिटल प्लेट सी टी सी पी या यू वी-सी टी पी प्लेटों के अलावा कुछ नहीं है जिनमें अल्ट्रावायलेट किरणों का उपयोग होता है। अंतिम जांच परिणाम के पैरा 6 में प्राधिकारी ने यह माना है कि विचाराधीन उत्पाद में डिजिटल प्लेटें शामिल नहीं हैं। अंतिम जांच परिणाम के पैरा-5 और 6 दोनों के पाठन से यह निर्विवाद निष्कर्ष निकलता है कि सी टी सी पी/यू वी-सी टी पी पूर्ववर्ती जांच के क्षेत्र से विशेष तौर पर बाहर हैं। इस तर्क में कोई दम नहीं है कि सी टी सी पी को "पी एस प्लेट" से संबंधित पूर्ववर्ती जांच में शामिल किया जा चुका है।

43. घरेलू उद्योग ने प्रारंभिक जांच परिणाम के बाद विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के बारे में पूर्व में किए गए अनुरोध को दोहराया है। उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि सी टी पी जल रहित प्लेटें वस्तुतः डिजिटल ऑफसेट मुद्रण प्लेटें हैं क्योंकि इनमें फिल्म का प्रयोग अपेक्षित नहीं

होता है। आयात के समय इन प्लेटों का उल्लेख भी डिजिटल प्लेटों के समान किया जाता है। अतः इस बात की संभावना है कि पाटनरोधी शुल्क का अपवर्जन किया जा सकता है और वर्तमान जांचाधीन डिजिटल प्लेटों का आयात सी टी पी जल रहित प्लेटों के नाम और विवरण से किया जा सकता है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है और पाटनरोधी शुल्क के निवारक प्रभावों को नकारा जा सकता है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग रसायन मुक्त प्लेटों का विनिर्माण कर सकता है जो "जल रहित प्लेटों" के समनुरूप होती हैं और जो डिजिटल प्लेटों के रूप में वर्गीकृत हैं।

44. प्रकटन विवरण के बाद घरेलू उद्योग ने जांच के दौरान उसके द्वारा पूर्व में व्यक्त किए गए विचारों को दोहराया है और यह बताया है कि सी टी सी पी प्लेटें डिजिटल प्लेटें हैं। और इन प्लेटों को पी यू सी में शामिल किया गया है। जहां तक फ्यूजी द्वारा उत्पादित और विक्रीत वी पी प्लेटों के अपवर्जन का संबंध है, घरेलू उद्योग ने यह कहते हुए पी यू सी के दायरे से इन प्लेटों को बाहर रखने के अपने विरोध को दोहराया है कि इन्हें डिजिटल प्लेटों में शामिल किया जाना चाहिए।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

45. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों को नोट किया है। जहां तक विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से संबंधित प्रमुख मुद्दे पर निर्णय लिए जाने का प्रश्न है, वह यह है कि क्या सी टी सी पी प्लेटें डिजिटल प्लेटों के रूप में पात्र होंगी और क्या इन्हें विचाराधीन उत्पाद में शामिल किया जाएगा।

46. यह नोट किया जाता है कि प्रकटन विवरण के बाद विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने विचाराधीन उत्पादों के संबंध में अपनी टिप्पणियों को दोहराया है। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के टिप्पणियों की जांच की है।

47. यह नोट किया जाता है कि ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेटें दो व्यापक श्रेणियों अर्थात् समनुरूपी प्लेटों और डिजिटल प्लेटों में वर्गीकृत हैं। समनुरूपी प्लेटों के मामले में छवि एक कंप्यूटर से ग्राफिक आर्ट फिल्म के जरिए प्लेट में अंतरित की जाती है। डिजिटल प्लेटों के मामले में मुद्रित सामग्री प्लेट सैटर का उपयोग करते हुए कंप्यूटर प्रणाली से सीधे प्लेटों में अंतरित की जाती है।

48. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों की जांच के दौरान प्राधिकारी ने निम्नलिखित तथ्य नोट किए थे:

(क) यह नोट किया गया था कि समनुरूपी प्लेटों में मेटल हैलायट लैम्पों का उपयोग होता है जबकि सी टी सी पी प्लेटों सहित डिजिटल प्लेटों में छवि तैयार करने हेतु विभिन्न लेजर बीमों का उपयोग होता है। सी टी सी पी प्लेटों सहित डिजिटल प्लेटों के लिए इमेजिंग टाइम समनुरूपी प्लेटों के लिए अपेक्षित समय से काफी कम है।

(ख) संयंत्र की प्रयोगशाला के सत्यापन दौर के समय प्रयोक्ता के छोर पर प्लेट विकास प्रक्रिया को भी नोट किया गया था। यह नोट किया गया था कि सी टी सी पी/यू वी-सी टी पी का उपयोग अल्ट्रा वायलेट प्लेट सैटल में उपयोग किया गया है, थर्मल प्लेटों का उपयोग इन्फ्रारेड प्लेट सैटअप और वॉयलैट प्लेटों का उपयोग वॉयलैट प्लेट सैटअप में किया गया है। यह भी नोट किया गया था कि समनुरूपी प्लेटों के मामले में छवि को सर्वप्रथम कंप्यूटर से ग्राफिक आर्ट फिल्म को और द्वितीयतः छवि का ग्राफिक आर्ट फिल्म से प्लेट में अंतरण किया गया है। यह भी नोट



किया गया था कि विकास प्रक्रिया में प्लेट से यू वी लाइट में प्रदर्शन करते समय "प्रिंटिंग डाउन फ्रेम" का उपयोग करते हुए फिल्म और प्लेट के बीच पूर्ण संपर्क सुनिश्चित करने सहित कई मानवीय कार्य शामिल हैं। यह नोट किया गया था कि ये मानवीय कार्य यू वी प्लेट सैटर का उपयोग करते हुए सी टी सी पी या यू वी-सी टी पी तैयार करते समय अपेक्षित नहीं होते हैं।

(ग) यह नोट किया गया था कि समनुरूपी प्लेटें इलेक्ट्रो-स्टैटिक वैक्यूम असिस्ट (ई वी ए) या मेट सर्फस से कोटेड होती हैं। सी टी सी पी के मामले में ऐसे किसी ई वी ए कोटिंग या मेट सर्फस की जरूरत नहीं होती है। सी टी सी पी पर ई वी ए कोटिंग के अभाव में यदि इसका उपयोग समनुरूपी विकास प्रक्रिया में किया जाता है तो समनुरूपी प्लेट के उपयोग की तुलना में छवि अंतरण की गुणवत्ता खराब होगी। इसी वजह से यदि समनुरूपी प्लेट का उपयोग डिजिटल प्लेट सैट अप में किया जाता है तो छवि की गुणवत्ता खराब होगी क्योंकि ई वी ए कोटिंग छवि सतह से रगड़ खाएगी। इसके अलावा, यदि समनुरूपी प्लेट का उपयोग यू वी लाइट के उपयोग से डिजिटल प्लेट सैटर में किया जाता है तो लैजर की खपत अधिक होगी और लैजर हैड शीघ्र समाप्त हो जाएगा।

(घ) जांच के दौरान एल एंड वाई प्रिंटिंग मैटीरियल मैनु., चीन, जियांगशू युनयान प्रिंटिंग प्लेट कंपनी लि., चीन तथा लकी हुआगुआंग ग्राफिक्स कंपनी लि. की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना से यह नोट किया गया था कि चीन के विनिर्माता स्वयं सी टी सी पी प्लेटों को यू वी सी टी पी प्लेट मानते हैं। वस्तुतः सी टी सी पी प्लेटों की जांच से यह पता चला कि यह यू वी सी टी पी प्लेटों का एक प्रकार है और विभिन्न विनिर्माता इसे तदनुसार श्रेणीबद्ध करते हैं।

(ङ) जांच के दौरान कुछ हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों के उत्तर में प्राधिकारी द्वारा 23 अगस्त, 2007 के पूर्ववर्ती जांच परिणाम का भी अवलोकन किया गया था। बुल्गारिया, चीन जन.गण., मलेशिया, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया से पी एस प्लेटों के आयातों से संबंधित उक्त अंतिम जांच परिणाम के पैरा 5 और 6 से यह देखा गया है कि डिजिटल प्लेटों (थर्मल, वायलेट या यू वी संवेदनशील) को उक्त जांच में विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखा गया था। अतः यह नोट किया जाता है कि यह मानना सही नहीं है कि पूर्ववर्ती जांच के दायरे में यू वी-सी टी पी को शामिल किया गया था।

इसके अलावा, मै. फ्यूजी फिल्म, चीन द्वारा उत्पादित और भारत को निर्यातित वी पी प्लेटों के मुद्दे और इन तर्कों कि ये पारंपरिक प्लेटें हैं न कि डिजिटल प्लेटें, उनके अनुरोधों की जांच करने के बाद और तत्पश्चात् उत्पादक तथा निर्यातक के संयंत्र के किए गए सत्यापन दौरे के उपरान्त यह नोट किया जाता है कि वी पी प्लेटों की वस्तुतः बिक्री भारत हेतु आयातक को विपणित उनके बीजकों में की गई थी। इसके अलावा उनके अनुरोधों से यह भी नोट किया गया था और संयंत्र के दौरे के दौरान यह नोट किया गया था कि वी पी प्लेटों में इलेक्ट्रोवैक्यूम असिस्ट तथा मेट सर्फेस होता है। यह भी सूचित किया गया था कि इन प्लेटों का उपयोग लेजर प्रौद्योगिकी के साथ नहीं होता है। उनके द्वारा विनिर्मित वी पी प्लेटों और डिजिटल प्लेटों के वास्तविक सत्यापन/जांच से यह संकेत मिला कि इन दोनों प्लेटों की सतह अलग-अलग है और डिजिटल प्लेटों में वी पी प्लेटों की तुलना में अधिक चिकनी सतह होती है। इसके अलावा, सत्यापन के दौरान यह दर्शाया गया था कि वी पी और वी पी एस ए सी टी सी पी के विपरीत लेजर से प्री सेंसीटाइज्ड नहीं होती हैं।

(च) उपर्युक्त जांच के आधार पर यह माना जाता है कि सी टी सी पी प्लेटें वस्तुतः डिजिटल प्लेटें हैं और ये वर्तमान जांच के विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आती हैं। इसके अलावा, वी पी और वी पी एस ए प्लेटों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखने के बारे में एक निर्यातक द्वारा किए गए अनुरोध के संबंध में प्राधिकारी यह मानते हैं कि फ्यूजी की "वी पी प्लेटें" और "वी पी एस ए प्लेटें" सी टी सी पी प्लेटें नहीं हैं और इसलिए इन्हें विचाराधीन उत्पाद में शामिल नहीं किया जाता है। इस संबंध में प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के दायरे में "वी पी प्लेटों" को शामिल करने के संबंध में घरेलू उद्योगों के विचारों से सहमत नहीं हैं। डिजिटल प्लेटें हैं न कि समनुरूपी प्लेटें।

(छ) जहां तक कुछ हितबद्ध पक्षकारों के इस अनुरोध का संबंध है कि सी टी सी पी प्लेटों की बिक्री कीमत समनुरूप प्लेटों की बिक्री कीमत से मिलती-जुलती है और दोनों एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही हैं, यह नोट किया जाता है कि दोनों उत्पादों को समान वस्तुओं या एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करने वाली वस्तुएं मात्र इस वजह से नहीं कहा जा सकता कि दोनों उत्पादों की कीमतें समान रेंज में आती हैं। आगे यह नोट किया जाता है कि दोनों उत्पाद एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं क्योंकि उनका उपयोग अलग-अलग मुद्रण प्रक्रियाओं में किया जाता है। पूर्व में किए गए उल्लेखानुसार, तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से ये प्रतिस्थापनीय नहीं हैं। अतः यह प्रासंगिक नहीं है कि क्या कीमतें समान रेंज में हैं या उनमें काफी अंतर है।

(ज) सी टी पी जल रहित प्लेटों के अपवर्जन के मुद्दे के बारे में यह नोट किया जाता है कि मै. टोरे ने घरेलू बाजार में अपने उत्पादों की अपनी निर्यात कीमत तथा भारत को निर्यात हेतु जांच अवधि के दौरान निर्यात कीमत सूची के बारे में अत्यंत सीमित अनुरोध दायर किए हैं जैसा कि सत्यापन रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है, उत्पाद प्रक्रिया को छोड़कर लागत एवं कीमत (घरेलू और भारत को हुए निर्यात) के संबंध में उनके मूल रिकॉर्डों से कोई खास सूचना उपलब्ध नहीं हुई है। सत्यापन दौरे के दौरान यह नोट किया गया था कि सी टी पी जल रहित प्लेटों के लिए छवि के अंतरण हेतु मध्यवर्ती के रूप में फिल्म की जरूरत नहीं होती है। प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद से सी टी पी जल रहित प्लेटों के अपवर्जन के मुद्दे की जांच की थी और यह नोट किया था कि प्रौद्योगिकी में कुछ अंतरों, कुछ कच्ची सामग्री में अंतरों और विशेष रूप से तैयार की गई प्रक्रिया में अंतरों के कारण सी टी पी जल रहित प्लेटें गैर-डिजिटल प्लेटें नहीं बन जाती हैं। आगे यह नोट किया जाता है कि वस्तुतः ये दोनों डिजिटल प्लेटें हैं और अंतर यह है कि जल रहित प्लेटों का निर्माण ऐसी कुछ मध्यवर्ती प्रक्रिया को शामिल करके किया जाता है जो डिजिटल प्लेटों की विनिर्माण प्रक्रिया से भिन्न है। वस्तुतः यह नोट किया गया था कि सी टी पी जल रहित प्लेटों की कीमत जापान से भारत को निर्यातित डिजिटल प्लेटों की कीमत से अधिक रखी गई है (मै. टोरे द्वारा सत्यापन दौरे के दौरान और उसके बाद प्रस्तुत कुछ बीजकों के अनुसार)।

49. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों की जांच करने के बाद विचाराधीन उत्पाद को निम्नानुसार परिभाषित किया जाता है :

वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेटें हैं। डिजिटल प्लेटों का उपयोग कागज पर या गैर-अवशोषी टिन शीटों या पॉली फिल्मों आदि जैसे पदार्थों पर छवि (डॉट पैटर्नस या टैक्स्ट) के रूप में आंकड़े अंतरित करने हेतु मुद्रण उद्योग में किया जाता है। डिजिटल

प्लेटों का उपयोग करते हुए मुद्रण प्रक्रिया में डिजिटल कार्य की गति से समनुरूपी कार्य की गति जिसमें छवि के अंतरण हेतु किसी मध्यवर्ती फिल्म की जरूरत होती है, के विपरीत लेजरों का उपयोग करते हुए "कंप्यूटर से प्लेट" (सी टी पी) से छवि के प्रत्यक्ष अंतरण होता है।

डिजिटल प्लेटों का निर्माण उच्च शुद्धता वाले लिथो-ग्रेड के एल्युमिनियम क्वॉयलों से किया जाता है जिस पर रासायनिक कोटिंग होती है। डिजिटल प्लेटें या तो पॉजिटिव (नॉन एक्सपोज एरिया फॉर्मर्स इमेज) या नेगेटिव (एक्सपोज एरिया फॉर्मर्स इमेज) वर्किंग प्लेटें हो सकती हैं। "सेंसीटाइजर" के रूप में भी ज्ञात कोटिंग संघटक प्लेटों के अलग-अलग आकारों के अनुसार अलग-अलग होते हैं।

(क) डिजिटल प्लेटें मोटे तौर पर उनके अनुप्रयोग के आधार पर 3 श्रेणियों अर्थात् थर्मल, वायलेट और सी टी सी पी/यू बी-सी टी पी ("कंप्यूटर-टू-कन्वेंशनल प्लेट") में वर्गीकृत की जा सकती हैं। जो डिजिटल प्लेटें इन्फ्रारेड एनर्जी के प्रयोग से प्रदर्शित की जाती हैं उन्हें थर्मल प्लेटें कहा जाता है। जो डिजिटल प्लेटें दृश्य या समीपी प्रकाश ऊर्जा (वायलेट लेजर) के प्रयोग से प्रदर्शित की जाती हैं उन्हें वायलेट प्लेटें कहा जाता है। जैसा कि पूर्व में उल्लेख किया गया है मैं एफ एफ पी एस और मैं एफ एफ पी बी द्वारा विनिर्मित "वी पी प्लेटें" और "वी पी एस ए प्लेटें" सी टी सी पी प्लेटें नहीं हैं और इसलिए इन्हें विचाराधीन उत्पाद में शामिल नहीं किया गया है।

समस्त आयामों की डिजिटल प्लेटों के सभी प्रकार विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में शामिल हैं।

50. संबद्ध वस्तु सीमाशुल्क टैरिफ की टैरिफ मद 8442.5020 के अंतर्गत आती है। तथापि, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191 तथा 7606.9290 जैसे अन्य शीर्षों के अंतर्गत भी संबद्ध वस्तु का आयात किया गया है। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

### समान वस्तु

51- पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (घ) में समान वस्तु निम्नानुसार परिभाषित है :

"समान वस्तु" का अर्थ एक ऐसी वस्तु है जो भारत में पाटन के लिए जांच के अधीन वस्तु के समान हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य ऐसी वस्तु जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हो;

52. आवेदक ने दावा किया है कि भारत में पाटित की जा रही संबद्ध वस्तु घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद की समान वस्तु है। आवेदक ने दावा किया है कि आवेदक के उत्पाद और संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तु के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है और ये भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के रूप में तुलनीय हैं एवं आवेदक द्वारा उत्पादित तथा

संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई खास अंतर नहीं है और ये दोनों वाणिज्यिक एवं तकनीकी रूप से प्रतिस्थापनीय हैं ।

53. प्राधिकारी ने मामले की जांच की है और यह नोट किया है कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है । भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के रूप में तुलनीय हैं । ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं । उपरोक्ता दोनों का अदल-बदल कर उपयोग कर रहे हैं । किसी हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में कोई आपत्ति नहीं की है । उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को पाटनरोधी नियमावली के अनुसार संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु माना जा रहा है ।

#### ग. घरेलू उद्योग का क्षेत्र और आधार

54. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में घरेलू उद्योग निम्नानुसार परिभाषित है:

*"घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा ।*

55. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की ओर से यह आवेदन मै. टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम्स (प्रा.) लि., मुंबई (जिसे आगे आवेदक कहा गया है) द्वारा दायर किया गया है । आवेदक का उत्पादन समान वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है और यह कुल भारतीय उत्पादन के 50 प्रतिशत से अधिक है (कुल घरेलू उत्पादन का 100 प्रतिशत) । किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने आवेदक के आधार और घरेलू उद्योग की स्थिति के बारे में कोई मुद्दा नहीं उठाया है । उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए और जांच के बाद यह माना गया है कि आवेदक पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) और नियम 5 (3) की अपेक्षाओं को पूरा करता है ।

#### निर्यातकों और प्रयोक्ता उद्योग द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दे

56. उचित तुलना, निष्ठा बिक्री प्राप्ति तथा क्षति रहित कीमत में शामिल रसायनों की लागत जबकि संबद्ध वस्तु की आयात कीमत में रसायन की कीमत शामिल नहीं है, के मुद्दे पर निर्यातकों, आयातकों और प्रयोक्ता उद्योग द्वारा निम्नलिखित कुछ मुद्दे उठाए गए हैं ।

- i. यह अनुरोध किया गया है कि मै. टेक्नोवा ने प्राधिकारी से इन महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाया है कि उसने डिजिटल प्लेट के साथ रसायनों की मुफ्त में आपूर्ति की है जबकि इनकी आपूर्ति आयातों के मामले में मुफ्त नहीं की गई है । आगे यह भी अनुरोध किया गया है कि चूंकि बिक्री कीमत में रसायनों की लागत शामिल होती है, इसलिए निर्दिष्ट

प्राधिकारी द्वारा अपनायी गई निवल बिक्री प्राप्ति को अधिक बताया गया है। एक बार इसमें सुधार होने के बाद कीमत कटौती आगे और नकारात्मक बन जाएगी।

- ii. आगे यह भी बताया गया है कि लाभ को रसायनों की लागत को उत्पाद की लागत में शामिल करके कम बताया गया है। क्षति रहित कीमत को आंकड़ों में शामिल रसायनों की लागत तक अधिक बताया गया है। यह निर्धारण किया गया है कि रसायनों की लागत प्लेट की लागत के लगभग 5-8% होगी। इन लागतों को समायोजित किए जाने के बाद जापान तथा कोडक फिल्म, चीन के मामले में क्षति मार्जिन हर हालत में नकारात्मक है और लकी तथा अन्य निर्यातकों के संबंध में क्षति मार्जिन उस सीमा तक कम होगा।

### बिक्री माध्यम

- iii. टेक्नोवा तथा विदेशी उत्पादकों द्वारा अपनाए गए बिक्री माध्यम अलग-अलग हैं। टेक्नोवा ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष संपूर्ण तथ्यों का प्रकटन नहीं किया है और उसने इस महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है कि विदेशी उत्पादक अंतिम उपभोक्ताओं को उत्पाद का निर्यात नहीं कर रहे हैं और यह कि उपभोक्ताओं को आयातित उत्पाद की बिक्री पर वसूल की गई पुनः बिक्री लागत काफी अधिक है। इसका आयातित तथा घरेलू उत्पाद के बीच कीमत अंतर पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है।
- iv. आयात सीमाशुल्क पत्तन के स्तर पर घरेलू उद्योग से प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहे हैं। केवल आयातित उत्पाद की बिक्री कीमत ही घरेलू उद्योग के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही है। अतः पत्तन पर आयात कीमत की कोई तुलना टेक्नोवा की बिक्री कीमत या उत्पादन लागत या क्षति रहित कीमत के साथ की जाएगी तो यह पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु अत्यंत अनुचित तुलना होगी।

### व्यापार का स्तर

- v. टेक्नोवा द्वारा बिक्री लागत वहन की जा रही है और यह भारत को निर्यात हेतु विदेशी उत्पादकों द्वारा वहन नहीं की जा रही है। विदेशी उत्पादकों के मामले में ऐसे बिक्री कार्यकलाप या तो भारत में उनके फ्यूजी या कोडक समकक्षों द्वारा भारतीय प्रचालनों के रूप में निष्पादित किए जा रहे हैं या फिर मैक्स फ्लैक्स एवं कपूर इमेजिंग जैसे पुनः विक्रेताओं द्वारा किए जा रहे हैं। अतः टेक्नोवा की लागत और बिक्री की ऐसी कोई तुलना जिसमें भारती पत्तन पर निर्यात कीमत के भीतर बिक्री लागत हेतु भारी राशि शामिल की जाती है, अत्यंत विकृतिकारी होगी।

### बिक्री पश्चात सेवाएं

- vi. विचाराधीन उत्पाद में पर्याप्त बिक्री पश्चात सेवाएं शामिल होती हैं। हालांकि टेक्नोवा आयात के मामले में ये बिक्री सेवाएं प्रदान कर रहा है तथापि, भारत में आयातित उत्पाद के पुनः विक्रेता बिक्री पश्चात ये सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। इस प्रकार टेक्नोवा की उत्पादन लागत, बिक्री कीमत या क्षति रहित कीमत की तुलना पत्तन पर आयात कीमत के साथ करने पर यह अत्यंत भ्रामक होगी जिससे उस स्थिति में अनुचित तुलना बन जाएगी जब बिक्री पश्चात सेवाओं को बिक्री कीमत या उत्पादन लागत या क्षति रहित कीमत में शामिल कर दिया जाएगा।

### जांच की शुरुआत क्षेत्राधिकार के बिना की गई है

- vii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(1) में यह अपेक्षित है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच शुरू की जाएगी। संबद्ध जांच सुश्री विजय लक्ष्मी जोशी द्वारा 13.6.2011 की अधिसूचना के तहत शुरू की गई है, विरोधी पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि संबद्ध अधिसूचना जारी होने की तारीख को निर्दिष्ट प्राधिकारी के रूप में सुश्री विजय लक्ष्मी जोशी द्वारा शक्ति का प्रयोग अवैध है क्योंकि सुश्री विजय लक्ष्मी जोशी के इस पर नियुक्ति का आदेश केवल 28.7.2011 को अधिसूचित हुआ था।

प्रकटन विवरण के उत्तर में निर्यातकों, आयातकों और प्रयोक्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई टिप्पणियां

57. प्रकटन विवरण के बाद निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं, एसोसिएशनों और घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने टिप्पणियां दी हैं। इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए अधिकांश मुद्दे प्राधिकारी के समक्ष उनके द्वारा पूर्व में किए गए अनुरोधों का दोहराव हैं।

58. निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं, एसोसिएशनों का प्रतिनिधित्व करने वाले हितबद्ध पक्षकारों ने बिक्री पश्चात सेवा, व्यापार के स्तर और व्यापार माध्यम के बारे में उनके द्वारा पूर्व में किए गए अनुरोधों में व्यक्त विचारों को दोहराया गया है और उन्होंने प्राधिकारी से इन मुद्दों का समाधान करने का अनुरोध किया है।

#### घरेलू उद्योग के अनुरोध

59 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा ऊपर उठाए गए मुद्दों पर घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार उत्तर प्रस्तुत किए हैं :-

(i) मै. लकी ने यह तर्क दिया है कि चूंकि घरेलू उद्योग "प्लेटों" की सीधी खरीद करता है और न कि एल्युमिनियम की। इसलिए एल्युमिनियम को शुरूआती कच्ची सामग्री मानने का कोई औचित्य नहीं है और माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु एल्युमिनियम प्लेटों की कीमत पर विचार करना चाहिए था। यह अनुरोध है कि हितबद्ध पक्षकार का उपयुक्त अनुरोध तथ्यतः गलत है और अनदेखी करने योग्य है। घरेलू उद्योग ने लिथो ग्रेड एल्युमिनियम क्वॉयल की खरीद की है जो एल्युमिनियम प्लेट रोल्ल्ड उत्पादों में शामिल होती है।

#### रसायनों की लागत

(ii) मै. लकी ग्रुप ने अनुरोध किया है कि आवेदक ने डिजिटल प्लेटों के साथ मुफ्त में रसायनों की आपूर्ति की है जबकि आयातकों के मामलों में इसकी आपूर्ति मुफ्त में नहीं की गई है। यह विवरण तथ्यतः गलत है कि कुछेक चुनिंदा ग्राहकों के बारे में डिजिटल प्लेटों के साथ आपूर्ति पूर्व प्रेस रसायनों की आपूर्ति सभी ग्राहकों को नहीं की जाती है। यह पद्धति केवल आवेदक

तक ही सीमित नहीं है, अन्य बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी खासकर अखबारों जैसे ग्राहकों को बिक्री किए जाने की स्थिति में मुफ्त पूर्व प्रेस रसायनों के साथ डिजिटल प्लेटों की आपूर्ति करती हैं।

(iii) पूर्व प्रेस रसायनों का क्षति मार्जिन या कम कीमत पर बिक्री और कीमत कटौती पर शून्य या अत्यंत नगण्य प्रभाव पड़ेगा। वस्तुतः इस राशि को एक अम.डा. सेंट में भी परिवर्तित नहीं किया जा सकेगा।

### बिक्री माध्यम

(iv) मै. फ्यूजी और मै. कोडक द्वारा अपनी संबंधित भारतीय संबद्ध कंपनियों को निर्यात किया जा रहा है जो भारत में उत्पाद की पुनः बिक्री करती हैं। मै. फ्यूजी, जापान द्वारा असंबद्ध ग्राहकों को सीधे और संबंधित कंपनी मै. फ्यूजी इंडिया के जरिए बिक्री की जा रही है।

(v) आवेदक द्वारा वस्तु की बिक्री भारतीय बाजार में कमी वितरकों और पुनः विक्रेताओं के जरिए की जाती है। वस्तुतः घरेलू उद्योग के पास 615 से अधिक पुनः विक्रेता (वितरकों, डीलरों और उप डीलरों सहित) हैं और उनकी बिक्री का लगभग 60% इन पुनः विक्रेताओं के जरिए बेचा जाता है।

(vi) घरेलू उद्योग द्वारा वितरकों और पुनः विक्रेताओं को डिलीवरी हेतु वस्तु तैयार रखने के लिए विभिन्न स्थानों पर अत्यधिक भंडारण और अन्य प्रभार व्यय किए जाते हैं। आवेदक वितरकों और पुनः विक्रेताओं को "कमीशन" का भुगतान भी करता है। क्षति रहित कीमत की गणना करने में माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने कमीशन और कारखाना स्तर के बाद किए गए संभार तंत्र एवं अन्य व्यय पर विचार नहीं किया है। क्षति रहित कीमत में ऐसे व्यय का कोई घटक शामिल नहीं है। यदि ऐसे व्यय को क्षति रहित कीमत में जोड़ दिया जाता है तो उस स्थिति में ही क्षति रहित कीमत की तुलना पुनः विक्रेताओं की पुनः बिक्री कीमत के साथ करने का प्रश्न उठेगा।

### व्यापार का स्तर

(vii) मै. कोडक और मै. फ्यूजी के संबंधित आयातकों द्वारा व्यय की गई समस्त लागत पर पाटन मार्जिन और न कि क्षति मार्जिन की गणना हेतु माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विचार किया जाएगा।

(viii) घरेलू उद्योग केवल लगभग 90 बिक्री करने वाले व्यक्तियों को नियोजित करता है। इस बात को नोट करना हर हालत में संगत है कि कारखाना स्तर के बाद घरेलू उद्योग द्वारा व्यय की गई लागत अर्थात् कमीशन तथा छूट, भाड़ा अग्रेषण व्यय, अन्य बिक्री एवं वितरण व्यय की अनुमति क्षति रहित कीमत की गणना करते समय माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रदान नहीं की है।

### बिक्री पश्चात सेवाएं

(ix) मै लकी ने मात्र यह उल्लेख किया है कि विचाराधीन उत्पाद में पर्याप्त बिक्री पश्चात सेवाएं शामिल होती हैं जबकि उसने इतनी व्यापक बिक्री पश्चात सेवाओं का कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है ।

(x) भारत में निर्यातकों की संबद्ध कंपनियों और अन्य आयातकों द्वारा आयातित संबद्ध वस्तु की बिक्री उसी रूप में की गई है जिस रूप में उसका आयात किया गया है । अंतिम उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तु की बिक्री हेतु इन आयातकों/पुनः विक्रेताओं ने कोई अतिरिक्त कार्य नहीं किया है ।

(xi) यदि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी उपर्युक्त लागत पर विचार करना चाहते हैं तो हमारा अनुरोध है कि समस्त व्यय को शामिल किया जाए जिनकी अनुमति घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत की गणना के प्रयोजनार्थ प्रदान नहीं की गई थी ।

#### जांच की शुरुआत क्षेत्राधिकार के बिना की गई है

(xii) सुश्री विजय लक्ष्मी जोशी की नियुक्ति वाणिज्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव के पद पर की गई थी और यह पद मूलतः अपर सचिव का पद था जिसे अवनयन कर संयुक्त सचिव स्तर का कर दिया गया था और उनकी नियुक्ति उसी पद पर हुई थी । पदोन्नति के बाद उनके द्वारा धारित संयुक्त सचिव का पद भी उन्नत हो गया और वे उसी पद पर बनी रहीं । इस प्रकार उनके द्वारा निष्पादित कार्यकलापों में उनके द्वारा धारित पद के स्तर को छोड़कर कोई परिवर्तन नहीं हुआ था ।

(xiii) यह नोट किया जाना चाहिए कि सुश्री जोशी को खासकर उनकी पदोन्नति के बाद उनकी नियुक्ति के पश्चात निर्दिष्ट प्राधिकारी के पद से कभी भी कार्यमुक्त नहीं किया गया था । चूंकि वे कार्यमुक्त ही नहीं हुई थीं और उनकी नियुक्ति उसी पद पर हुई थी, इसलिए उन्होंने निर्दिष्ट प्राधिकारी के कार्यों का निष्पादन करना जारी रखा ।

(xiv) हितबद्ध पक्षकारों ने जो शंकाएं उठाई हैं, उनका समाधान प्रारंभिक जांच परिणाम जारी होने से पूर्व ही वाणिज्य मंत्रालय द्वारा एक औपचारिक अधिसूचना जारी करके कर दिया गया था । यह स्थिति हेमिल्टन हाऊस वेयर प्रा. लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में माननीय बंबई उच्च न्यायालय के निर्णय को ध्यान में रखते हुए कानूनी तौर पर भी सुलझ गई है ।

#### प्रकटन विवरण के उत्तर में घरेलू उद्योग द्वारा की गई टिप्पणियां

60. प्रकटन विवरण के बाद घरेलू उद्योग ने बिक्री पश्चात सेवा, व्यापार के स्तर और बिक्री माध्यम के बारे में जांच की कार्रवाई के दौरान उनके पूर्व अनुरोधों में व्यक्त किए गए विचारों को दोहराया है ।

#### प्राधिकारी द्वारा जांच

61 प्रकटन विवरण से पूर्व और उसके जारी किए जाने के बाद विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों के संबंध में प्राधिकारी ने निम्नानुसार जांच की है :-

- (i) घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्त मुफ्त पूर्व रसायनों के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने मुफ्त पूर्व प्रैस रसायनों की आपूर्ति की है और जांच के पश्चात घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की क्षति रहित कीमत और घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित बिक्री कीमत के निर्धारण में आवश्यक समायोजन किए गए हैं । जहां तक घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत तथा निवल बिक्री कीमत, दोनों की गणना में रसायनों की लागत की राशि को कम बताए जाने के बारे में आयातकों और



एसोसिएशनों द्वारा उठाए गए विशिष्ट मुद्दे का संबंध है, इस मामले की विस्तार से जांच की गई है। और यह नोट किया जाता है कि पूर्व प्रेस रसायनों का प्रभाव उतना कम नहीं है जितना कि घरेलू उद्योग ने दावा किया है।

(ii) जहां तक भारत में संबद्ध वस्तु की बिक्री हेतु घरेलू उद्योग और निर्यातकों के लिए अलग-अलग बिक्री माध्यमों, व्यापार के अलग-अलग स्तरों तथा घरेलू उद्योग द्वारा व्यय की गई बिक्री पश्चात सेवा लागत को क्षति रहित कीमत के निर्धारण से अलग रखे जाने के बारे में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने इस बारे में बनाए गए नियमों के अनुसार क्षति रहित कीमत की गणना की है और कारखाना स्तर के बाद घरेलू उद्योग द्वारा व्यय की गई लागत अर्थात् कमीशन, बाह्य भाड़े, छूट एवं कमीशन को अलग रखा है। इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग और निर्यातक (भारत में अपनी संबद्ध कंपनियों के जरिए) भी समान वितरण माध्यमों को अपनाते हैं। यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग भी अधिकांश संबद्ध वस्तु की बिक्री वितरकों और पुनः विक्रेताओं के जरिए करता है जबकि निर्यातक भी संबद्ध वस्तु की बिक्री उनकी अधिकांश बिक्री के संबंध में अपनी संबद्ध कंपनियों के जरिए करते हैं। यह भी नोट किया जाता है कि इन संबद्ध आयातकों का प्राथमिक कार्य वस्तु का विपणन करना है और इन आयातकों/निर्यातकों द्वारा अंतिम उपभोक्ताओं को वस्तु की बिक्री करने के सिवाय कोई अतिरिक्त कार्यकलाप नहीं किया जाता है जो भारतीय वितरकों तथा पुनः विक्रेताओं द्वारा अदा की जा रही भूमिका के समान है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग और निर्यातकों के लिए व्यापार का स्तर और बिक्री के माध्यम लगभग समान हैं। इसके अलावा, निर्यातकों ने बिक्री पश्चात सेवाओं के बारे में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है।

(iii) जहां तक इन तर्कों का संबंध है, कि जांच की शुरुआत क्षेत्राधिकार के बिना की गई है, यह नोट किया जाता है कि क्षेत्राधिकार के मुद्दे का निपटान माननीय बंबई उच्च न्यायालय ने हैमिल्टन हाउस वेयर प्रा. लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में कर दिया है। यह अनुरोध किया गया है कि अपर सचिव के रैंक में पदोन्नति के बाद निर्दिष्ट प्राधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए सुश्री विजय लक्ष्मी जोशी के क्षेत्राधिकार का मुद्दा मे. हैमिल्टन हाउस वेयर प्रा. लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में माननीय बंबई उच्च न्यायालय के समक्ष एक अन्य जांच के संबंध में उठाया गया था और माननीय बंबई उच्च न्यायालय ने (2012) 2076 ई एल टी 191 (बंबई) में सूचित अपने निर्णय में माननीय बंबई उच्च न्यायालय ने रिट याचिका यह निर्णय देते हुए रद्द कर दी थी कि निर्दिष्ट प्राधिकारी के रूप में सुश्री जोशी की आरंभिक नियुक्ति की विधिमान्यता के बारे में कोई विवाद नहीं है और सुश्री जोशी इस पद की अपधारक या अनधिकृत प्रयोक्ता नहीं है और वे नियम 3 के अनुसार, विधिक प्राधिकारी के तहत निर्दिष्ट प्राधिकारी के कार्यों का निष्पादन कर रही थीं और यह कि ऐसे प्राधिकारी के कृत्यों को तथ्यात्मकता के सुविख्यात सिद्धांत को लागू कर संरक्षित किया जाता है। परवर्ती सीमा शुल्क अधिसूचना सं. 48/2011, दिनांक 20.7.2011 तथा 28.7.2011 में यह स्पष्ट किया गया था कि सुश्री जोशी ने विधिमान्य प्राधिकारी के रूप में निर्दिष्ट प्राधिकारी के कार्यों को संपन्न करना जारी रखा। यह भी माना जाता है कि जांचाधीन पाटित उत्पाद के आयातकों और ऐसे पाटित आयातों के कारण हुई क्षति से सुरक्षा की मांग करने वाले घरेलू उद्योग के बीच व्यापारिक हितों की टकराहट के

मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी की नियुक्ति को चुनौती देना एक गौण मुद्दा है। निर्दिष्ट प्राधिकारी की ऐसी कलह में कोई रुचि नहीं है परंतु एक निर्णयदाता के रूप में उन्होंने न्यायकर्ता के रूप में सार्वजनिक हित में कार्य किया न कि अपने खुद के हित में और इसलिए ऐसे मामले में तथ्यात्मकता का सिद्धांत लागू होता है और निर्दिष्ट प्राधिकारी के कार्य ऐसे सिद्धांत के तहत सुरक्षित होते हैं। यह माना जाता है कि कुछ परिस्थितियों में सार्वजनिक या न्यायायिक पदों को धारित करने वाले अधिकारियों का कार्य कानूनन विधिसम्मत होगा भले ही ऐसे अधिकारी की नियुक्ति अवैध हो और सीमित कानूनी दायरे में उनके पास उक्त कार्य को करने की शक्ति न भी हो।

#### घ. पाटन मार्जिन

##### घ.1 सामान्य मूल्य

##### चीन जन.गण.

##### चीन जन.गण. के सभी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए एम ई टी जांच तथा सामान्य मूल्य

62 प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में डब्ल्यू टी ओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन गण को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के अनुसार चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है जो प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ उपर्युक्त नियमों के अनुसार निर्यातक देश या अलग-अलग निर्यातकों द्वारा उपर्युक्त अनुमान के खंडन के अधीन है।

63 यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन तब किया जा सकता है यदि चीन जन.गण. के निर्यातक पैरा 8 के उप पैरा(3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराते हैं और उसके विपरीत सिद्ध करते हैं। चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार विषयक प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-

(क) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;

(ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बड़े खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अधीन हैं;

(ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यक्षीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और

(घ) विनिमय दर में परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं ।

64 प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जनगण. से संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है और प्रतिवादी निर्यातकों ने प्राधिकारी द्वारा जारी की गई जांच शुरुआत संबंधी सूचना के बाद बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का उत्तर दिया है और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान के खंडन की मांग की है । प्रतिवादी निर्यातकों और उत्पादकों के प्रश्नावली के उत्तरों तथा बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तर की जांच संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातक के सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु निम्नानुसार की गई है ।

#### बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार की मांग करने वाले फ्यूजी कंपनी समूह के प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक

65 बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने के संबंध में फ्यूजी फिल्म प्रिंटिंग प्लेट कं लि, चाइना, (एफ एफ पी बी) फ्यूजी फिल्म प्रिंटिंग प्लेट (चीन) कं लि (एफ एफ पी एस) चीन और मै फ्यूजी फिल्म (चीन) इन्वेस्टमेंट कंपनी लि (एफ एस सी एन) द्वारा निम्नलिखित दावे प्रस्तुत किए गए हैं । संबद्ध वस्तु के सभी उत्पादकों और निर्यातकों ने बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार की मांग की है ।

#### फ्यूजी फिल्म प्लेट कं लि, चाइना, (एफ एफ पी बी)

#### बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार और पाटन मार्जिन के मुद्दे पर कंपनी द्वारा किए गए अनुरोध

66 मै. एफ एफ पी बी ने दावा किया है कि यह फ्यूजी फिल्म (चाइना) इन्वेस्टमेंट कंपनी लि., रांघाई के स्वामित्व में है । अपने अनुरोध में कंपनी ने दावा किया है कि वह एक विदेशी (सहकारी या इक्विटी) संयुक्त उद्यम थी और तब से वह एक पूर्ण स्वामित्व वाला विदेशी उद्यम रहा है । यह अनुरोध किया गया है कि उस वर्ष से पूर्व पहले कंपनी के शेयरधारक \*\*\*\*% की इक्विटी वाले \*\*\*\* हैं और \*\*\*\*% की इक्विटी वाले \*\*\*\* हैं । चूंकि कंपनी की शेयरधारक फ्यूजी फिल्म (चाइना) इन्वेस्टमेंट कंपनी लि. शेयरधारक फ्यूजी फिल्म (चीन) इन्वेस्टमेंट कंपनी लि है जो कंपनी का एकमात्र शेयरधारक है और तदनुपरांत यह मै फ्यूजी फिल्म कार्पो जापान के स्वामित्व में है । यह भी अनुरोध किया गया है कि इसे स्थानीय लोगों द्वारा बनाया गया है या आंशिक पूर्णतः राज्य के स्वामित्व में या स्थानीय/क्षेत्रीय प्राधिकारियों के स्वामित्व में नहीं है । इसके अलावा, यह अनुरोध किया गया है कि यह न तो राज्यों से अंतरण वाली और न ही स्थानीय निकायों से निजीकरण वाली कंपनी है । यह भी अनुरोध किया गया है कि फ्यूजी फिल्म (चीन) इन्वेस्टमेंट कं. लि. भी एकमात्र शेयरधारक के रूप में फ्यूजी फिल्म प्रिंटिंग प्लेट (चीन) कं. लि. की मालिक है । यह भी बताया गया है कि फ्यूजी फिल्म प्रिंटिंग प्लेट (चीन) कं. लि. संबंधित वस्तु का उत्पादन और निर्यात करती है । यह भी बताया गया है कि कोई भी निदेशक या शेयरधारक स्थानीय राष्ट्रीयता का नहीं है । उत्पादक और निर्यातक ने

अनुरोध किया है कि कच्ची सामग्रियां और उपयोगिताएं सामान्य दरों पर और न कि विशेष या सब्सिडी दरों पर खरीदी जाती हैं। इसके अलावा बिक्री की कीमतें/मात्राएं निर्धारित करने में कोई स्थानीय/क्षेत्रीय प्राधिकारी या राज्य शामिल नहीं है और निर्यात, उत्पादन या बिक्री पर कोई प्रतिबंध नहीं है। यह भी नोट किया जाता है कि मै. एफ एफ पी बी अपने एकमात्र वितरक और अपनी मूल कंपनी अर्थात् मै. फ्यूजी फिल्म (चीन) इन्वेस्टमेंट कंपनी लि. (एफ एफ सी एन) को घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्री करते हैं जो बाद में चीन जन.गण में प्रयोक्ताओं को संबद्ध वस्तु की बिक्री करती है।

फ्यूजी फिल्म प्रिंटिंग प्लेट (चीन) कं. लि. (एफ एफ पी सी), चीन जन.गण.

बाजार अर्थव्यवस्था व्याहार और पाटन मार्जिन के मुद्दे पर कंपनी द्वारा किए गए अनुरोध

67 मै. एफ एफ पी एस ने दावा किया है कि वह 100%, फ्यूजी फिल्म (चाइना) इन्वेस्टमेंट कं. लि. शंघाई के स्वामित्व में है। अपने अनुरोध में कंपनी दावा करती है कि वह पूर्ण स्वामित्व वाला विदेशी उद्यम है जो फ्यूजी फिल्म (चाइना) इन्वेस्टमेंट कं. लि. के स्वामित्व में है जो कंपनी के एकमात्र शेयरधारक है तथा जो मै. फ्यूजी फिल्म कापो, जापान के स्वामित्व में है। यह भी अनुरोध किया गया है कि यह भी अनुरोध किया गया है कि इसे स्थानीय लोगों द्वारा बनाया गया है या आंशिक पूर्णतः राज्य के स्वामित्व में या स्थानीय/क्षेत्रीय प्राधिकारियों के स्वामित्व में नहीं है। इसके अलावा, यह अनुरोध किया गया है कि यह न तो राज्यों से अंतरण वाली और न ही स्थानीय निकायों से निजीकरण वाली कंपनी है। यह भी अनुरोध किया गया है कि फ्यूजी फिल्म (चीन) इन्वेस्टमेंट कं. लि. भी एकमात्र शेयरधारक के रूप में फ्यूजी फिल्म प्रिंटिंग प्लेट (चीन) कं. लि. की मालिक है। य भी बताया गया है कि फ्यूजी फिल्म प्रिंटिंग प्लेट (चीन) कं. लि. संबंधित वस्तु का उत्पादन और निर्यात करती है। यह भी बताया गया है कि कोई भी निदेशक या शेयरधारक स्थानीय राष्ट्रीयता का नहीं है। उत्पादक और निर्यातक ने अनुरोध किया है कि कच्ची सामग्रियां और सुविधाएं सामान्य दरों पर और न कि विशेष या सब्सिडी दरों पर खरीदी जाती हैं। इसके अलावा बिक्री की कीमतें/मात्राएं निर्धारित करने में कोई स्थानीय/क्षेत्रीय प्राधिकारी या राज्य शामिल नहीं है और निर्यात, उत्पादन या बिक्री पर कोई प्रतिबंध नहीं है। यह भी नोट किया जाता है कि मै. एफ एफ पी एस अपने एकमात्र वितरक और अपनी मूल कंपनी अर्थात् मै. फ्यूजी फिल्म (चीन) इन्वेस्टमेंट कंपनी लि. (एफ एफ सी एन) को घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्री करते हैं जो बाद में चीन जन.गण में प्रयोक्ताओं को संबद्ध वस्तु की बिक्री करती है।

मै. फ्यूजी फिल्म (चीन) इन्वेस्टमेंट कंपनी लि. (एफ एफ सी एन)

कंपनी द्वारा किए गए अनुरोध

68. यह नोट किया जाता है कि मै. एफ एफ सी एन संबद्ध वस्तु को मै. एफ एफ पी बी और मै. एफ एफ पी सी से खरीदने के पश्चात् घरेलू बाजार में विभिन्न प्रयोक्ताओं को बेचता है। यह भी नोट किया जाता है कि यह कंपनी चीन जन. गण. में संबद्ध वस्तु के निर्माण में शामिल नहीं है और इन दो कंपनियों के शेयरधारक के रूप में कार्य करती है।

प्रकटन विवरण के संबंध में अनुरोध

69 प्रकटन विवरण के बाद फ्यूजी कंपनी समूह ने उससे प्रदत्त बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार को प्रदान किए जाने के बारे में प्राधिकारी के समक्ष पूर्व में किए गए अनुरोधों को दोहराया है।

**कोडक ग्रुप ऑफ कंपनीज**

**कंपनी द्वारा किए गए अनुरोध**

70. कोडक (चीन) ग्राफिक कम्युनिकेशन कं. लि. और कोडक (चीन)इन्वेस्टमेंट कं. लि., चीन.जन.गण. ने बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने के संबंध में निम्नलिखित दावे प्रस्तुत किए हैं :-

**कोडक (चीन) ग्राफिक कम्युनिकेशन कं. लि., चीन जन.गण. (के सी जी सी सी एल)**

**कंपनी द्वारा किए गए अनुरोध**

71. उत्तर से यह नोट किया जाता है कि शेयरधारक विदेशी स्वामित्व वाली कंपनियां हैं जो अप्रत्यक्ष रूप से पूर्णतः एक अमरीकी कंपनी, ईस्टमैन कोडक कंपनी के स्वामित्व में है। यह भी नोट किया जाता है कि कंपनी के शेयर कोडक (चीन) कं. लि. और कोडक(चीन) इन्वेस्टमेंट कंपनी लि. के पास है। दोनों कंपनियां अप्रत्यक्ष रूप से अमरीकी कंपनी ईस्टमैन कोडक कंपनी के पूर्ण स्वामित्व में है। उनके उत्तर में यह भी बताया गया है कि निदेशक बोर्ड (शेयरधारकों द्वारा नियुक्त) कंपनी को नियंत्रित करता है और कंपनी का कोई निदेशक चीनी राष्ट्रीयता का नहीं है। यह भी अनुरोध किया गया है कि कंपनी के प्रचालन और प्रबंधन शेयरधारकों द्वारा यथानियुक्त निदेशक बोर्ड द्वारा किए जाते हैं। समूह की कंपनियां या शेयरधारक कंपनी के दैनिक प्रचालनों और व्यावसायिक निर्णयों में भागीदारी नहीं करते हैं। यह अनुरोध किया गया है कि कंपनी द्वारा विनिर्मित डिजिटल थर्म प्रिंटिंग प्लेटों का चीन की सरकार के बिना किसी हस्तक्षेप/नियंत्रण के चीन से मुक्त रूप से निर्यात किया जा सकता है। कंपनी के निर्यात व्यवसाय को नियंत्रित करने के लिए सरकार द्वारा कोई विधायी अधिनियमन या उपाय नहीं किए गए हैं। यह भी बताया गया है कि कंपनी के प्रचालनों पर सरकार का या किसी सरकारी निकाय का कोई नियंत्रण नहीं है और संबंधित उत्पाद का कोई निर्यात कोटा नहीं है। कच्ची सामग्री की खरीद के संबंध में यह बताया गया है कि संबंधित उत्पाद के उत्पादन के लिए एल्यूमिनियम प्रमुख कच्ची सामग्री है जिसे मै. चीन जन.गण. से लिया जाता है और जर्मनी से आयातित भी किया जाता है। कंपनी ने समूह कंपनियों से ऋण लिए हैं और उन पर ब्याज दिया जाता है। यह भी बताया गया है कि चीन में और चीन से बाहर समूह कंपनियों को सभी बिक्रियां की जाती हैं और सरकार द्वारा विक्रेताओं के चयन पर कोई प्रतिबंध या शर्त नहीं लगाई जाती है और कंपनी द्वारा विनिर्मित उत्पादों/मात्राओं की कीमतें निर्धारित करने में स्थानीय/क्षेत्रीय प्राधिकारी या राज्य सरकार शामिल नहीं हैं। इसके अलावा, यह बताया गया है कि चैम्बर ऑफ कॉमर्स संबद्ध वस्तु की निर्यात कीमतें या मन्त्राएं तय करने में कोई भूमिका अदा नहीं करता है। यह भी अनुरोध किया गया है कि समग्र बिक्रियों से कंपनी द्वारा सृजित लाभ को निदेशक बोर्ड द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार निपटाया जाता है। यह भी अनुरोध किया गया है कि बीते वर्षों में कंपनी घाटे की स्थिति में रही है क्योंकि यह एक नवगठित कंपनी है और घाटों का वित्तपोषण समूह कंपनियों से ऋण लेकर किया जाता है जिसे कोडक समूह की कंपनियों द्वारा बाजार दर पर दिया गया है। इसके अलावा, उन्होंने बताया है कि देश

के दिवालिया और संपत्ति कानून कंपनी पर समान रूप से लागू होते हैं। कंपनी के पास कोई विशेष सुविधा या छूट नहीं है और लाभों को मूल रूप से वितरित करने या निवेशित पूंजी को वापस करने संबंधी कोई प्रतिबंध नहीं है। यह भी बताया गया है कि एस ए पी में एफ एक्स दरों को एक दिन पहले सुबह-सुबह अमरीकी समय के अनुसार रायटर्स का प्रयोग करके सेज अद्यतन किया जाता है ताकि प्रत्येक देश 24 घंटे की अवधि के लिए उसी दर का प्रयोग कर सके और कंपनी अपने स्वयं की जरूरतों और निर्णयों के अनुसार मुद्रा का उपयोग करने के लिए मुक्त है। इसके अलावा, कंपनी कभी भी वस्तु विनिमय व्यापार में शामिल नहीं रही है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी चीन में जांचाधीन उत्पाद अर्थात् डिजिटल थर्मल प्रिंटिंग प्लेट के विनिर्माण या निर्यात करने में कोई समूह कंपनी नहीं है और मूल कंपनी का, के सी जी सी सी एल के अलावा, चीन में डिजिटल थर्मल प्रिंटिंग प्लेटों के विनिर्माण/निर्यात पर कोई स्वामित्व अथवा नियंत्रण नहीं है।

### कोडक (चीन) इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.

#### कंपनी द्वारा किए गए अनुरोध

72. यह अनुरोध किया गया है कि कंपनी हांगकांग में अधिनिर्णित पूर्णतः विदेशी उद्यम के स्वामित्व वाली कंपनी है और कंपनी ईस्टमैन कोडक कंपनी, अमरीका द्वारा संबंधित कोडक ग्रुप का हिस्सा है। कंपनी के सी जी सी सी एल, चीन द्वारा विनिर्मित डिजिटल थर्मल प्रिंटिंग प्लेटों की खरीद करती है और वह चीन में ऐसे उत्पादों के विपणन और वितरण में शामिल है। कंपनी वितरकों के जरिए और कुछेक मामलों में अंतिम उपभोक्ताओं को इस वस्तु की बिक्री करती है। कंपनी के प्रचालन और प्रबंधन शेयरधारकों द्वारा यथानियुक्त निदेशक बोर्ड द्वारा प्रबंधित किए जाते हैं। समूह की कंपनियां या शेयरधारक कंपनी के दैनिक प्रचालनों और व्यावसायिक निर्णयों में भागीदारी नहीं करते हैं। यह बताया गया है कि कंपनी के प्रचालनों पर सरकार या किसी सरकारी निकाय का कोई नियंत्रण नहीं है। इसके अलावा कंपनी वस्तुओं के निर्यात में शामिल नहीं है और वह चीन में वस्तु के विपणन और वितरण में प्राथमिक रूप से शामिल है। यह भी बताया गया है कि संबंधित उत्पाद निर्यात उपबंधों या लाइसेंसिंग के लिए ऐसी किसी सूची में नहीं आता है और संबंधित उत्पाद का कोई निर्यात कोटा नहीं है। यह बताया गया है कि कंपनी संबंधित उत्पादन के उत्पाद में शामिल नहीं है। कंपनी द्वारा बेचा जाने वाला संबंधित उत्पाद कोडक (चीन) ग्राफिक कम्युनिकेशन कं. लि - एक संबंधित कंपनी द्वारा विनिर्मित होता है।

73. यह बताया गया है कि कंपनी अपनी सभी वस्तुओं के सी जी सी सी एल कोडक ग्रुप की कंपनी से खरीदती है और ऐसी वस्तुओं को चीन में घरेलू बाजार में बेचती है। कीमतें या मात्राएं निर्धारित करने में स्थानीय/क्षेत्रीय प्राधिकरण या राज्य की कोई भूमिका नहीं है। कीमतें और मात्राएं घरेलू बाजार में प्रचलित मांग और पूर्ति के अनुसार निर्धारित की जाती हैं। वस्तुओं की बिक्री कीमतें उपभोक्ताओं के साथ सौदेबाजी के आधार पर तय की जाती हैं जो चीन में प्रतिस्पर्धी कीमत की स्थिति द्वारा प्रभावित होते हैं। कीमतें किसी सरकारी समितन द्वारा समीक्षा के अधीन नहीं होती हैं। खरीद आदेशों की नमूना प्रतियां संदर्भ के लिए संलग्न हैं। कंपनी संबंधित उत्पाद के निर्यात में शामिल नहीं है। कंपनी द्वारा सभी घरेलू बिक्री कीमतों पर उपभोक्ताओं के साथ स्वतंत्र रूप से सौदेबाजी की जाती है। इसके अलावा, वैश्व और कौमारी संबंध वस्तु की निर्यात कीमतें या मात्राएं निर्धारित करने में शामिल नहीं हैं। यह भी अनुरोध किया गया है कि कीमतें/मात्राएं निर्धारित करने में कोई स्थानीय या क्षेत्रीय प्राधिकरण या राज्य शामिल नहीं है।

जब तक कंपनी व्यवसायिक लाइसेंस जो संलग्न है, के व्यवसायिक कार्यक्षेत्र के भीतर उत्पादों का उत्पादन, बिक्री करती है, तब तक किसी विशेष प्राधिकार की जरूरत नहीं है।

74. यह भी अनुरोध किया गया है कि कोई सरकारी अधिकारी या सरकारी एजेंट निदेशक या कार्यकारी बोर्ड का सदस्य नहीं है। यह भी दावा किया गया है कि कंपनी का एक शेयरधारक है जो कोडक (चीन) लि. है। यह भी बताया गया है कि निदेशक बोर्ड (शेयरधारकों द्वारा नियुक्त) कंपनी को नियंत्रित करता है। कंपनी का किसी राष्ट्रीय, प्रादेशिक या स्थानीय सरकार और उन सरकारों के मंत्रालयों या कार्यालयों से कोई संबंध नहीं है। कंपनी की निर्यात आय के प्रयोग संबंधी प्रतिबंधों के बारे में यह बताया गया है कि ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है। कंपनी प्राथमिक रूप से चीन में घरेलू बिक्रियां करती है और इसलिए कंपनी द्वारा कोई निर्यात नहीं किए जाते हैं। इसके अलावा, देश के दिवालिया और संपत्ति कानून समान रूप से कंपनी पर लागू होते हैं। कंपनी को कोई विशेष सुविधा या छूट नहीं दी गई है। कंपनी अपने चीन के घरेलू व्यापार के लिए चीन में वैट करदाता है और वह नियमित रूप से मासिक आधार पर चीन के कर प्राधिकारी को वैट विवरणी प्रस्तुत करती है। एस ए पी में विदेशी मुद्रा की दर एक दिन पहले अमरीकी समय के अनुसार प्रातः से रायटर्स का प्रयोग करके रोज अद्यतन किए जाते हैं (ताकि कोडक ग्रुप की सभी कंपनियां 24 घंटे की अवधि के भीतर विदेशी मुद्रा कार्यकलापों उदाहरणार्थ निविष्टि की खरीद, निर्यात बिक्री से प्राप्त आय के परिवर्तन आदि के संबंध में उसी दर का प्रयोग कर सकें)। कंपनी अपनी स्वयं की जरूरतों और निर्णयों के अनुसार मुद्रा का उपयोग करने के लिए स्वतंत्र है। यह भी अनुरोध किया गया है कि कंपनी कभी भी वस्तु विनिमय व्यापार में शामिल नहीं रही है।

75. प्रकटन विवरण के बाद मै. के सी जी सी सी एल और मै. के सी आई सी एल ने जांच के दौरान व्यक्त किए गए अपने पूर्ववर्ती विचारों को दोहराया है। उन्होंने प्राधिकारी से खास तौर पर यह अनुरोध किया है कि उनके द्वारा प्रदत्त उत्तरों को ध्यान में रखते हुए उन्हें बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया जाए।

### प्रकटन विवरण के उत्तर में अनुरोध

76. प्रकटन विवरण के बाद कोडक कंपनी समूह ने बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किए जाने हेतु प्राधिकारी के समक्ष पूर्व में व्यक्त किए गए विचारों को दोहराया है।

मै. लकी हुआगुआंग ग्राफिक्स कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. (लकी)

### कंपनी द्वारा किए गए अनुरोध

77. मै. लकी हुआगुआंग ग्राफिक्स कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. (लकी) ने बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किए जाने के बारे में निम्नलिखित दावे प्रस्तुत किए हैं:

यह अनुरोध किया जाता है कि मै. लकी हुआगुआंग ग्राफिक्स कंपनी लिमिटेड, समग्र व्यक्तियों के स्वामित्व वाले उद्यम लकी फिल्म ग्रुप आफ चाइना की एक सहायक कंपनी (राज्य के स्वामित्व वाले विधिक व्यक्तियों का उद्यम) चीन का उद्यम है। कंपनी विभिन्न व्यापारों में शामिल है। तथापि, मै. लकी हुआगुआंग ग्राफिक्स कंपनी लिमिटेड, संबंधित उत्पाद के उत्पादन और बिक्रियों में शामिल एकमात्र कंपनी है। यह भी बताया गया है कि

किसी तीसरे व्यक्ति या किसी तीसरे व्यक्ति के साझे नियंत्रण वाले किसी व्यक्ति (उदाहरणार्थ संयुक्त उद्यम) का इस पर कोई नियंत्रण नहीं है। निर्यातों पर सरकार या किसी सरकारी निकाय का कोई नियंत्रण नहीं है। यह अनुरोध किया गया है कि संबंधित उत्पाद के उत्पादन के लिए एल्युमिनियम मुख्य कच्ची सामग्री है जिसे मिंगताई से लिया जाता है तथापि, कीमतें बाजारी ताकतों के अनुसार निर्धारित होती हैं। विभिन्न सुविधाओं के संबंध में यह बताया गया है कि बिजली और पानी क्रमशः नयांग पावर कंपनी और नयांग वाटर कंपनी से लिए जाते हैं। तथापि, यह बताया गया है कंपनी बिजली के लिए बाजार कीमत अदा कर रही है और कंपनी को कोई अधिमानी कीमत उपलब्ध नहीं है। कच्ची सामग्री की पूर्ति के संबंध में यह अनुरोध किया गया है कि सरकार द्वारा कोई प्रतिबंध या कोई शर्त लागू नहीं की गई है। कंपनी अपने आपूर्ति स्रोत का निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है। मुख्य कच्ची सामग्री की आपूर्ति संबंधी निर्णय जरूरी निविष्टि की गुणवत्ता के आधार पर लिए जाते हैं और कीमत इसमें गौण कारक होता है। एक बार गुणवत्ता के परीक्षित और पास होने पर ही आपूर्तिकर्ता को अनुमोदित किया जाता है और इसके बाद भी प्राप्त निविष्टि का गुणवत्ता परीक्षण प्रत्येक बार किया जाता है और हर बार उसे परीक्षण पास करना होता है। कीमत या मात्राएं निर्धारित करने में स्थानीय/क्षेत्रीय प्राधिकरण या राज्य की कोई भूमिका नहीं है। कीमतें और मात्राएं संबंधित उत्पाद की मांग और आपूर्ति तथा उत्पादन लागत के अनुसार निर्धारित की जाती हैं। चैम्बर ऑफ कॉमर्स संबद्ध वस्तु की निर्यात कीमतें या मात्राएं निर्धारित करने में शामिल नहीं हैं। कोई सरकारी अधिकारी या सरकारी एजेंट निदेशक या कार्यकारी बोर्ड का सदस्य नहीं है। कार्यकारी या तो आंतरिक पदोन्नति से या उनके कार्य अनुभव और क्षमताओं के संदर्भ में बाजार से भर्ती किए जाते हैं। यह भी अनुरोध किया गया है कंपनी को निर्यात बिक्रियों पर कोई प्रोत्साहन नहीं मिलता है। पूरे विश्व में निर्यात पर वैट का शून्य बोझ डालने की सामान्य परिपाटी है। अतः निविष्टियों पर प्रदत्त वैट को सरकार द्वारा वापस किया जाता है। कंपनी को वैट वापसी के रूप में 13 प्रतिशत राशि मिलती है। घरेलू बाजार में सभी बिक्रियां कंपनी द्वारा स्वयं की जाती हैं।

#### बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार और पाटर मार्जिन के मुद्दे पर घरेलू उद्योग के विचार

78. घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार हैं:

- i. पाटनरोधी नियमावली, 1995 के अनुबंध- के पैरा 8 (2) में यह पूर्वापेक्षा है कि यदि जांच से पहले तीन वर्षों की अवधि के दौरान प्राधिकारी द्वारा स्वयं या किसी डब्ल्यू टी ओ सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ किसी देश को एन एम ई देश माना जाता है तो उसे एन एम ई देश ही माना जाएगा। प्राधिकारी ने स्वयं पिछले तीन वर्षों में उनके द्वारा की गई प्रत्येक जांच में चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है। यह भली भांति ज्ञात है कि अमरीका और यूरोपीय संघ सहित लगभग प्रत्येक डब्ल्यू टी ओ सदस्य ने चीन जन.गण. को बार-बार एन एम ई देश माना है।
- ii. पाटनरोधी नियमावली, 1995 के 1 के पैराग्राफ 8(2) के परंतुक में यह व्यवस्था है कि निर्यातक ऐसी सूचना और साक्ष्य प्रस्तुत करके इस पूर्व धारणा का खंडन कर सकते हैं जिससे यह सिद्ध होता हो कि चीन जन.गण. एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है। तथापि, इस मामले में किसी भी निर्यातक ने यह सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य



प्रस्तुत नहीं किया है कि चीन एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है। किसी भी निर्यातक ने इस संबंध में कोई दावा नहीं किया है अतः चीन जन.गण. को इस जांच के प्रयोजनार्थ एन एम ई देश माना जाएगा।

iii. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) में यह व्यवस्था है कि अलग-अलग निर्यातक यह सिद्ध करने के लिए सूचना और साक्ष्य प्रस्तुत कर सकते हैं कि उनके लिए बाजार अर्थव्यवस्था की दशाएं विद्यमान हैं। तथापि, इस पैराग्राफ के अंतर्गत सहयोगी निर्यातकों द्वारा किए गए दावों को आगामी पैराग्राफ में दिए गए विभिन्न कारणों की वजह से स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।

iv. एल्युमिनियम उद्योग को चीन की सरकार द्वारा उसके व्यवसायिक संवर्धन में राज्य के हस्तक्षेप के साथ "प्रोत्साहित" किया जाता है:

क चीन की सरकार ने वर्ष 2000 में "चीन में विकास के लिए प्रोत्साहित प्रमुख उद्योगों, उत्पादों और प्रौद्योगिकियों का कैटलॉग (प्रोत्साहित उद्योग कैटलॉग) जारी किया है जिसमें व्यवसायिक संवर्धन के लिए 526 उत्पादों, प्रौद्योगिकियों और अवसंरचना सुविधाओं को अभिज्ञात किया गया है। उनमें से एक "एल्युमिनियम" है। दूसरा "पूर्णतः स्वचालित हाई स्पीड मल्टीकरल प्रिंटिंग" है। ये दोनों कच्ची सामग्री और विचाराधीन उत्पाद को कवर करते हैं। इन दोनों उद्योगों को चीन में प्रोत्साहित उद्योग माना जाता है।

ख. "इंटरिम प्रोविजन्स ऑफ प्रमोटिंग इंडस्ट्रियल स्ट्रक्चरल एडजस्टमेंट" के कार्यान्वयन के लिए (40 (2005) (निर्णय 40) के प्रख्यापन संबंधी राज्य परिषद के निर्णय में औद्योगिक संरचना के पुनर्विनियोजन संबंधी डायरेक्टरी कैटलॉग का संदर्भ दिया गया है जिसमें ऐसी परियोजनाओं को रेखांकित किया गया है जिन्हें चीन जन.गण की सरकार "प्रोत्साहित", "प्रतिबंधित" और "परिसमाप्त" मानती है और इस बात को बताती है कि सरकारी नीतियों के अंतर्गत इन परियोजनाओं के प्रति कैसा दृष्टिकोण रहेगा। एल्युमिनियम का आद्योगिक कैटलॉग में "प्रोत्साहित परियोजना" के रूप में उल्लेख किया गया है। "प्रोत्साहित" परियोजनाओं के लिए निर्णय 40 में वित्तपोषण सहित सरकार से अनेक सहायता विकल्पों के उपलब्ध होने को रेखांकित किया गया है।

ग वर्ष 2006 में चीन सरकार द्वारा जारी एल्युमिनियम संरचना के समायोजन में तेजी लाने संबंधी दिशानिर्देश (एल्युमिनियम उद्योग दिशानिर्देश) में ऐसी सहायता का उल्लेख है जिसे विभिन्न किस्म के एल्युमिनियम उत्पादों के उत्पादकों को प्रदान किया जाना है। उदाहरणार्थ "औद्योगिक केन्द्रण में वृद्धि, व्यापक उपयोग का प्रोत्साहन और संसाधनों का संरक्षण शीर्ष के अंतर्गत एल्युमिनियम उद्योग के दिशानिर्देश में निम्नानुसार बताया गया है:

- i. एम एंड ए उद्यम के लिए अनुकूल स्थितियां सृजित करना और आर्थिक साधनों के जरिए उद्यमों के पुनर्गठन और उनके विलय में तेजी लाना और उन्हें पुनर्गठित करना ।
- ii. विलय और पुनर्गठन के लिए एल्युमिनियम इलेक्ट्रोलेटिक एल्युमिनियम और एल्युमिनियम प्रसंस्करण उद्यमों की सहायता करना अंतर्राष्ट्रीय रूप से प्रतिस्पर्धी उद्यम समूह स्थापित करना, लाम की पूर्ण प्राप्ति और उद्योग का केन्द्रण बढ़ाना ।
- iii. राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों के सुधार, पुनर्गठन और रूपांतरण में निजी पूंजी और विदेशी पूंजी की भागीदारी को प्रोत्साहित करना ।
- iv. आधारभूत उद्यमों को प्रौद्योगिकी तथा प्रबंधन के स्तरों में सुधार करने के लिए प्रोत्साहित करना । मध्यम और छोटे आकार के एल्युमिनियम प्रसंस्करण उद्यमों की प्रौद्योगिकी के रूपांतरण में तेजी लाना और संसाधन उपयोग में सुधार करना ।

घ एल्युमिनियम उद्योग संबंधित दिशानिर्देशों में ऋण देने संबंधी कार्यकलापों का भी उल्लेख है । " ऋण नीति और औद्योगिक नीति के समन्वय और सहयोग को मजबूत बनाना और नीतियों के अंतर्गत आहरण तंत्र स्थापित करना" शीर्ष के अंतर्गत एल्युमिनियम उद्योग दिशानिर्देशों में निम्नानुसार उल्लेख है:

इस नियम का कड़ाई से अनुपालन अपेक्षित है कि इलेक्ट्रोलेटिक एल्युमिनियम परियोजनाओं के लिए न्यूनतम स्व-स्वामित्व पूंजी अपेक्षा कुल निवेश के 35% से कम नहीं होगी । वित्तीय संस्थाएं राष्ट्रीय समष्टि आर्थिक समायोजनों, औद्योगिक नीतियों और सामान्य ऋणदान सिद्धांतों पर विचार करते हुए ऋण देने का युक्तियुक्त ढंग से आबंटन करेंगी । वित्तीय संस्थाएं ऑक्साइड एल्युमिनियम या इलेक्ट्रोलेटिक एल्युमिनियम उद्यमों को ऋण देना जारी रख सकती हैं जो राष्ट्रीय औद्योगिक नीतियों के अनुपालन में हैं और बाजार प्रवेश के अनुकूल हैं बशर्ते कि ऐसा ऋणदान सामान्य ऋणदान सिद्धांतों के अनुसार हो । ऐसे उद्यमों को कोई ऋण नहीं दिया जाएगा जो राष्ट्रीय औद्योगिक नीतियों के अनुरूप न हो, बाजार प्रवेश सिद्धांत का पालन न करते हों जिनकी विनिर्माण प्रक्रिया पुरानी हो जिन्हें प्रतिबंधित के रूप में वर्गीकृत किया गया हो या जिन्हें प्रचालन बंद करने का आदेश दिया गया हो । यदि ऐसे उद्यमों को गलती से ऋण दे दिया जाता है तो वित्तीय संस्थाएं ऋण को वापस लेने के समुचित उपाय करेंगी और वित्तीय जोखिम से बचेंगी । .

79 यह भी बताया गया है कि वित्तपोषण के रूप में सहायता पर "अलौह धातु उद्योग समायोजन और पुनरुद्धार योजना" (अलौह धातु योजना) में भी चर्चा की गई है जिसे चीन सरकार द्वारा 2009 में जारी किया गया था । "प्रौद्योगिकी सुधार और प्रौद्योगिकी के उन्नयन के प्रति समर्पण में वृद्धि" शीर्ष के अंतर्गत अलौह धातु योजना में उल्लेख है कि :

कुछ निधियों को नए केन्द्रीय निवेश के लिए अलग रखें । अलौह धातु उद्योग में आर एंड डी तथा प्रौद्योगिकी सुधार में सहायता हेतु ऋण ब्याज

सब्सिडी का प्रयोग करें । ऊर्जा संरक्षण प्रौद्योगिकियों में सुधार के लिए निर्देशित वित्तीय सहायता के स्तर को बढ़ाएं । अलौह धातु योजना में "प्रोत्साहन और हतोत्साहन की वित्तपोषण नीति को कार्यान्वित करना जारी रह कर" शीर्ष के अंतर्गत एल्युमिनियम उद्योग के वित्तपोषण का उल्लेख भी किया गया है । अलौह धातु उद्योग में मूल उद्यमों की वित्तपोषण सहायता को बढ़ाएं । स्टॉक, उद्यम बॉण्ड और निगमित बॉण्ड जारी करने में कतिपय उद्यमों को सहायता देना । ऐसी सहायता प्राप्त करने के लिए पात्र उद्यम वह हैं जो निवेश प्रबंधन निर्देशों का पालन करने के अलावा ऐसी परियोजनाओं में शामिल हैं जो औद्योगिक नीति तथा संगत पर्यावरण और भूमि संबंधी विनियमों के अनुपालन में हैं और अधिग्रहण, पुनर्गठन "विदेश जाना" और प्रौद्योगिकीय सुधार को कार्यान्वित करना ।

80 यह अनुरोध किया गया है कि प्रमुख कच्ची सामग्री एल्युमिनियम की कीमतें चीन की सरकार द्वारा नियंत्रित की जाती हैं । किसी भी उत्पादक या निर्यातक ने यह नहीं बताया है कि उनके द्वारा प्रदत्त एल्युमिनियम की कीमतों को कैसे बाजार अर्थव्यवस्था दशाओं को दर्शाने वाली कीमत माना जा सकता है । प्राधिकारी ने अनेक मामलों में एन एम ई दर्जा अस्वीकार किया है जहां निर्यातक प्रमुख कच्ची सामग्रियों की कीमतों का बाजार अर्थव्यवस्था की दशाओं में होना सिद्ध करने में विफल रहे हैं ।

81 यह बताया गया है कि यद्यपि विश्व भर में एल्युमिनियम के प्रयोक्ता कीमत सूचकांक के रूप में लंदन मेटल एक्सचेंज (एल एम ई) को अपनाते हैं । तथापि चीन के उद्योग शंघाई मेटल एक्सचेंज (एस एच एफ ई) को अपनाते हैं । चीन के स्थानीय उत्पादक एस एच एफ ई पर आधारित कीमतों पर एल्युमिनियम खरीदते हैं । एस एच एफ ई पर सरकार का काफी नियंत्रण है और एस एच एफ ई कीमतों को पूर्ण रूप से बाजार चालित कीमत नहीं कहा जा सकता है । एस एच एफ ई के कार्यकरण में सरकारी नियंत्रण का प्रयोग और सरकार द्वारा वस्तु की कीमतों का विनियमन चीन सरकार द्वारा बनाए गए "शंघाई मेटल एक्सचेंज के नियंत्रण हेतु अंतरित प्रावधान" से सिद्ध होता है । एस एच एफ ई का संपूर्ण प्रशासन बोर्ड चीन जन.गण. की सरकार द्वारा गठित होता है और प्रशासन बोर्ड का एक व्यक्ति भी सरकारी नियंत्रण से स्वतंत्र नहीं है ।

82. घरेलू उद्योग ने यह अभ्यावेदन दिया है कि कनाडाई प्राधिकारियों ने चीन जन.गण. के मूल की अथवा वहां से निर्यातित कतिपय एल्युमिनियम एक्सट्रजन्स के विरुद्ध अपनी पाटनरोधी और सब्सिडी जांच में यह निष्कर्ष दिया था कि चीन जन.गण. में एल्युमिनियम उद्योग के प्रचालन में सरकार का हस्तक्षेप है । इसके अलावा, अर्मेनिया, ब्राजील और चीन जन.गण. के मूल के कतिपय एल्युमिनियम फॉयल के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने वाले यूरोपीय संघ परिषद के विनियम संख्या 925/2009 में निम्नानुसार समुक्ति की गई है ।

इस दौरे से इस बात की पुष्टि होती है कि राज्य की एस एच एफ ई में कीमतें निर्धारित करने में प्राथमिक भूमिका रहती है और वह कीमत निर्धारण तंत्र में हस्तक्षेप करता है जो विशेष रूप से प्राथमिक एल्युमिनियम के विक्रेता और राज्य रिजर्व ब्यूरो और अन्य राज्य निकायों के जरिए एक खरीददार दोनों के रूप में

उसकी स्थिति से स्पष्ट होता है । इसके अलावा, एस एच एफ ई के नियमों के जरिए राज्य दैनिक रूप से कीमत सीमाएं निर्धारित करता है जिसे राज्य के विनियामक, चाइना सिक्स्युरिटीज रेगुलेटरी कमीशन (सी एस आर सी) द्वारा अनुमोदित किया जाता है । यह भी स्पष्ट है कि एस एच एफ ई चीन में पंजीकृत कंपनियों और चीन के नागरिकों के लिए एक बंद एक्सचेंज है और यह कि एस एच एफ ई और चीन से बाहर के अंतर्राष्ट्रीय एक्सचेंजों के बीच कोई कारगर विवाचन उपलब्ध नहीं है । यह एस एच एफ ई और एल एम ई जैसे अंतर्राष्ट्रीय एक्सचेंजों के बीच कीमतों में भारी अंतर से स्पष्ट होता है । इसके अलावा, जहां एस एच एफ ई का भावी ठेका वास्तविक डिलीवरी पर समाप्त होता है, जो पी आर सी के भीतर अनुमोदित भांडागार से ही हो सकता है जबकि अंतर्राष्ट्रीय एक्सचेंजों में ऐसा नहीं है जहां डिलीवरी विश्व भर में हो सकती है । डिलीवरी के यह नियम सुनिश्चित करते हैं कि चीन का घरेलू बाजार वैश्विक बाजार से सुरक्षित रहता है और कीमत संबंधी विकृतियां केवल चीन की कंपनियों को लाभान्वित करती हैं ।

83 घरेलू उद्योग ने यह बताया है कि सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत उत्तर बिल्कुल अपर्याप्त/अधूरे हैं और स्वयं सिद्ध करते हैं कि निर्यातक एन एम ई दशाओं में प्रचालन करता है । मै. लकी हुआंग गुआंग ग्राफिक्स कंपनी लि. द्वारा किए गए इस अनुरोध के संबंध में कि वह पूर्णतः चीन सरकार के स्वामित्व में है, उन्होंने बताया है कि किस प्रकार से राज्य के स्वामित्व में होने के बावजूद निर्यातक निर्णय लेने और कार्यकरण में सरकारी हस्तक्षेप से स्वयं को दूर करता है । मै. फ्यूजी ग्रुप- फ्यूजी फिल्म प्रिंटिंग प्लेट कंपनी लि. द्वारा किए गए अनुरोध के संबंध में यह बताया गया है कि चीन जन.गण में संबंधित वस्तु के एक अन्य संबंधित विनिर्माता ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है और न ही एम ई टी का दावा किया है । यह भी बताया गया है कि जब संबद्ध वस्तु के उत्पादन और निर्यात में शामिल एक संबंधित कंपनी ने एम ई टी दर्जे का दावा भी नहीं किया है, तो एम ई टी की मांग करने वाली ग्रुप कंपनी को एम ई टी प्रदान नहीं किया जाएगा । मै. कोडक ग्रुप के अनुरोध के संबंध में यह बताया गया है कि निर्यातक यह सिद्ध करने में विफल रहा है कि प्रमुख कच्ची सामग्री की कीमतें बाजार अर्थव्यवस्था की दशाओं में निर्धारित होती हैं ।

84. प्रकटन विवरण के बाद घरेलू उद्योग ने प्रतिवादी उत्पादकों और निर्यातकों द्वारा दायर अधूरे उत्तर से संबंधित अपने विचार प्रस्तुत किए हैं । उसने खासकर प्राधिकारी का ध्यान एफ एफ आई एन और एफ एफ सी एन की ओर से उत्तर न दायर किए जाने के बारे में आकर्षित किया है । उन्होंने प्राधिकारी से यह भी अनुरोध किया है कि वह निर्यात कीमत का परिकलन करें क्योंकि निर्यात संबंधित कंपनियों को किए गए हैं ।

#### प्राधिकारी द्वारा जांच

85 प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में चीन जन.गण. को अन्य डब्ल्यू टी ओ सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है । अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के अनुसार चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है जो वर्तमान निर्धारण के प्रयोजनार्थ उपयुक्त नियमावली के अनुसार निर्यातक देश या अलग-अलग निर्यातकों द्वारा उपर्युक्त पूर्व धारणा के खंडन के अधीन है ।

86. यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध I के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक (निर्यातकों) द्वारा पैराग्राफ 8 के उप पैरा(3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराते हैं और उसके विपरीत सिद्ध करते हैं। चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार विषयक प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सकें।

87. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली का अपना उत्तर प्रस्तुत किया है और प्राधिकारी द्वारा जारी जांच शुरुआत संबंधी सूचना के परिणामस्वरूप बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली का उत्तर दिया है और गैर बाजार अर्थव्यवस्था की धारणा के खंडन की मांग की है। प्रतिवादी उत्पादकों और निर्यातकों के प्रश्नावली के उत्तर और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तरों की संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों के सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु निम्नानुसार जांच की गई है।

#### मै. लकी हुआगुआंग ग्राफिक्स कंपनी लि. (लकी) के एम ई टी उत्तर की जांच

88. यह नोट किया जाता है कि मै. लकी हुआगुआंग ग्राफिक्स कंपनी लि., लकी फिल्म ग्रुप ऑफ चायना की एक सहायक कंपनी है जो राज्य के स्वामित्व वाला उद्यम है। जांच के दौरान यह नोट किया गया कि कंपनी अपनी प्रमुख निविष्टि को राज्य के स्वामित्व वाली एक अन्य कंपनी से प्राप्त करती है और कंपनी द्वारा ऐसा कोई साक्ष्य नहीं दिया गया कि उसकी कीमतें निविष्टियों की बाजार कीमतों को प्रदर्शित करती हैं। इस तथ्य के मद्देनजर कि उक्त कंपनी में राज्य का नियंत्रण है और कंपनी राज्य के स्वामित्व वाली है और यह तथ्य भी कि अधिकांश निदेशक राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी से हैं, मै. लकी को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान नहीं किया जाना उचित समझा गया है।

#### फ्यूजी ग्रुप ऑफ कंपनीज के एम ई टी उत्तर की जांच

89. बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे की जांच फ्यूजी ग्रुप की निम्नलिखित तीन कंपनियों जिन्होंने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर और एम ई टी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया था, के संबंध में की गई थी। समस्त फ्यूजी कंपनी समूह ने एम ई टी प्रश्नावली का उत्तर दिया है।

क. फ्यूजी फिल्म प्रिंटिंग प्लेट कंपनी लिमिटेड, चीन (एफ एफ पी पी)

ख. फ्यूजी फिल्म प्रिंटिंग प्लेट (चीन) कंपनी लिमिटेड (एफ एफ पी एस), चीन

ग. फ्यूजी फिल्म (चीन) इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड

90 चीन जन.गण. के इन तीन उत्पादकों और निर्यातकों के उत्तर की जांच के दौरान यह नोट किया गया कि इन तीनों ने यह तथ्य बताते हुए बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा किया है कि ये मै. एफ एफ पी बी और मै. एफ एफ पी एस, मै. एफ एफ सी एन के स्वामित्व में हैं जो मै. फ्यूजी फिल्म कार्पो., जापान के स्वामित्व में है, तथा जो एक स्वतंत्र कंपनी है और इन तीनों कंपनियों में राज्य की कोई धारिता नहीं है। उनके दावे की जांच की गई और यह नोट किया गया कि मै. एफ एफ पी बी को मै. एफ एफ सी एम द्वारा एक अन्य कंपनी अर्थात् मै., जो राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी है, के \*\*\*% हिस्से के अधिग्रहण के पश्चात गठित किया गया था। अतः यह नोट किया गया था कि एफ एफ सी एन वर्ष 2001 में स्थापना के बाद से ही फ्यूजी फिल्म कार्पोरेशन की पूर्ण स्वामित्व वाली एक सहायक कंपनी है जिसके पास \*\*\* मिलियन अम.डॉ. की पंजीकृत पूंजी के साथ व्यापार लाइसेंस है। यह जांच अवधि के दौरान फ्यूजी फिल्म कार्पोरेशन, जापान की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बनी रही है। यह भी नोट किया जाता है कि एफ एफ पी एस तथा एफ एफ पी बी का एकमात्र शेयरधारक एफ एफ सी एन है जिसकी शेयरधारिता 100% है। अतः यह नोट किया जाता है कि सभी तीनों कंपनियां इस समय विदेशी स्वामित्व वाली कंपनियां हैं और फ्यूजी फिल्म कार्पोरेशन शेयरधारक है। प्रदत्त दस्तावेजों के आधार पर और जांच के बाद यह माना जाता है कि किसी संयुक्त उद्यम से पूर्ण स्वामित्व वाली विदेशी कंपनी में पूर्ववर्ती रूपांतरण स्वतंत्र मूल्यांकन के आधार पर बाजार मूल्य के अनुसार किया गया था। यह भी नोट किया जाता है कि इन दोनों कंपनियों में निदेशक मंडल का कोई सदस्य राज्य की स्वामित्व वाली कंपनी या राज्य का नहीं है। जहां तक उपयोगिताओं की खरीद और उनकी कीमत का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि इन कीमतों में सामान्य प्रचलित बाजार कीमत का प्रदर्शन होता है। यह भी नोट किया गया था कि एफ एफ पी एस और एफ एफ पी बी द्वारा संबद्ध वस्तु का उत्पादन कर उसकी बिक्री उनकी मूल कंपनी एफ एफ सी एन को की जाती है जो बाद में इन वस्तुओं की बिक्री प्राप्त हुए ऑर्डरों के अनुसार विभिन्न ग्राहकों को करती है। तथापि, ये दोनों कंपनियां अर्थात् मै. एफ एफ पी एस और मै. एफ एफ पी बी संबद्ध वस्तु का निर्यात भारत और अन्य देशों को सीधे करती हैं। इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि मै. फ्यूजी ग्रुप की सभी संबद्ध कंपनियां, जो चीन जन.गण. तथा अन्य देशों में संबद्ध वस्तु के उत्पादन और बिक्री का कारोबार करती हैं, ने अपने उत्तर दायर किए थे और अगोपनीय रूपांतरण सभी संबंधितों के सूचनार्थ सार्वजनिक फाइल में विधिवत रखे गए थे।

91. यह भी नोट किया जाता है कि प्रमुख कच्ची सामग्री एल्युमिनियम चीन जन.गण. में घरेलू खननकर्ताओं से निर्यातकों द्वारा पूर्णतः स्थानीय रूप से खरीदा जा रहा है। यह भी नोट किया गया है कि उनकी खरीद का एक बड़ा हिस्सा राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियों से लिया जाता है। यह भी नोट किया जाता है कि इग्नाट्स और परिवर्तन हेतु शंघाई मेटल एक्सचेंज में वायदा कारोबार के बारे में कीमतें तय की जाती हैं। जांच के दौरान घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि चीन जन.गण. में एल्युमिनियम उद्योग पर शंघाई मेटल एक्सचेंज के जरिए चीन की सरकार द्वारा नियंत्रण रखा जा रहा है। प्राधिकारी ने इस मामले की जांच की है और यह नोट करते हैं कि संबद्ध उत्पाद के उत्पादन हेतु प्रमुख कच्ची सामग्री एल्युमिनियम है। अतः प्राधिकारी ने इस बात की जांच की कि क्या चीन में एल्युमिनियम उद्योग बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन कर रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन की सरकार ने वर्ष 2000 में "चीन में विकास हेतु प्रमुख उद्योगों, उत्पादों तथा प्रोत्साहित प्रौद्योगिकियों की सूची" (प्रोत्साहित उद्योग सूची) जारी की है। उक्त सूची में "एल्युमिनियम" और पूर्णतः स्वचालित हाई स्पीड मल्टी कलर प्रिंटिंग को अन्य के साथ-साथ "प्रोत्साहित" उद्योगों के रूप में अभिज्ञात किया गया है। जी ओ सी की राज्य परिषद ने कार्यान्वयन हेतु "औद्योगिक संरचना के समायोजन के संवर्धन के बारे में अंतरिम

प्रावधान" (निर्णय संख्या 2005 की 40) प्रख्यापित किए थे । अंतरिम प्रावधानों में यह उल्लेख करते हुए एक औद्योगिक सूची का हवाला दिया गया है कि जी ओ सी द्वारा किस प्रकार विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं को "प्रोत्साहित" "प्रतिबंधित" और "समाप्त" माना जाता है । औद्योगिक सूची में यह भी उल्लेख है कि विभिन्न सरकारी नीतियों के अंतर्गत परियोजनाओं पर किस प्रकार विचार किया जाएगा । औद्योगिक सूची में एल्युमिनियम को एक उद्योग मानते हुए "प्रोत्साहित परियोजना" बताया गया है । "प्रोत्साहित" परियोजनाओं के लिए निर्णय 40 में वित्त पोषण सहित सरकार की ओर से उपलब्ध कई सहायता विकल्पों को रेखांकित किया गया है । जी ओ सी ने वर्ष 2006 में "एल्युमिनियम उद्योग की संरचना के समायोजन के संवर्धन के बारे में दिशा-निर्देश" (एल्युमिनियम उद्योग संबंधी दिशा निर्देश) भी जारी किए थे । एल्युमिनियम उद्योग संबंधी दिशा निर्देशों में विभिन्न प्रकार के एल्युमिनियम उत्पादों के उत्पादकों को प्रदान की जाने वाली सहायता पर चर्चा की गई है । उदाहरणार्थ शीर्ष "उद्योग केन्द्रीयकरण में वृद्धि करना, व्यापक उपयोग को प्रोत्साहित करना और संसाधनों का संरक्षण करना" के अंतर्गत एल्युमिनियम उद्योग संबंधी दिशा निर्देशों में निम्नानुसार उल्लेख है :-

(क) उद्यमों एम एंड ए एवं पुनर्गठन हेतु अनुकूल स्थितियां तैयार करना और उद्यमों के आमेलन एवं आर्थिक साधनों के जरिए पुनर्गठन का संवर्धन करना ।

(ख) एल्युमिनियम, इलेक्ट्रोलिटिक एल्युमिनियम और एल्युमिनियम प्रसंस्करण उद्यमों की सहायता करना ताकि आमेलन एवं पुनर्गठन किया जा सके । अंतर्राष्ट्रीय रूप से प्रतिस्पर्धी उद्यम समूह स्थापित किया जा सके, लाभकारी पूरक सहायता प्राप्त की जा सके और औद्योगिक केन्द्रीयकरण को बढ़ाया जा सके ।

(ग) राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों के सुधार, पुनर्गठन और रूपांतरण में भागीदारी हेतु निजी पूंजी और विदेशी पूंजी को प्रोत्साहित करना

(घ) आधारभूत उद्यमों को प्रोत्साहित करना ताकि उभरती हुई प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के स्तरों को बनाए रखा जा सके, मध्यम एवं लघु एल्युमिनियम प्रसंस्करण उद्यमों की प्रौद्योगिकी के रूपांतरण में वृद्धि की जा सके और संसाधनों के उपयोग में सुधार किया जा सके ।

यह भी नोट किया जाता है कि एल्युमिनियम उद्योग संबंधी दिशा निर्देशों में उधार के कार्यक्रमों का भी हवाला दिया गया है । "ऋण नीति तथा औद्योगिक नीति के समन्वय और सहयोग को सुदृढ़ करना और नीतियों के अंतर्गत निकासी तंत्र स्थापित करना" शीर्ष के अंतर्गत एल्युमिनियम उद्योग संबंधी दिशा निर्देशों में उल्लेख है कि :

इस नियम का कड़ाई से पालन करना अपेक्षित है कि इलेक्ट्रोलिटिक एल्युमिनियम परियोजनाओं के लिए न्यूनतम स्व-स्वामित्व वाली पूंजी की अपेक्षा कुल निवेश के 35% से कम नहीं होगी । वित्तीय संस्थान राष्ट्रीय बृहद आर्थिक समायोजनों, औद्योगिक नीतियों और उधार संबंधी सामान्य सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए उधार ऋण का यथोचित आबंटन करेंगे । वित्तीय संस्थान आक्साइड एल्युमिनियम या इलेक्ट्रोलिटिक एल्युमिनियम उद्यमों को ऋण प्रदान करना जारी रख सकते हैं जो राष्ट्रीय औद्योगिक नीतियों और बाजार प्रवेश की न्यूनतम सीमा का पालन करते हैं बशर्ते ऐसा उधार सामान्य उधार सिद्धांतों के अनुसार हो । उन उद्यमों को कोई ऋण प्रदान नहीं किया जाएगा जो राष्ट्रीय औद्योगिक नीतियों का पालन नहीं करते.

बाजार प्रवेश की न्यूनतम सीमा को पूरा नहीं करते हैं, जिनके पास पुरानी विनिर्माण प्रक्रियाएं हैं, जिन्हें निषिद्ध रूप में वर्गीकृत किया गया है अथवा जिन्हें प्रचालन बंद करने का आदेश दिया गया है यदि ऋण गलती से ऐसे उद्यमों को प्रदान किया जाता है तो वित्तीय संस्थान ऋण का दावा करने और वित्तीय जोखिम से बचने के उचित उपाय करेंगे ।

इसके अतिरिक्त "पर्यावरणिक सुरक्षा संबंधी विनियमों के कार्यान्वयन का संवर्धन, क्षमता समापन" शीर्ष के अंतर्गत एल्युमिनियम उद्योग संबंधी दिशा-निर्देशों में यह उल्लेख है कि "वित्तीय साधनों" का उपयोग "उद्यमों की पर्यावरणिक सुरक्षा और ऊर्जा बचत में सहायता हेतु" किया जाएगा । यह भी नोट किया जाता है कि वित्तपोषण के रूप में सहायता पर "अलौह धातु उद्योग, समायोजन एवं पुनरुद्धार योजना" (अलौह धातु योजना) में भी चर्चा की गई है जिसे वर्ष 2009 में जी ओ सी ने जारी किया था । "प्रौद्योगिकी सुधार और प्रौद्योगिकी उन्नयन के प्रति समर्पण में वृद्धि" शीर्ष के अंतर्गत अलौह धातु योजना में उल्लेख है कि :

नए केन्द्रीय निवेश से कुछ निधियां चिन्हित करना । अलौह धातु उद्योग में आर एंड डी तथा प्रौद्योगिकी सुधार में सहायता करने के लिए ऋण ब्याज सब्सिडी का प्रयोग करना, ऊर्जा संरक्षण प्रौद्योगिकियों के सुधार के लिए निर्देशित वित्तीय सहायता के स्तर को बढ़ाना, अलौह धातु योजना में आगे "प्रोत्साहन और हतोत्साहन", "अलौह धातु उद्योग में आधारभूत उद्यमों को वित्तीय सहायता में वृद्धि" की वित्तपोषण नीति के कार्यान्वयन को जारी रखना शीर्ष के अंतर्गत एल्युमिनियम उद्योग के वित्त पोषण का हवाला दिया गया है । स्टॉक, उद्यम बॉण्ड एवं कारपोरेट बॉण्ड जारी करने में कुछ उद्यमों को सहायता प्रदान करना । ऐसी सहायता प्राप्त करने के पात्र वे उद्यम हैं जो उन परियोजनाओं में कार्यरत हैं, जो निवेश प्रबंधन शर्तों का अनुपालन करने के अलावा औद्योगिक नीति तथा संगत पर्यावरणिक और भूमि संबंधी विनियमों का पालन करते हैं; और अधिग्रहण, पुनर्गठन, "विदेश गमन" और प्रौद्योगिकी सुधार का कार्यान्वयन करते हैं ।

92 उपर्युक्त के आधार पर यह नोट किया जाता है कि चीन में एल्युमिनियम उद्योग में अत्यधिक सरकारी हस्तक्षेप है ।

93 यह भी नोट किया जाता है कि कनाडियन प्राधिकारियों ने "चीन जन.गण. के मूल के या वहां से निर्यातित कुछेक एल्युमिनियम निष्कर्षणों" के खिलाफ पाटनरोधी एवं सब्सिडीरोधी जांच में यह निष्कर्ष निकाला है कि चीन जन.गण. में एल्युमिनियम उद्योग के प्रचालन में सरकारी हस्तक्षेप है । कनाडियन प्राधिकारियों ने एल्युमिनियम कारपोरेशन ऑफ चाइना लि. (चेल्को) द्वारा अमरीकी प्रतिभूति एवं विनियम आयोग (एस ई सी) के पास दायर वार्षिक रिपोर्ट (प्रपत्र 20 एफ) का उल्लेख किया है जिसमें आम तौर पर अर्थव्यवस्था तथा एल्युमिनियम उद्योग में चीन की सरकार की परोक्ष भूमिका का कुछ संकेत मिलता है । चेल्को एल्युमिनियम कारपोरेशन ऑफ चाइना लि. (चाइनाल्को) की एक सहायक कंपनी है जो राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों में से एक है । कनाडियन प्राधिकारियों ने अपने जांच परिणाम में यह उद्धृत किया है कि चेल्को ने चीन में अर्थव्यवस्था की



स्थिति और चीन में व्यापार करने से संबंधित खुद के जोखिमों के बारे में निम्नानुसार उल्लेख किया है ।

हमारे व्यापार, परिसंपत्तियों और प्रचालनों का एक बड़ा हिस्सा चीन में अवस्थित है । चीन की अर्थव्यवस्था कई रूप में अधिकांश विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाओं से भिन्न है । चीन की अर्थव्यवस्था योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था से बाजारोन्मुख अर्थव्यवस्था में रूपांतरित हो रही है । यद्यपि, हाल के वर्षों में पी आर सी सरकार ने आर्थिक सुधार हेतु बाजारी शक्तियों के उपयोग, उत्पादनकारी परिसंपत्तियों पर राज्य स्वामित्व में कमी और व्यापार उद्यमों में ठोस नैगमिक अभिशासन की स्थापना पर जोर देते हुए उपाय कार्यान्वित किए हैं । तथापि, चीन में उत्पादनकारी परिसंपत्तियों का एक बड़ा हिस्सा पी आर सी सरकार के अभी भी स्वामित्व में है । इसके अलावा, पी आर सी सरकार औद्योगिक नीतियों को लागू कर उद्योग के विनियमन में पर्याप्त भूमिका निभा रही है । यह संसाधनों के आबंटन, विदेशी मुद्रा मूल्यवर्गित दायित्वों के भुगतान में नियंत्रण, आर्थिक नीति के निर्धारण और विशेष उद्योगों और कंपनियों को अधिमानी व्यवहार प्रदान करने के जरिए चीन के आर्थिक विकास पर पर्याप्त नियंत्रण का प्रयोग भी करती है । इनमें से कुछ उपायों से चीन की समग्र अर्थव्यवस्था को लाभ मिलता है परंतु इनसे हम पर वास्तविक प्रतिकूल प्रभाव भी पड़ सकता है ।

94. चीन में एल्युमिनियम उद्योग ने सरकार के अत्यधिक हस्तक्षेप को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह मानना उचित नहीं है कि चीन का एल्युमिनियम उद्योग बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन कर रहा है । इसके अलावा, प्राधिकारी ने चीन में प्रचलित एल्युमिनियम की कीमत की जांच की है । घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि संघाई मेटल एक्सचेंज में प्रदर्शित एल्युमिनियम की कीमतें एल एम ई कीमतों की तुलना में काफी कम है । किसी भी निर्यातक ने उचित साक्ष्य के साथ इन दावों का खंडन नहीं किया है ।

यह नोट किया जाता है कि यद्यपि, विश्व भर में एल्युमिनियम के प्रयोक्ता कीमत सूचकांक के रूप में लंदन मेटल एक्सचेंज ("एल एम ई") का पालन करते हैं । तथापि, चीन के उद्योग संघाई मेटल एक्सचेंज ("एस एच एफ ई") का पालन करते हैं । चीन में स्थानीय उत्पादक एस एच एफ ई पर आधारित कीमतों पर एल्युमिनियम की खरीद करते हैं । यह नोट किया जाता है कि एस एच एफ ई पर सरकार का नियंत्रण है और एस एच एफ ई की कीमतों को पूर्णतः बाजार संचालित नहीं कहा जा सकता । इस संबंध में एस एच एफ ई के कार्यचालन में सरकारी नियंत्रण और सरकार द्वारा वस्तुओं की कीमत के विनियमन के प्रयोग का साक्ष्य चीन की सरकार द्वारा निर्मित "संघाई मेटल एक्सचेंज के नियंत्रण हेतु अंतरिम प्रावधान" से उपलब्ध होता है जिसका संगत भाग निम्नानुसार है :-

अनुच्छेद- 4 : एक्सचेंज का काम मौके पर और वायदा बाजार में धातु सामग्री को निर्देशित करना और उससे संबंधित सौदों को नियंत्रित करना है ... "

अतः ऐसा प्रतीत होता है कि एस एच एफ ई की स्थापना का उद्देश्य खननकर्ताओं और प्रयोक्ताओं द्वारा धातु के सौदों पर चीन जन.गण. की सरकार द्वारा नियंत्रण का प्रयोग किया जाता है । इससे इस बात की पुष्टि होती है कि एस एच एम ई में कीमतों का निर्धारण सरकार द्वारा किया जाता है ।

अनुच्छेद-6 : संघाई मेटल एक्सचेंज के प्रशासन बोर्ड (जिसे एतद्पश्चात् "प्रशासन बोर्ड" कहा गया है,) का गठन मेटल मैटीरियल विभाग, सामान्य प्रबंधन विभाग और सामग्री एवं आपूर्ति मंत्रालय के विदेशी आर्थिक सहयोग विभाग एवं योजना समिति, आर्थिक सुधार कार्यालय, सामग्री एवं आपूर्ति ब्यूरो, वित्त ब्यूरो, उद्योग एवं वाणिज्य प्रशासन और संघाई नगर पालिका जनवादी सरकार के कीमत निर्धारण ब्यूरो द्वारा किया जाता है ।

अतः यह नोट किया जाता है कि एस एच एफ ई के समूचे प्रशासन बोर्ड का गठन चीन जन.गण. की सरकार द्वारा किया जाता है और प्रशासनिक बोर्ड में कोई भी व्यक्ति सरकारी नियंत्रण से मुक्त नहीं है । इसके अलावा प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूरोपीय संघ ने आर्मेनिया, ब्राजील और चीन जन.गण. के मूल के कुछेक एल्युमिनियम फॉइल के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने के बारे में परिषद विनियम (ई सी) सं. 925/2009 के तहत निम्नानुसार निर्णय दिया है :

दौर से इस बात की पुष्टि हुई कि राज्य की एस एच एफ ई पर कीमत निर्धारण के बारे में प्राथमिक भूमिका होती है और वह खासकर प्राथमिक एल्युमिनियम के विक्रेता और स्टेट रिजर्व ब्यूरो एवं राज्य के अन्य निकायों के जरिए क्रेता, दोनों के रूप में उसकी स्थिति के मद्देनजर कीमत निर्धारण तंत्र में हस्तक्षेप करता है । इसके अलावा, राज्य एस एच एफ ई के नियमों के जरिए दैनिक कीमत सीमाएं तय करता है जिनका अनुमोदन राज्य विनियामक, चीन प्रतिभूति विनियामक आयोग ("सी एस आर सी") द्वारा किया गया है । यह भी स्पष्ट किया जाता है कि एस एच एफ ई चीन में पंजीकृत कंपनियों और चीन के नागरिकों के लिए एक बंद एक्सचेंज है और यह कि एस एच एफ ई एवं चीन से बाहर के अंतर्राष्ट्रीय एक्सचेंजों के बीच कोई कारगर माध्यस्थम नहीं है । इसकी पुष्टि एस एच एफ ई और एल एम ई जैसे अंतर्राष्ट्रीय एक्सचेंजों के बीच पर्याप्त कीमत अंतर से होती है । इसके अलावा, जहां एस एच एफ ई वायदा बाजार का संपर्क वास्तविक डिलीवरी में समाप्त होता है, वहां यह अंतर्राष्ट्रीय एक्सचेंजों के विपरीत जहां डिलीवरी विश्व में कहीं भी ली जा सकती है, पी आर सी के भीतर अनुमोदित भांडागार में ही ली जा सकती है । डिलीवरी के इन नियमों से यह सुनिश्चित होता है कि चीन का घरेलू बाजार विश्वव्यापी बाजार से अप्रभावित रहता है और यह कि कीमत विकृति से केवल चीन की कंपनियों को लाभ मिलता है ।

इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि एस एच एफ ई में उद्धृत एल्युमिनियम की कीमतें एल एम ई में उद्धृत कीमतों से कम हैं । अतः उत्पादकों और निर्यातकों ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि क्या प्रमुख कच्ची सामग्री की लागत में बाजार मूल्य का पर्याप्त प्रदर्शन होता है । प्रकटन विवरण के उत्तर में प्रतिवादी उत्पादक और निर्यातक द्वारा की

गई टिप्पणियां प्राधिकारी को पूर्व में किए गए अनुरोधों की पुनरावृत्ति है जिनकी जांच की जा चुकी है। उपर्युक्त कारणों से और उत्तरों की जांच करने के बाद प्राधिकारी यह मानते हैं कि चीन में एल्युमिनियम की कीमत बाजार द्वारा निर्धारित नहीं है और यह कि चीन में डिजिटल प्रिंटिंग प्लेट विनिर्माता उद्योग बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन नहीं कर रहा है। तदनुसार प्राधिकारी इस जांच में निर्यातकों के एम ई टी दावों को रद्द करते हैं।

### कोडक ग्रुप ऑफ कंपनीज के एम ई टी उत्तर की जांच

95. बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे की जांच कोडक ग्रुप की निम्नलिखित दो कंपनियों जिन्होंने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर और एम ई टी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया था, के संबंध में की गई थी।

क. कोडक (चीन) ग्राफिक कम्युनिकेशन कंपनी लिमिटेड, कोडक, चीन जन.गण ( के सी जी सी सी एल)

ख. कोडक (चीन) इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. (के सी आई सी एल)।

चीन जन.गण. के इन दो उत्पादकों और निर्यातकों के उत्तर की जांच के दौरान यह नोट किया गया कि इन दोनों ने बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा किया है। यह अनुरोध किया गया है कि मै. के सी जी सी सी एल मै. के सी आई सी एल और मै. कोडक (चीन) कंपनी लिमिटेड के स्वामित्व में है और ये दोनों कंपनियां मै. कोडक चीन लिमिटेड के स्वामित्व में है जो अपनी धारक कंपनी मै. ईस्टमैन कोडक होल्डिंग्स लिमिटेड बी वी के जरिए ईस्टमैन कोडक कंपनी के स्वामित्व में है। यह भी नोट किया जाता है कि मै. के सी जी सी सी एल जियामैन, फूजियान प्रोविन्स, चीन जन.गण. में निगमित पूर्णतः विदेशी स्वामित्व वाली कंपनी है। यह भी नोट किया जाता है कि मै. के सी आई सी एल चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तु की घरेलू विक्रेता है और उसने जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यात बिक्री में कोई भागीदारी नहीं की है। उनके अनुरोधों और मौके पर सत्यापन के बाद यह नोट किया गया है कि ये कंपनियां स्वतंत्र कंपनियां हैं और इन सभी कंपनियों में राज्य की कोई शेयरधारिता नहीं है। यह भी नोट किया गया है कि ये कंपनियां राज्य की किसी अन्य कंपनी से रूपांतरित नहीं हुई हैं। यह नोट किया जाता है कि मै. के सी जी सी सी एल चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तु की उत्पादक है और वह सीधे एवं अपनी सहायक कंपनी मै. कोडक सिंगापुर लि. के जरिए भारत को और तीसरे देशों (सिंगापुर, कोरिया, न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया) को निर्यात करती है। तथापि, भारत को समस्त पोतलदान जियामैन स्थित उसकी फैक्ट्री से सीधे भारत को किए जाते हैं। यह भी नोट किया गया था कि इन दोनों कंपनियों में निदेशक मंडल का कोई सदस्य राज्य की स्वामित्व वाली कंपनी या राज्य से नहीं है। उपयोगिताओं की खरीद और उनकी कीमत के बारे में यह नोट किया गया था कि इन कीमतों में सामान्य प्रचलित बाजार कीमतों का प्रदर्शन होता है।

कच्ची सामग्री की खरीद के संबंध में यह नोट किया जाता है कि प्रमुख कच्ची सामग्री एल्युमिनियम को निर्यातकों से खरीदा जाता है। यद्यपि, उत्पादक और निर्यातक ने यह अनुरोध

किया है कि चीन जन.गण. और भारत में डिजिटल प्लेटों के विनिर्माण और बिक्री हेतु कच्ची सामग्री की जरूरतों के एक बड़े भाग की पूर्ति आयातों के जरिए और मै. \*\*\* , जो राज्य की स्वामित्व वाली एक कंपनी है, से की जाती है तथापि, उत्पादक और निर्यातक ने इस तथ्य का खंडन नहीं किया है कि कच्ची सामग्री की जरूरत के एक बड़े हिस्से की पूर्ति संघाई मैटल एक्सचेंज में प्रचलित कीमतों के आधार पर घरेलू कंपनियों द्वारा की जाती है ।

उपर्युक्त पैरा 91 से 94 में प्राधिकारी द्वारा स्पष्ट किए गए कारणों के साथ-साथ इससे प्राधिकारी यह मानते हैं कि चीन में एल्युमिनियम की कीमतें बाजार द्वारा निर्धारित नहीं हैं और यह कि चीन में डिजिटल प्रिंटिंग प्लेट विनिर्माता उद्योग बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन नहीं कर रहा है । तदनुसार, प्राधिकारी इस जांच में निर्यातकों के एम ई टी दावों को खारिज करते हैं ।

**चीन जन.गण. तथा जापान के उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए परिकलित सामान्य मूल्य सहित सामान्य मूल्य के निर्धारण से संबंधित मुद्दे-निर्यातकों, आयातकों और प्रयोक्ताओं के तर्क**

**96. सामान्य मूल्य के बारे में अनुरोध**

- डिजिटल प्लेटों का कोई पाटन नहीं हुआ है । परिकलित सामान्य मूल्य काफी अधिक बताया गया है ।
- सामान्य मूल्य की गणना के प्रयोजनार्थ एल्युमिनियम प्लेट की लागत के बजाए एल्युमिनियम की लागत पर विचार किया गया है । एल्युमिनियम प्लेट की परिवर्तन लागत भी अधिक बताई गई है ।
- कैटनोवा की बिक्री और वितरण लागत भी काफी अधिक है जिस पर सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु विचार किया गया है ।
- टेक्नोवा ने इस बात को छिपाया है कि उत्पाद के उत्पन्न हेतु बिक्री और वितरण लागत काफी अधिक रहती है । चूंकि ये लागतें भारतीय बाजार में उत्पाद की बिक्री करते समय विदेशी उत्पादकों द्वारा वहन नहीं की जाती हैं, और ये लागतें आयातकों द्वारा वहन की जाती हैं और चूंकि वर्तमान उत्पाद में यह लागत काफी अधिक है, इसलिए सामान्य मूल्य में इन लागतों को शामिल किए जाने से सामान्य मूल्य में वृद्धि हुई है ।
- टेक्नोवा ने जापान में प्रचलित उच्चतर श्रम लागत का दावा किया है परंतु भारत में उत्पादकता में विचार किया जाता है जबकि जापान की उत्पादकता अपेक्षाकृत अधिक है ।
- दावा किया गया उच्च पाटन मार्जिन सामान्य मूल्य को अधिक दर्शाने के कारण बनता है ।
- आयातों और घरेलू उद्योग के संबंध में व्यापार का स्तर किसी भी हालत में सामान्य नहीं है । आयातों के बारे में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भारतीय पुनः विक्रेताओं के लिए विदेशी उत्पादकों की आयात कीमत पर विचार किया है । अतः आयात कीमत पुनः

विक्रेताओं के लिए कीमत है। तथापि, घरेलू उद्योग के मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने बिक्री कीमत और अंतिम उपभोक्ताओं के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार किया है जिसकी तुलना पुनः विक्रेताओं के लिए आयात कीमत के साथ की है। पुनः विक्रेताओं के लिए बिक्री कीमत किसी भी हालत में अंतिम उपभोक्ताओं के लिए बिक्री कीमत की तुलना में समान नहीं हो सकती। खासकर इसलिए, कि अलग-अलग उपभोक्ताओं की संख्या काफी कम है और 4-5 आपूर्तिकर्ताओं द्वारा 1.5-2 लाख प्रिंटरों की पूर्ति की जा रही है। आयात कीमत और पुनः बिक्री कीमत के बीच कीमत अंतर को हिसाब में लेने के लिए आयात कीमत में 20 प्रतिशत का समायोजन अपेक्षित है। निर्दिष्ट प्राधिकारी इस प्रयोजनार्थ कैटनोवा की बिक्री और वितरण लागत पर विचार कर सकते हैं।

- निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उत्पादन प्रणाली की परिकलित लागत अपनाते समय सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु अंतर्राष्ट्रीय कीमत के रूप में चीन से आयात कीमत पर विचार किया है।
- सामान्य मूल्य का परिकलन घरेलू उद्योग की संवर्धित उत्पादन लागत पर आधारित है जिसके परिणामस्वरूप कृत्रिम पाटन और क्षति मार्जिन का निर्धारण हुआ है।
- प्रकटन विवरण के बाद घरेलू उद्योग ने सी एन वी के निर्धारण में प्राधिकारी द्वारा लिए गए परिवर्तन लागत और उचित लाभ के घटकों का प्रकटन करने का अनुरोध किया है।

#### प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य की जांच

- जापान के मामले में सामान्य मूल्य का परिकलन नहीं किया गया है; सहयोगी उत्पादक और निर्यातक के लिए विचारित सामान्य मूल्य प्रतिवादी निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार है।
- जहां तक चीन जन.गण. के उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु लिथो ग्रेड एल्युमिनियम ग्रेडों की कीमत को ध्यान में रखने का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने जांच अवधि हेतु घरेलू उद्योग द्वारा आयात किए गए रूप में भारत में लिथो ग्रेड एल्युमिनियम की आयात कीमत को ध्यान में रखा है। यह स्मरणीय है कि जांच की शुरुआत के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने जांच अवधि हेतु एल्युमिनियम की एल एम ई कीमत और घरेलू उद्योग के अनुसार परिवर्तन लागत फार्मूले को लिया था। तथापि, यह नोट किया गया था कि एल एम ई कीमत पर आधारित परिकलित सामान्य मूल्य वस्तुतः अधिक था। अतः प्राधिकारी ने परिकलित सामान्य मूल्य के प्रयोजनार्थ भारत में वास्तविक लिथो ग्रेड की आयात कीमत को ध्यान में रखा है। चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य घरेलू उद्योग द्वारा प्राप्त आयातित लिथो ग्रेड एल्युमिनियम ग्रेड की लागत पर आधारित है और प्राधिकारी द्वारा सत्यापित घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत और उचित लाभ मार्जिन का ध्यान रखा गया है। इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने क्षति रहित कीमत और सी एन वी का निर्धारण कारखाना स्तर पर किया है।

97. जैसा कि पाटन मार्जिन के बारे में पूर्ववर्ती पैराओं में नोट किया गया है, इन परिस्थितियों में प्राधिकारी ऊपर उल्लिखित चीनी कंपनियों के लिए नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 को लागू करने की स्थिति में नहीं हैं और उन्हें नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार कार्यवाही करनी होगी। इन नियमों के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य को निम्नलिखित में से किसी आधार पर निर्धारित किया जा सकता है:

- क. बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत के आधार पर, या
- ख. बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में परिकल्पित मूल्य, या
- ग. ऐसे किसी तीसरे देश से भारत समेत अन्य देशों को कीमत
- घ. यदि ऊपर उल्लिखित विकल्पों के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है तो प्राधिकारी भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से दी गई कीमत या देय कीमत को तर्कसंगत लाभ मार्जिन हेतु विधिवत रूप से समायोजित करने सहित किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित कर सकते हैं।

98. प्राधिकारी नोट करते हैं कि तीसरे देश की लागत और कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु घरेलू बिक्रियों या तीसरे देश की निर्यात बिक्रियों संबंधी पूरे और विस्तृत आंकड़े तथा उत्पादन की लागत और ऐसे तीसरे देश के उत्पादकों का सहयोग अपेक्षित है। यह नोट किया जाता है कि इन बाजारों में प्रचलित कीमतों और लागतों के संबंध में कोई सूचना नहीं मिल सकी है और प्रतिवादी चीनी कंपनियों ने इस स्तर पर उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में कोई दावा नहीं किया है। इसलिए निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी का वास्तविक किसी अन्य उचित आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन करने का है। अतः सामान्य मूल्य का परिकलन घरेलू उद्योग द्वारा खरीदी गई लियो ग्रेड की एल्युमिनियम प्लेट की अद्यतन लागत और प्राधिकारी द्वारा सुत्यापित घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत तथा उचित लाभ मार्जिन के आधार पर किया गया है। जहां तक घरेलू उद्योग के तर्कों का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि परिवर्तन लागत के घटक घरेलू उद्योग द्वारा निर्धारित क्षति रहित कीमत के अनुरूप हैं जिनमें वित्तीय लागत भी शामिल है। प्राधिकारी द्वारा लिया गया उचित लाभ मार्जिन उक्त पूर्ववर्ती परिसीमाओं के अनुरूप है।

#### निर्यातकों द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दे और पाटन मार्जिन के निर्धारणार्थ प्राधिकारी द्वारा जांच

99. संबद्ध देशों से विभिन्न उत्पादकों और निर्यातकों ने यह अनुरोध किया है कि डिजिटल प्लेटों की तीन किस्मों अर्थात् वायलट प्लेट, थर्मल प्लेट और सी टी सी पी प्लेट (या यू वी सी टी पी प्लेट) की लागत और कीमतों में भारी अंतर है और पाटन मार्जिन तथा क्षति विश्लेषण के निर्धारण के प्रयोजनार्थ इनकी अलग-अलग जांच की जानी चाहिए। इस मामले पर विचार किया गया और इस मामले के सभी मुद्दों की जांच के आधार पर आयाजित संबद्ध वस्तु की तीन किस्मों की पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु के सम्यक् तुलना करना उचित समझा गया और तत्पश्चात संबद्ध वस्तु के लिए समग्र रूप से एक मात्र उचित पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है।

**चीन जन.गण. के प्रतिवादी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन (के सी जी सी सी एल, मै. कोडक सिंगापुर (पी टी ई) लि., एफ एफ पी बी, एफ एफ पी एस, लकी)**

100. इन प्रतिवादी उत्पादकों और निर्यातकों द्वारा यथा दावित और प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत विचाराधीन उत्पाद की प्रत्येक किस्म के लिए निर्धारित सभी तीन किस्मों के संबंध में भारत के लिए अलग-अलग निर्यात कीमत निर्धारित की गई है। माल भाड़ा, बीमा, वारंटी आदि जैसे समायोजनों के लिए कीमत समायोजनों का दावा किया गया है जिन्हें सहयोगी निर्यातक/उत्पादक के आंकड़ों के सत्यापन के बाद स्वीकार किया गया है। घरेलू उद्योग द्वारा कोडक और फ्यूजी से निर्यात कीमत की गणना के बारे में दिए गए तर्कों के संदर्भ में यह नोट किया जाता है कि उनकी निर्यात कीमतें स्वतंत्र ग्राहकों को किए गए निर्यातों की कीमत के अनुरूप और उसकी रेंज में हैं और इसलिए उन्हें स्वीकार किया गया है। भारत के निर्यात बिक्रियां (निर्यातक द्वारा दावा किए गए और प्राधिकारी द्वारा अंतिम रूप से स्वीकार किए गए सभी समायोजनों का निवल) की तुलना पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु उत्पाद किस्म की संगत परिकलित सामान्य मूल्य के साथ की गई है। अलग-अलग किस्मों के लिए यह पाटन मार्जिन प्रतिवादी निर्यातक के लिए एकल पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु भारत औसत किए गए हैं। निर्यातक के आंकड़ों के विश्लेषण के पश्चात निर्धारित पाटन मार्जिन आगे तालिका में दिया गया है।

**संबंधित उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन**

101 यह नोट किया जाता है कि संबद्ध जांच में अनेक सहयोगी उत्पादक और निर्यातक एक दूसरे से संबंधित हैं और संबंधित कंपनियों का एक समूह बनाते हैं। प्राधिकारी की यह संगत परिपाटी रही है कि वह समान गुप से संबंधित निर्यातक उत्पादकों या उत्पादक निर्यातकों को पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए एक कंपनी माने और इस प्रकार उनके लिए एक एकल पाटन मार्जिन निर्धारित करे। ऐसा इसलिए है क्योंकि अलग-अलग पाटन मार्जिन परिकलित करने से पाटनरोधी उपायों का प्रवर्धन प्रोत्साहित हो सकता है। इस प्रकार वे अप्रभावी हो जाएंगे और संबंधित निर्यातक उत्पादक सबसे कम व्यक्तिगत पाटन मार्जिन वाली कंपनी के जरिए भारत को अपने निर्यात भेजने में सक्षम हो जाएंगे।

102 उपर्युक्त के अनुसार समान गुप से संबंधित निर्यातक उत्पादकों को एक एकल कंपनी माना गया है और उनके लिए एकल पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है जिसकी गणना संबंधित समूहों में सहयोगी उत्पादकों के पाटन मार्जिनों के भारत औसत के आधार पर की गई है।

**चीन जन.गण. के असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन**

103. विचाराधीन उत्पाद की प्रत्येक तीनों किस्मों के लिए उपलब्ध तथ्यों के अनुसार सभी तीन किस्मों के संबंध में अलग-अलग निर्यात कीमत निर्धारित की गई है। उपलब्ध तथ्यों के आधार पर

कीमत समायोजनों की अनुमति दी गई है। भारत के निर्यात बिक्रियां (सभी समायोजनों का निवल) की तुलना पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु उत्पाद किस्म की संगत परिकलित सामान्य मूल्य के साथ की गई है। अलग-अलग किस्मों के लिए यह पाटन मार्जिन असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए एकल पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु भारत औसत किए गए हैं। निर्यातकों के आंकड़ों के विश्लेषण के पश्चात् निर्धारित पाटन मार्जिन निम्नांकित तालिका में दिया गया है।

### मै. फ्यूजी फिल्म कार्पो., जापान के लिए सामान्य मूल्य

#### उत्पादकों और निर्यातकों के अनुरोध

104. मै. फ्यूजी फिल्म कार्पो. जापान ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। यह नोट किया जाता है कि मै. फ्यूजी फिल्म कार्पो. मै. फ्यूजी फिल्म होल्डिंग कार्पो. के 100% स्वामित्व में है। यह भी नोट किया जाता है कि प्रतिवादी उत्पादक और निर्यातक ने अपनी संबद्ध कंपनी मै. फ्यूजी फिल्म ग्राफिक सिस्टम (एफ एफ जी एस) को अपने घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्री है जिसने बाद में संबद्ध वस्तुओं को विभिन्न डीलरों/वितरकों/बिक्री सहायक कंपनियों को बेचा है जिन्होंने बाद में संबद्ध वस्तुओं को डीलरों/स्वतंत्र प्रयोक्ताओं को बेचा है। यह भी नोट किया जाता है कि भारत को निर्यात में उन्होंने बताया है कि भारती बाजार में बेचे गए उत्पाद एल पी-एन एन वी किस्म जो जापानी बाजार में नहीं बिकती है क्योंकि जापानी समाचार पत्र कंपनियों द्वारा वॉयलेट प्रणाली का उपयोग नहीं किया जाता है, को छोड़कर जापानी बाजार में बेचे गए उत्पाद के समान है। यह भी बताया गया है कि प्रोसेसलैस प्लेट जो जापानी बाजार में विनिर्मित और बेची जाती है, भारत में बेची गई सी टी पी प्लेट से अलग है। यह भी बताया गया है कि यद्यपि सी टी पी प्लेटों और पारंपरिक प्लेटों दोनों सहित मौजूदा ऑफसेट प्लेटों में विकास के लिए कैमिस्ट्री अपेक्षित है। तथापि, फ्यूजी फिल्म प्रोसेसलैस प्लेटों में ऐसी कैमिस्ट्री की जरूरत नहीं है। मौजूदा प्लेटों को प्रोसेसलैस प्लेटों पर लागू प्रक्रिया से विकसित नहीं किया जा सकता है। विलोमतः प्रोसेसलैस प्लेटों को मौजूदा प्लेटों की तरह से विकसित नहीं किया जा सकता है। अतः उन्होंने बताया है कि उनकी प्रोसेसलैस प्लेटों और मौजूदा प्लेटों को प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार पीआरओ-टी2 जैसी उकी प्रोसेसलैस प्लेटों जांच के विषय से बाहर रखा जाना चाहिए।

### मै. फ्यूजी फिल्म कार्पोरेशन जापान के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

105 यह पहले निर्धारित किया गया कि क्या सबद्ध देश में उत्पादकों/निर्यातक द्वारा संबद्ध वस्तु की कुल घरेलू बिक्रियां निर्यातक देश में बेची गई संबंधित संबद्ध वस्तु की उनकी कुल बिक्रियों के तुलनात्मक दृष्टि से प्रतिनिधि हैं। तत्पश्चात् इस बात की जांच की गई कि क्या उनकी बिक्रियां पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के नियम 2 के अनुसार व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में थीं। तथापि, उत्तर की वास्तविक मैट्रिक्स को ध्यान में रखते हुए और विस्तृत जांच और सूचना के स्थल पर सत्यापन होने तक प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ सामान्य मूल्य का निर्धारण घरेलू बाजार में उनकी संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्री कीमत और अंतर्देशीय भाड़े, बीमा आदि के बारे में समायोजनों पर विचार करते हुए किया गया है।

### जापान से प्रतिवादी उत्पादक और निर्यातक (मै. फ्यूजी फिल्म कार्पोरेशन) के लिए निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन



106. विचाराधीन उत्पाद की दो किस्मों के संबंध में भारत में अलग-अलग निर्यात कीमत निर्धारित की गई है जैसा कि प्रतिवादी उत्पादक और निर्यातक ने दावा किया था और अनंतिम रूप से प्राधिकारी द्वारा स्वीकार किया गया था। माल भाड़ा, बीमा, वारंटी आदि जैसे समायोजनों के लिए कीमत समायोजनों का दावा किया गया है जिन्हें स्वीकार किया गया है। भारत के निर्यात बिक्रियां (निर्यातक द्वारा दावा किए गए और प्राधिकारी द्वारा अनंतिम रूप से स्वीकार किए गए सभी समायोजनों का निवल) की तुलना पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु उत्पाद किस्म की संगत परिकलित सामान्य मूल्य के साथ की गई है। अलग-अलग किस्मों के लिए यह पाटन मार्जिन प्रतिवादी निर्यातक के लिए एकल पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु भारत औसत किए गए हैं। निर्यातक के आंकड़ों के विश्लेषण के पश्चात निर्धारित पाटन मार्जिन तालिका में दिया गया है।

### जापान से अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

107 जापान से भारत को संबद्ध वस्तु की निर्यात मात्रा और कीमत की जांच की गई है। जापान से संबद्ध वस्तु के आयातों के सौदेवार आंकड़ों की विस्तृत जांच से यह नोट किया गया है कि जापान से ज्ञात संबद्ध वस्तु के समस्त निर्यात मै. फ्यूजी फिल्म कार्पो., जापान द्वारा किए गए हैं। उक्त देश की किसी अन्य कंपनी की ओर से संबद्ध वस्तु का कोई ज्ञात निर्यात नहीं किया गया है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए मै. फ्यूजी फिल्म कार्पो., जापान के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन को जापान के सभी अन्य उत्पादकों और निर्यातकों, यदि कोई हो, पर लागू किया गया है।

उत्पादक	निर्यातक	पाटन मार्जिन अम.डा./ वर्ग.मी.	पाटन मार्जिन %	समूह पाटन मार्जिन अम.डा./ वर्ग.मी.	समूह पाटन मार्जिन %
फ्यूजी फिल्म कार्पोरेशन, जापान	फ्यूजी फिल्म कार्पोरेशन, जापान		45-55		45-55
फ्यूजी फिल्म प्रिंटिंग प्लेट कं. लि., चीन (एफ एफ पी बी)	फ्यूजी फिल्म प्रिंटिंग प्लेट कं. लि., चीन (एफ एफ पी बी)		10-20		
फ्यूजी फिल्म (चीन) कार्पो. लि. (एफ एफ पी एस)	फ्यूजी फिल्म (चीन) कार्पो. लि. (एफ एफ पी एस)		10-20		10-20
मै. कोडक (चीन) ग्राफिक्स कम्युनिकेशन सिस्टम लि.	मै. कोडक (चीन) ग्राफिक्स कम्युनिकेशन सिस्टम लि.		0-10%		
मै. कोडक (चीन) ग्राफिक्स कम्युनिकेशन सिस्टम लि.	कोडक सिंगापुर पी टी ई लि.		-(5-15)		0-10%
लकी हुआनगुआंग ग्राफिक्स कं. लि.	लकी हुआनगुआंग ग्राफिक्स कं. लि.		45-55		45-55/

चीन जन.गण. से अन्य कोई उत्पादक/निर्यातक			80-90		80-90
जापान से अन्य कोई उत्पादक/निर्यातक	अन्य		45-55		45-55

## ड क्षति

### आयातकों, निर्यातकों, प्रयोक्ताओं और प्रयोक्ता एसोसिएशनों द्वारा किए गए अनुरोध

108. क्षति के मुद्दे पर आयातकों, निर्यातकों, प्रयोक्ताओं और प्रयोक्ता एसोसिएशनों का प्रतिनिधित्व करने वाले हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित मुद्दे उठाए गए हैं :-

- (क) यह अनुरोध किया गया है कि 2007-08 से 2010-11 की अवधि के दौरान टेक्नोवा ने अपनी क्षमता को 3 गुना बढ़ाकर 6 मिलियन वर्ग मीटर से 18 मिलियन वर्ग मी. कर दिया है और उत्पादन 2.54 मिलियन वर्ग मी. से बढ़कर 12.40 मिलियन वर्ग मी. हो गया है, यह वृद्धि लगभग 5 गुना है। इसके अलावा, उनका क्षमता उपयोग 2010-11 में बढ़कर 69 प्रतिशत हो गया है।
- (ख) निर्यात बिक्रियां 2007-08 से 2010-11 की अवधि के दौरान 5 गुना बढ़कर 0.16 मिलियन वर्ग मी. से 0.83 मिलियन वर्ग मी. हो गई हैं। याचिकाकर्ताओं के बाजार हिस्से में 2007-08 में 51 प्रतिशत से 2009-10 में 73% और 2010-11 में 71% की सतत वृद्धि देखी गई है।
- (ग) देश में एकमात्र प्लेट विनिर्माण कंपनी होने के कारण टेक्नोवा के पास घरेलू बिक्रियों का 71% हिस्सा है। यद्यपि, कंपनी ने समग्र निष्पादन में जबरदस्त वृद्धि हासिल की है तथापि, यह मानना मुश्किल है कि उनके लाभों में इतनी नाटकीय गिरावट आई है और अब भी वे पूंजीगत उपकरणों पर धन व्यय कर रहे हैं।
- (घ) कर्मचारियों की संख्या में 2007-08 में 100 के आंकड़े से 2010-11 में केवल 158 की वृद्धि हुई है। पृष्ठ 34 पर पैरा पैरा 3 छ में तालिका को यहां नीचे दर्शाया गया है जिसमें प्रति कर्मचारी वर्ग मी. में उत्पादकता 2007-08 में 9667 से बढ़कर 2010-11 में 29960 अर्थात् लगभग 3 गुनी हो गई है।
- (ङ) टेक्नोवा ने स्पष्ट रूप से रक्षोपाय प्राधिकारियों से यह अनुरोध किया है कि उसे एल्यूमिनियम उत्पादों पर रक्षोपाय शुल्क लगाने के कारण क्षति उठानी पड़ी है। इसके अलावा, यह रक्षोपाय शुल्क पूरी जांच अवधि में लागू था। रक्षोपाय शुल्क अब लागू नहीं है।

- (च) मित्र- मित्र आयातित प्लेटों की बिक्री कीमत टेक्नोवा की संगत प्लेटों की बिक्री कीमत से कम से कम 5-7% अधिक हैं । यद्यपि, टेक्नोवा प्लेटों की तुलना में उच्च कीमतों पर आयातित प्लेटें बिक रही हैं, तथापि, यह आश्चर्यजनक है कि ऐसे आयातों से टेक्नोवा को क्षति कैसे हो सकती है ।
- (छ) थर्मल और वॉयलेट प्लेटें प्रत्येक अलग-अलग हैं और टेक्नोवा ने बाजार में कीमतों में गिरावट लाई है और न कि समान वस्तु के आयातों ने तथा इसकी अलग से जांच की जानी चाहिए ।
- (ज) जापान से कीमतें आम तौर पर चीन से अधिक होती हैं । संभवतः यही कारण है कि याचिका में चीन और जापान से कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण के ब्योरे अलग-अलग दर्शाए गए हैं ।
- (झ) याचिका में क्षति का दावा काफी अधिक उत्पादन लागत पर आधारित है । एक एक पी बी मानती है कि एल्युमिनियम प्रिंटिंग प्लेटों की उत्पादन लागत का प्रमुख हिस्सा है जो लगभग 50 प्रतिशत या उससे अधिक है । इसके विरुद्ध याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि एल्युमिनियम की लागत निर्माण और बिक्री की कुल लागत के 35 से 40 प्रतिशत के बीच है । याचिकाकर्ता एन आई पी को बढ़ाने के लिए प्राधिकारी को गुमराह कर रहा है ताकि क्षति का साक्ष्य सृजित किया जा सके जो अन्यथा नहीं है ।
- (ञ) अनेक आयातकों और प्रयोक्ताओं ने यह बताया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने का कोई औचित्य नहीं है । तथापि, इन आयातकों और प्रयोक्ताओं ने यह अनुरोध किया है कि यदि प्राधिकारी पाटनरोधी जांच समाप्त करने के प्रयोक्ताओं/आयातकों के अनुरोध को अस्वीकार करते हैं तो प्राधिकारी द्वारा सी टी सी पी और सी टी पी प्लेटों के लिए अलग-अलग संदर्भ कीमतें निर्धारित की जानी चाहिए । यह भी बताया गया है कि सी टी सी पी और सी टी पी प्लेटों के लिए एक संदर्भ कीमत निर्धारित करना उचित नहीं होगा ।
- (ट) याचिका के अनुसार पिछले तीन वर्षों में टेक्नोवा की लाभप्रदता और निवेश पर आय में सुधार हुआ है । घाटे तेजी से कम हुए हैं ।
- (ठ) मोटाई, आकार, किस्म आदि की दृष्टि से उत्पाद की रेंज पर विचार करते हुए टेक्नोवा की मालसूची बहुत कम है । देश भर में उपभोक्ताओं के लिए पूरी उत्पाद श्रृंखला रखने पर विचार करते हुए मालसूची का स्तर काफी कम है ।
- (ड) मात्रा और कीमत संबंधी सभी मापदंडों में सकारात्मक वृद्धि हुई है ।
- (ढ) यह अनुरोध किया गया है कि पहले भारत में प्लेट के 3 विनिर्माता अर्थात् मै. टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम प्रा. लि., स्टोवाक इंडस्ट्रीज लि. और लास्ट्रा नीरज प्रा. लि. थे । यह भी बताया गया है कि मै. टेक्नोवा ने दोनों प्रतिस्पर्धियों को समाप्त करके पी एस प्लेट के निर्माण को एकाधिकारी बना दिया । उन्होंने एकाधिकार

वाली फर्म द्वारा डिजिटल प्लेट पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की दलील पर प्रश्न उठाया है जबकि उनके पास 75 प्रतिशत बाजार हिस्सा है।

- (ण) यद्यपि, महत्वपूर्ण प्रिंटिंग कच्ची सामग्री और मशीनरी पर लागू शुल्क अधिक है, तथापि, देश में मुद्रित सामग्रियों पर शुल्क पर कोई प्रतिबंध नहीं है।
- (त) यह बताया गया है कि डिजिटल प्लेट का आयात जिसे यूरोप से भारी मात्रा में बताया गया था, अब चीन और जापान से बताया गया है। इस प्रकार यह समान विदेशी उत्पादकों के भिन्न संयंत्रों से आयातों के घुर्नियोजन का स्पष्ट मामला है। यह भी बताया गया है कि पाटन के दावे काफी अतिशयोक्तिपूर्ण हैं। क्षति के मुद्दे पर यह बताया गया है कि एल्युमिनियम प्लेट पर रक्षोपाय शुल्क के कारण घरेलू उद्योग की क्षति के मुद्दे पर विचार किया जाना चाहिए। यह भी बताया गया है कि एकाधिकारी उत्पादकों के लामार्थ जिनका निष्पादन स्वीकृत रूप से पिछले तीन वर्षों में सुधरा है, उपभोक्ताओं पर पाटनरोधी शुल्क के व्यापक प्रतिकूल निहितार्थों का विश्लेषण किया जाना चाहिए।
- (थ) समाचार पत्र उद्योग से संबद्ध वस्तु के कुछ प्रयोक्ताओं ने अनुरोध किया है कि वास्तविक क्षति या उसका खतरा विवरण पर आधारित नहीं हो सकता है। अतः प्राधिकारी द्वारा क्षति के सभी कारकों का विश्लेषण किया जाना चाहिए। यह बताया गया है कि डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेटों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने से उनके जैसे अंतिम प्रयोक्ता खरीददारों के वित्त पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और इससे विशिष्ट न्यूज पेपर उद्योग में प्लेटों के प्रयोग में गंभीर व्यवधान उत्पन्न हो सकता है जो पहले से ही विदेशी मुद्रा और समाचार पत्र की कीमत में उतार-चढ़ाव से प्रभावित है। अतः यह सुझाव दिया जाता है कि अन्य कारकों के अलावा, सामान्य मूल्य का विश्लेषण (क) प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागतों तथा लाभ के लिए तर्कसंगत योग के साथ उदगम के देश में उत्पादन लागत; और प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों तथा लाभों के लिए तर्कसंगत योग के साथ भारत में उत्पादन लागत दोनों का विश्लेषण किया जाना चाहिए और "वास्तविक क्षति" के अलावा, घरेलू विनिर्माताओं पहलू पर भी विचार किया जाना चाहिए ताकि घरेलू विनिर्माता बाजार में एकाधिकार स्थापित न करें और किसी प्रतिस्पर्धा के बिना उच्च कीमतों पर अपने उत्पाद को न बेचें जिससे अन्यथा हमारे जैसे घरेलू मुद्रण उद्योग लाभान्वित होंगे।

109. अंतिम जांच परिणाम के बाद आयातकों, निर्यातकों और प्रयोक्ताओं ने क्षति एवं कारणात्मक संबंध के मुद्दे पर निम्नानुसार अनुरोध किए हैं :

**क. टेक्नोवा को क्षति उसी कच्ची सामग्री पर रक्षोपाय शुल्क लागू किए जाने के कारण हुई है**

- (i) विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में प्रयुक्त कच्ची सामग्री पर जांच अवधि के दौरान रक्षोपाय शुल्क लागू था। टेक्नोवा ने स्वयं महानिदेशक रक्षोपाय के समक्ष यह स्वीकार किया कि

रक्षोपाय शुल्क से कंपनी को क्षति हुई है। नियमों के संदर्भ में यह एक स्वीकार्य स्थिति है और याचिकाकर्ता ने स्वयं यह दावा किया है कि उसे भारत सरकार द्वारा पूर्व में लगाए गए रक्षोपाय शुल्क के कारण क्षति हुई है। अतः ऐसे पाटनरोधी शुल्क के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति की वजह आरोपित पाटित आयात को नहीं माना जा सकता और ऐसी क्षति को पृथक् किया जाना चाहिए।

(ii) इस संदर्भ में 2006 (201) ई एल टी 481 (ट्रि-डेल) में सूचित आंध्रा पेट्रो कैमिकल लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में सेस्टेट के निर्णय का हवाला देना संगत होगा जिसमें माननीय न्यायाधिकरण ने घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए सार्वजनिक विवरणों की प्रासंगिकता और उपयोगिता की जांच की थी।

(iii) अमरीकी हॉट रोल्ल्ड स्टील के मामले में अपीलीय निकाय ने ये अपेक्षाएं निर्धारित की थीं कि अनुच्छेद 3.5 के अंतर्गत कारणात्मक विश्लेषण करते समय जांच प्राधिकारियों को इनका पालन करना चाहिए।

(iv) ई सी - ट्यूब या पाइप फिटिंग्स संबंधी अपीलीय निकाय ने अनुच्छेद 3.5 में "ज्ञात" शब्द के बारे में पैनल की समझदारी पर असहमति व्यक्त की। पैनल ने यह माना था कि आरोपित कारणात्मक कारक पाटन एवं क्षति विश्लेषण के संदर्भ में यूरोपीय आयोग को "ज्ञात" था। परंतु यह कारक उसके कारणात्मकता के विश्लेषण के संदर्भ में "ज्ञात" नहीं था। अपीलीय निकाय ने इस दृष्टिकोण से असहमति व्यक्त की और यह माना कि कोई तथ्य जांच प्राधिकारी को "ज्ञात" हो सकता है अथवा "ज्ञात" नहीं हो सकता है; यह जांच के एक चरण पर "ज्ञात" हो सकता है और बाद के चरण पर अज्ञात हो सकता है।

(v) ग्वाटेमाला-सीमेंट II के मामले में पैनल में मैक्सिको के इस दावे पर सहमति व्यक्त की कि ग्वाटेमाला का प्राधिकारी कुछेक अपाठित आयातों को हिसाब में लेने में विफल रहा है। तदनुसार, वह ऐसे अन्य कारकों के निर्धारण में विफल रहा है जो अनुच्छेद 3.5 के उल्लंघन में उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहे थे।

### ख. घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी निर्धारण

(vi) ऐसी स्थिति में एक से अधिक देश शामिल होते हैं, वहां नियमों में घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संचयी निर्धारण की अनुमति है। तथापि, घरेलू उद्योग को हुई क्षति का ऐसा संचयी निर्धारण स्वतः नहीं हो सकता। निर्दिष्ट प्राधिकारी संचयी निर्धारण तभी कर सकते हैं जब नियमों में निर्धारित शर्तें पूरी होती हों।

(vii) मात्र यह तथ्य कि जापान से आयातों के बारे में पाटन मार्जिन भी न्यूनतम सीमा से अधिक है, यह निर्णय लेने के लिए नितांत अपर्याप्त है कि पाटित आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण अपेक्षित है।

(viii) चूंकि प्राधिकारी ने इस बात की जांच ही नहीं की है कि क्या आयातित उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है, इसलिए प्रारंभिक जांच परिणाम में दिए गए आधार पर्याप्त नहीं हैं और इन्हें अस्वीकृत किया जाता है।

(ix) फ्यूजी इंडिया द्वारा जापान और चीन के मूल की सामग्री की पेशकश अत्यंत भिन्न कीमत पर की जा रही है और ग्राहक और उपभोक्ता जापान और चीन के मूल के उत्पादकों के लिए अलग कीमतें देने के इच्छुक हैं। इसका स्पष्ट तात्पर्य यह है कि दोनों उत्पादों में कुछ अंतर है और संचयी निर्धारण अनुचित है।

**ग. मालसूची में वृद्धि एक प्रचालनात्मक अपेक्षा थी न कि पाटन का परिणामी प्रभाव**

(x) टेक्नोवा की बिक्री में मांग में हुई वृद्धि से अधिक बढ़ोत्तरी हुई है। स्पष्ट है कि बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए टेक्नोवा में मालसूची के स्तर को बढ़ाया है। कंपनी को मालसूची के स्तर में इसलिए वृद्धि करनी पड़ी ताकि वह स्टॉक में अलग-अलग प्रकारों/आकारों की प्लेटों का पर्याप्त स्टॉक रख सके। टेक्नोवा के पास सभी उपभोक्ताओं के लिए कंपनी के पास सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु मालसूची के स्तर को बढ़ाने के अलावा, कोई विकल्प नहीं है। अतः मालसूची में वृद्धि उत्पाद की बिक्री के लिए जरूरी थी न कि पाटन के प्रभाव के लिए। प्रिंटरों की संख्या में वृद्धि हुई है। प्रत्येक प्रिंटर की अपनी जरूरत है और तदनुसार, अलग-अलग पक्षकारों को प्रिंटरों की अलग-अलग जरूरत की पूर्ति करनी होती है।

**घ क्षति से संबंधित अन्य मुद्दे,**

(xi) यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग को हुए घाटे में कमी आ रही है। यह तथ्य कि कंपनी को सतत घाटा हो रहा है, क्षति निर्धारण के लिए पर्याप्त नहीं है।

(xii) घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कोई गिरावट नहीं आई है। वस्तुतः घरेलू उद्योग ने तीसरे देशों के बाजार हिस्से को हड़प लिया है और संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा उसी स्तर पर बना हुआ है।

(xiii) कीमत कटौती का निर्धारण उसी स्तर पर नहीं किया गया है। घरेलू उद्योग ने आयातों की पहुंच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के साथ की है। यह तुलना व्यापार के समान स्तर पर नहीं है। हालांकि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में समस्त बिक्री और बिक्री पश्चात व्यय शामिल हैं, तथापि आयातों की पहुंच कीमत में आयातित उत्पाद के पुनः विक्रेताओं द्वारा किए गए व्यय शामिल नहीं हैं। अतः आयातों की पहुंच कीमत की तुलना करते समय भारत में पुनः विक्रेताओं द्वारा किए गए बिक्री पश्चात समस्त व्यय, एस जी ए और तकनीकी सेवा सहायता व्यय को पहुंच कीमत में जोड़ने की जरूरत है। विकल्पतः घरेलू उद्योग द्वारा वहन की गई इन लागतों को बाहर रखा जाए।

(xiv) घरेलू उद्योग ने मात्रा एवं मूल्य/कीमत मापदंडों सभी में सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित की है। क्षमता, उत्पादन, घरेलू बिक्री, निर्यात बिक्री, क्षमता उपयोग, लाभ, नकद लाभ, निवेश पर आय में भी सुधार प्रदर्शित हुआ है।

**ङ लगाई गई पूंजी, क्षमता में वृद्धि के बिना मूल्य ह्रास में बढ़ोत्तरी**

(xv) टेक्नोवा ने वर्ष 2008-09 में ही क्षमता वृद्धि की है। तथापि, कंपनी ने लगाई गई पूंजी में सतत वृद्धि और मूल्य ह्रास का दावा किया है। लगाई गई पूंजी में दर्शायी गई वृद्धि

परिसंपत्तियों में दावा की गई वृद्धि और न कि कार्यशील पूंजी में वृद्धि के कारण हुई है क्योंकि कंपनी ने मूल्यहास लागत में भी भारी बढ़ोत्तरी का दावा किया है ।

#### च. मांग से अधिक क्षमता का होना

(xvi) टेक्नोवा की क्षमता भारतीय मांग से काफी अधिक है । चूंकि कंपनी के पास घरेलू मांग से काफी अधिक उत्पादन क्षमता है, इसलिए उचित संयंत्र के उपयोग की आशा नहीं की जा सकती और उसे उत्पादन क्षमताएं निष्क्रिय रहने का घाटा उठाना होता है । इस क्षति को गलत ढंग से उत्पाद के पाटन से जोड़ा गया है ।

(xvii) क्षति अवधि में मांग की वृद्धि पर अनुमानित मांग के आधार के रूप में विचार किया गया है । इसके अलावा, इस बात पर विचार करते हुए कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की है, इस बात पर विचार किया गया है कि आयातों की मात्रा वर्ष 2009-10 के स्तर पर सीमित कराई जाएगी । यह देखा जाएगा कि टेक्नोवा वर्ष 2013-14 में बाजार में विचाराधीन उत्पाद की मांग को पूरा करने के लिए 120% की दर से अपने संयंत्र का प्रचालन किया होता । इस उत्पाद में उत्पादन सुविधाओं की स्थापना रातों-रात नहीं हो सकती ।

(xviii) यह दावा किया गया है कि घरेलू उद्योग ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है । इसके अलावा, यह अनुरोध किया गया है कि उन्हें घरेलू उद्योग का तुलन पत्र उपलब्ध नहीं कराया गया है ।

110 आयातकों, प्रयोक्ताओं, निर्यातकों और एसोसिएशनों द्वारा किए गए कुछ अन्य अनुरोध निम्नानुसार हैं :-

- हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि रूपए के मूल्यहास के कारण हाल के महीनों में सभी निविष्टियों की लागत आसमान पर पहुंच गई है ।
- यह अनुरोध किया गया है कि 27% का अनंतिम पाटनरोधी शुल्क नाकाफी है ।
- यह अनुरोध किया गया है कि अनंतिम शुल्क लगाए जाने के कारण पाठकों पर कर लगाया गया है और लाभानुभोगी केवल एक कंपनी है ।
- हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया कि डिजिटल प्रिंटिंग प्लेटों के लिए और अधिक विनिर्माताओं की जरूरत है परंतु उनमें से एक की ऐसी चाल से भारत में उनके संयंत्रों की स्थापना हतोत्साहित होती है ।
- यह भी अनुरोध किया गया है कि सरकार द्वारा ऐसे सैंकड़ों प्रकाशकों, जो सस्ती प्लेटों का प्रयोग कर रहे हैं, की लागत पर बड़े निर्माताओं के हित का संरक्षण किया जा रहा है ।
- यह तर्क दिया गया है कि इस बात के प्रति असहमति है कि सस्ती प्लेटों के निर्यातकों को उनके देशों में सरकारों द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा है ।
- यह भी अनुरोध किया गया है कि विनिर्माताओं के हित की सुरक्षा करने के लिए उन्हें पंजीकृत अखबारों द्वारा प्रयोग किए जाने पर उसके उत्पादों पर उत्पाद शुल्क में छूट देनी चाहिए या उसे पंजीकृत अखबार को वास्तविक प्रयोक्ता के आधार पर मुफ्त आयात की अनुमति दी जानी चाहिए क्योंकि अखबार को पहले से ही भारतीय संविधान

की प्रस्तावना के अनुच्छेद 19 और अनुच्छेद 51 क के अंतर्गत निर्धारित शर्त को पूरा करने के लिए करों से कुछ छूट पहले से प्राप्त है ।

- यह अनुरोध किया गया है कि सी टी सी पी और डिजिटल प्लेटों के बीच अंतरों और समानताओं का उल्लेख करते हुए सत्यापन रिपोर्टों के अगोपनीय रूपांतरण का प्रकटन हितबद्ध पक्षकारों को सार्वजनिक फाइल में किया जाए ।
- यह भी अनुरोध किया गया है कि कंपनी का निष्पादन समनुरूपी प्लेटों में विकृत हो रहा है न कि डिजिटल प्लेटों में ।
- यह अनुरोध किया गया है कि प्लेटों और रसायनों, दोनों की बिक्री समान पक्षकारों को की जाती है, इसलिए रसायन के व्यापार को पृथक व्यापार के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए ।
- हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि संयंत्रवार व्यय पर विचार किया जाएगा और प्रत्येक संयंत्र के लिए पृथक क्षति रहित कीमत का निर्धारण तीनों संयंत्रों की वास्तविक सूचना के आधार पर किया जाए ।
- ब्रिजस्टोन टायर मामले में सेस्टेट के निर्णय के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी उचित लाभ प्रदान करते समय घरेलू उद्योग द्वारा विगत में अर्जित लाभ और आय के स्तर पर विचार करेंगे ।
- प्रवृत्तकों द्वारा निधियों पर वैकल्पिक ब्याज लागत प्रदान की जाती है चूंकि यह निधि प्रवृत्तकों और संबद्ध पक्षकारों से प्राप्त हुई है, इसलिए ब्याज लागत वैकल्पिक है जिसकी अनुमति नहीं दी जानी चाहिए ।
- जब टेक्नोवा सार्वजनिक रूप से यह दावा करती है कि उसका कीमत फार्मूला एल्युमिनियम एल एम ई तथा विनिमय दर की कीमतों जैसे दो प्रमुख कारकों से जुड़ा है तो आयातों से उस स्थिति में उसे कैसे क्षति हो सकती है जब उसकी कीमतें आयातों से संबंध ही नहीं रखती हैं ।
- थर्मल और वायलेट की सी आई एफ कीमत में 5-10 रूपए प्रति वर्ग मीटर का अंतर है जबकि क्षति रहित कीमत में अंतर 0.76 अम.डा. (65 रूपए) का है । दोनों के बीच कच्ची सामग्री का अंतर 5 से 10 रूपए का है और जबकि प्रसंस्करण लागत में कोई खास अंतर नहीं है । यह अंतर समझ से परे है । जब समनुरूपी और डिजिटल प्लेट के बीच लागत का आबंटन उत्पादन के आधार पर किया जाता है तो यहां किसी दूसरी कार्यप्रणाली को अपनाया जाता है । अपनाई गई कार्य प्रणाली में असंगतता है ।
- कीमत की बेंचमार्किंग पत्तन पर आयातों की पहुंच कीमत के स्तर पर की जाती है, उत्पाद की बिक्री में आयातकों द्वारा व्यय की गई पर्याप्त बिक्री और वितरण लागत को कीमत में शामिल नहीं किया जाता है । टेक्नोवा को क्षति रहित कीमत की तुलना में काफी उच्च कीमत प्राप्त करने का अवसर देना होगा ।
- सार्वजनिक हित की मांग है कि रसायनों और प्लेटों के बारे में समग्र लाभप्रदता की जांच इस बात पर विचार करते हुए की जानी चाहिए कि क्या कंपनी को संरक्षण की जरूरत है ।



- टेक्नोवा प्रस्तुत पूरक सूचना के अगोपनीय रूपांतरण का प्रकटन हितबद्ध पक्षकारों को किया जाए ।
- कोई कारणात्मक संबंध नहीं है, अन्य कारण के अलावा, भारत से बाहर टेक्नोवा के निर्यातों पर प्रतिबंध से भी क्षति हो सकती है ।

**प्रकटन विवरण की टिप्पणियों में आयातकों, प्रयोक्ताओं, निर्यातकों और एसोसिएशनों के अनुरोध**

- प्रकटन विवरण के बाद विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने जांच के दौरान किए गए अपने पूर्ववर्ती अनुरोधों को दोहराया है । उन्होंने प्राधिकारी का ध्यान खास तौर पर इस तथ्य की ओर आकर्षित किया है कि क्षति विश्लेषण हेतु प्राधिकारी द्वारा पाटित आयातों का संचयन किया जाना चाहिए । इसके अलावा, कुछ प्रयोक्ता एसोसिएशनों ने यह अनुरोध किया है कि प्राधिकारी ने इस निष्कर्ष पर विगत में जांचों को समाप्त किया है कि घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत निवल बिक्री प्राप्ति से कम है । उन्होंने कहा है कि उन्हें ऐसे किसी पिछले मामले की जानकारी नहीं है जहां प्राधिकारी ने इस निष्कर्ष के बाद क्षति का सकारात्मक जांच परिणाम दर्ज किया हो कि क्षति रहित कीमत निवल बिक्री प्राप्ति से कम है । उन्होंने इस तथ्य के बारे में अपने पूर्ववर्ती अनुरोधों को दोहराया है कि रक्षोपाय शुल्क के प्रभाव का व्यवहार अनुचित है । इस संबंध में उन्होंने प्राधिकारी का ध्यान रक्षोपाय कार्रवाई के दौरान टेक्नोवा द्वारा किए गए अनुरोधों की ओर आकर्षित किया है ।
- प्रकटन विवरण के बाद इन हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी अनुरोध किया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सार्वजनिक हित के पहलू पर विचार नहीं किया है । उन्होंने यह भी कहा है कि वर्तमान स्रोतों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से प्रिंटरों के लिए आपूर्ति के स्रोत अत्यंत सीमित हो जाएंगे ।
- प्रकटन विवरण के बाद उन्होंने पुनः अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति का अभाव है और इस मामले में कोई कारणात्मक संबंध नहीं है । इसके अलावा, उन्होंने अनुरोध किया है कि जापान के बारे में जांच समाप्त की जानी चाहिए क्योंकि जापान के बारे में क्षति मार्जिन नकारात्मक है ।
- यह भी अभ्यावेदन दिया गया है कि प्रारंभिक जांच परिणाम और प्रकटन विवरण में भारी अंतर है और ऐसे प्रमुख मापदंडों में कितने अधिक परिवर्तन से हितबद्ध पक्षकारों को अवसर प्रदान किए बिना अनुमति नहीं दी जा सकती है ।
- यह अभ्यावेदन दिया गया है कि डिजिटल प्लेटों का उत्पादन पी एस प्लेटों की लाइन पर नहीं किया जा सकता । इसके अलावा, यह अभ्यावेदन दिया गया है कि पी एस प्लेटों और डिजिटल प्लेटों की क्षमताओं को जोड़कर टेक्नोवा ने पी एस और डिजिटल प्लेट के बीच व्यय का अनुपात निकाला है । यह भी अभ्यावेदन दिया गया है कि प्राधिकारी को परियोजना रिपोर्ट की जांच करनी चाहिए थी । आबंटन के मुद्दे पर यह अनुरोध किया गया है कि मै. टेक्नोवा ने रसायनों में अत्यधिक वृद्धि और बिक्री लाभ में जांच अवधि के दौरान भारी गिरावट का दावा किया है । आगे यह अनुरोध किया गया

है कि वार्षिक रिपोर्ट में दर्शाया गया कंपनी का निष्पादन काफी अधिक रहा है जबकि कंपनी ने लागत के लेखांकन में कुछ हेराफेरी करके डिजिटल प्रिंटिंग प्लेटों में घाटा सूचित किया है। वार्षिक रिपोर्ट में प्रदर्शित लाभ रसायन व्यापार से प्राप्त नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एम मामूली कार्यकलाप होता है।

- हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी से यह अनुरोध किया है कि जब समग्र गणना के प्रयोजनार्थ प्रकटन में 3 (सी टी सी पी, थर्मल और वायलेट) के लिए लागत और क्षमताओं को एक साथ मिलाया गया है तो प्लेटों के तीनों प्रकारों के लिए क्षति रहित कीमत की गणना के आधार की अलग-अलग हिस्सेदारी की जाए। विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी पूछा है कि इनके लिए क्षति रहित कीमत की अलग से गणना कैसे की गई है।
- लेखा परीक्षित विवरण तथा प्रकटन विवरण में उल्लिखित क्षमता के अनुसार डिजिटल प्लेटों और पी एस प्लेटों के लिए स्थापित क्षमता की तुलना की जाएगी। इसके अलावा, कुछ अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि पी एस प्लेटों और डिजिटल प्लेटों के लिए टेक्नोवा की क्षति रहित कीमत की तुलना में निवल बिक्री प्राप्ति का प्रकटन किया जाए। यह भी अनुरोध किया गया है कि प्रकटन विवरण और लेखा परीक्षित विवरण के अनुसार वर्ष-वार बिक्री परिवर्तनीय लागत, योगदान, नियत लागत (पृथक रूप से मजदूरी) सकल मार्जिन, निवेश पर आय, लगाई गई पूंजी, ब्याज एवं मूल्यहास का मिलान कर उनका प्रकटन किया जाए। आगे यह अनुरोध किया गया है कि उक्त तीनों प्रभागों में व्यय के अनुपात का आधार का खुलासा किया जाएगा। यह भी अनुरोध किया गया है कि सूचीबद्ध आंकड़ों के रूप में लाभ को वर्ष 2009-10 में 119.83 से घटाकर 2010-11 में 37.28 क्यों कर दिया गया है और इकाई सूचकांक के अनुसार लाभ को 2009-10 में 35.57 के सूचीबद्ध आंकड़े से घटाकर 2010-11 में 7.69 क्यों कर दिया गया है।
- यह अनुरोध किया गया है कि घरेलू उद्योग ने इस संबंध में कोई स्पष्ट कारण नहीं दिया है कि संबद्ध मामले में संदर्भ कीमत पर आधारित शुल्क अनुचित है।
- यह अनुरोध किया गया है कि भारतीय रुपए में भारी गिरावट आई है और इसलिए अम.डॉ. में पाटनरोधी शुल्क का तात्पर्य घरेलू उद्योग को लगभग 20% का अधिक संरक्षण मिलेगा। उन्होंने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि उनके इन अनुरोधों के बावजूद कि इसमें कोई औचित्य नहीं है, प्राधिकारी द्वारा अभी भी पाटनरोधी शुल्क लगाना अनिवार्य समझे जाने की स्थिति में भारतीय रुपए में पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की जानी चाहिए।

### घरेलू उद्योग के अनुरोध

111. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि :

- (i) संबद्ध देशों से आयात मात्राएं 2007-08 के दौरान काफी निम्न स्तर से खतरनाक स्तर तक पहुंच गई हैं।

- (ii) घरेलू उत्पादन की तुलना में संबद्ध देशों से आयात 36% के स्तर तक पहुंच गया है और भारत में खपत की तुलना में संबद्ध देशों से आयात का 27% हिस्सा है ।
- (iii) चीन के निर्यातकों द्वारा कीमत कटौती पिछले दो वर्षों में 16% से बढ़कर 2010-11 में 21% हो गई है ।
- (iv) जांच अवधि के दौरान सी आई एफ कीमत और पहुंच मूल्य में अचानक और भारी गिरावट देखी गई है ।
- (v) घरेलू उद्योग के पास संपूर्ण भारतीय मांग को पूरा करने हेतु पर्याप्त क्षमता है और फिर भी उसके पास भावी मांग में बढ़ोत्तरी को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता बच जाएगी । तथापि, वे पाटित आयातों के कारण अपनी क्षमता का उपयोग करने में सक्षम नहीं हैं ।
- (vi) भारतीय बाजार में कीमत अन्य देश के बाजारों में उनकी कीमत की तुलना में काफी कम है ।
- (vii) घरेलू उद्योग की मालसूची में जांच अवधि के दौरान भारी वृद्धि हुई है जिसका कारण संबद्ध देशों से पाटित आयातों का निरंतर दबाव है ।
- (viii) बड़ी हुई मांग और उत्पादन को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग के लिए संबद्ध वस्तु की समग्र लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है ।
- (ix) याचिकाकर्ता ने बैंक और वित्तीय संस्थाओं से भारी ऋण लेकर भारतीय मुद्रण उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए सर्वोत्तम प्रौद्योगिकी युक्त उन्नत उत्पादन संयंत्र स्थापित करने हेतु निवेश किया है । संबद्ध देशों से पाटन के कारण वह अपनी लागत और कर्ज को बड़ी मुश्किल से वसूल कर पा रहा है ।
- (x) विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में क्षति अवधि के दौरान विकृति आई है ।
- (xi) घरेलू उद्योग की निवेश पर आय (एन एफ ए आधार) में क्षति अवधि के दौरान भारी गिरावट आई है । इससे चीन जन.गण. से पाटित आयातों के कीमत ह्रासकारी और न्यूनकारी प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं जिनके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को भारी घाटा हुआ है ।
- (xii) नियोजित पूंजी पर आय डी जी ए डी द्वारा अनुमत मानक आर ओ सी ई की तुलना में काफी कम है ।
- (xiii) घरेलू उद्योग ने पिछले तीन वर्षों के दौरान मात्रा की दृष्टि से सकारात्मक वृद्धि और मौद्रिक दृष्टि से काफी नकारात्मक वृद्धि दर्ज की है ।

(xiv) संबद्ध देशों से भारत में आने वाले आयात पाटन मार्जिन के न्यूनतम स्तर से काफी अधिक है ।

(xv) घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी ने नियत शुल्क आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया है । इसके अलावा, उन्होंने प्राधिकारी से थर्मल, वायलेट और सी टी सी पी या यू वी सी टी पी प्लेटों के लिए अलग-अलग पाटनरोधी शुल्क तय करने का भी अनुरोध किया है । इसके अलावा, कुछ पूर्ववर्ती मामलों का वर्णन करके यह बताया गया है कि जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यात नहीं किए गए ग्रेडों के लिए सभी अन्य दरें लागू की जानी चाहिए ।

(xvi) फ्यूजी, चीन द्वारा किए गए आयातों के संबंध में उन्होंने निवेदन किया है कि मै. फ्यूजी, चीन ने भारी मात्रा में पी एस प्लेटों का निर्यात किया है जो वस्तुतः डिजिटल प्लेटें हैं और न कि पी एस प्लेटें हैं । इन तथ्यों के मद्देनजर इन्हें एनोलॉक प्लेटों की तुलना में काफी अधिक कीमतों पर रखा गया है । उन्होंने प्राधिकारी से उत्पादक और निर्यातक के लिए पाटन और क्षति मार्जिन निर्धारित करने के लिए इन आयातों पर विचार करने का अनुरोध किया है । इसके अलावा यह भी निवेदन किया गया है कि चूंकि मै. फ्यूजी चीन और मै. फ्यूजी जापान ने अपने उत्तर प्रस्तुत नहीं किए हैं इसलिए उन्हें असहयोगी घोषित किया जाना चाहिए ।

(xvii) मै. कोडक चीन जन.गण. के उत्तर के संबंध में उन्होंने यह अनुरोध किया है कि चूंकि चीन जन गण और सिंगापुर में उनकी सहायक कंपनियों ने अपने उत्तर प्रस्तुत नहीं किए हैं इसलिए उन्हें असहयोगी माना जाना चाहिए । इसके अलावा उन्होंने यह बताया है कि एग्जिम नैट आंकड़ों के अनुसार जांच अवधि के लिए उनकी कुल पहुंच कीमत 245.18/वर्ग मी. है और क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु इसे ही स्वीकार किया जाना चाहिए ।

(xviii) यह अनुरोध किया गया है कि घरेलू उद्योग वास्तविक क्षति के खतरे का भी सामना कर रहा है । अपने दावे में घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु के उत्पादकों के उत्पादकों और निर्यातकों के पास अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध है और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात की मात्रा में तेजी से वृद्धि हुई है । उन्होंने वास्तविक क्षति के खतरे के साक्ष्य के रूप में गंवाई गई बिक्री का भी उल्लेख किया है ।

112. प्रारंभिक जांच परिणाम जारी किए जाने के बाद घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं :-

- i. यह अनुमान गलत है कि उत्पादन लागत इसलिए अनुचित है क्योंकि उसमें रक्षोपाय शुल्क को उत्पादन लागत में शामिल कर दिया गया है क्योंकि चीन जन.गण. से आयातित कच्ची सामग्री की मात्रा नगण्य थी ।
- ii. उत्पादन लागत में वृद्धि को क्षति के "अन्य कारकों" के रूप में मान्य का कोई विधिक या तथ्यात्मक आधार नहीं है । यदि ऐसा तर्काधार लागू किया जाता है तो कोई भी घरेलू उद्योग कच्ची सामग्री की लागत और अन्य लागत में वृद्धि होने की स्थिति में पाटनरोधी शुल्क के संरक्षण की मांग नहीं कर सकता ।

- iii. यदि किसी घरेलू उद्योग की काफी उच्च लागत है तो कोई यह नहीं कह सकता कि उसे उत्पादन की उच्च लागत के कारण क्षति हो रही है। क्षति रहित कीमत की गणना के प्रयोजनार्थ वास्तविक लागत को ध्यान में रखना होगा।
- iv. यदि कोई इस निष्कर्ष पर पहुँचता है कि घरेलू उद्योग पाटित आयातों से प्रतिस्पर्धा करने की स्थिति में नहीं है, क्योंकि उसकी लागत काफी अधिक है और वह पाटित कीमतों पर आयातित वस्तु की पूर्ति करने के लिए बाध्य हुआ है तो पाटनरोधी कानून स्वतः ही लागू हो जाएगा।
- v. नियमावली के अनुबंध-II के पैरा 3(v) में उल्लिखित "अन्य कारकों की व्याख्या" स्वयं "उत्पादन लागत" को शामिल करने के लिए नहीं की जा सकती।
- vi. चीन से हुए आयात इतने नगण्य थे कि उनसे घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में कोई खास वृद्धि नहीं हो सकती। \*\*\* मी.ट. के आयातों पर घरेलू उद्योग ने जाँच अवधि के दौरान \*\*\* लाख रूपए के कुल रक्षोपाय शुल्क का भुगतान किया। यह \*\*\* अम.डॉ. प्रति वर्ग मी.ट. बनेगा अर्थात् यह 1 सेंट के 100 गुने के बराबर भी नहीं है।
- vii. पाटनरोधी नियमों में अनुच्छेद 3.3 में किए गए प्रावधान के अनुसार आयातित उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों का उल्लेख नहीं है। अतः माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों में निहित प्रावधानों के आधार पर संचयी निर्धारण का हमेशा विश्लेषण किया है।
- viii. यह मानते हुए कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को संदर्भित मामले की वास्तविक कार्य प्रणाली में आयातित उत्पादों के बीच परस्पर प्रतिस्पर्धा की स्थितियों पर विचार करना होता है, हितबद्ध पक्षकारों के तर्क स्पष्ट नहीं हैं।
- ix. इस आशय का कोई अनुरोध नहीं किया गया है कि फ्यूजी प्लेटें तथा कोडक प्लेटें और लकी ग्रुप की प्लेटें एक-दूसरे से भिन्न हैं और वे उसी बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं करती हैं।
- x. फ्यूजी चायना और फ्यूजी जापान द्वारा प्रयुक्त बिक्री माध्यम समान हैं। फ्यूजी चायना और फ्यूजी जापान फ्यूजी इंडिया को अपने उत्पादों का निर्यात करते हैं जो उनकी भारतीय बाजार में पुनः बिक्री करती है।
- xi. ई सी - ब्राजील से मैलीएबल कॉस्ट आयरन या पाइप फिटिंग्स- (डब्ल्यू टी/डी एस 219/आर) के मामले में डब्ल्यू टी ओ पैनल ने प्रतिस्पर्धा की स्थितियों से संबंधित मुद्दे का विश्लेषण किया है। यद्यपि, कीमत में भारी अंतर था, तथापि, पैनल ने यह माना कि प्रतिस्पर्धा की स्थितियों का संचयन किया जाए। वर्तमान मामले में कीमत में अंतर काफी कम अर्थात् 15% से 20% के बीच है। अतः यह नहीं कहा जा सकता कि प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के संचयन की अनुमति नहीं है।
- xii. हितबद्ध पक्षकारों ने कोरे वक्तव्यों के समर्थन में कोई साक्ष्य दिए बिना घरेलू उद्योग की मालसूची में वृद्धि हेतु प्रचालनात्मक जरूरत, संयंत्र बंदी की तरफदारी करने आदि जैसे विभिन्न कारणों का उल्लेख किया है। यह दोहराया जाता है कि संबद्ध देशों से पाटन माल सूची के स्तर में वृद्धि का प्रमुख कारण था क्योंकि निर्यातकों ने पाटन में बढ़ोत्तरी की है, घरेलू उद्योग के पास उत्पादन को स्टॉक में रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

- xiii. घरेलू उद्योग की लगाई गई पूंजी पर आय में भारी गिरावट आई है और मालसूची के स्तर में ऐसी भारी वृद्धि होने के कारण कार्यशील पूंजी फंस गई थी ।
- xiv. नए संयंत्र ने मुख्यतः समनुरूपी प्लेटों के उत्पादन के साथ शुरुआत की । तथापि, समय के साथ-साथ इसने धीरे-धीरे डिजिटल प्लेटों के उत्पादन को बढ़ाया । चूंकि लगाई गई पूंजी का आबंटन उत्पादों की उत्पादन मात्रा के आधार पर किया गया है, इसलिए आरंभिक वर्षों में लगाई गई प्रमुख पूंजी का आबंटन समनुरूपी प्लेटों और धीरे-धीरे डिजिटल प्लेटों के उत्पादन में वृद्धि करने के लिए किया गया और लगाई गई पूंजी का अधिकांश भाग डिजिटल प्लेटों को आवंटित किया गया है ।
- xv. वर्तमान जांच में यद्यपि, बिक्री मात्रा, उत्पादन मात्रा, क्षमता उपयोग, मजदूरी एवं रोजगार में सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित होती है, परंतु इन कारकों में वृद्धि से घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से, लाभप्रदता, मालसूची के स्तर और लगाई गई पूंजी पर आय में वृद्धि नहीं हुई है । अतः माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति का सही विस्तरेषण और निर्वारण किया है ।

#### क्षमता मांग से अधिक है

- xvi. प्राधिकारी इस बात से सहमत होंगे कि घरेलू मांग में तदनुसूची अवधि के दौरान 4.3 मिलियन वर्ग मीटर से बढ़कर 15.47 मिलियन वर्ग मीटर की वृद्धि हुई है जो वास्तव में लगभग 4 गुना है । इससे घरेलू उद्योग की क्षमता में वृद्धि के पीछे तर्काधार की स्पष्ट व्याख्या हो जाएगी । तथापि, घरेलू बाजार की पूर्ति हेतु पर्याप्त क्षमता के बावजूद संबद्ध देशों से अनुचित व्यापार व्यवहारों के कारण घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तु की बिक्री अलाभकारी कीमतों पर करने के लिए बाध्य हुआ है । इससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का स्पष्ट तौर पर पता चलता है ।

#### संदर्भ कीमत पर आधारित शुल्क अनुचित है

- xvii. संदर्भ कीमत पर आधारित पाटनरोधी शुल्क का अपवर्जन निर्वाहों के बीजक को सामान्यतः अधिक बनाकर किया जा सकेगा । ऐसी प्रवृत्ति हमेशा भी एल्टे प्लेटों के मामले में देखी गई है जहां प्राधिकारी ने संदर्भ कीमत पर आधारित शुल्क की सिफारिश की है ।
- xviii. एल्युमिनियम की कीमतें अत्यधिक नाजुक होती हैं और कीमत में अत्यधिक घट-बढ़ से क्षति अवधि के दौरान कीमत में भारी वृद्धि हुई है । इससे संदर्भ कीमत पर आधारित शुल्क की पर्याप्तता पर सीधा प्रभाव पड़ेगा ।
- xix. पाटन का कारगर ढंग से मुकाबला करने और उसमें कमी लाने के लिए शुल्क के वर्तमान स्वरूप को निर्धारित शुल्क में तब्दील किया जाना चाहिए ।
- xx. प्रारंभिक जांच परिणाम के बाद संदर्भ कीमत के आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के पश्चात घरेलू उद्योग ने इस तथ्य का उल्लेख करते हुए निर्धारित शुल्क के आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की मांग को दोहराया है कि पाटनरोधी शुल्क को अनंतिम रूप से लगाए जाने के बाद संबद्ध वस्तु की कीमत में संदर्भ कीमत के स्तर से अधिक वृद्धि हुई है । इसके अलावा, उन्होंने यह भी उल्लेख किया है कि संबद्ध वस्तु के निर्यातकों ने संबद्ध वस्तु की नामावली को बदलकर पाटनरोधी शुल्क का अपवर्जन

शुरू कर दिया है और उन्होंने संबद्ध मामले में निर्धारित शुल्क लगाने का अनुरोध किया है ।

### प्रकटन विवरण पर टिप्पणियों में घरेलू उद्योग के अनुरोध

- घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि निवेश, कार्यशील पूंजी उधार, लागत आबंटन के आधार से संबंधित उनके दावों में समायोजन नहीं किया गया है ।
- उन्होंने यह अनुरोध किया है कि क्षति विश्लेषण और क्षति रहित कीमत के प्रयोजनार्थ नए संयंत्र में निवेश को मूल स्तर तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए ।
- इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध कि उन्हें आबंटन के आधार के व्यौरों का प्रकटन किया जाना चाहिए ।
- उन्होंने प्राधिकारी से कार्यशील पूंजी की जरूरतों की पुनः जांच करने का भी अनुरोध किया है जिसे लगाई गई पूंजी में शामिल किया गया है ।

### विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उत्पन्न हुए मुद्दों के बारे में प्राधिकारी द्वारा जांच

113. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों को नोट किया है । पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में यह उपबंध है कि क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव ; तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातकों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच शामिल होगी । पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है । जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।"

114. विचाराधीन उत्पाद के मुद्दे पर सामान्यतः और सी टी सी पी प्लेट को शामिल करने के अनुरोध पर विशेषतः विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों के संबंध में यह नोट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु से संबंधित घेरा के अंतर्गत इनका विश्लेषण किया गया है । यह तर्क दिया गया है कि इस मामले में घरेलू उद्योग एकाधिकार कंपनी है और पाटनरोधी शुल्क लागू करने से छोटे प्रयोक्ताओं के हित खतरे में पड़ जाएंगे । यह भी तर्क दिया गया है कि पाटनरोधी शुल्क से बड़े विनिर्माताओं के हितों की सुरक्षा सस्ती प्लेटों का उपयोग करने वाले हजारों प्रकाशकों की लागत पर की जाएगी । इस मामले की जांच की गई है और यह उल्लेख किया जाता है कि पाटनरोधी जांचें पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत की जाती हैं और पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण अनुचित व्यापार व्यवहारों के निवारण हेतु संस्तुत और अधिरोपित किया जाता है । जहां तक आयातकों, प्रयोक्ताओं और एसोसिएशनों के इस आशय के कुछ तर्कों का संबंध है कि डिजिटल प्लेटों पर कोई पाटनरोधी शुल्क लगाया अनुचित होगा

क्योंकि इस देश में मुद्रित सामग्री के शुल्क मुक्त आयात की अनुमति है, यह नोट किया गया है कि यह तर्क वर्तमान जांच में संगत नहीं है।

115. घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए इस तर्क के संबंध में कि जांच अवधि के दौरान चीन जन.गण. से मै. फ्यूजी द्वारा आयातित कुछ पी एस प्लेटें वस्तुतः इस तथ्य के मद्देनजर डिजिटल प्लेटें थीं कि उन आयाता सौदों की कीमतें जिनमें पी एस प्लेटें थीं, उनकी मूल कंपनी से उसी अवधि के दौरान डिजिटल प्लेटों की आयात कीमतों के समान थीं, यह उल्लेख किया जाता है कि प्रारंभिक जांच परिणाम के बाद इस मामले की जांच की गई थी और कंपनी के रिकॉर्डों के सत्यापन सहित विस्तृत जांच के बाद कंपनी द्वारा भारत को निर्यातित डिजिटल प्लेटों की मात्रा और मूल्य का प्राधिकारी ने निर्धारण किया है। घरेलू उद्योग के इस तर्क के संबंध में कि मै. कोडक द्वारा चीन जन.गण. से निर्यातित संबद्ध वस्तु का पहुंच मूल्य उनकी सूचना के अनुसार 245 रुपये प्रति वर्ग मी. बनता है। यह बताया गया है कि इस मामले की प्राधिकारी द्वारा जांच की गई थी और निर्यात कीमत का निर्धारण प्राधिकारी द्वारा किए गए मौके पर सत्यापन सहित विस्तृत जांच के बाद किया गया है।

116. जहां तक हितबद्ध पक्षकारों के इन तर्कों कि घरेलू उद्योग को क्षति एल्युमिनियम पर रक्षोपाय शुल्क के कारण हुई है और क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन के बारे में समस्त क्षति मानदंडों की तथ्यपरक जांच हेतु आयातकों और प्रयोक्ताओं द्वारा दिए गए अन्य तर्कों का संबंध है, यह उल्लेख किया जाता है कि जांच परिणाम में उल्लिखित क्षति मापदंडों का निर्धारण घरेलू उद्योग के रिकॉर्डों का सत्यापन और उनकी जांच करने के बाद किया गया है। प्राधिकारी ने यह पाया है कि चीन जन.गण. से एल्युमिनियम क्वायल के आयातों पर 23.3.2009 से 22.3.2011 तक परिवर्ती उत्पाद विशिष्ट रक्षोपाय शुल्क लागू था। रक्षोपाय शुल्क पहले और दूसरे वर्ष के दौरान क्रमशः 14% और 12% था। रक्षोपाय शुल्क का उद्ग्रहण चीन जन.गण. से एल्युमिनियम क्वायलों के संबंधित आयातों द्वारा हुई बाजार विकृति का निवारण करने के लिए किया गया था। प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने वाले घरेलू उद्योग पर रक्षोपाय शुल्क के उद्ग्रहण के प्रभाव की विस्तृत जांच की। घरेलू उद्योग द्वारा आयातित लिथो ग्रेड एल्युमिनियम क्वायलों की मात्रा की जांच की गई थी। यह पाया गया था कि घरेलू उद्योग ने चीन जन गण से लिथो ग्रेड एल्युमिनियम क्वायलों का भारी मात्रा में आयात किया है और ऐसे आयातों पर प्रदत्त रक्षोपाय शुल्क की मात्रा नगण्य है। प्राधिकारी ने यह पाया कि घरेलू उद्योग द्वारा कच्ची सामग्री की लागत पर प्रदत्त रक्षोपाय शुल्क का प्रभाव नगण्य है। यदि रक्षोपाय शुल्क के कारण कच्ची सामग्री की लागत में वृद्धि हुई होती तो घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण घरेलू उद्योग द्वारा "व्यय की गई लागत" के आधार पर किया गबया होता न कि "जो लागत रही होती" घटा रक्षोपाय शुल्क के आधार पर किया जाता। इसके अलावा, इस मामले में घरेलू उद्योग द्वारा वहन की गई लागत का उपर्युक्तानुसार रक्षोपाय शुल्क के उद्ग्रहण के कारण नगण्य प्रभाव पड़ा था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की स्थिति पर न केवल आदर्श स्थितियों में अपितु घरेलू उद्योग की विशिष्ट परिस्थितियों में विचार करना होता है। कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि रक्षोपाय शुल्क के उद्ग्रहण हो ऐसे "पाटन से इतर ज्ञात कारक" के रूप में माना जाएगा जिससे उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। यद्यपि, रक्षोपाय शुल्क लागू किए जाने से घरेलू उद्योग की लागत में वृद्धि हो सकती है, तथापि, इससे लागत में वास्तविक वृद्धि नहीं हुई है क्योंकि घरेलू उद्योग ने चीन जन.गण. से कच्ची सामग्री का केवल नगण्य मात्रा में आयात किया है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि रक्षोपाय शुल्क के उद्ग्रहण से



घरेलू उद्योग की लागत या उसके लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत पर कोई खास प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा था ।

117. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि घरेलू उद्योग ने भारती मांग के अतिरिक्त क्षमता के सृजन में भारी राशि का उपयोग किया है, प्राधिकारी ने घरेलू मांग की प्रवृत्ति और क्षमता वृद्धि की जांच की है । प्राधिकारी ने यह पाया है कि मांग क्षति जांच अवधि के दौरान 4.36 वर्ग मी. से बढ़कर 15.47 मिलियन वर्ग मी.ट. हो गई है । पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में मांग में वृद्धि 2008-09, 2009-10 और 2010-11 के दौरान 47%, 63% और 49% हुई थी । क्षति जांच अवधि के दौरान मांग में औसत वार्षिक वृद्धि 53% हुई थी । क्षमता में वृद्धि विचाराधीन उत्पाद और गैर विचाराधीन उत्पाद दोनों के लिए 6 मिलियन वर्ग मी. से बढ़कर 2008-09 में 18 मिलियन वर्ग मी. हो गई थी । यह नोट किया जाता है कि मांग का हिस्सा भारतीय क्षमता का 86% था । भारत में मांग में वृद्धि दर पर विचार करते हुए क्षमता बेशी प्रतीत नहीं होती है । यह भी नोट किया जाता है कि क्षमता में वृद्धि वार्षिक आधार पर नहीं की जा सकती ।

118. जहां तक रूपए के अवमूल्यन के कारण निविष्टि की उच्च लागत के बारे में हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि रूपए का अवमूल्यन एक बृहद आर्थिक मुद्दा है और यह पाटनरोधी जांच के लिए प्रासंगिक नहीं है ।

119. जहां तक घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई अत्यधिक गोपनीयता का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा याचिका में समस्त मात्रात्मक मापदंडों को उनकी समग्रता में प्रकटन किया गया है और गोपनीयता का दावा कीमत मापदंडों के लिए किया गया है और जांच के बाद प्राधिकारी ने कीमत मापदंडों के आधार पर गोपनीयता की अनुमति दी है । तथापि, समस्त कीमत मापदंडों के बारे में भी सूचीबद्ध रूप में आंकड़ों का प्रकटन किया गया है । इसके अलावा, घरेलू उद्योग के तुलन पत्र की एन सी वी प्रतियों के बारे में यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2009-10 के लिए घरेलू उद्योग का तुलन पत्र संबद्ध जांच की शुरुआत के बाद सभी हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराया गया था । इसके अलावा, वर्ष 2010-11 के लिए इसकी एक प्रति भी सार्वजनिक फाइल में रखी गई है जिसकी प्रति उन हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराई गई थी जिन्होंने इस बारे में मांग की थी ।

120. अनंतिम जांच परिणाम में 27% के शुल्क प्रभाव के बारे में यह अनुरोध किया जाता है कि केन्द्र सरकार द्वारा आयातों के पहुंच मूल्य और बैचमार्क कीमत के बीच अंतर के बराबर 5.20 अम.डा. से लेकर 6.6 अम.डॉ. तक अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था । इसके अलावा, अंतिम जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने इस जांच से संगत सभी तथ्यों की विस्तृत जांच की है और जांचोपरांत पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का निर्धारण किया गया है जिसका उल्लेख उचित शीर्षों में किया गया है । प्रारंभिक जांच परिणाम के अनुसार संबद्ध देशों से आयातित डिजिटल प्लेटों जिनकी पहुंच कीमत बैचमार्क कीमत से अधिक है, पर अनंतिम उपाय में पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं होगा ।

121 जहां तक सस्ती प्लेटों का प्रयोग करने वाले सैंकड़ों प्रकाशकों की लागत पर बड़े विनिर्माताओं के हित को सुरक्षित करने, घरेलू उद्योग के एकाधिकार के मुद्दे तथा संबद्ध वस्तु के बड़े विनिर्माता उत्पादकों के मुद्दे का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी जांचें पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत की जाती हैं और पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश और उसे इसलिए लगाया जाता है ताकि घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण अनुचित व्यापार व्यवहारों का समापन किया जा सके । इसके

अलावा, यदि घरेलू उद्योग को घरेलू बाजार में एकाधिकार प्राप्त होता तो वह ऐसे अनुचित व्यापार व्यवहारों से संरक्षण की मांग करने का पात्र नहीं होता जिससे पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत संबद्ध वस्तु के पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। डी जी ए डी द्वारा चीन और जापान से डिजिटल प्लेटों की आयात की पाटनरोधी जांच की जा रही है और विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त उत्तरों की अनंतिम जांच के बाद डी जी ए डी द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार केन्द्र सरकार द्वारा अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया गया है। प्राधिकारी ने बाद में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का विस्तृत और मौके पर सत्यापन किया और ऐसे सत्यापन के बाद एकत्र की गई सूचना को इस अंतिम जांच परिणाम में ध्यान में रखा गया है।

122. उत्पाद शुल्क की माफी के मुद्दे के बारे में हितबद्ध पक्षकार संबंधित उद्योग को अपना ज्ञापन प्रस्तुत कर सकते हैं।

123. जहां तक घरेलू उद्योग द्वारा एक ओर निर्धारित आधार पर पाटनरोधी शुल्क निर्धारित करने और उसे लागू करने के बारे में दिए गए तर्कों और प्रयोक्ताओं, आयातकों और निर्यातकों द्वारा अपेक्षानुसार संदर्भ आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बारे में दिए गए तर्कों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस मामले से संबंधित विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए तथा अंतिम जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ सभी हितबद्ध पक्षकारों के विचारों को ध्यान में रखते हुए इस मामले की जांच की गई है और निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विचाराधीन उत्पाद के तीन उप प्रकारों हेतु सदर्म कीमत पर आधारित शुल्क की सिफारिश की गई थी जिसे केन्द्र सरकार ने लागू किया था। प्राधिकारी अंतिम जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ शुल्क की उचित संरचना के निर्धारण हेतु विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों को ध्यान में रखेंगे।

124. जहां तक सत्यापन रिपोर्ट की एन सी वी प्रति उपलब्ध कराने के मुद्दे का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि सत्यापन रिपोर्ट एक गोपनीय दस्तावेज होती है जिसमें हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार द्वारा प्रस्तुत गोपनीय सूचना निहित होती है। इसके अलावा परंपरानुसार यह प्रति केवल संबंधित निर्यातक को ही दी जाती है और कोई एन सी वी प्रति तैयार नहीं की जाती है।

125. रसायन व्यापार और प्लेट व्यापार के बीच लागत आबंटन तथा डिजिटली और समनुरूपी प्लेटों के बीच आबंटन के मुद्दे के बारे में यह नोट किया जाता है कि डिजिटल प्लेट के बारे में हुई क्षति का निर्धारण घरेलू उद्योग के संगत रिकॉर्ड के सत्यापन के बाद उचित आधार पर लागत आबंटन के अनुसार किया गया है। अतः चूंकि विचाराधीन उत्पाद डिजिटल प्लेट है न कि समनुरूपी प्लेट है, इसलिए डिजिटल प्लेट के बारे में घरेलू उद्योग के निष्पादन पर संबद्ध जांच में विचार किया गया है। इसके अलावा, रसायन प्रभाग टेक्नोवा में एक पृथक प्रभाग है और प्लेटों और रसायन प्रभागों का रिकॉर्ड अलग से रखा जाता है।

126. जहां तक क्षति रहित कीमत के निर्धारण हेतु आय की दर के मुद्दे पर ध्यान देने का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि आय की दर को अन्य जांचों में भी प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई परंपरा के अनुसार डी जी ए डी द्वारा अपनाई गई परंपरा के अनुरूप लिया गया है।

127. निदेशकों को प्रदत्त सैद्धांतिक ब्याज के बारे में यह नोट किया जाता है कि कंपनी के वार्षिक लेखों के अनुसार ब्याज लागत की अनुमति सुसंगत पद्धति के अनुसार दी गई है।

128. एल एम ई कीमत और विनिमय दर के साथ बिक्री कीमत को जोड़ने के मुद्दे के बारे में प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुछेक ग्राहकों को संबद्ध वस्तु की आपूर्ति हेतु वार्षिक संविदाओं की प्रतियों के आधार पर घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत को एल एम ई कीमत तथा विनिमय दरों के साथ जोड़ा गया है। तथापि, प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि केवल एल एम ई कीमत और विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत को प्रभावित करने वाले कारक नहीं हो सकते हैं। इसके अलावा, यह पद्धति घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा की गई समूची बिक्री के संबंध में प्रचलन में नहीं है।

129. वायलेट और थर्मल क क्षति रहित कीमत में अंतर के मुद्दे पर यह नोट किया जाता है कि इन उत्पादों का विनिर्माण अलग-अलग लागत वाले अलग-अलग संयंत्रों में किया जाता है। चूंकि वायलेट का उत्पादन नए संयंत्र में किया जाता है जो आधुनिक होता है और जिसमें भारी निवेश किया जाता है इसलिए नए संयंत्रों में उत्पादित मर्दों पर आय और मूल्यह्रास अधिक होता है। इसके अलावा, डिजिटल प्लेटों के विभिन्न प्रकारों की पहुंच कीमत का घरेलू उद्योगों द्वारा उत्पादित इन प्लेटों की क्षति रहित कीमत के साथ कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता है।

130. पत्तन स्तर पर बैंच मार्किंग कीमत के मुद्दे के बारे में यह नोट किया जाता है कि क्षति रहित कीमत और निवल बिक्री कीमत का हमेशा निर्धारण कारखाना स्तर पर किया जाता है जबकि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य का निर्धारण पत्तन स्तर पर किया जाता है। यह डी जी ए डी की संगत परंपरा के अनुसार है। जहां तक बिक्री और वितरण लागत का संबंध है, इन्हें आयातकों, पुनः विक्रेताओं और घरेलू उद्योग दोनों से अलग रखा गया है।

131. जहां तक विचाराधीन उत्पाद के लिए लाभप्रदता का आकलन करने हेतु डिजिटल प्लेट के साथ रसायन प्रभाग पर विचार करने के मुद्दे का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी जांच डिजिटल प्लेटों के आयातों के खिलाफ है जो इस जांच में विचाराधीन उत्पाद है और इसे अन्य उत्पाद से जोड़ा नहीं जा सकता। चूंकि पाटनरोधी जांच विचाराधीन उत्पाद तक सीमित होती है, इसलिए पाटनरोधी शुल्क संबंधी जांच में अपभंगी, अनुषंगी तथा संबद्ध उत्पादों की लाभप्रदता पर विचार नहीं किया जाता है।

132. टेक्नोवा द्वारा प्रस्तुत पूरक सूचना के एन सी वी के बारे में यह नोट किया जाता है कि पूरक सूचना में मुख्यतः परियोजना रिपोर्ट होती है जो एक गोपनीय दस्तावेज होता है जिसका सारांश उपलब्ध नहीं कराया जा सकता।

133. टेक्नोवा पर निर्यात प्रतिबंध लगाए जाने के बारे में यह नोट किया जाता है कि टेक्नोवा डिजिटल प्लेटों का निर्यात कर रहा है, इसलिए निर्यात पर प्रतिबंध आगफा के साथ हुई संविदा के अनुसार देश विशिष्ट के लिए है। तथापि, जांच के दौरान घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण टेक्नोवा के घरेलू प्रचालनों के बारे में किया गया है।

134. जहां तक वास्तविक क्षति के बारे में घरेलू उद्योग के दावे का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात की मात्रा में भारी वृद्धि हुई है। तथापि, यह उसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में हुई वृद्धि के अनुरूप रही है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने यह भी नोट किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री गंवाए जाने का दावा किया गया है। उत्पादकों की ओर से बेशी क्षमता के मुद्दे के बारे में यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के उत्पादकों के पास वस्तुतः बेशी क्षमता उपलब्ध है।

**प्रकटन विवरण के बाद विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों के बारे में प्राधिकारी द्वारा जांच**

135. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों की जांच इस जांच परिणाम के उचित शीर्षों के अंतर्गत की है ।

136. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के संचयन के विशिष्ट मुद्दे के बारे में यह नोट किया जाता है कि उपर्युक्त (iii) के अनुसार पूरी की जाने वाली अपेक्षा के तहत संचयन की शर्तें इस मामले में पूरी होती हैं । इस संबंध में यह नोट किया जाता है कि चीन जन.गण. और जापान से आयात 3% के नगण्य स्तर से काफी अधिक थे और पाटन मार्जिन नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iii) में निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है । इसके अलावा यह नोट किया जाता है कि जापान और चीन जन.गण. से आयातित संबद्ध वस्तु का घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और विक्रीत वस्तु के साथ अदल-बदल कर प्रयोग किया जाता है । तदनुसार, इन तीनों देशों (अर्थात् भारत, चीन जन.गण. तथा जापान) से आयातित वस्तु भारतीय बाजार में खासकर कीमत के आधार पर एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करती है । उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए और उचित शीर्षों में विस्तार से की गई जांच के अनुसार चीन जन.गण. तथा जापान से संबद्ध वस्तु के आयातों के घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु पर प्रभाव का संचयी निर्धारण करना उचित माना जाता है ।

137. पाटनरोधी शुल्क के बेंचमार्क स्वरूप की तुलना में विशिष्ट स्वरूप के मुद्दे और जहां तक इस मुद्दे का संबंध है कि पाटनरोधी शुल्क भा.रू. या अम.डॉ. में लगाया जाना चाहिए, प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों और मामले के वास्तविक स्थिति पर विचार करने के बाद अम.डॉ. में पाटनरोधी शुल्क के बेंचमार्क स्वरूप की सिफारिश की है ।

138. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि प्रकटन विवरण में प्रारंभिक जांच परिणामों की तुलना में भारी अंतर है और उन्होंने यह अंतर दिया है कि ऐसे प्रमुख मापदंडों में ऐसे किसी भारी परिवर्तन की अनुमति हितबद्ध पक्षकारों को अवसर प्रदान किए बिना नहीं दी जा सकती । इस मामले की जांच की गई है और यह नोट किया जाता है कि बिक्री लागत, प्रति इकाई लाभ एवं घाटे, कर पश्चात लाभ, नकद लाभ, लगाई गई पूंजी, घरेलू उद्योग की निवेश पर आय के आंकड़ों में परिवर्तन प्रारंभिक जांच परिणाम के बाद घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के विस्तृत सत्यापन और जांच के आधार पर मूल परियोजना रिपोर्ट में परिकल्पित सीमा तक ही नई परियोजना में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेश की अनुमति देने के कारण हुआ है । इसके अलावा, यह बताया गया है कि प्राधिकारी ने इन आंकड़ों में संशोधन किया गया है और घरेलू उद्योग के आंकड़ों में कोई संशोधन नहीं किया गया है । इसके अलावा, प्रकटन विवरण में यह पहले ही उल्लेख किया गया है कि नए संयंत्र की पूंजी लागत को मूल परियोजना रिपोर्ट में क्षति विश्लेषण और क्षति रहित कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ परिकल्पित निवेश के स्तर तक सीमित कर दिया गया है । तदनुसार, मूल्यहास तथा ब्याज

लागत को भी मूल परियोजना लागत तक सीमित कर दिया गया है जिसका बिक्री लागत, लाभ, नकद लाभ, लगाई गई पूंजी पर आय आदि पर प्रभाव पड़ा है ।

139. क्षति रहित कीमत में परिवर्तन के बारे में इस मामले की विस्तृत जांच प्राधिकारी द्वारा प्रकटन विवरण के पश्चात हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों के आधार पर की गई है और इन्हें इस जांच परिणाम में घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत के लिए निर्धारण से संबंधित संगत पैराओं में स्पष्ट किया गया है ।

140 क्षमता और क्षमता उपयोग में परिवर्तन के बारे में परियोजना रिपोर्ट से यह नोट किया जाता है कि नए संयंत्र की क्षमता विचाराधीन उत्पाद तथा गैर-विचाराधीन उत्पाद, दोनों के लिए थी ।

141. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि डिजिटल प्लेटों का उत्पादन पी एस प्लेट की लाइन पर नहीं किया जा सकता । यह नोट किया जाता है कि हालांकि समनुरूपी प्लेट के संयंत्र में डिजिटल प्लेट का उत्पादन संभव नहीं हो सकता है परंतु समनुरूपी प्लेटों का उत्पादन डिजिटल प्लेटों के संयंत्र में किया जा सकता है । टेक्नोवा के पास समनुरूपी प्लेटों के लिए विशिष्ट संयंत्र हैं परंतु डिजिटल के लिए कोई विशिष्ट क्षमता नहीं है, टेक्नोवा द्वारा स्थापित 18 मिलियन वर्ग मी. के नवीनतम दो संयंत्र डिजिटल तथा समनुरूपी दोनों प्रकार की प्लेटों के उत्पादन के लिए है । इसके अलावा, रिकार्डों से यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान समनुरूपी प्लेटों का वास्तव में उत्पादन नए संयंत्र में किया गया था ।

142. जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि पी एस प्लेटों और डिजिटल प्लेटों की क्षमताओं को जोड़कर टेक्नोवा ने पी एस और डिजिटल प्लेट के बीच व्यय का अनुपात निकाला है, प्रकटन विवरण में इस बात का स्पष्ट उल्लेख किया जा चुका है कि समनुरूपी और डिजिटल दोनों प्लेटों का उत्पादन करने वाले संयंत्रों की लागत का अनुपात प्रारंभिक जांच परिणामों और प्रकटन विवरण दोनों में तथा इस अंतिम जांच परिणाम में भी निकाला गया है ।

143. क्षति रहित कीमत के निर्धारण के बारे में यह नोट किया जाता है कि क्षति रहित कीमत की ज्ञाना डिजिटल और समनुरूपी, दोनों प्रकार की प्लेटों के विनिर्माण करने वाले संयंत्रों की लागत के आधार पर की गई है । क्षति रहित कीमत की गणना प्रत्यक्ष लागत एवं उचित आधार पर आबंटित/आनुपातिक लागत के आधार पर की गई है ।

144. कुछ प्रयोक्ता एसोसिएशनों का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि प्राधिकारी को परियोजना रिपोर्ट की जांच करनी चाहिए थी, यह नोट किया जाता है कि क्षति रहित कीमत और क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने परियोजना रिपोर्ट तथा अन्य संगत दस्तावेजों की भी जांच की है । तथापि, इन्हें सार्वजनिक फाइल में नहीं

रखा गया है क्योंकि इसे गोपनीय होने के रूप में दावा किया गया है और उन्हें ऐसा ही माना गया है ।

145. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि जांच अवधि में टेक्नोवा में रसायनों में लाभ में अत्यधिक वृद्धि और बिक्री लाभ में भारी गिरावट का दावा किया है, यह नोट किया जाता है कि समूची क्षति अवधि के दौरान रसायन प्रभाग में बिक्री प्राप्ति पर लाभ मार्जिन मोटे तौर पर समान रहा है ।

146. जहां तक इस अनुरोध का संबंध है, कि वार्षिक रिपोर्ट में दर्शाए गए अनुसार कंपनी के निष्पादन में अत्यधिक सुधार प्रदर्शित हुआ है जबकि कंपनी ने लागत लेखा के बारे में कुछ हेराफेरी कर डिजिटल प्रिंटिंग प्लेटों में घाटा सूचित किया है, यह नोट किया जाता है कि कंपनी द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु के बारे में घरेलू उद्योग के वास्तविक निष्पादन को क्षति मापदंडों की जांच करते समय प्राधिकारी द्वारा हिसाब में लिया गया है । इसके अलावा, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों पर प्रकटन विवरण में किए गए अनुरोधों की जांच की है और यह नोट किया गया है कि परियोजना लागत को मूल परियोजना लागत तक सीमित किए जाने के बाद डिजिटल प्लेट में कोई घाटा नहीं हुआ है ।

147. यह भी उल्लेख किया गया है कि वार्षिक रिपोर्ट में प्रदर्शित लाभ का अर्जन रासायनिक प्रक्रिया से नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एक मामूली कार्यकलाप है । यह नोट किया जाता है कि रसायन व्यापार के अलावा, टेक्नोवा द्वारा डिजिटल प्रिंट मीडिया प्रभाग तथा व्यापार कार्यकलाप में लाभ कमाया जा रहा है । जांच अवधि के दौरान राजस्व का लगभग 38 प्रतिशत रसायन, डिजिटल प्रिंट मीडिया प्रभाग और व्यापार कार्यकलाप से अर्जित किया गया था ।

148. प्रकटन विवरण में दी गई टिप्पणियों में आयातकों तथा प्रयोक्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि वह समस्त गणना के प्रयोजनार्थ 3 (सी टी सी पी, थर्मल और वायलेट) के लिए लागत और क्षमताएं प्रकटन विवरण में एक साथ मिलाए जाने पर तीनों प्रकार की प्लेटों के लिए गणना के आधार की पृथक हिस्सेदारी करें । विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी पूछा है कि इनके लिए क्षति रहित कीमत की पृथक गणना कैसे की गई है । प्राधिकारी ने इन अनुरोधों की जांच की है और यह नोट किया जाता है कि उत्पादित प्लेट के प्रत्येक प्रकार हेतु क्षति रहित कीमत का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के उपबंधों के अनुसार किया गया है और संबद्ध वस्तु हेतु कम कीमत पर बिक्री के प्रयोजनार्थ भारित औसत क्षति रहित कीमत पर विचार किया गया है । क्षति मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्रत्येक प्रकार की प्लेट की क्षति रहित कीमत की तुलना सहयोगी निर्यातक की संबंधित प्लेट के पहुंच मूल्य के साथ की गई है । ऐसा करना प्राधिकारी द्वारा उचित शीर्षों में किए गए उल्लेखानुसार पाटन मार्जिन के निर्धारण के अनुरूप है ।

149. लेखा परीक्षित विवरण तथा प्रकटन विवरण में उल्लिखित क्षमता के अनुसार पी एस प्लेटों और डिजिटल प्लेटों के लिए समान स्थापित क्षमता के मुद्दे के बारे में यह नोट किया जाता है कि प्रकटन विवरण और वार्षिक रिपोर्ट में उल्लिखित संयुक्त स्थापित क्षमता एक समान है ।

150. जहां तक पी एस प्लेटों और डिजिटल प्लेटों के लिए टेक्नोवा की क्षति रहित कीमत की तुलना में निवल बिक्री प्राप्ति के प्रश्न का संबंध है कि डिजिटल प्लेटों और उसकी क्षति रहित कीमत की निवल बिक्री प्राप्ति गोपनीय है जिसका प्रकटन नहीं किया जा सकता ।

151. जहां तक प्रकटन विवरण और लेखा परीक्षित विवरण के अनुसार वर्ष वार बिक्री परिवर्तनीय लागत, अंशदान, नियम लागत (पृथक रूप से मजदूरी), सकल मार्जिन, निवेश पर आय, लगाई गई पूंजी, ब्याज और मूल्यहास, समनुरूपी, डिजिटल औरी रसायन व्यापार के बीच नकद तथा निवल लाभ के ब्यौरे के मिलान का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि इन आंकड़ों पर कंपनी के लेखा परीक्षित लेखों के साथ मिलान करने के बाद ही विचार किया गया है । इसके अलावा, समग्र आंकड़े गोपनीय हैं जिनका प्रकटन नहीं किया जा सकता । तथापि, प्रकटन विवरण में सूचीबद्ध आंकड़ों का प्रकटन पहले ही कर दिया गया है ।

152. जहां तक तीनों प्रभागों में व्यय के अनुपात के आधार का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि इन चारों प्रभागों अर्थात् प्लेटों, डिजिटल प्लेट, मीडिया, रसायन और व्यापार का अधिकांश व्यय प्रत्यक्ष है जिसे लेखा बहियों में अलग से दर्ज किया गया है और कंपनी के सामान्य व्यय को क्षति रहित कीमत के निर्धारण के स्वीकृत सिद्धांतों के आधार पर आबंटित किया जाता है ।

153. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह प्रश्न उठाया है कि सूचीबद्ध आंकड़ों के रूप में लाभ को वर्ष 2009-10 में 119.83 से घटाकर 2010-11 में 37.28% और सूचीबद्ध आंकड़ों के रूप में प्रति इकाई सूचीबद्ध लाभ को 2009-10 में 35.57 से घटाकर 2010-11 में 7.69 क्यों किया गया है । इस संबंध में यह नोट किया जाता है कि इन हितबद्ध पक्षकारों ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के साथ बैठक/सुनवाई करने की मांग की थी और बैठक के दौरान इन हितबद्ध पक्षकारों ने यह स्पष्ट किया था कि वर्ष 2009-10 की तुलना में 2010-11 में लाभ में गिरावट प्रति इकाई बिक्री कीमत में तेजी से गिरावट आने (सूचीबद्ध 88 से घटकर 84) तथा प्रति इकाई बनाने और बेचने की लागत (95 से घटकर 93) आने के कारण आई है और यह भी स्पष्ट किया गया था कि प्रत्येक आंकड़े उसके आधार वर्ष के आंकड़ों के अनुरूप सूचीबद्ध किए गए हैं और इसलिए दो अलग-अलग आधारों पर दो अलग-अलग सूचकांकों से कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता ।

154. जहां तक निवेश को उसके मूल स्तर तक सीमित करने के मुद्दे का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि मै. टेक्नोवा ने अतिरिक्त निवेश के बारे में कुछ स्पष्टीकरण प्रदान किए हैं और स्पष्टीकरणों की जांच करने के बाद प्राधिकारी का अभी भी यह मत है कि नए संयंत्र में

निवेश को क्षति विश्लेषण और क्षति रहित कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ मूल परियोजना रिपोर्ट में परिकल्पित निवेश के स्तर तक सीमित किए जाने की जरूरत है। जहां तक चालू देयताओं के रूप में कार्यशील पूंजी ऋण के व्यवहार के कारण लगाई गई पूंजी के संशोधन के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी ने इन मुद्दों का पुनरावलोकन किया है और लगाई गई पूंजी और क्षति रहित कीमत में उचित संशोधन किए हैं।

115. जहां तक घरेलू उद्योग के दावे के अनुसार प्राधिकारी द्वारा किए गए आबंटन के आधार में परिवर्तनों का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III में उल्लिखित एन आई पी सिद्धांतों के प्रावधानों के अनुसार उचित आधार को अपनाया है और अपनाए गए आधार का प्रकटन भी घरेलू उद्योग को किया गया है।

156. मामले की विस्तृत जांच हेतु जांच पूरी करने के लिए समय विस्तार हेतु आयातकों और प्रयोक्ता एसोसिएशनों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुछ हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियों के मुद्दे के संबंध में यह अनुरोध किया जाता है कि संबद्ध जांच विस्तारित समयावधि (3 माह थी) में की जा रही है। इसके अलावा, विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच इस अंतिम जांच परिणाम में की गई है। वस्तुतः यह नोट किया जाता है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण पर उत्तर प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों हेतु एक दिन का समय बढ़ाया जा चुका है।

#### **क्षति की जांच : पाटित आयातों की मात्रा, पाटित आयातों के कारण कीमत प्रभाव तथा घरेलू उद्योग पर उसका प्रभाव**

157. घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों के बारे में यह बताया गया है कि इन्हें समुचित पैराग्राफों में उल्लिखित नियमों के अनुसार क्षति संबंधी अनिवार्य मापदंडों की दृष्टि से अनंतिम रूप से निर्धारित किया गया है। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार कहा गया है :

*"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा।"*

158. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के तथ्यों और तर्कों पर विचार करते हुए क्षति संबंधी मापदंडों की वस्तुनिष्ठ रूप से जांच की है।

#### **संचयन**



159. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II (iii) में यह उपबंध है कि जब एक से अधिक देश से हुए किसी उत्पाद के आयात की एक साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो प्राधिकारी के लिए केवल उस स्थिति में ऐसे आयातों के संचयी प्रभाव का निर्धारण अपेक्षित होता है जब वह यह निर्धारित करे कि:-

- क. प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों की 3% से अधिक है अथवा जहां अलग-अलग देशों का निर्यात 3% से कम है वहां आयातों का संचयी हिस्सा समान वस्तु के आयातों के 7% से अधिक है, और
- ख. आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।

160. प्राधिकारी समुक्ति करते हैं कि:

- प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन के मार्जिन उपर्युक्त निर्धारित सीमा से अधिक है;
- आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उचित है क्योंकि संबद्ध देशों से निर्यात भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा बेची जाने वाली समान वस्तु से सीधे प्रतिस्पर्धा करते हैं यह निम्नलिखित से स्पष्ट है:

क. संबद्ध देशों से उत्पादकों द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तु परस्पर और घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद की तुलना में तुलनीय विशेषताओं वाली है। दूसरे शब्दों में विभिन्न संबद्ध देशों से और घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति की गई संबद्ध वस्तु परस्पर समान वस्तुएं हैं।

ख. प्राधिकारी को प्रस्तुत सूचना से इस आशय का यथोचित संकेत मिलता है कि ऐसे कुछ सामान्य पक्षकार हैं जो विभिन्न स्रोतों से आयातित सामग्री और घरेलू सामग्री का उपयोग कर रहे हैं। अतः आयातित और घरेलू सामग्री का अदल-बदल कर उपयोग हो रहा है तथा घरेलू उत्पाद और आयातित उत्पाद के बीच और आयातित उत्पाद में परस्पर सीधी प्रतिस्पर्धा है।

ग. प्रत्येक संबद्ध देश से आयात की मात्रा काफी अधिक है न कि नगण्य। इसके अलावा, यद्यपि, जापान से आयातित वस्तु की कीमत उस कीमत से अधिक है जिस पर चीन से वस्तु का आयात किया गया है। तथापि, भारत में आयातित जापानी उत्पादों और चीन के उत्पादकों के बीच कीमत अंतर का यह अर्थ नहीं निकलता है कि वे एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं और यह कि प्रतिस्पर्धा की स्थितियों में संचयन अपेक्षित नहीं है। कीमत में अंतर से यह पता चलता है कि चीन की वस्तु और जापान की वस्तु भारतीय बाजार में आपस में प्रतिस्पर्धा करती है। प्राधिकारी ने उसके समक्ष किए गए अनुरोधों के आधार पर यह नहीं पाया है कि जापानी वस्तु या चीन की वस्तु के बारे में उत्पादों की गुणवत्ता या अन्य विशेषताओं और कीमतों पर आधारित

प्रतिस्पर्धा के संबंध में अन्य वस्तुओं की तुलना में भारतीय ग्राहक उन्हें कोई तरजीह दे रहे हैं। इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि दोनों देशों से आयातित संबद्ध वस्तु भारत में घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु के साथ प्रतिस्पर्धा भी करती है। यह भी नोट किया जाता है कि चीन या जापान से आयातित संबद्ध वस्तु का अदल-बदल कर उपयोग घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु के साथ किया जा रहा है।

161. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातित उत्पादों और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए चीन जन.गण. और जापान से संबद्ध वस्तु के आयातों का घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु पर प्रभाव का संचयी निर्धारण करना उचित है।

162. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में यह उपबंध है कि क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव; तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातकों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"

163 जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है:

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

### पाटित आयातों की मात्रा प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

#### संबद्ध देशों से आयात की मात्रा और हिस्सा

#### भारत में खपत तथा घरेलू उद्योग के उत्पादन की तुलना में संबद्ध देशों से आयात

164. यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि सहित क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयात की मात्रा में समग्र रूप में अत्यधिक वृद्धि हुई है अर्थात् ये आयात 2007-08 में 1.123 मिलियन वर्ग मी. से बढ़कर 2010-11 में 4.046 मिलियन वर्ग मी. हो गए हैं जिनमें क्षति अवधि में भारी वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा प्रत्येक परवर्ती वर्ष में आयातों में समग्र रूप से भारी वृद्धि हुई है। इसी समय अन्य देशों से आयात में भारी गिरावट आई है।

विवरण	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11 (जांच अवधि)
संबद्ध देशों से आयात	मि. वर्ग. मी.	1.123	1.554	2.305	4.046
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	138	205	360
चीन	मि. वर्ग. मी.	0.008	0.120	1.572	3.348
जापान	मि. वर्ग. मी.	1.116	1.434	0.732	0.697
अन्य देशों से आयात	मि. वर्ग. मी.	0.964	0.791	0.298	0.291
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	70	27	26
कुल आयात	मि. वर्ग. मी.	2.087	2.344	2.603	4.337
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	125	208
घरेलू उत्पादन	मि. वर्ग. मी.	2.290	4.520	8.160	11.910
घरेलू उत्पादन के संबंध में संबद्ध देशों से आयात		49.05%	34.38%	28.24%	33.97%
मांग	मि. वर्ग. मी.	4.347	6.364	10.213	15.281
खपत के संबंध में संबद्ध देशों से आयात		25.84%	24.42%	22.57%	26.48%

#### भारत में खपत और घरेलू उद्योग के उत्पादन की तुलना में संबद्ध देशों से आयात

165. उपर्युक्त तालिका से यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से आयात घरेलू उत्पादन की तुलना में 2007-08 में 49% से घटकर 2009-10 के दौरान 34% हो गया। यह भी नोट किया जाता है कि वर्ष 2008-09 तथा 2009-10 में भारत में खपत की तुलना में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के हिस्से में गिरावट की प्रवृत्ति नोट की गई है और तत्पश्चात् यह वर्ष 2007-08 की भांति 26% के स्तर पर पुनः पहुंच गया है।

**बिक्री और मांग**

166. संबद्ध वस्तु की मांग का निर्धारण समान उत्पाद की घरेलू बिक्री को सभी देशों से हुए संबद्ध वस्तु के आयातों के साथ जोड़कर किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु की मांग में प्रत्येक वर्ष वृद्धि हुई है और यह भी नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में भारी वृद्धि हुई थी। यह भी नोट किया जाता है कि इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तु की बिक्री में भी भारी वृद्धि की गई है।

विवरण	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11 (जांच अवधि)
कुल घरेलू बिक्री (मिलियन वर्ग मी.)	2.259	4.020	7.610	10.944
प्रवृत्ति	100	178	337	484
कुल आयात (मिलियन वर्ग मी.)	2.087	2.344	2.603	4.337
प्रवृत्ति	100	112	125	208
मांग (मिलियन वर्ग मी.)	4.347	6.364	10.213	15.281
प्रवृत्ति	100	146	235	352
संबद्ध देशों से आयात (मिलियन वर्ग मी.)	1.123	1.554	2.305	4.046
प्रवृत्ति	100	138	205	360
कुल आयातों में संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा	53.82%	66.28%	88.53%	93.29%

**बाजार हिस्सा**

167. यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि में आधार वर्ष की तुलना में कुल आयातों के अनुपात के रूप में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात के बाजार हिस्से में भारी वृद्धि हुई है। जहां तक मांग का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2007-08 में 26% की तुलना में 2008-09 और 2009-10 में संबद्ध देशों के हिस्से में मामूली गिरावट आई है। परंतु जांच अवधि में यह पुनः 26% हो गया है। यह भी नोट किया जाता है कि चूंकि उत्पाद की मांग में भारी वृद्धि हुई है, इसलिए क्षति अवधि के प्रत्येक वर्ष में घरेलू उद्योग के हिस्से में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। वस्तुतः यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में भारी वृद्धि हुई है।

बाजार हिस्सा	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11 (जांच अवधि)
मांग (मि.वर्ग. मी.)	4.347	6.364	10.213	15.181
कुल घरेलू बिक्री (मि.वर्ग. मी.)	2.259	4.020	7.610	10.944
घरेलू उद्योग का हिस्सा %	52	63	74	72
घरेलू उद्योग का हिस्सा प्रवृत्ति	100	122	143	139
संबद्ध देशों का हिस्सा %	25.84%	24.42%	22.57%	25.99%
घरेलू उद्योग का हिस्सा प्रवृत्ति	100	94	87	101
अन्य देशों का हिस्सा %	22.18%	12.42%	2.92%	1.92%
प्रवृत्ति	100	56	13	9

### घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

#### कीमत कटौती

168. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, इस बात की जांच की गई है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण कीमत में भारी कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में होने वाली वृद्धि नहीं हुई है अथवा होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है जिसमें अन्यथा काफी अधिक बढ़ोतरी हुई होती। इस संबंध में संबद्ध उत्पाद के पहुंच मूल्य तथा सभी करों और रिबेटों को छोड़कर व्यापार के समान स्तर पर घरेलू उद्योग की औसत बिक्री के साथ की गई है। घरेलू उद्योग की कीमत का निर्धारण कारखाना स्तर पर किया गया था। निवल बिक्री प्राप्ति (एन एस आर) की गणना करने के लिए मुफ्त में आपूर्त पूर्व प्रेस रसायनों की लागत को भी घटाया गया था। घरेलू उद्योग की कीमत का निर्धारण कारखाना स्तर पर किया गया था। इस तुलना से यह पता चला कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों के मूल की संबद्ध वस्तु के भारतीय बाजार में आयात घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम कीमत पर किया गया है। अतः यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण घरेलू कीमत में कटौती हो रही है और चीन जन गण से हुए आयातों के मामले में कटौती का मार्जिन काफी अधिक है। जापान के बारे में कीमत कटौती मार्जिन नकारात्मक है।

169. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत पर प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति तथा क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच लागत के साथ की गई है।

विवरण	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
निवल घरेलू बिक्री प्राप्ति (रु. प्रति वर्ग. मी.)	***	***	***	***
निवल घरेलू बिक्री प्राप्ति (सूचीबद्ध)	100.00	96.99	90.39	85.77

पहुंच मूल्य				
संबद्ध देश (रु. प्रति वर्ग. मी.)	306.83	335.78	293.01	245.65
संबद्ध देश (सूचीबद्ध)	100.00	109.44	96.15	80.06
चीन (रु. प्रति वर्ग. मी.)	261.2	273.81	283.63	236.88
चीन (सूचीबद्ध)	100.00	104.83	108.59	90.69
जापान (रु. प्रति वर्ग. मी.)	307.14	340.95	319.43	287.77
जापान (सूचीबद्ध)	100.00	111.01	104.00	93.69
कीमत कटौती				
संबद्ध देश (रु. प्रति वर्ग. मी.)	***	***	***	***
चीन (रु. प्रति वर्ग. मी.)	***	***	***	***
जापान (रु. प्रति वर्ग. मी.)	***	***	***	***
कीमत कटौती, पहुंच मूल्य का				
संबद्ध देश	(0-10)%	(10-20)%	(0-10)%	0-10%
चीन	10-20%	5-15%	(0-10)%	5-15%
जापान	(0-10)%	(10-20)%	(10-20)%	(5-15)%

170. उपरोक्त से यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात ने जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की कीमत में 12% की कटौती की है। अलग-अलग रूप से चीन के मामले में कीमत कटौती 16% हुई थी जबकि जापान के मामले में कीमत में कोई कटौती नहीं की गई है।

**कम कीमत पर बिक्री:**

प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई कम कीमत पर बिक्री, कीमत हास और कीमत न्यूनीकरण की भी जांच की है। विधिवत जांच के बाद यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को चीन की ओर से भारी कम कीमत पर निर्यात किया गया है लेकिन जापान से जांच अवधि के दौरान कम कीमत पर कोई बिक्री नहीं हुई है।

विवरण	जांच अवधि
क्षति-रहित कीमत	***
कम कीमत पर बिक्री	
संबद्ध देश	***
चीन जन. गण.	***
जापान	***
कम कीमत पर बिक्री %	
संबद्ध देश	0.10%
चीन	0.10%
जापान	-(5-15)%

**कीमत हास**

172. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव कीमत हास अर्थात् क्षति अवधि के दौरान निवल बिक्री कीमत में गिरावट के कारण पड़ा है। आगे यह नोट किया जाता है कि यद्यपि, वर्ष 2008-09, जब बनाने और बेचने की लागत में वृद्धि हुई थी, को छोड़कर, क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बनाने और बेचने की लागत तथा बिक्री कीमत दोनों में गिरावट आई है। तथापि, बिक्री कीमत में गिरावट संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत में गिरावट से अधिक है। कीमत हास मौजूद है।

(रूपए प्रति वर्ग मी.)

विवरण	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
बनाने तथा बेचने की लागत	***	***	***	***
बनाने तथा बेचने की लागत (सूचीबद्ध)	100.00	114.09	95.60	90.65
आधार वर्ष से वृद्धि (कमी)		14.09%	-4.40%	-9.35%
घरेलू बिक्री कीमत	***	***	***	***
घरेलू बिक्री कीमत (सूचीबद्ध)	100.00	97.02	90.41	85.80
आधार वर्ष से वृद्धि (कमी)		-2.98%	-9.59%	14.20%

**घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड : संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा के कारण घरेलू उद्योग पर प्रभाव और पाटित आयातों के कारण कीमत प्रभाव**

173. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के विश्लेषण में ऐसे उत्पादों के समान वस्तु के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। नियमों में आगे यह उपबंध है कि जहां तक ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारकों, पाटन मार्जिन की मात्रा; नकद प्रवाह, माल सूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा। घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदंडों पर नीचे विचार किया गया है।

**क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग**

174. क्षमता, उत्पादन तथा क्षमता उपयोग, बिक्री तथा बाजार हिस्से के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन निम्नानुसार है :-

(मिलियन वर्ग मी.)

विवरण	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11(जांच अवधि)
स्थापित क्षमता ( समग्र रूप में प्लेट प्रभाग)	16.77	28.77	28.77	28.77
उत्पादन (डिजिटल) घरेलू	2.29	4.52	8.16	11.91
उत्पादन (निर्यात)	0.17	0.21	0.68	0.55
घरेलू समान वस्तु का उत्पादन	2.47	4.73	8.84	12.46
उत्पाद संबंधित उत्पादन से इतर प्लेटें	11.55	11.35	10.90	10.60
कुल प्लेटों का उत्पादन	14.02	16.08	19.74	23.06
क्षमता उपयोग (समग्र रूप में प्लेट प्रभाग)	84%	56%	69%	80%

यह नोट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद के लिए कोई अनन्य स्थापित क्षमता नहीं है और इस प्रकार क्षमता उपयोग का निर्धारण अगले उपलब्ध आंकड़ों अर्थात् समग्र कंपनी के प्लेट प्रभाग को ध्यान में रखकर किया गया है। यह नोट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद की मांग में वृद्धि के कारण क्षति अवधि में क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है। इसी अवधि के दौरान उत्पादन में भी अत्यधिक वृद्धि हुई है।

#### घरेलू बिक्री

175. यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान भारत में मांग और घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि में घरेलू बाजार में अपना बाजार हिस्सा बढ़ाया है।

(मि. वर्ग मी.)

विवरण	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11 (जांच अवधि)
घरेलू बिक्री	2.26	4.02	7.61	10.94
सूचीबद्ध	100	178	337	484
निर्यात बिक्री	0.16	0.21	0.74	0.83
सूचीबद्ध	100	129.81	451.56	506.52
मांग	4.30	6.36	10.39	15.47
मांग सूचीबद्ध	100	146.43	239.03	355.88

#### मालसूची

176. यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की माल सूची में भारी वृद्धि हुई है। औसत मालसूची में वृद्धि समग्र रूप में और दिनों की संख्या दोनों के रूप में वृद्धि हुई है। हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि औसत मालसूची में वृद्धि बिक्री,



उत्पादन रेंज और उपभोक्ताओं की संख्या, आकार, डिपो आदि में बढ़ोत्तरी के कारण हुई है। तथापि, दिनों की संख्या के रूप में मालसूची में \*\*\* दिन से लेकर \*\*\* दिन तक की वृद्धि से घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव का पता चलता है।

मालसूची	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11 (जांच अवधि)
मालसूची (मिलियन वर्ग.मी.)				
मालसूची (मिलियन वर्ग.मी.) (सूचीबद्ध)	100	227.30	474.82	784.75
प्रारंभिक स्टॉक (मिलियन वर्ग.मी.)				
अंतिम स्टॉक (मिलियन वर्ग.मी.)				
औसत स्टॉक (मिलियन वर्ग.मी.)				
बिक्री दिवसों की संख्या के अनुसार स्टॉक				
सूचीबद्ध	100	130	138	161

### लाभ

घरेलू समान उत्पाद के बारे में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता की जांच की गई है। यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2008-09 में नए संयंत्र की शुरुआत के साथ घरेलू उद्योग को 2008-09 में घाटा हुआ। तत्पश्चात लाभ में वृद्धि हुई। तथापि, आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान प्रति इकाई लाभ में भारी गिरावट आई है। हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि लाभप्रदता में गिरावट का दावा मजदूरी, मूल्यहास और ब्याज के लिए कंपनी द्वारा प्रभारित बेशी व्यय के कारण आई है। इस मामले की विस्तृत जांच की गई है और घरेलू उद्योग के रिकॉर्ड के सत्यापन तथा जांच के बाद यह पाया गया था कि समग्र आधार पर संवर्धित प्रभाग सामान्यतः कंपनी के कुल उत्पादन और विशेषतः नए संयंत्र में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के हिस्से में वृद्धि के कारण आयात है। इसके अलावा निम्नलिखित तालिका से यह देखा जा सकता है कि मजदूरी, मूल्यहास और ब्याज के प्रभाव में समग्र रूप में वृद्धि हुई है। तथापि, वर्ष 2008-09 के दौरान प्रति इकाई उत्पादन बढ़ा है और उसके पश्चात उसमें उत्पादन में वृद्धि के अनुरूप गिरावट आई है। चूंकि मूल्यहास, ब्याज में वृद्धि की प्रवृत्ति का मुद्दा भी उठाया गया है, इसलिए इनके आंकड़ों की जांच की गई है और उनका निम्नलिखित तालिका में सत्यापन किया गया है। यह नोट किया जाता है कि नए संयंत्र की शुरुआत के साथ वर्ष 2008-09 में मूल्यहास तथा प्रति इकाई ब्याज लागत में वृद्धि हुई तथा उसके बाद प्रति इकाई लागत में गिरावट आई है।

### लाभप्रदता

विवरण	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11 (जांच अवधि)
घरेलू बिक्री पर लाभ/हानि (लाख रूपए)				
घरेलू बिक्री पर लाभ/हानि				

(लाख रुपए में सूचीबद्ध)	100.00	(264.4)	53.21	77.49
घरेलू बिक्री पर लाभ/हानि (रुपए प्रति वर्ग मी.)				
घरेलू बिक्री पर लाभ/हानि (रुपए प्रति वर्ग मी. सूचीबद्ध)	100.00	(148.33)	15.82	16.04

व्याज	इकाई	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
विचाराधीन उत्पाद	लाख रुपए में				
विचाराधीन उत्पाद	सूचीबद्ध	100.00	283.62	270.17	345.74
प्रति इकाई	रुपए प्रति वर्ग मी.				
प्रति इकाई	सूचीबद्ध	100.00	143.94	75.95	66.61

मूल्य ह्रास		2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
विचाराधीन उत्पाद	लाख रुपए में				
विचाराधीन उत्पाद	सूचीबद्ध	100.00	234.27	333.08	417.89
प्रति इकाई	रुपए प्रति वर्ग मी.				
प्रति इकाई	सूचीबद्ध	100.00	118.89	93.63	80.51

### नकद प्रवाह

177. वर्ष 2008-09 में नकद प्रवाह नकारात्मक रहा है। तत्पश्चात वर्ष डिजिटल प्लेट और प्लेट प्रभाग का कुल मिलाकर नकद प्रवाह बढ़ा है।

		2007-08	2008-09	2009-10	2010-11 (जांच अवधि)
विचाराधीन उत्पाद	लाख रुपए में	***	***	***	***
प्रति इकाई	सूचीबद्ध	100.00	(78.74)	157.32	204.18
विचाराधीन उत्पाद	रुपए प्रति वर्ग मी.	***	***	***	***
प्रति इकाई	सूचीबद्ध	100.00	(44.25)	46.70	42.82

### लगाई गई पूंजी पर आय तथा पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

178. यह अनुरोध किया गया है कि घरेलू उद्योग भौतिक एवं आर्थिक दोनों रूपों में स्वयं को मजबूत बनाने के लिए प्रति वर्ष नई पूंजी लगा रहा है। लगाई गई पूंजी पर आय का निर्धारण संबद्ध उत्पाद के लिए ब्याज पूर्व लाभ एवं लगाई गई पूंजी पर विचार करने के बाद किया गया है। यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि में लगाई गई पूंजी पर आय में गिरावट आई है।

विवरण	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11 (जांच अवधि)
नियोजित पूंजी (घरेलू) (लाख रुपए)	***	***	***	***
नियोजित पूंजी (सूचीबद्ध)	100.00	254.76	286.13	364.49
नियोजित पूंजी पर आय (%) (सूचीबद्ध)	***	***	***	***
नियोजित पूंजी पर आय (%) (सूचीबद्ध)	100.00	(103.63)	18.62	21.32

179. हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि टैक्नोवा ने अपने निवेशों पर कम आय के दावे के बावजूद वर्षानुवर्ष भारी पूंजी लगाना जारी रखा। यह अनुरोध किया गया है कि अतिरिक्त क्षमता वर्ष 2008-09 में जोड़ी गई लेकिन कंपनी ने क्षति अवधि के दौरान प्रत्येक परवर्ती वर्ष के लिए लगाई गई पूंजी में वृद्धि और मूल्यहास का दावा किया है।

180. यह नोट किया जाता है कि क्षमता के अतिरिक्त वर्ष 2008-09 में टी-5 संयंत्र की शुरुआत के साथ समग्र कंपनी के लिए वर्ष 2008-09 में लगाई गई कुल पूंजी, मूल्यहास, ब्याज लागत में वृद्धि देखी गई है। चूंकि उत्पादन क्षमता विचाराधीन उत्पाद और गैर विचाराधीन उत्पाद दोनों के लिए सामान्य है, इसलिए कंपनी के कुल उत्पादन में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन हिस्से और प्रत्येक वर्ष टी-5 संयंत्र में हिस्से में वृद्धि के कारण लगाई गई पूंजी के हिस्से, मूल्यहास और विचाराधीन उत्पाद के लिए आवंटित ब्याज में भी वृद्धि हुई है।

181. याचिकाकर्ता ने यह तर्क दिया है कि ऐसी वर्तमान स्थिति, जिसमें उत्पाद लगातार पाटन के कारण निष्पादन नहीं कर रहा है, पर्याप्त नए निवेशों की कल्पना नहीं की जा सकती। यह माना जाता है कि उत्पाद के सतत पाटन और वित्तीय निष्पादन में गिरावट के कारण पूंजी निवेश जुटाने के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता पर प्रभाव पड़ सकता है।

182. जहां तक निवेश जुटाने का सामर्थ्य का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने क्षमता में वृद्धि की है जिसके लिए उसने नए निवेश किए हैं। तथापि, यह नोट किया जाता है कि क्षमता में वृद्धि को देश में उत्पाद की मांग में पर्याप्त वृद्धि और इस तथ्य के साथ देखा जाना चाहिए कि घरेलू उद्योग उत्पादन और देश में उत्पाद की बिक्री के संबंध में विगत में लाभ कमा रहा था।

**रोजगार, मजदूरी और लाभप्रदता:**

183. कर्मचारियों की संख्या, मजदूरी और प्रति कर्मचारी उत्पादकता का ब्योरा निम्नानुसार निम्नानुसार है:

विवरण	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11(जांच अवधि)
कर्मचारियों की संख्या				
कर्मचारियों की संख्या (सूचीबद्ध)	100	244	329	448
उत्पादकता (वर्ग. मी. प्रति कर्मचारी)				
उत्पादकता (वर्ग. मी. प्रति कर्मचारी) (सूचीबद्ध)	100	79	109	113
मजदूरी तथा वेतन				
मजदूरी तथा वेतन प्रति वर्ग.मी.				
मजदूरी तथा वेतन (सूचीबद्ध)	100	191	342	472
मजदूरी तथा वेतन प्रति वर्ग.मी. (सूचीबद्ध)	100	97	96	91

184. यह नोट किया जाता है कि उत्पादकता में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। क्षति अवधि के दौरान रोजगार एवं मजदूरी में भी वृद्धि हुई है। वर्ष 2008-09 में भारी गिरावट के बाद प्रति कर्मचारी उत्पादकता में भी वृद्धि हुई है। इस मापदंड से घरेलू उद्योग को हुई किसी क्षति का पता नहीं चलता है। हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि क्षमता में आगे कोई वृद्धि न होने के बावजूद प्रति वर्ष कर्मचारियों की संख्या और मजदूरी में वृद्धि होती रही है। यह नोट किया जाता है कि समग्र कंपनी के लिए कर्मचारियों की संख्या में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है। तथापि, कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में बढ़ोत्तरी के कारण संवर्धित आवंटन की वजह से हुई है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि जहां संवर्धित उत्पादन के कारण मजदूरी में समग्र रूप में भारी वृद्धि हुई है, वहीं क्षति अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के प्रति वर्ग मी. मजदूरी में गिरावट आई है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान प्रति वर्ग मी. मजदूरी में गिरावट आई है।

**वृद्धि**

185. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने मात्रा के रूप में सकारात्मक वृद्धि और वित्तीय रूप में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। यह नोट किया जाता है कि इस अवधि में मालसूची में बढ़ोत्तरी हुई है। कीमत मापदंडों के बारे में यह नोट किया जाता है कि जहां बिक्री लागत, बिक्री कीमत और निवेश पर आय में गिरावट की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है वहीं क्षति अवधि के दौरान लाभ में वृद्धि और नकद लाभ नकारात्मक रहा है।

### घरेलू कीमत को प्रभावित करने वाले कारक तथा गंवाई गई संविदाओं का साक्ष्य

186. यह अनुरोध किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु आयातित वस्तु के समतुल्य है। यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के पास देश में समूची मांग को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता है और इसलिए सामग्री की उपलब्धता कोई बाधा नहीं है। डिलीवरी की समस्याएं भी लगभग मौजूद नहीं हैं। घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में मांग में बढ़ोत्तरी के साथ और भारत में डिजिटल प्लेटों का बाजार विकसित करने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रयासों के कारण बढ़ोत्तरी हो रही है। बाजारी स्थितियां घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद के लिए काफी अनुकूल हैं तथापि, घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि बाजार घरेलू उद्योग को अत्यंत कम कीमत पर उत्पाद बेचने के लिए बाध्य कर रहा है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के प्रचालन निष्पादन में गिरावट अत्यंत कम कीमत पर देश में आ रहे पाटित आयातों के कारण आ सकती है। यह भी नोट किया जाता है कि कुछ भारतीय ग्राहक वह कीमत उद्धृत करते हैं जिस कीमत पर आयातित वस्तु देश में आ रही है और उन्होंने आयातित कीमत के बराबर कीमत लाने के लिए घरेलू उद्योग से कहा है। अतः यह नोट किया जाता है कि घरेलू कीमत के स्तर को प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक वह कीमत है जिस पर देश में वस्तु का आयात हो रहा है।

### पाटन की मात्रा और मार्जिन

187. यह नोट किया जाता है कि भारत में संबद्ध देशों से आयात पाटन मार्जिन के न्यूनतम स्तर से काफी अधिक है। संगत शीर्षों में यथानिर्धारित संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के बारे में पाटन मार्जिन काफी अधिक माना गया है।

### क्षति रहित कीमत

188. निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं :-

क. चूंकि कंपनी ने बेशी क्षमताएं स्थापित की हैं, इसलिए निर्धारित लागतों के उच्च प्रभाव से ग्रस्त होना लाजिमी है। किसी पूर्वाग्रह के बिना कंपनी की क्षमताओं पर विचार करते हुए उसकी क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया जाना चाहिए। कंपनी ने उसके द्वारा स्थापित बेशी क्षमताओं के कारण उत्पादन क्षमताओं का अपर्याप्त उपयोग किया है और उपभोक्ताओं पर बेशी निर्धारित लागत का बोझ नहीं डाला जाना चाहिए।

ख. टेक्नोवा द्वारा वहन की गई बिक्री और वितरण लागत को क्षति रहित कीमत के निर्धारण में शामिल नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि आयातों की पहुंच कीमत में आयातकों द्वारा वहन की गई बिक्री और वितरण लागत शामिल नहीं होती है।

ग. चूंकि आयात पुनः विक्रेताओं द्वारा किए जाते हैं और घरेलू उद्योग इसकी बिक्री डीलरों को करता है इसलिए आयात कीमत और पुनः बिक्री कीमत के बीच कीमत अंतर को लेखाबद्ध करने के लिए आयात कीमत में 20% का समायोजन अपेक्षित है।

189. घरेलू उद्योग के अनुरोध निम्नानुसार हैं :-

क. माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने कारखाना स्तर पर क्षति रहित कीमत की गणना की है और उन्होंने क्षति रहित कीमत की गणना करते समय विनिर्माण पश्चात व्यय की अनुमति नहीं दी

है। अतः आयातित वस्तु के पुनः विक्रेताओं के वितरण व्यय को माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा हिसाब में नहीं लिया जाना चाहिए।

ख. क्षति रहित कीमत की गणना उस क्षमता उपयोग के स्तर पर विचार करते हुए की जानी चाहिए जिसे घरेलू उद्योग हासिल कर सकता है और सर्वोत्तम प्राप्त क्षमता उपयोग के स्तर पर मांग के अभाव के कारण भरोसा नहीं किया जा सकता। इस तर्क से हितबद्ध पक्षकार की विवेक शून्यता का पता चलता है और यह वर्तमान मामले के तथ्यों के प्रतिकूल है। हितबद्ध पक्षकार के कथनानुसार मांग में वृद्धि हुई है।

ग. लकी द्वारा किसी तथ्यात्मक या विधिक आधार के बिना मुद्दों को उठाकर और उनकी पुनरावृत्ति कर माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को गुमराह करने और भ्रम पैदा करने की कोशिश की जा रही है।

190. क्षति रहित कीमत के मुद्दे की प्राधिकारी ने निम्नानुसार जांच की है :-

क. प्राधिकारी ने क्षति रहित कीमत का निर्धारण पाहनरोधी नियमावली के अनुबंध-III में उल्लिखित क्षतिरहित कीमत के निर्धारण के सिद्धांतों के आधार पर किया है।

ख. जहां तक वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी के सुधरे हुए निष्पादन और सममुरूपी प्लेटों तथा रसायनों में टेक्नोवा की लाभप्रदता की पुनः जांच की जरूरत के बारे में हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों के संबंध में निम्नानुसार नोट किया जाता है। आयातकों, एसोसिएशनों और प्रयोक्ताओं के अभ्यावेदन के बाद प्राधिकारी ने प्लेट प्रभाग और रसायन प्रभाग की लागत संरचना का विस्तृत विश्लेषण किया है। प्लेट प्रभाग अर्थात् कच्ची सामग्री, उपयोगिता, मूल्यहास, ब्याज, रॉयल्टी आदि में लागत को प्रत्यक्षतः संयंत्र के साथ अभिज्ञात किया गया है। जो अन्य व्यय विभिन्न दरों के लिए सामान्य हैं उन्हें प्लेट प्रभाग और अन्य प्रभागों को उचित आधार पर आवंटित किया गया है। इसके अलावा, जैसा कि इस जांच परिणाम में पहले स्पष्ट किया गया है, व्याज और अतिरिक्त निवेश पर मूल्यहास संबंधी अतिरिक्त व्यय पर प्राधिकारी ने विचार नहीं किया है।

ग. जहां तक प्लेटों की आपूर्ति हेतु संविदा के साथ-साथ घरेलू उद्योग द्वारा मुफ्त रसायनों की आपूर्ति के मूल्य का संबंध है, प्राधिकारी ने अतिरिक्त साक्ष्य की जांच के आधार पर यह नोट किया कि घरेलू उद्योग ने वस्तुतः प्लेटों की आपूर्ति हेतु संविदाओं के साथ-साथ मुफ्त रूप में कुछ रसायनों की आपूर्ति की है। मुफ्त रसायनों की आपूर्ति हेतु घरेलू उद्योग के संविदागत दायित्व को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि मुफ्त रूप में आपूर्त रसायनों का मूल्य प्लेटों की बिक्री लागत में समाहित है। घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान मुफ्त आपूर्त रसायनों की कुल मात्रा और मूल्य का ब्यौसा प्रस्तुत किया है। तथापि, प्राधिकारी द्वारा सत्यापित रिकॉर्डों के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग प्लेटों के साथ मुफ्त आपूर्त रसायनों की मात्रा और मूल्य के बारे में अपने दावों की पुष्टि नहीं कर सका। इस बात को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने मुफ्त आपूर्त रसायन के मूल्य के कारण क्षति रहित कीमत में से उचित समायोजन किए हैं। इसके अलावा, चूंकि प्लेटों की बिक्री कीमत में मुफ्त आपूर्त रसायन का मूल्य भी शामिल है, इसलिए मदवार तुलना हेतु घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति में से समतुल्य राशि हेतु तत्समरूपी कटौती भी की गई है।

घ. जहां तक घरेलू उद्योग के बिक्री और वितरण व्यय तथा बिक्री माध्यमों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के मूल कार्यालय और संबद्ध वस्तु के वितरण और विपणन हेतु कई स्थानों पर भंडारण गोदामें हैं। इन भंडारण गोदामों/भांडागारों का प्रचालन तीसरे पक्षकारों द्वारा किया जाता है, जिनके लिए भंडारण व्यय तथा प्रासंगिक लागत की प्रतिपूर्ति घरेलू उद्योग द्वारा की जाती है। घरेलू उद्योग ने दस्तावेजों के सत्यापन के आधार पर यह स्वीकार किया है कि भंडारण गोदामों पर व्यय को संबद्ध वस्तु की लागत में शामिल किया गया है। घरेलू उद्योग ने आगे यह स्वीकार किया है कि भंडारण और भांडागारण व्यय कारखाना पश्चात लागत होने के कारण इसे क्षति रहित कीमत की गणना हेतु लागत से अलग रखने की जरूरत है। तदनुसार, तैयार वस्तु के भंडारण और भांडागारण से संबंधित व्यय वितरण नेटवर्क और व्यय का भाग होने के कारण इसे प्राधिकारी ने अनुमति नहीं दी है।

ङ. जहां तक हितबद्ध पक्षकारों के इन अनुरोधों का संबंध है, घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तु की बिक्री हेतु काफी अधिक कार्यबल लगाया है और यह बिक्री पश्चात कार्यकलापों से भी संबंधित है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने विनिर्माण, प्रशासन, क्षेत्रीय कार्यालय और बिक्री क्षेत्रीय कार्यालयों जैसे कार्यकलापों/प्रभागों में अपने कार्यबल की तैनाती के बारे में सूचना प्रस्तुत की है। घरेलू उद्योग ने बिक्री कार्यकलापों हेतु तैनात कर्मचारियों द्वारा हैंडल किए गए/किए गए विशिष्ट कार्यकलापों का ब्यौरा भी प्रस्तुत किया है। घरेलू उद्योग ने स्वीकार किया है कि इसमें क्षेत्रीय बिक्री कार्यकारी के रूप में तैनात कुल \*\*\* बिक्री कर्मचारी शामिल हैं। घरेलू उद्योग ने यह दावा किया था कि ये क्षेत्रीय बिक्री कार्यकारी केवल प्लेट और रसायन प्रभाग की पूर्ति करते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि रसायन और व्यापार कार्यकलापों सहित विभिन्न कार्यकलापों के लिए घरेलू उद्योग का ग्राहक वर्ग समान है। अतः प्राधिकारी घरेलू उद्योग के इन अनुरोधों से सहमत नहीं हैं कि क्षेत्रीय कार्यकारी केवल प्लेट और रसायन प्रभाग की ही पूर्ति करते हैं। इसके अलावा घरेलू उद्योग ने अपने अनुरोधों में 24 घंटे तकनीकी सहायता प्रदान करने की बात स्वीकार की है और उसने उपभोज्य वस्तुओं तथा उपकरणों के संपूर्ण ब्यौरे प्रदान किए हैं। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी क्षेत्रीय बिक्री कार्यकारी को घरेलू उद्योग के वितरण नेटवर्क का भाग मानते हैं। इस पर किया गया व्यय कारखाना लागत होने के कारण प्राधिकारी ने इसकी अनुमति क्षति रहित कीमत के निर्धारण में प्रदान नहीं की है जैसा कि इस जांच परिणाम में ऊपर उल्लेख किया गया है कि बिक्री पश्चात व्यय और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में समाहित व्यय से संबंधित व्यय का समायोजन तुलनीय विश्लेषण हेतु क्षति रहित कीमत और निवल बिक्री प्राप्ति में से किया गया है।

च. जहां तक एल्युमिनियम प्लेटों पर रक्षोपाय शुल्क अथवा रक्षोपाय शुल्क को छोड़ने के बाद क्षति रहित कीमत की गणना के कारण हुई क्षति का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि क्षति रहित कीमत के निर्धारण संबंधी पाटनरोधी नियम के अनुसार जांच अवधि के लिए वास्तविक लागत पर विचार करना होता है। अतः रक्षोपाय शुल्क सहित लागत पर विचार किया गया है। तथापि, यह भी नोट किया जाता है कि उद्ग्रहीत रक्षोपाय शुल्क चीन जन.गण. के लिए विशिष्ट था और यह भी नोट किया गया था कि जांच अवधि के दौरान चीन से \*\*\* मी.ट. का आयात किया गया था जबकि जांच अवधि के दौरान उसकी कुल खपत \*\*\* मी.ट. थी। रक्षोपाय शुल्क का भुगतान एल्युमिनियम प्लेटों पर \*\*\* लाख रु. का किया गया था और लागत प्रभाव \*\*\* प्रति वर्ग मी. बनता है, जो नगण्य है। वस्तुतः लिथोग्रेड एल्युमिनियम की कुल घरेलू प्राप्ति भी \*\*\* मी.ट. रही थी।

191. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत निर्धारित की है। घरेलू उद्योग की इस क्षति रहित कीमत की तुलना क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। पाटन मार्जिन के निर्धारण के अनुरूप क्षति मार्जिन का निर्धारण भी संबद्ध कंपनियों को एक कंपनी मानते हुए किया गया है। जापान के अन्य उत्पादकों और निर्यातकों हेतु निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन से संबंधित अध्याय में किए गए अवलोकन के बावजूद और इस तथ्य पर विचार करते हुए कि प्राधिकारी ने मै. फ्यूजी फिल्म कार्पो., जापान से इतर किसी कंपनी से संबद्ध वस्तु का कोई आयात न होने की विस्तृत जांच करने के बाद अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन, यदि कोई हो, प्राधिकारी द्वारा निर्धारण मै. फ्यूजी फिल्म कार्पो., जापान के संबंध में किए गए निर्धारण के समान स्तर पर किया गया है। क्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है :-

**क्षति मार्जिन को दर्शाने वाली तालिका**

उत्पादक	निर्यातक	पाटन मार्जिन अम.डॉ./ वर्ग.मी.	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन समूह अम.डॉ./ वर्ग.मी.	पाटन मार्जिन समूह %
फ्यूजी फिल्म कार्पोरेशन, जापान	फ्यूजी फिल्म कार्पोरेशन, जापान	***	- (5-15) %	***	- (5-15) %
फ्यूजी फिल्म प्रिंटिंग प्लेट कं. लि., चीन (एफ एफ पी बी)	फ्यूजी फिल्म प्रिंटिंग प्लेट कं. लि., चीन (एफ एफ पी बी)	***	1-10%	***	
फ्यूजी फिल्म (चीन) कार्पो. लि. (एफ एफ पी एस)	फ्यूजी फिल्म (चीन) कार्पो. लि. (एफ एफ पी एस)	***	1-10%		1-10%
मै. कोडक (चीन) ग्राफिक्स कम्युनिकेशन सिस्टम लि.	मै. कोडक (चीन) ग्राफिक्स कम्युनिकेशन सिस्टम लि.	***	- (0-10)%	***	
मै. कोडक (चीन) ग्राफिक्स कम्युनिकेशन सिस्टम लि.	कोडक सिंगापुर पी टी ई लि.	***	- (10- 20)%	***	- (0- 10)%
लकी हुआनगुआंग ग्राफिक्स कं. लि.	लकी हुआनगुआंग ग्राफिक्स कं. लि.	***	30-40%	***	30-40%
चीन जन.गण. से अन्य कोई उत्पादक/निर्यातक		***	69-70%	***	69-70%
जापान से अन्य कोई उत्पादक/निर्यातक		***	- (5-15) %	***	- (5-15) %



192. ऊपर यथानिर्धारित चीन जन.गण. से क्षति मार्जिन का स्तर काफी अधिक माना गया है।

#### कारणात्मक संबंध

193. प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या पाटनरोधी नियमों में सूचीबद्ध अन्य कारक घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा सकते हैं। कारणात्मक संबंध की जांच निम्नानुसार की गई है:

#### तीसरे देशों से आयात

194. प्राधिकारी ने गौण स्रोतों से संबद्ध वस्तु के सौदेवार आयात आंकड़ों को एकत्र किया है। यह नोट किया जाता है कि न्यूनतम सीमा से अधिक आयातों की सूचना केवल ई यू स दी गई है। चूंकि ई यू से अत्यधिक आयात हुए हैं, अतः ई यू से आयात कीमत की जांच विस्तार से की गई है और उसकी तुलना संबद्ध देशों से आयात कीमत के साथ की गई है। यह पाया गया है कि ई यू से आयात कीमत सबद्ध देशों से आयात की कीमत से लगातार अधिक रही है।

#### मांग में कमी

195. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में काफी सुधार हुआ है। मांग में संभावित गिरावट से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।

#### खपत की पद्धति में परिवर्तन

196. विचाराधीन उत्पाद के बारे में खपत की पद्धति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है और न ही इस बारे में मात्रा की दृष्टि से कोई आरोप लगाया गया है। अब तक की गई जांच से वैकल्पिक प्रतिस्पर्धी उत्पादों और ऐसे वैकल्पिक उत्पादों के कारण हुई संभावित क्षति की मौजूदगी का पता नहीं चला है।

#### विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

197. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु का एकमात्र बाजार है जहां संबद्ध देशों से पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्त संबद्ध वस्तु से सीधी प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह नोट किया जाता है कि आयातित संबंधित वस्तु और घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु समान वस्तुएं हैं और इनका उपयोग समान अनुप्रयोगों/अंतिम प्रयोगों में किया जाता है। विदेशी उत्पादकों तथा घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहारों और उनके बीच प्रतिस्पर्धा का ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

#### प्रौद्योगिकी विकास

198. प्रौद्योगिकी विकास का कोई आरोप नहीं है और न ही अब तक की गई जांच से प्रौद्योगिकी विकास की वजह से घरेलू उद्योग को हुई संभावित क्षति का पता चला है।

### निर्यात निष्पादन

199. याचिकाकर्ता ने पर्याप्त निर्यात किए हैं। तथापि, प्राधिकारी ने केवल घरेलू प्रचालनों और घरेलू लाभप्रदता पर विचार किया है।

### घरेलू उद्योग की उत्पादकता

200. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में कोई खास परिवर्तन नहीं आया है। उत्पादकता में संभावित गिरावट घरेलू उद्योग को हुई पुष्टिकृत क्षति का कारण नहीं हो सकती है।

अन्य कारक: चीन जन.गण. से एल्युमिनियम पर रक्षोपाय शुल्क और रक्षोपाय शुल्क के परिणामस्वरूप कच्ची सामग्री की लागत में वृद्धि

201. आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य प्रयोक्ता एसो. ने यह अनुरोध किया है कि चीन जन.गण. से रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने के कारण घरेलू उद्योग की कच्ची सामग्री की लागत में वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग को कोई क्षति अन्य कारकों अर्थात् कच्ची सामग्री की लागत में वृद्धि के कारण हुई है न कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण। घरेलू उद्योग ने अन्य हितबद्ध पक्षकारों के इन तर्कों का खंडन किया है और यह उल्लेख किया है कि एल्युमिनियम पर रक्षोपाय शुल्क के कारण कच्ची सामग्री की लागत में वृद्धि नगण्य रही थी। प्राधिकारी ने इस मामले की जांच की है और यह नोट किया है कि पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध में उल्लेख है कि:-

"इस बात का प्रदर्शन किया जाना चाहिए कि पैरा 2 और 4 में किए गए निर्धारण के अनुसार पाटन के प्रभावों के जरिए पाटित आयातों के कारण इस करार के अर्थ के भीतर क्षति हो रही है। पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का प्रदर्शन प्राधिकारियों के समक्ष समस्त संगत साक्ष्य पर आधारित होगा। प्राधिकारियों द्वारा पाटित आयातों से इतर ऐसे अन्य ज्ञात कारकों की भी जांच की जाएगी जो उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहे हैं और ऐसे अन्य कारकों के कारण हुई क्षति पाटित आयातों के कारण नहीं होनी चाहिए। जो कारक इस संबंध में प्रासंगिक नहीं हो सकते हैं उनमें अन्य बातों के साथ-साथ पाटित कीमत पर न बेचे गए आयातों की मात्रा और उनकी कीमत, माग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन, विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी विकास तथा घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन और उत्पादकता शामिल होंगे।"

202. यह स्पष्ट है कि उपयुक्त प्रावधान के अनुसरण में पाटनरोधी करार तथा पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत पाटनरोधी शुल्क को लगाने और उनके अनुरक्षण हेतु पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध स्थापित होना चाहिए। इस संबंध में यह स्मरणीय है कि पूर्ववर्ती पैनल और अपीलीय निकाय की पूर्ववर्ती रिपोर्टों में यह स्पष्ट किया गया है कि जहां किसी जांचकर्ता प्राधिकारी के लिए घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले जांच प्राधिकारी को ज्ञात अन्य कारकों के प्रभाव पर विचार करना अपेक्षित होता है, वहीं उक्त जांच करने के लिए विश्लेषण की कोई पद्धति अपेक्षित नहीं है। इस मामले में यह नोट किया जाता है कि पूर्ववर्ती पैराग्राफों में यथाउल्लिखित संबंध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई क्षति के अलावा घरेलू उद्योग पर रक्षोपाय शुल्क लागू किए जाने के कारण कच्ची सामग्री की लागत में वृद्धि का प्रभाव पड़ा है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि रक्षोपाय शुल्क के कारण कच्ची सामग्री की लागत में वृद्धि अत्यंत नगण्य रही थी (जैसा कि पूर्ववर्ती पैराग्राफों में क्षति से संबंधित शीर्षकों में उल्लेख किया गया है)।

**अन्य कारक : टेक्नोवा द्वारा अतिरिक्त निवेश**

203. मै. टेक्नोवा ने नए डिजिटल संयंत्र की पूंजी लागत का अनुमान आरंभ में 110 करोड़ रुपये लगाया था। बाद में प्रौद्योगिकी का उन्नयन और क्षमता संवर्धन हेतु उसने परियोजना लागत संशोधित कर 160 करोड़ रुपये कर दी। इस संबंध में घरेलू उद्योग ने दस्तावेज/आंकड़े/सूचना प्रस्तुत की थी। दस्तावेजों/सूचना की जांच करने के बाद प्राधिकारी ने उनके अनुरोधों में कुछ कमियां पाई थीं। घरेलू उद्योग से स्थिति स्पष्ट करने का अनुरोध किया गया था। चूंकि घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों में प्राधिकारी द्वारा उल्लिखित मुद्दों को स्पष्ट नहीं किया गया था, इसलिए नए संयंत्र की पूंजी लागत को क्षति विश्लेषण और क्षति रहित कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ मूल परियोजना रिपोर्ट में परिकल्पित निवेश के स्तर तक सीमित कर दिया गया है।

**अन्य कारक : निवल बिक्री प्राप्ति से कम क्षति रहित कीमत**

204. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि इस मामले में निवल बिक्री प्राप्ति क्षति रहित कीमत से कम है और इसलिए घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है। इस मामले की जांच की गई है और यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत घरेलू उद्योग की \*\*\* रुपये की निवल बिक्री प्राप्ति की तुलना में \*\*\* रुपये प्रति वर्ग मी. बनती है। इस मामले में जहां तक क्षति रहित कीमत निवल बिक्री प्राप्ति से कम होने के मुद्दे का संबंध है (यह इस मामले में मामूली कम है), पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के साधारण पठन से यह नोट किया जाता है कि क्षति के निर्धारण में (क) समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमत पर पाटित आयातों की मात्रा और पाटित आयातों के प्रभाव और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। अतः यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निर्धारण हेतु पाटनरोधी नियम में उल्लिखित अनिवार्य क्षति मापदंडों के अनुसार, पाटित आयातों की मात्रा, पाटित आयातों के कीमत प्रभाव और समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले घरेलू उद्योग पर प्रभाव की जांच की है। इस प्रकार वास्तविक क्षति की उपस्थिति या अनुपस्थिति का निर्णय इस तथ्य के आधार पर लिया जाता है कि निवल बिक्री प्राप्ति क्षति रहित कीमत से कम है या अधिक है। वस्तुतः कमतर शुल्क नियम के अनुसार प्राधिकारी पाटन मार्जिन

और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। इस मामले में जैसा कि उपर्युक्त विश्लेषण में उल्लेख किया गया है, यह नोट किया जाता है कि पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन सकारात्मक है (क्षति मार्जिन जापान के लिए नकारात्मक है)। वस्तुतः संबद्ध देशों से पाटन मार्जिन काफी अधिक माना गया है। इसके अलावा, इसका सकारात्मक कीमत प्रभाव अर्थात् कीमत कटौती, कीमत ह्रास और कम कीमत पर बिक्री सकारात्मक हैं। जहां तक ऐसे पाटित आयातों के कारण कीमत प्रभाव और घरेलू उद्योग पर उसके प्रभाव का संबंध है, उपर्युक्त विश्लेषण से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

#### कारणात्मक संबंध को स्थापित करने वाले कारक

205. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन के विश्लेषण से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के निष्पादन में वास्तविक गिरावट आई है। अतः पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की पुष्टि इस आधार पर की जाती है कि। क्षति जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयात की मात्रा में अत्यधिक कम कीमत पर तेजी से वृद्धि हुई है और पाटित संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात अत्यधिक कम कीमत पर किया गया है जिसके परिणामस्वरूप अत्यधिक कीमत ह्रास, कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री हुई है जिसका घरेलू उद्योग के प्रचालनात्मक निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

#### छ क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में निष्कर्ष

206. संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में समग्र रूप में भारी वृद्धि हुई है। संबद्ध वस्तु की कुल आयातों में पाटित आयातों के बाजार हिस्से में भी भारी वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि पाटित आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही है। यह भी निर्धारित किया जाता है कि कीमत ह्रास और कम कीमत पर बिक्री के संबंध में पाटित आयातों का कीमत पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इसके अलावा, प्रतिवादी उत्पादकों और संबद्ध देशों के निर्यातकों के पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है जिसे काफी अधिक माना गया है।

207. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की मालसूची के स्तर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इसके अलावा, यह भी नोट किया जाता है कि कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण के रूप में पाटित आयातों का कीमत पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है जिसकी वजह से लाभ एवं निवेश पर आय में भारी गिरावट आई है। अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और ऐसी क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों की कीमत और मात्रात्मक प्रभाव के कारण हुई है।

208. अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है।

#### झ. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे:

209. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में

खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा। असाधारण उपभोक्ताओं के लिए उन उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

210. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी खासकर तब जबकि पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित रखा जाएगा। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी।

### अ. सिफारिशें

211. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, प्रदत्त सूचना और किए गए अनुरोधों तथा उपर्युक्त जांच परिणाम में यथा दर्ज प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों की जांच करने के बाद और पाटन एवं घरेलू उद्योग को हुई परिणामी क्षति के उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- क. संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद का भारत को निर्यात संबद्ध सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है।
- ख. घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तु से वास्तविक क्षति हुई है। वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन आयातों के कारण हुई है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जापान से निर्यातित वस्तु के लिए क्षति मार्जिन नकारात्मक था क्योंकि इन वस्तुओं का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत से अधिक था। इस बात को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी जापान से आयातित संबद्ध वस्तु पर कोई पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश नहीं करते हैं।

212. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी। पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सूचना देने के लिए निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमावली के अनुसार पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में जांच शुरू और संपन्न करने के बाद तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन और ऐसे आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन और क्षति समाप्त करने के लिए शुल्क लगाना अपेक्षित है। प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। क्षति मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद के आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित घरेलू समान उत्पाद की क्षति रहित कीमत के साथ की गई है।

213. जहां तक शुल्क संरचना का संबंध है, मामले की वास्तविक स्थिति को ध्यान में रखते हुए और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, प्रदत्त सूचना और किए गए अनुरोधों पर विचार करते हुए निम्नलिखित तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित राशि तथा पहुंच मूल्य के बीच अंतर के बराबर अनंतिम आधार पर पाटनरोधी शुल्क के बैचमार्क/संदर्भ स्वरूप को सिफारिश करना उचित समझा जाता है जिससे संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से लागू किया जाएगा।

क्र. सं.	उप शीर्ष अथवा टैरिफ मद	यस्तु का विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	विनिर्देशन	राशि	मु.अ.	इकाई
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	8442.502, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191, 7606.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स *	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	फ्यूजी फिल्म प्रिंटिंग प्लेट कं. लि. चीन (एफ एफ पी बी)	फ्यूजी फिल्म प्रिंटिंग प्लेट कं. लि. चीन (एफ एफ पी बी)	वॉयलेट	5.81	अम.डॉ.	Sqm
							थर्मल	5.39	अम.डॉ.	Sqm
							सीटीसीपी**	4.87	अम.डॉ.	Sqm
2	8442.502, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191, 7606.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स *	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	क्र.सं.1 से इतर अन्य कोई संयोजन		वॉयलेट	5.81	अम.डॉ.	Sqm
							थर्मल	5.39	अम.डॉ.	Sqm
							सीटीसीपी**	4.87	अम.डॉ.	Sqm
3	8442.502, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191, 7606.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स *	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	फ्यूजी फिल्म (चीन) कार्पोरेशन लि (एफ एफ पी एस)	फ्यूजी फिल्म (चीन) कार्पोरेशन लि (एफ एफ पी एस)	वॉयलेट	5.81	अम.डॉ.	Sqm
							थर्मल	5.39	अम.डॉ.	Sqm
							सीटीसीपी**	4.87	अम.डॉ.	Sqm
4	8442.502, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191, 7606.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स *	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	क्र.सं.3 से इतर अन्य कोई संयोजन		वॉयलेट	5.81	अम.डॉ.	Sqm
							थर्मल	5.39	अम.डॉ.	Sqm
							सीटीसीपी**	4.87	अम.डॉ.	Sqm
5	8442.502, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191, 7606.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स *	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. कोडक (चीन) ग्राफिक्स कम्युनिकेशन सिस्टम लि	मै. कोडक (चीन) ग्राफिक्स कम्युनिकेशन सिस्टम लि	वॉयलेट	N.A.	अम.डॉ.	Sqm
							थर्मल	N.A.	अम.डॉ.	Sqm
							सीटीसीपी**	N.A.	अम.डॉ.	Sqm
6	8442.502, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191, 7606.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स *	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. कोडक (चीन) ग्राफिक्स कम्युनिकेशन सिस्टम लि	कोडक सिगापुर पी टी ई लि.	वॉयलेट	N.A.	अम.डॉ.	Sqm
							थर्मल	N.A.	अम.डॉ.	Sqm
							सीटीसीपी**	N.A.	अम.डॉ.	Sqm

7	8442.502, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191,760 6.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स *	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	उपर्युक्त क्र.सं.6 से इतर अन्य कोई संयोजन		वॉयलेट	5.81	अम.डॉ.	Sqm
							थर्मल	5.39	अम.डॉ.	Sqm
							सीटीसीपी**	4.87	अम.डॉ.	Sqm
8	8442.502, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191,760 6.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स *	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	लकी हुआनगुआं ग ग्राफिक्स कं लि	लकी हुआनगुआं ग ग्राफिक्स कं लि	वॉयलेट	5.81	अम.डॉ.	Sqm
							थर्मल	5.39	अम.डॉ.	Sqm
							सीटीसीपी**	4.87	अम.डॉ.	Sqm
9	8442.502, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191,760 6.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स *	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	क्र.सं.7 से इतर अन्य कोई संयोजन		वॉयलेट	5.81	अम.डॉ.	Sqm
							थर्मल	5.39	अम.डॉ.	Sqm
							सीटीसीपी**	4.87	अम.डॉ.	Sqm
10.	8442.502, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191,760 6.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स *	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	उपरोक्त सभी से इतर अन्य कोई संयोजन		वॉयलेट	5.81	अम.डॉ.	Sqm
							थर्मल	5.39	अम.डॉ.	Sqm
							सीटीसीपी**	4.87	अम.डॉ.	Sqm
11	8442.502, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191,760 6.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स *	चीन जन.गण.	संबद्ध देशों से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	वॉयलेट	5.81	अम.डॉ.	Sqm
							थर्मल	5.39	अम.डॉ.	Sqm
							सीटीसीपी**	4.87	अम.डॉ.	Sqm
12	8442.502, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191,760 6.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स *	संबद्ध देशों से इतर अन्य कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	वॉयलेट	5.81	US\$	Sqm
							थर्मल	5.39	US\$	Sqm
							सीटीसीपी**	4.87	US\$	Sqm

\* 28 मि.मी. की मोटाई की प्लेट के लिए किलोग्राम से वर्ग मी. में परिवर्तन का कारक 1 कि.ग्रा.=1.318 वर्ग.मी है । यदि प्लेट की मोटाई भिन्न होती है तो उत्पाद के किग्रा हेतु वर्ग मी. में आनुपातिक अंतर होगा । 1 वर्ग. मी.=0.7588 किग्रा ।

\*\* पारंपरिक प्लेट हेतु कंप्यूटर को यू वी-सी टी पी प्लेट के नाम से भी जाना जाता है ।

इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथानिर्धारित आकलनीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3, 8 1, 9 तथा 9 के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे ।

214. उपर्युक्त के अधीन प्राधिकारी 16 मार्च, 2012 के प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं।

### आगे की प्रक्रिया

215. अंतिम जांच परिणाम अधिसूचित किए जाने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी :

216. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार, सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जा सकेगी।

विजयलक्ष्मी जोशी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

### FINAL FINDINGS

New Delhi, the 3rd October, 2012

**Subject :— Anti-Dumping Investigation concerning imports of Digital Offset Printing Plates originating in or exported from China PR and Japan—Final findings.**

**F. No. 14/7/2011-DGAD.**—Having regard to Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD rules).

### A. PROCEDURE

The procedure described below has been followed.

1. The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), under the above Rules, received a written application by M/s TechNova Imaging Systems (P) Ltd, Mumbai (hereinafter referred to as the applicant) on behalf of the domestic industry, alleging dumping of **Digital Offset Printing Plates originating in or exported from China PR and Japan** (hereinafter also referred to as subject countries).
2. Preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the Applicant. The application was, therefore, considered as properly documented.
3. The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the Applicant to justify initiation of the investigation, decided to initiate the investigation against imports of the subject goods from the subject country.
4. The Authority notified the embassy of the subject countries in India about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the AD Rules.
5. The Authority issued a public notice dated 13<sup>th</sup> June 2011 published in the Gazette of India, Extraordinary initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods.
6. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by the Applicant) and industry associations



and gave them opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2) of the AD Rules.

7. The Authority also forwarded a copy of the public notice to all the known importers of the subject goods in India and advised them to make their views in writing within forty days from the date of the letter.
8. The Authority provided a copy of the non-confidential version of application to the known exporters and the embassy of the subject country in India in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules. A copy of the Application was also provided to other interested parties, wherever requested.
9. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject country in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

10.

**Kodak (China) Graphic Communication**  
No 308, Wengjiao Rd, Xinyang Industrial District,  
Haicang, Xiamen 361022  
Fujian, P. R. China

**Kodak (Singapore) Pte Ltd.**  
151 Lorong Chuan, #05-01 (Lobby A),  
New Tech Park, Singapore 556741

**Fujifilm Printing Plate (China) Co. Ltd.**  
No.202 Longtan Road  
Suzhou Industrial Park – 215024  
Jiangsu Province, China

**Fujifilm Corporation**  
2-26-30 Nishi Azabu Minato-Ku  
Tokyo 106-8620  
Japan

**JinJiang Industrial Park**  
Chengdu, Sichuan, 610063, P.R.China

**The Second Film Factory of Lucky Group**  
718, South Station Road, Nanyang,  
Henan, China

11. In response to the initiation notification, the following exporters / producers from subject countries have responded:

- a) The Second Film Factory of Lucky Group
- b) Fujifilm Printing Plate (China) Co. Ltd., China PR.
- c) Fujifilm Corporation, Tokyo, Japan
- d) Kodak (China) Graphic Communication (KCGCCL), China PR.
- e) Kodak China Investment Company Limited (KCICL), China PR.
- f) FUJIFILM Printing Plate (Suzhou) Co.,Ltd

- g) FUJIFILM (China) Investment Co., Ltd.
- h) Kodak (Singapore) Pte Ltd
- i) M/s Toray Industries Inc., Japan

12. Questionnaires were sent to the following known importers / users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

- 1) Kodak India Private Limited  
3rd Floor, Kalpataru Synergy  
Santacruz (E), Mumbai, Maharashtra
- 2) Fujifilm India Private Limited  
Plot No B-16, 2nd Floor, Block B-1  
Community Centre, Janakpuri  
New Delhi
- 3) Newstech (India) Pvt.Ltd.  
Prabhadevi, Mumbai, Maharashtra
- 4) Kapoor Imaging Pvt.Ltd.  
No. 6, 3<sup>rd</sup> Street, Balaji Nagar  
Royapettah, Chennai – 600014  
Tamil Nadu
- 5) Heidelberg India Pvt. Ltd.  
Jamin Pallavaram  
Chrompet, Chennai - 600 044.  
Tamil Nadu

In addition, the Authority wrote to following users for their comments on the initiation notification.

Name	Address
Pragati Offset Pvt. Ltd	17, Red Hills Road, Hyderabad- 500 004 Andhra Pradesh, India
K.Joshi & Co. (Pune)	1745/2 Sadashiv Peth, Near Bhikardas Maruti Temple, Pune 411 030
Silver Point Press pvt Ltd	165, Kohinoor Industrial Estate, Opp:Phoenix Mills, Tulsi Pipe Road, Lower Parel, Mumbai- 400 013
R R Donnelley- India, Asia	43 A, 1st Main Road, R A Puram, Chennai - 400 028
TCPL Packaging Ltd.	49, Shiv Smriti, Dr. Annie Besent Road, Worli, Mumbai - 400 018

Bennet, Coleman & Co. Ltd	Times of India Building, Dr.D N Road, Fort, Mumbai - 400 001
Jagran Prakashan Ltd	Jagran Building, 2, Sarvodaya Nagar, Kanpur - 208 005
Dainik Bhaskar Group of Publications	Dwarka Sadan, 6, Press Complex, M.P.Nagar, Bhopal, Madhya Pradesh- 462 011
Utility Printers	A-2, 155, Shah & Nahai Indl Estate, S J Marg, Lower Parel(w), Mumbai, Mumbai - 400063, Maharashtra State

13. In response to the initiation notification, the following importers /users have responded

- a. Kapoor Imaging Pvt.Ltd. , Chennai
- b. SP Global Impex Pvt. Ltd., Chennai
- c. Rave India, Gurgaon, Haryana
- d. Paras Offset Pvt. Ltd., New Delhi
- e. Thompson Press (India) Limited, Faridabad, Haryana
- f. Vatspac, New Delhi
- g. First Impression Corporate Services Pvt. Ltd, Noida U.P.
- h. Indian Graphics, Delhi
- i. G-Scan, New Delhi
- j. V.K. Box Industries Ltd.
- k. Press Touch Graphics, New Delhi
- l. Photone, Ahmedabad
- m. All India Federation of Master Printers, New Delhi and its affiliated regional associations.
- n. J.R. Associates, New Delhi
- o. Graphitone, Pune
- p. Paranjpe Graphics
- q. Offset Printers Association, Calicut
- r. Kerala Master Printers Association, Calicut
- s. Rakesh Press, Delhi
- t. Kerala Master Printers Association, Thiruvantapuram
- u. Amar Ujala Publications Ltd., Noida
- v. Maxflex Imaging Systems Ltd., Mumbai
- w. Insight Print Communications Pvt. Ltd, Chennai
- x. MS Graphics Pvt. Ltd.
- y. RV Marketing Company Ltd., Bangalore
- z. Fujito India Pte. Ltd., Hyderabad
- aa. Graphics Enterprise, Kolkatta
- bb. Vinayak colour Offset, New Delhi
- cc. Ramneek Creations, Hyderabad
- dd. The Saraswati Printing works, kolkatta
- ee. Balaji prepress, Sivakasi
- ff. ICIT software centre Pvt. Ltd. Hyderabad
- gg. Hailtone, Hyderabad
- hh. New Anuteya offset press, Vijaywada
- ii. Pixel Cube , Hyderabad
- jj. ICMC corporation Ltd., Chennai
- kk. Chaitanya Image Zone, Vijaywada
- ll. Express Printers, Vijaywada

mm. Srilekha Power Printers, Vijaywada  
nn. Foroscan Grafic Pvt. Ltd. Kolkata  
oo. Rajanya Offset Printers, Vijaywada  
pp. Cirrus Graphics Pvt. Ltd., New Delhi  
qq. Indian language newspaper associations  
rr. M/s Fujifilm India Private Limited (FFIN)  
ss. M/s Kodak India Pvt Ltd

14. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties. During the investigation proceedings, exporters, importers/users associations under All India Federation of master printers(AIFMP) with affiliated associations as well as the domestic industries submitted information relating to the investigations.
15. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
16. Further Information was sought from the applicant and other interested parties to the extent deemed necessary.
17. The Non-injurious Price based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry;
18. Investigation was carried out for the period starting from 1<sup>st</sup> April 2010 to 31<sup>st</sup> March 2011(POI). The examination of trends, in the context of injury analysis covered the period from 2007-08, 2008-09, 2009-10 and POI.
19. Exchange rate for conversion of US\$ to Rs. is considered for the POI as Rs.46.17 as per customs data.
20. The preliminary finding was issued on 16<sup>th</sup> March 2012 and a copy of the same was sent to the all the interested parties for their comments. A copy of the same was also placed on the website simultaneously for the information of all concerned parties.
21. In accordance with Rule 6(6), the Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally in a Public Hearing held on 10th April 2012. The interested parties who presented their views in the Public Hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally and to submit their rejoinders one week thereafter. The Central government extended the time to complete the investigation by three months up to 12<sup>th</sup> September 2012 vide FNo 354/45/2012 dated 13<sup>th</sup> June 2012 and up to 12<sup>th</sup> December 2012 vide FNo 354/45/2012 dated 24<sup>th</sup> September 2012.
22. Onsite verification was carried out in respect of cooperating and responding exporters to the extent feasible to verify their claims regarding market economy, normal value and export price and on the basis of verification, a verification report was issued on confidential basis to verified exporters and comments received from all have been duly examined in these final findings subject to being relevant in the subject investigations.

23. In accordance with Rule 16 of Rules Supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received thereon have been considered in the final findings. The responding producers and exporters were also given confidential copies of the details of calculation for net export price and, landed value. Similarly, the domestic industry was also given a copy of the cost sheet which gave a detailed break up of non injurious price determination. Following the discovery of a calculation error, a supplementary disclosure containing injury margin for responding producers and exporters were circulated to all interested parties for their comments, if any. These calculations/determinations were also discussed with the responding producers, exporters and domestic industry after they requested the Authority. Further, some of interested parties representing user association requested the Authority to grant some more time to submit response to the disclosure statement which was granted by the Designated Authority.

**4. The following interested parties have submitted their comments post the disclosure statement**

- Andhra pradesh printers association, Hyderabad
- Noida offset printers association, Noida
- Kerala Master Printers Association, Cochin
- Dua Associates on behalf of Kodak group of companies (KCGCCL, KCICL, and Kodak Singapore Pte Ltd and Kodak India Ltd),
- Thomson Press (India) Ltd, Haryana.
- All India federation of Master printers, New Delhi
- Kochhar & Co on behalf of Fuji group of companies (FFPS, FFPB, FFIN and Fiji film corporation, Japan).
- Technova Imaging systems (P) Ltd, Maharastra
- L&S and M/s ELP on behalf of Technova Imaging systems (P) Ltd, Maharastra
- TPM Consultants on behalf of Lucky Huaguang Graphic, China PR
- Chennai Printers Association

25. The comments to the disclosure statement as received from above mentioned interested parties have been addressed in the final findings to the extent they have been considered relevant to the present investigation.

26. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded this finding on the basis of the facts available.

27. \*\*\* in this final findings statement represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority on merits under the Rules.

**A. PRODUCT UNDER CONSIDERATION (PUC) AND LIKE ARTICLE**

28. The product under consideration in the present investigation is Digital Offset Printing Plates (hereinafter referred to as "Digital Plates" or subject goods). Digital Plates are used in the printing industry for transferring data as an image (dot patterns or text) onto paper or on non-absorbent substrates like tin sheets or poly films etc. In the printing process using digital plates, the digital workflow enables direct transfer of image from a 'computer to the plate' (CtP) using lasers unlike the analogue workflow that requires an intermediary film to transfer

the image. Digital plates are made from high-purity litho-grade aluminum coils coated with a chemical coating. Digital plates may be either positive (non-exposed area forms image) or negative (exposed area forms image) working plates. The coating components, also known as 'sensitizers' vary for different types of plates.

29. In the initiation notification, the Digital plates were classified into three categories namely Thermal, Violet and CtCP ('Computer-to-Conventional Plate') based on their application. It was mentioned in the initiation notification that digital plates that are exposed using infra-red energy are called thermal plates while digital plates that are exposed using visible and near-visible light energy (violet lasers) are called violet plates. It was also mentioned that there are certain types of digital plates known as CtCP Plates ('Computer-to-Conventional Plate') that use ultra violet rays for exposure and transferring image directly from the computer to the plates. All types of digital plates in all dimensions are covered within the scope of the product under consideration.

#### **Views of Exporters, Importers, Consumers and other Interested Parties**

30. M/s Lucky Huaguang Graphics Co. Ltd., (Lucky) (producer and exporter in China) has made a claim that CtCP plates are not digital printing plates and should be excluded from the scope of product under consideration.

31. It has been claimed by other importers and user association that CtCP plates are conventional printing plates and are already attracting anti-dumping duty.

32. Similarly, Fuji Film Corporation, Japan, Fuji Film Printing Plates (China) Co. Ltd. various users and importers including All India Federation of Master Printers (AIFMP) have also tried to distinguish CTcP plates from digital plates and have requested for its exclusion from the scope of product under consideration. In addition, Fuji has also stated that their VP plates are conventional plates and not digital plates. Further, it has been submitted that "CtcP" stands for Computer to Conventional Plates and intention of the development of CtcP system is to make conventional plate available to realize lower material cost comparing with CTP system/plates. It has been submitted that CTcP could be realized due to growing affordability (lowering cost) of laser, not by improvement/development of plate itself. Thus many customers use normal conventional plates for CTcP plates. However FUJIFILM has dedicated line-up of plate for CtcP based on the same recipe of conventional plates but just not having matt material which is commonly used for conventional plates. This dedicated type of CTcP plate is named as VPC-H in FUJIFILM plates line-up and introduced in China market but never imported into Indian market. All the conventional plates from FUJIFILM China factories are recognized as the subject of anti-dumping duty irrespective usage at customers' site.

33. It has further been submitted that CTcP dedicated plates cannot be exposed with CTP setter due to its low sensitivity. Also, it cannot be used with conventional way of exposure by the reason of having no matt material. Without matt material, there is gap between film and plates (image on film should be exposed to plates) and this gap can keep unnecessary air which cause shortage of exposure. Vice versa, CTP plates can not be exposed at CtcP setter. Thermal plates cannot react against laser of 405nm wave length by CtcP setter. Violet plates is meant for exposing against laser of 405nm wave length, but over exposed while being exposed at CtcP setter due to its having more sensitivity comparing with CtcP plates. M/s Fuji has represented that their VPS-A and VP plates from China should be classified with conventional plates, which is also the current subject of anti-dumping duty in India, and should be excluded from subject of investigation this time.

34. Following the public hearing, written submissions and rejoinders have been filed by various interested parties which have reiterated their views. The matter was further taken up by exporters during the exporter's onsite verification where they explained the details of the product under consideration and submitted their claims regarding the CTcP plates and VP plates. M/s Lucky reiterated their earlier submissions with regard to the fact that CTcP plates are different from digital plates and should be classified with analogue PS plates. It was also submitted by some of the interested parties that analogue and CtCP plates can be used interchangeably and there is no difference in the cost of Analogue and CtCP plates. Further, it was also submitted that selling price of CtCP plates is close to the selling price of Analogue plates and both are competing with each other. In view of these, some of the interested parties wanted CTcP plates to be excluded from the digital plates. Another producer and exporter M/s Toray Industries Inc., Japan participated during the investigation and submitted that their product CTP Waterless Plates is different from the product under consideration as it has different process of manufacture and has three layers of coating and their product should be excluded from the purview of the product under consideration. The party has submitted that CTP waterless plates is not a like article as CTP waterless plates are neither identical nor they have characteristics closely resembling to digital plates and they should be excluded from scope of investigation. It was also submitted that CTP waterless plates are used for the waterless printing technology. Waterless printing is an offset lithographic printing process that eliminates the water or dampening system used in conventional printing. It uses silicon rubber coated printing plates and specially formulated inks and typically a temperature control system is integrated into waterless presses. In conventional wet off printing, dampening water which contains harmful substances such as etch solution and isopropyl (IPA) is used in the printing process. It was also submitted that for waterless printing a specially designed printing press is required. Customers in India are using a printing press called 'Genius' which is specially designed for CTP waterless plates.

35. Following the disclosure statement, various interested parties representing importers, users and exporters have reiterated their views made earlier by them during the course of the investigations and they have requested to the Authority to exclude CTCP plate from the purview of the PUC.

#### **Views of the Domestic Industry**

The following are the views of the domestic industry:

36. On the issue of CtCP plates and its inclusion within digital plates, it has been submitted that when printers started moving away from analogue printing to digital printing, they had to use digital plates. Since the digital plates were dearer than analogue plates, a less costly alternative was needed. For this purpose, a "computer to conventional plate" (CtCP) was developed with certain enhancements and modifications to the analogue plates. Since analogue plates were using UV sensitive rays, CtCP was also developed for plate setting using UV sensitive rays. For this reason, they are also called "UV-CtP".

37. With regard to its differentiation from digital plates, it has been submitted that analogue plates are coated with an 'Electro static Vacuum Assist (EVA)' or 'Matt Surface' to make perfect contact between plate and film. In the case of CtCP, no such coating or matt surface is required thereby making its manufacturing process different from that of analogue plates. Further, a number of work-steps are manually carried out while using analogue plate including a step involving the use of 'printing down frame' for developing plates. In the case of CtCP / UV-CtP, use of 'printing down frame' is not required at all.

38. It has further been submitted that CtCP is a subset of CTP technology. The industry commonly understands CtCP as a digital plate only and not as an analogue plate. In this regard, the following may be noted: In the website of L&Y Printing material manufacturer in China, it has been stated as follows:

“CtCP plate is the short form for computer to conventional plate. It is a form of CTP technology.”

39. In the website of Jiangsu Yunyan Printing Plate Co Ltd, China, under the heading CTCF Plate, they indicate it as ‘UV-CTP’. The use indicated is ‘digital printing’.

40. Further, in the website of Lucky Huaguang Graphics Co Ltd, in the product description for CtCP plate it has been stated that it is a Positive Offset Plate for UV – CTP plate making. They have also grouped CtCP plate as one of the 12 CtP plates.

41. Cron - a plate manufacturer has listed out all the CtCP Plates that are compatible with their CronCtC Plate Setter machine. One of the CtCP Plates mentioned is Fuji’s “VP” model plates. This makes it evident that Fuji’s VP plates are not analogue plates but CtCP digital plates.

42. It may be recalled that in paragraph 5 of the final findings dated 23<sup>rd</sup> August, 2007 concerning imports of PS Plates from Bulgaria, China PR, Malaysia, Singapore and South Korea, three types of digital plates were clearly mentioned i.e. “Digital Plates (Thermal or Violet or UV sensitive)”. Thermal plates use infrared lasers and violet plates use violet lasers. The UV sensitive digital plate is CtCP or UV-CTP plates that use ultraviolet rays. In paragraph 6 of the said final findings, the authority held that the product under consideration does not cover digital plates. Reading both paragraph 5 and 6 of the final findings, one comes to the inescapable conclusion that CtCP/ UV-CtP stands specifically excluded from the scope of the earlier investigation. There is no merit whatsoever in the argument that CtCP is already covered in the earlier investigation concerning ‘PS Plates’.

43. The domestic industry after the preliminary findings reiterated their views about the product under consideration and like product as submitted by them earlier. They have also submitted that CTP Waterless Plates are in fact digital offset printing plates since they do not require the use of film. At the time of imports, these plates are also described in the same manner as Digital Plates. Hence, there is an possibility that circumvention of the anti-dumping duty may take place and Digital Plates covered under the present investigation may be imported under the name and description of CTP Waterless Plates, causing injury to the Domestic Industry and negating the remedial effects of the anti-dumping duty. Further, the Domestic Industry does manufacture chemistry free plates which are akin to “waterless plates” and are classified as Digital Plates.

44. Following the disclosure statement, the domestic industry has reiterated its views made earlier by them during the course of the investigations and have stated that CtCP plates are digital plates and these plates are included within PUC. With regard to exclusion of VP plates produced and sold by M/s Fuji, the domestic industry has reiterated its opposition to the exclusion of these plates from the purview of the PUC stating that these should be included within digital plates.

#### EXAMINATION BY THE AUTHORITY



45. The Authority has noted the arguments advanced by various interested parties. The primary issue to be decided in so far as scope of product under consideration is whether CtCP plates would qualify as digital plates and would be covered within the scope of product under consideration.

46. It is noted that Post disclosure, various interested parties have reiterated their comments in relation to PUC. The comments made by various interested parties have been examined by the Authority.

47. It is noted that offset printing plates are classified into two broad categories namely Analogue Plates and Digital Plates. In the case of analogue plates, images are transferred from a computer to the plate through Graphic Art Film. In the case of digital plates, print contents are transferred onto the plates directly from the computer system using a plate setter.

48. During the examination of submissions made by various interested parties, the following facts were noted by the Authority:

a) It was noted that analogue plates use metal halide lamps while digital plates including CtCP plates use various laser beams for creating images on them. The imaging time for digital plates including CtCP plates were much lower than that required for analogue plates.

b) The plate development process at the user end was also noted during the verification visit in the laboratory maintained at the plant. It was noted that the CtCP / UV-CTP were used in ultra violet plate setter, thermal plates were used in an infrared plate setter and violet plates were used in a violet plate setter. It was further noted that in the case of analogue plates, image was first transferred from the computer to a graphic art film and secondly, the image was transferred from the graphic art film to the plate. It was also noted that the development process included a number of manual work-steps including ensuring perfect contact between plate and film using the 'printing down frame' while exposing the plate to UV light. It was noted that these manual steps were not required while developing CtCP or UV-CTP using UV plate setter.

c) It was noted that analogue plates were coated with an Electro-static Vacuum Assist (EVA) or Matt Surface. In the case of CtCP, no such EVA coating or matt surface was required. With regard to the arguments of some interested parties that analogue and CtCP plates can be used interchangeably and there is no difference in the cost of Analogue and CtCP plates, it is noted that due to the absence of EVA coating on a CtCP, if it was used in analogue developing process, quality of image transfer would be poorer as compared to using an analogue plate. For the same reason, if the analogue plate was used in a digital plate setter, image quality would be poorer as the EVA coating would get rubbed on to the image surface. In addition, if analogue plate was used in a digital plate setter using UV light, laser consumption would be higher and laser head would get exhausted faster.

d) During the examination, it was noted from the information available on the website of L&Y Printing material manufacturer in China, Jiangsu Yunyan Printing Plate Co Ltd, China and Lucky Huaguang Graphics Co Ltd, that Chinese manufacturers themselves treat CtCP plates as UV CTP plates. In fact, a search on CtCP plates showed that it is a type of UV CTP plates and various manufacturers characterize it accordingly.

e) In response to arguments made by some of the interested parties during the investigation, the earlier final findings dated 23<sup>rd</sup> August, 2007 issued by the Authority was also seen. From Paragraph 5 and 6 of the said Final Findings concerning imports of PS Plates

from Bulgaria, China PR, Malaysia, Singapore and South Korea, it is seen that digital plates (thermal, violet or UV sensitive) were excluded from the scope of the product under consideration in that investigation. Therefore, it is noted that it may not be correct to hold that UV-CTP was included within the scope of the earlier investigation.

Further, on the issue of VP plates produced and exported by M/s Fuji film China to India and the arguments that these are conventional plates and not the digital plates, it is noted after examining their submissions and subsequent verification visit to the plant of the producer and exporter that VP plates were indeed sold as PS plates in their invoices marked to importer to India. Further, it was also noted from their submission and noted during plant visit that VP plates contain Electro Vacuum Assist and Matt Surface. It was also informed that these plates are not used with laser technology. A physical verification/examination of the VP plates and digital plates manufactured by them suggested that the surface of both these plates were different and digital plates had much smoother surface than VP plates. Further, in the course of verification, it was shown that the VP and VPSA are not pre sensitized with laser, unlike CTcP

f) On the basis of above examination, it is held that CtCP plates are in fact digital plates and are covered within the scope of product under consideration in the present investigation. Further, with regard to submission made by one of the exporters about exclusion of VP and VPSA plates from the purview of product under consideration, the authority holds that Fuji's "VP plates" and "VPSA plates" are not CtCP plates and therefore they are not included under PUC. In this regard, the Authority does not agree with the views of domestic industry with regard to inclusion of "VP plates" within the purview of PUC.

g) With regard to submission by some of the interested parties that selling price of CtCP plates is close to the selling price of analogue plates and both are competing with each other, it is noted that the two products cannot be said to be like articles or competing with each other merely because the prices of the two products fall within the same range. It is further noted that the two products do not compete with each other as they are used in different printing processes. As stated earlier, technically and commercially they are not substitutable. Therefore, it is not relevant whether the prices are within the same range or differ significantly.

h) On the issue of exclusion of CTP waterless plates, it is noted that M/s Toray has filed very limited submissions with regard to their export prices of their products in their domestic market as well as export prices listing for the POI for export to India. As mentioned in the verification report, except for the product process, not much information was made available from their original records in terms of costs and prices ( domestic as well as exports to India). During the verification visit, it was noted that CTP waterless plates do not require film as intermediary for transferring of image. The issue of exclusion of the CTP waterless plates from PUC was examined by the Authority and it was noted that some differences in technology, changes in some of raw materials and special designed process do not make CTP waterless plates as non-digital plates. It is further noted that two are in fact digital plates with the difference being that waterless plates are made incorporating some of the intermediate processes which are different from digital plates manufacturing process. Indeed, it was noted that CTP waterless plates are priced higher than digital plates exported from Japan to India (as per some of the invoices submitted by M/s Toray during and after the verification visit).

49. After examining the submissions of various interested parties, the product under consideration is defined as follows:

*The product under consideration in the present investigation is Digital Offset Printing Plates. Digital Plates are used in the printing industry for transferring data as an image (dot patterns or text) onto paper or on non-absorbent substrates like tin sheets or poly films etc. In the printing process using digital plates, the digital workflow enables direct transfer of image from a 'computer to the plate' (CtP) using lasers unlike the analogue workflow that requires an intermediary film to transfer the image.*

*Digital plates are made from high-purity litho-grade aluminium coils coated with a chemical coating. Digital plates may be either positive (non-exposed area forms image) or negative (exposed area forms image) working plates. The coating components, also known as 'sensitizers' vary for different types of plates.*

*a) Digital plates may be broadly classified into three categories namely Thermal, Violet and CTcP/UV-CtP ('Computer-to-Conventional Plate') based on their application. Digital plates that are exposed using infra-red energy are called Thermal plates. Digital plates that are exposed using visible and near-visible light energy (violet lasers) are called violet plates. Digital plates that are exposed using ultra violet rays for exposure are known as CTcP/UV-CtP. As mentioned earlier, "VP plates" and "VPSA plates" manufactured by M/s FFPS and M/s FFPB are not CtCP plates and therefore they are not included under PUC.*

*All types of digital plates in all dimensions are covered within the scope of the product under consideration.*

50. The subject goods fall under Tariff Item '8442.5020' of the Customs Tariff. However, there have been imports of the subject goods under other headings such as 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191 and 7606.9290 as well. Customs classifications are indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

#### Like Article

51. Rule 2(d) of the AD Rules defines like article as follows:

"an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has the characteristics closely resembling those of the articles under investigation".

52. The applicant has claimed that the subject goods, which are being dumped into India, are identical to the domestic like product produced by the domestic industry. The applicant has claimed that there is no known difference in applicant's product and subject goods exported from the subject country and are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods and there is no significant difference in the subject goods produced by the applicant and those exported from the subject country and the both are technically and commercially substitutable.

53. The Authority has examined the matter and notes that there is no known difference in subject goods produced by the Indian industry and exported from subject country(ies). The subject goods produced by the Indian industry and that imported from subject country(ies) are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses

product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. None of the opposing interested parties has raised any objection in this regard. In view of the above, the subject goods produced by the petitioner companies are being treated as domestic like articles to the product under consideration imported from subject countries in accordance with the anti-dumping Rules.

#### **B.SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING**

54. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under:

*"Domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers may be deemed not to form part of domestic industry:*

55. It is noted that the application has been filed by M/s TechNova Imaging Systems (P) Ltd, Mumbai (hereinafter referred to as the applicant) on behalf of the domestic industry. The production of the applicant accounts for a major proportion of the total domestic production of the like article and is more than 50% of total Indian production (comprises 100% of total domestic production). It is also noted that M/s applicant has not imported the subject goods from subject countries. Further, none of the interested parties have raised any issues with regard to standing and domestic industry status of the applicant. In view of the above and after examination, it is held that the applicant satisfies the requirements of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules.

#### **Other issues raised by Exporters and user industry**

56. The following are the other issues raised by exporters, importers and user industry on the issue of fair comparison, chemicals cost included in net sales realization & non injurious price, whereas import price of subject goods excludes chemicals cost.

- i. It has been submitted that M/s Technova has suppressed vital facts from the Authority that it has supplied chemicals free of cost along with digital plate, whereas the same have not been supplied free of cost in case of imports. It has also further been submitted that since selling price includes the cost of chemicals, the net sales realization adopted by the Designated Authority is overstated. Once this is corrected, the price undercutting would further be negative.
- ii. It has been further added that the profit is understated by including cost of chemicals into the costs of the product. The non injurious price is overstated to the extent of cost of chemicals included in the data. It is assessed that the cost of chemicals would constitute around 5-8% of the plates cost. Once these costs are adjusted, the injury margin in case of Japan and Kodak Film, China is negative in

all situations and injury margin in respect of Lucky and other exporters would be reduced to that extent.

### **Sales Channels**

- iii. The sales channels adopted by Technova and foreign producers are different. Technova has not disclosed full facts before the Designated Authority and withheld the vital fact that the foreign producers are not exporting the product to end consumers and there are significant resale costs being incurred for selling the imported product to the consumers. This has direct impact on the price difference between the imported and domestic product.
- iv. The imports are not competing with the domestic industry at the level of custom ports. It is only the sales price of the imported product that is competing with the domestic industry. Thus, any comparison of import price at the port with selling price or cost of production or non injurious price of Technova shall constitute highly unfair comparison both for dumping margin and injury margin determination.

### **Level of trade**

- v. Sales cost is being incurred by Technova and are not being incurred by the foreign producers for exports to India. In case of foreign producers, such sales functions are being performed either by their counter parts in India such as Fuji or Kodak Indian operations or by reseller such as Max Flex and Kapoor Imaging. Therefore, any comparison of cost and prices of Technova which includes significant amount for sales cost within port price at the Indian port will be highly distorting.

### **After sales services**

- vi. The product under consideration involves significant after sales services. While Technova is providing these sales services, in case of imports, the resellers of the imported product in India are providing these after sales services. Thus, any comparison of Technova's cost of production, selling price or non injurious price with import price at port shall be highly misleading and lead to unfair comparison if after sales services are included in the sales prices or cost of production or non injurious price.

### **The investigation has been initiated without jurisdiction**

- vii. Rule 5(1) of the AD rules requires that an Anti-dumping investigation shall be initiated by the Designated Authority. The subject investigation has been initiated vide notification dated 13.06.2011 by Ms. Vijaylaxmi Joshi. The opposing parties have submitted that the exercise of power by Ms Vijaylaxmi Joshi as the Designated Authority on the date of issuance of the subject notification was illegal as the order for appointment of Ms Vijaylaxmi Joshi for that post was notified only on 28.07.2011.

### **Comments made by interested parties representing exporters, importers and**

**users in response to disclosure statement**

57. Following disclosure statement, various interested parties representing exporters, importers, users, associations as well as domestic industry have made comments. Most of the issues raised by these interested parties are reiteration from their earlier submissions before the Authority.

58. The interested parties representing exporters, importers, users, associations have reiterated their views about after sales service, level of trade and sales channel made earlier in their submissions and have requested the Authority to address these issues.

**Submissions made by Domestic Industry**

59. The following are the rejoinders submitted by the domestic industry on the issues raised above by other interested parties.

(i) M/s Lucky has contended that as the Domestic Industry directly buys “plates” and not aluminium, there is no justification for considering Aluminium as the starting raw material and the Hon’ble Designated Authority ought to have considered aluminium plates prices for constructing normal value. It is submitted that aforesaid submission of the Interested Party is factually incorrect and liable to be ignored. The Domestic Industry procured Litho-Grade Aluminium Coil which is covered under Aluminium flat rolled products.

**Chemicals costs**

(ii) M/s Lucky Group has submitted that the Applicant has supplied chemicals free of cost along with digital plates, whereas the same has not been supplied free of cost in case of imports. This statement is factually incorrect. Pre-press chemicals that are supplied along with the digital plates in respect of certain select customers and are not supplied to all the customers. This practice is not limited to the Applicant alone. Other multinationals also supply digital plates with free pre-press chemicals, especially when they sell it to their customers like Newspapers.

(iii) The incidence of pre-press chemicals cost would be nil or highly insignificant on the injury margin or price underselling as well as price undercutting. In fact, the amount will not even change by 1 US cent.

**SALES CHANNELS**

(iv) M/s Fuji and M/s Kodak are exporting to their respective Indian related entities which resell the product in India. M/s Fuji Japan is selling directly to unrelated customers as well as through the related entity M/s Fuji India.

(v) The Applicant sells the goods through a number of distributors and resellers in the Indian market. In fact, Domestic Industry has more than 615 resellers (including distributors, dealers and sub dealers) and almost 60% of their sales are through these resellers.

(vi) Domestic industry incurs significant warehousing and other charges at various locations for keeping the goods ready for delivery to the distributors and resellers. The Applicant also pays 'Commission' to distributors and resellers. In calculating the NIP, the Hon'ble Designated Authority has not considered the commission as well as logistics and other expenses incurred after the ex-factory stage. The NIP does not include any component of such expenses. If such expenses are added to the NIP, then, and only then, the question of comparing the NIP with resale price of the resellers will arise.

#### **LEVEL OF TRADE**

(vii) All costs incurred by related importers of M/s Kodak & M/s Fuji would be considered by Hon'ble Designated Authority for calculating dumping margin not injury margin.

(viii) Domestic Industry employs around 90 sales persons only. In any case, it is pertinent to note that cost incurred by Domestic Industry after ex-factory level i.e. commission and discount, freight forwarding expenses, other selling and distribution expenses have been disallowed by the Hon'ble Designated Authority while calculating NIP.

#### **AFTER SALES SERVICES**

(ix) M/s Lucky has merely stated that product under consideration involves significant after sales services without submitting any proof of such extensive after sales services.

(x) The subject goods imported by related companies of exporters in India and other importers are sold in the same form in which they are imported. No additional activities are carried out by these importers/resellers for selling the subject goods to end consumers.

(xi) In case, the Hon'ble Designated Authority wishes to take into consideration the above mentioned costs, we request the inclusion of all the expenses which are disallowed for the purpose of calculating NIP of Domestic Industry.

#### **The investigation has been initiated without jurisdiction**

(xii) Ms. VijayLaxmi Joshi was appointed as Joint secretary in the Ministry of Commerce, the post was originally that of an Additional Secretary and it was downgraded to the level of joint Secretary and she was appointed to that post. Upon her promotion, the post of joint secretary held by her was also upgraded and she continued in the same post. Thus, there was no change in the functions discharged by her except for the level of the post to which she belonged.

(xiii) It must be noted that Ms. Joshi was never relieved from the office of Designated Authority after her appointment, especially upon her promotion. Since she was not relieved at all and that she had been appointed to the post by name, she continued to discharge the functions of the designated authority.

(xiv) The doubts which the Interested Parties have raised had been settled by issue of a formal notification by the Ministry of Commerce even before the issuance of preliminary findings. The position has also been well settled legally in view of the judgment of the Hon'ble Bombay High Court in Hamilton Houseware Pvt Ltd. Vs. Designated Authority.

**Comments made by the domestic industry in response to disclosure statement**

60. Following the disclosure statement, the domestic industry has reiterated its views made earlier by them during the course of the investigations with regard to after sales service, level of trade and sales channel made earlier in their submissions.

**EXAMINATION BY THE AUTHORITY**

61. The following is the examination made by the Authority on the submissions made by various interested parties before and after issuance of disclosure statement.

(i) With respect to free pre-chemicals supplied by the domestic industry, the Authority notes that domestic industry has supplied free pre-press chemicals and after examination necessary adjustments have been made in the determination of non injurious price of subject goods produced by the domestic industry as well as net selling price determined for the domestic industry. With regard to the specific issue raised by the importers and associations about the chemicals cost quantum reported on lower side both in calculation of the NIP and net selling price of domestic industry, the matter has been examined in detail and it is noted that the incidence of free press chemicals is not as low as claimed made by the domestic industry.

(ii) With respect of arguments made by the various interested parties regarding different sales channels for domestic industry and exporters for sales of subject goods in India, different levels of trade and exclusion of after sales service cost incurred by the domestic industry from the purview of determination of NIP, it is stated that the Authority has computed the NIP as per rules made in this behalf and excluded the costs incurred by domestic industry after ex-factory level such as commission, freight outward, discount and commissions. Further, it is noted that the domestic industry and exporters (through their related companies in India) also follows similar distribution channels. It is further noted that the Domestic industry also sells majority of subject goods through distributors and resellers, whereas exporters also sells the subject goods through their related companies in respect of majority of their sales. It is also noted that the primary function of these related importers is to market the goods and no additional activities are performed by these importer/resellers except selling the goods to end consumers which is similar to the role being played by Indian distributors and resellers. In view of the above, the level of trade and sales channels are almost similar for domestic industry and exporters.

(iii) With regard to arguments that the investigation has been initiated without jurisdiction, it is noted that jurisdiction issue has been settled by the Hon'ble High court of Bombay in Hamilton Houseware Pvt Ltd. Vs. Designated Authority. It is submitted that the issue of jurisdiction of Ms. Vijaylaxmi Joshi to function as Designated Authority upon promotion to the rank of Additional Secretary was made in connection with another investigation before the Hon'ble Bombay High Court in the case of Ms/ Hamilton Housewares Pvt. Ltd. vs Designated Authority



and the Hon'ble Bombay High Court in its judgment reported in (2012) 2076 ELT 191 (Bom.) dismissed the writ petition, holding that there is no dispute about the validity of initial appointment of Ms. Joshi as Designated Authority and Ms. Joshi is not an intruder or usurper in the post and that she continued to discharge the functions of the Designated Authority as per Rule 3 under legal authority and that the acts of such authority are protected by application of well known doctrine of de facto. Subsequent Customs Notification No. 48/2011 dated 20.07.2011 and 28.07.2011 clarified that Ms. Joshi validly under colour of lawful authority continued to discharge functions of the Designated Authority. It is also held that in case of conflict of business interests between importers of dumped product under investigation and Domestic Industry seeking protection from injury due to such dumped imports, challenge of appointment of Designated Authority is subsidiary. The Designated Authority does not have any interest in such conflict but as a judge and acted in public interest as adjudicator and not in her own interest and, therefore, in such a case the doctrine of de facto is applicable and the actions of the Designated Authority are protected under such doctrine. It is held that in certain circumstances the act of the officers holding public or judicial offices would be valid in law even though the appointment of such officer may be invalid and in strict legal sense he may not have power to do that act.

## **D. DUMPING MARGIN**

### **D.1 NORMAL VALUE**

#### **China PR**

#### **MET Examination and normal value for all producers and exporters from China PR**

62. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO Members. Therefore, in terms of Para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules, China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the above presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the above Rules for the purposes of final finding.
63. As per Paragraph 8 of the Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-
  - a) The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labor, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;

- b) The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
  - c) Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
  - d) The exchange rate conversions are carried out at the market rate.
64. The Authority notes that responding producers/exporters of the subject goods from China PR have submitted their questionnaire responses and responding exporters have submitted response to the market economy questionnaire consequent upon the initiation notice issued by the Authority and have submitted response and have sought to rebut the non-market economy presumption. The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers and exporters have been examined for determination of normal value of the responding producers/exporter of the subject goods from the subject country as follows.

**Responding producers/Exporters seeking MET from Fuji Group of companies**

65. The following claims have been submitted by FUJIFILM PRINTING PLATE CO., LTD ,China (FFPB), Fujifilm Printing Plate (China) Co., Ltd (FFPS), China and M/s FUJIFILM (China) Investment Co., Ltd (FFCN) in respect of grant of market economy treatment. All the producers and exporters of subject goods have sought MET treatment.

**FUJIFILM PRINTING PLATE CO., LTD ,China (FFPB)**

**Submissions made by the company on the issue of MET and Dumping Margin**

66. M/s FFPB has claimed that it is \*\*\* owned by FUJIFILM (China) Investment Co. Ltd., Shanghai. In its submission, the company claims that it was a foreign (co-operative or equity) joint venture from \*\*\* and since \*\*\* it is a wholly-owned foreign enterprise. It has been submitted that before the year \*\*\*, the shareholder of the company is \*\*\*. (the equity of \*\*\*) and Beijing keyin modern printing technology Co., LTD (the equity of \*\*\*) .Since \*\*\*, the shareholder of the company is FUJIFILM (China) Investment Co., Ltd. which is the sole shareholder of the company which in turn is owned by M/s Fujifilm Corporation, Japan. It has also been submitted that neither it is formed by locals and nor it is not owned by the state partly or fully or by local/regional authorities. Further, it has been submitted that it is not the one in transformation from States nor local bodies to privatization. It has also been submitted that FUJIFILM (China) Investment Co., Ltd also owns FUJIFILM PRINTING PLATE (China) Co., Ltd as sole shareholder. It has also been added that FUJIFILM PRINTING PLATE (China) Co., Ltd produces and exports the concerned merchandise. It has also been added that none of the Director or shareholder is of local nationality. The producer and exporter have submitted that raw materials and utilities are procured at normal rates and not on special or subsidized rate. Further, no local/regional authority or state is involved in setting prices/ quantities for sale and there is no restriction on export, production or sale. It is also noted that M/s FFPB sells the subject goods in the domestic market to their

exclusive distributor and their parent company namely M/s FUJIFILM (China) Investment Co., Ltd (FFCN) which in turn sells the subject goods to users in China PR.

**Fujifilm Printing Plate (China) Co., Ltd (FFPS), China PR**

**Submissions made by the company on the issue of MET and Dumping Margin**

67. M/s FFPS has claimed that it is \*\*\* owned by FUJIFILM (China) Investment Co. Ltd., Shanghai. In its submission, the company claims that it is a wholly-owned foreign enterprise which is owned by FUJIFILM (China) Investment Co., Ltd. which is the sole shareholder of the company which in turn is owned by M/s Fujifilm Corporation, Japan. It has also been submitted that It is not formed by locals and is not owned by the State partly or fully or by local/regional authorities. Further, it has been submitted that it is not the one in transformation from neither States nor local bodies to privatization. It has also been submitted that FUJIFILM (China) Investment Co., Ltd also owns FUJIFILM PRINTING PLATE (China) Co., Ltd as sole shareholder. It has also been added that FUJIFILM PRINTING PLATE (China) Co., Ltd produces and exports the concerned merchandise. It has also been added that none of the Director or shareholder is of local nationality. The producer and exporter has submitted that raw materials and utilities are procured at normal rates and not on special or subsidized rate. Further, no local/regional authority or State involved in setting prices/ quantities for sale and there is no restriction on export, Production or sale. It is also noted that M/s FFPS sells the subject goods in the domestic market to their exclusive distributor and their parent company namely M/s FUJIFILM (China) Investment Co., Ltd (FFCN) which in turn sells the subject goods to users in China PR.

**M/s FUJIFILM (China) Investment Co., Ltd (FFCN)**

**Submissions made by the company**

68. It is submitted that M/s FFCN sells the subject goods in the domestic market to various users after buying it from M/s FFPB and M/s FFPS. It is also submitted that this company is not involved in manufacture of subject goods in China PR and acts as shareholder for these two companies.

**Submissions in response to disclosure statement**

69. Post disclosure, these Fuji group of companies have reiterated their views made earlier before the Authority for grant of market economy treatment to them.

**Kodak group of Companies**

**Submissions made by the company**

70. The following claims have been submitted by Kodak (China) Graphic Communications Company Limited and Kodak (China) Investment Company Limited, China PR in respect of grant of market economy treatment.

**Kodak (China) Graphic Communications Company Limited China PR ( KCGCCL):-**

71. It has been submitted that the shareholders are foreign owned companies who are indirectly wholly owned by Eastman Kodak Co., a U.S. Company. It has also been submitted that the shares of the company are held by Kodak (China) Company Limited and Kodak (China) Investment Company Limited. Both companies are indirectly wholly-owned by Eastman Kodak Co., a U.S. company. It has been submitted in their response that the Board of Directors (appointed by shareholders) controls the company and there is no director of the company of Chinese nationality. It has also been submitted that the operations and management of the company are handled by the board of directors as appointed by the shareholders. The group entities or the shareholders do not participate in the day to day operations and business decisions of the company. It has been submitted that the digital thermal printing plates manufactured by the company can be freely exported from China without any interference/ control from the Chinese government. There are no legislative enactments or measures taken by the government to control export business of the company. It has further been submitted that there is no control of government or of any of government body on the operations of the Company and there is no export quota for product concerned. With regard to procurement of raw material, it has been submitted that Aluminum is the main Raw Material for production of product concerned, which is sourced from M/s. \*\*\*, China PR and also imported from \*\*\* Germany. The Company has taken loans from group companies and interest is paid on the same. It has further been submitted that all the sales are made to group companies in China and outside China PR and there are no restrictions or any condition imposed by the government for selection of vendors and local/ regional authority or State Government are not involved in the setting prices of products/quantities manufactured by the company. Further, it has been submitted that chamber of Commerce is not at all involved in the setting of export prices or quantities of the subject merchandise. It has also been submitted that the profits generated by the company from the overall sales are disposed in accordance with the decision made by the Board of Directors. It has also been submitted that the company is in loss position in the past years as it is a newly set up company and loss is financed by loan from group companies, which provided by Kodak group companies at market rate. Further, they have submitted that the bankruptcy and property laws of the country are equally applicable on the company. The Company does not have any special derogation or exemption and there are no restrictions on the distribution repatriation of profits and repatriation of capital invested. It has also been submitted that the FX rates in SAP are updated daily using Reuters from early morning US time the day before so every country can use the same rate for a 24 hour period and the company is free to use the currency as per its own requirement and decisions. Further, the company has never been involved in barter trade. They have also stated that they do not have any group company into manufacturing or exporting of product under investigation i.e. digital thermal printing plates in China and the parent company does not own or control any other manufacturer/ exporter of digital thermal printing plates in China other than KCGCCL

**Kodak (China) Investment Company Limited, China PR**

**Submissions made by the company**

72. It has been submitted that the company is a wholly owned foreign enterprise incorporated in Hong Kong and the company is a part of Kodak Group promoted by Eastman Kodak Company, USA. The Company purchases digital thermal printing plate manufactured by KCGCCL, China and is engaged in marketing and distribution of such products in China. The Company sells such merchandise through distributors and in certain cases to end customers as well. The operations and management of the company are handled by the board of directors as appointed by the shareholders. The group entities or the shareholders do not participate in the day to day operations and business decisions of the company. It has been submitted that there is no control of government or of any of government body on the operations of the company. Further, the Company is not engaged in export of goods and is primarily engaged in marketing and distribution of goods in China. It has further been submitted that the product concerned does not fall under any such list for export provisions or licensing and there is no export quota for product concerned. It has been submitted that Company is not involved in production of product concerned. The product concerned sold by the company in domestic market is manufactured by Kodak (China) Graphic Communication Co Limited – a related company.
73. It has been submitted that the Company purchases all its merchandise from KCGCCL- a Kodak Group company and sells such goods in the domestic market in China. There is no role for the local/regional authority or state in determining the price or quantities. Prices and volumes are determined as per demand and supply prevailing in the domestic market. The sales prices of the goods are determined based on negotiations with customers which in turn are influenced by competitive pricing situation in China. The prices are not subject to review by any governmental organization. Sample copies of purchase orders are enclosed for reference. The Company is not engaged in export of the product concerned. All domestic sales prices are negotiated by the company independently with its customers. Further, the Chamber of Commerce is not at all involved in the setting of export prices or quantities of the subject merchandise. It has also been submitted that no local or regional authority or State is involved in setting prices/quantities. No special authorization is needed, as long as the company produces, sells the products within the business scope of the business license which is enclosed.
74. It has further been submitted that no public officers or government agents are members of the Board of directors or executives. Further, it has been claimed that there is one shareholder of the company which is Kodak (China) Ltd. It has further been submitted that the Board of Directors (appointed by shareholders) controls the company. The company has no relationship with any national, provincial, or local government, including ministries or offices of those governments. With regard to restrictions on the use of company's export revenues, it has been submitted that there are no such restrictions. The Company is primarily engaged in domestic sales in China and therefore there are no exports made by the Company. Further, the bankruptcy and property laws of the country are equally applicable on the company. The Company does not have any special derogation or exemption. The Company is a China VAT tax payer for its China domestic trading business and it regularly files its VAT return to China tax authority on monthly basis. Foreign exchange rates in SAP are updated daily using Reuters from early morning US time the day before (as such all the entities in the Kodak group can use the same rate for related foreign exchange activities within a 24 hour period, e.g.

purchase of input, conversion of the proceeds of export sales, etc ). The company is free to use the currency as per its own requirement and decisions. It has been further submitted that the company has never been involved in barter trade.

75. Following the disclosure statement, M/s KCGCCL and M/s KCICL have reiterated their views made earlier by them during the course of the investigations. In particular, they have requested the Authority to grant them market economy treatment in view of the responses given by them.

**Submissions in response to disclosure statement**

76. Post disclosure, Kodak group of companies have reiterated their views made earlier before the Authority for grant of market economy treatment to them.

**M/s Lucky Huaguang Graphics Co. Ltd. China PR ( Lucky)**

**Submissions made by the company**

77. The following claims have been submitted by M/s Lucky Huaguang Graphics Co. Ltd. , China PR (Lucky) in respect of grant of market economy treatment.

It is submitted that M/s Lucky Huaguang Graphics Co. Ltd is a subsidiary of LUCKY FILM GROUP OF CHINA, Enterprise owned by the whole People (enterprise legal person of state owned close cooperation) China enterprise. The company is involved in various business, however, LUCKY HUAGUANG GRAPHICS CO LIMITED is the only entity involved in production and sales of product concerned. It has been stated that there is no control of any third person or another person commonly control a third person (e.g. a joint venture). There is no control of government of any of government body on exports. It has been submitted that product concern does not fall under any such list for export provisions or licensing. It has been submitted that Aluminum is the main Raw Material for production of product concern, which is sourced from Mingtai. However, the Prices are determined as per market forces. With respect to various utilities, it has been submitted that Power and water is sourced from Nanyang power company and Nanyang water company respectively. However, it has been submitted that the Company is paying market price for power and there is no preferential prices available to the company. With respect to sourcing of raw material, it has been submitted that there is no restrictions or any condition imposed by the government. Company is free to decide its sourcing. Sourcing of key raw material is decided based on quality of input required and price is secondary. Once quality is tested and passes, only then a supplier is approved and even after that input received is tested regularly for quality test and every time, it has to pass the test. There is no role the local/regional authority or state to determine the price or quantities. Prices and volumes are determined as per demand and supply and cost of production of product concern. The Chamber of Commerce is not at all involved in the setting of export prices or quantities of the subject merchandise. No public officers or government agents are members of the Board of directors or executives. The executives are chosen either from internal promotion or recruitment from the market with reference to their working experience and capabilities. It has also been submitted that the company does not get any incentive on export sales. It is common practice throughout the world to allow zero VAT burden on export. Therefore VAT paid on inputs is refunded by the Government. The Company gets

13 % as VAT refund. All sales in the domestic market are undertaken by the company itself.

**Views of the Domestic Industry on the issue of MET treatment and dumping margin**

78. The following are the views of the domestic industry:

- i. Para 8(2) of Annex I to Antidumping Rules 1995 casts a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as NME country for purposes of an anti-dumping investigation by the Authority themselves or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation, shall be treated as a NME country. The Authority itself, in every investigation conducted by it in the last three years, has treated China PR as a Non-Market Economy country. It is well known that almost every WTO member including USA and the European Union have repeatedly been treating China PR as a NME country.
- ii. Proviso to Paragraph 8(2) of Annex I to the Antidumping Rules 1995 provides that exporters may rebut the presumption by providing information and evidence that establishes China PR is not a NME country. However, in this case, none of the exporters have provided any evidence to establish that China PR is not a NME country. No exporter has made any claim in this regard. Therefore, China PR shall be treated as a NME country for the purposes of this investigation.
- iii. Paragraph 8(3) of Annex I to AD Rules provides that individual exporters may provide information and evidence to establish that market economy conditions prevail for them. The claim made by the co-operating exporters under this paragraph however should not be accepted for various reasons provided in subsequent paragraphs.
- iv. Aluminium industry is 'encouraged' by the Government of China with active State intervention in its business promotion:
  - a. The Chinese government issued the "Catalogue of Major Industries, Products, and Technologies Encouraged for Development in China" (Encouraged Industries Catalogue) in 2000 which identifies 526 products, technologies, and infrastructure facilities for business promotion. One of them is 'aluminium'. Another one is 'Fully automatic high-speed multi-color printing'. These two cover the raw material as well as the product under consideration. Both the industries are treated in China as 'encouraged' industries.
  - b. The Decision of the State Council on Promulgating the "Interim Provisions on Promoting Industrial Structure Adjustment" for Implementation (No. 40 (2005)) (Decision 40) references the Directory Catalogue on Readjustment of Industrial Structure (Industrial Catalogue), which outlines the projects which the Government of China PR deems "encouraged", "restricted" and "eliminated" and describes how these projects will be considered under government policies. Aluminum is mentioned as an industry in the Industrial Catalogue as an "encouraged project." For the "encouraged" projects, Decision 40 outlines several support options available from the government, including financing.

- c. Guidelines on Acceleration of the Adjustment of the Aluminum Industry Structure (Aluminum Industry Guidelines), issued by the GOC in 2006, discusses support that is to be provided to producers of various types of aluminium products. For instance, under the heading "Increase Industry Concentration, Encourage Comprehensive Usage and Conservation of Resources," the Aluminum Industry Guidelines state:
- i. Create favorable conditions for enterprises M&A and restructuring, and accelerate enterprises' merger and restructuring via economic means.
  - ii. Support aluminum, electrolytic aluminum, and aluminum processing enterprises to undertake merger and restructuring, establish internationally competitive enterprise group, realize advantage complementation, and increase industry concentration.
  - iii. Encourage private capital and foreign capital to participate in the reform, restructuring and transformation of state owned enterprises.
  - iv. Encourage backbone enterprises to keep raising technology and management levels, accelerate medium and small-sized aluminum processing enterprises' technology transformation, and improve resource utilization.
- d. The Aluminum Industry Guidelines also make reference to lending activities. Under the heading, "Strengthen the Coordination and Cooperation of Credit Policy and Industrial Policy and Establish Withdrawal Mechanism Under the Policies," the Aluminum Industry Guidelines state:

*It is required to strictly abide by the rule that the minimum self-owned capital requirement for electrolytic aluminum projects shall be no less than 35 percent of the total investment. Financial institutions shall rationally allocate the lending credits taking into account the national macroeconomic adjustments, industrial policies, and ordinary lending principles. Financial institutions may continue to provide credits to oxide aluminum or electrolytic aluminum enterprises that are in compliance with national industrial policies and the market entrance threshold, provided such lending is in accordance with the ordinary lending principles. No credit shall be provided to those enterprises that do not conform to national industrial policies, do not satisfy the market entrance threshold, have obsolete manufacturing processes, have been classified as prohibited, or have been ordered to cease operation. In the event that credits are mistakenly provided to such enterprises, the financial institutions shall take appropriate measures to reclaim the credits and avoid financial risk.*

79. It has also been stated that support, in the form of financing, is also discussed in the "Nonferrous Metal Industry Adjustment and Revitalization Plan" (Nonferrous Metal Plan) that was issued by the GOC in 2009. Under the heading "Increase Dedication to Technology Improvement and Technology Reform" the Non-Ferrous Metal Plan states:

*Set aside some funds from new central investment. Use loan interest subsidies to support R&D and technology reform in the nonferrous metals industry. Increase the level of financial support directed toward reform of energy conservation technologies. The Nonferrous Metal Plan further references financing to the aluminum industry under the heading, "Continue to Implement the Financing Policy of 'Encouragement and Discouragement', "Increase financing support to backbone enterprises in the nonferrous metals industry. Provide support to certain enterprises in issuing stock, enterprise bonds, and corporate bonds. Enterprises*



*eligible to receive such support are those which are engaged in projects which, in addition to adhering to investment management prescriptions, are in compliance with industry policy as well as relevant environmental and land regulations; and implement acquisitions, restructuring, "Going Abroad" and technological reformation.*

80. It has been submitted that the prices of major raw material Aluminum is controlled by the Chinese Government. None of the producers or exporters have explained as to how the prices of Aluminum paid by them can be considered as reflecting market economy conditions. The Authority has in many cases rejected NME status where the exporter has failed to establish the prices of the major raw material to be under market economy conditions.
81. It has been stated that while the users of aluminum across the world follow London Metal Exchange ('LME') as the price index, Chinese industries follow the Shanghai Metal Exchange ('ShFE'). The local producers in China buy aluminum at prices based on ShFE. The ShFE is highly controlled by the Government and ShFE prices cannot be said to be fully market driven. The exercise of Government control in the functioning of ShFE and the regulations of commodity prices by the Government is evident from "Interim Provisions for the Control of Shanghai Metal Exchange" framed by the Chinese Government. Entire administration board of the ShFE is formed by Government of China PR and not a single person on the administrative board is independent from Government control.
82. The domestic industry has represented that the Canadian Authorities in their Anti-dumping and subsidy investigation against 'Certain Aluminum Extrusions originating in or exported from China PR' have concluded that there is government intervention in the operation of Aluminium industry in China PR. Further, the European Union council regulation (EC) No 925/2009 on imposing a definitive anti-dumping duty on imports of certain Aluminium Foil originating in Armenia, Brazil and the People's Republic of China' observed as under.

*This visit confirmed that the State has a primary role in the price setting on the SHFE and interferes with the price setting mechanisms, in particular given its position as both a seller of primary aluminium and a purchaser via the State Reserve Bureau and other State bodies. In addition, the State sets daily price limits via the rules of the SHFE which have been approved by the state Regulator, the China Securities Regulatory Commission (the 'CSRC'). It is also clear that the SHFE is a closed exchange for Chinese-registered companies and Chinese citizens and that there is no effective arbitrage between the SHFE and international exchanges outside China. This is evidenced in the price significant differences between the SHFE and the international exchanges such as the LME. Furthermore where a SHFE futures contract ends in physical delivery, this can only take place in an approved warehouse within the PRC, unlike international exchanges where delivery can take place worldwide. These delivery rules ensure that the domestic Chinese market remains insulated from the worldwide market and that the price distortion benefits only Chinese companies.*

83. The domestic industry has stated that the responses filed by the cooperating exporters are highly inadequate/ incomplete and by themselves prove that the exporters operate under NME conditions. With regard to the submissions made by M/s Lucky Huaguang Graphics Co Ltd that it is wholly owned by the Government of China, they have stated that how even by being state owned, the exporter

distanted itself from Government Interference in decision making and functioning. With regard to submissions made by M/s Fuji Group - Fujifilm Printing Plate Co Ltd, it has been stated that one other related manufacturer of the subject goods in China PR has not filed its questionnaire response nor has claimed MET. It has further been added that when a related company engaged in production and export of the subject goods has not even claimed MET status, the group company that has sought MET shall also be not granted MET. With regard to submissions made by M/s Kodak Group, it has been submitted that the exporter has failed to establish that the prices of the major raw material are decided under market economy conditions.

84. Following the disclosure statement, the domestic industry has submitted its views regarding incomplete response filed by responding producers and exporters. In particular, they have drawn the attention of the Authority about the non filing of response from FFIN and FFCN. They have also requested the Authority to construct the export prices as exports have been made to related companies.

#### **EXAMINATION BY THE AUTHORITY**

85. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO Members. Therefore, in terms of Para 8 (2) of the annexure I of AD rules, China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the above presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the above Rules for the purposes of present determination.
86. As per Paragraph 8 of the Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the criteria enumerated therein.
87. The Authority notes that responding producers/exporters of the subject goods from China PR have submitted their questionnaire responses and they have submitted response to the market economy questionnaire consequent upon the initiation notice issued by the Authority and sought to rebut the non-market economy presumption. The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers and exporters have been examined for determination of normal value of the responding producers/exporter of the subject goods from the subject country as follows.

#### **Examination of MET response of M/s Lucky Huaguang Graphics Co. Ltd (Lucky)**

88. It is noted that M/s Lucky Huaguang Graphics Co. Ltd, a subsidiary of LUCKY FILM GROUP OF CHINA, Enterprise is a state owned company. During the examination, it was noted that the company sources its major input from another state owned company and no evidence has been placed by the company that its prices reflect the market prices of inputs. In view of the fact that there is control of state in the said company and the company is state owned and also the fact that

majority of the directors are from state owned company, it is considered appropriate not to grant market economy treatment to M/s Lucky.

**Examination of MET Response of Fuji group of companies**

89. The examination of market economy status was carried out in respect of following three Fuji groups of companies who have responded to the initiation notification and submitted response to MET questionnaire. The Fuji group company has responded to the MET questionnaire. In fact, M/s Fuji Film (India) Ltd (FFIN) have also responded before the Authority and their responses have been placed in the public file. The following companies (producers and exporters from China PR) have responded from Fuji group.

- a) Fujifilm Printing Plate Co., Ltd., China (FFPB)
- b) Fujifilm Printing Plate (China) Co., Ltd (FFPS), China
- c) Fujifilm (China) Investment Co., Ltd (FFCN)

90. During the examination of response of these producers and exporters from China PR, it was noted that all three of them had claimed market economy status citing the fact that these M/s FFPB and M/s FFPS were owned by M/s FFCN which in turn is owned by M/s Fujifilm Corporation, Japan which is an independent company and all three companies have no state holdings. Their claim has been examined and it was noted that M/s FFPB was formed after M/s FFCN acquired the \*\*\* % stake of another company namely M/s \*\*\* which is a state owned company in 2007. Thus, it was noted that FFCN is a wholly owned subsidiary of FUJIFILM Corporation, since inception in 2001, having Business Licence, with registered capital of \*\*\* million USD. It continues to be wholly owned subsidiary of Fujifilm Corporation, Japan during the Period of Investigation. It is also noted that the sole shareholder of FFPS and FFPB is FFCN, having \*\*\* shareholding. Thus, it is noted that all the three companies are presently foreign owned companies, and FUJIFILM Corporation is the shareholder. On the basis of the documents provided and after examination, it is held that the earlier transformation from a joint venture to a wholly owned foreign company was done at market value based on independent valuation. It was also noted that none of the board of directors are from state owned company or state in these two companies. With regard to procurement of utilities and its prices, it was noted that these prices reflect normal prevailing market prices. It was also noted that FFPS and FFPB produces and sells the subject goods to their parent company FFCN, which in turn sells these goods to the various customers as per the orders received. However, both these companies i.e M/s FFPS and M/s FFPB export the subject goods directly to India and other countries. Further, it is noted that all the related companies of M/s Fuji group which are in the business of production and sales of subject goods in China PR and other countries had filed their responses and non confidential versions were duly placed in the public file for information to all concerned.

91. It is noted that the major raw material, Aluminium is being procured by the exporters locally from domestic miners in China PR. It is also noted that a significant portion of their procurement is done from state owned companies it is also noted that the prices are fixed with regard to the futures at the Shanghai Metal Exchange for ingots and conversion. During the investigation, the domestic

industry has submitted that the Aluminum industry in China PR is being controlled by the Chinese Government through their Shanghai Metal Exchange. The Authority has examined the matter and notes that the major raw material for producing the product concerned is aluminum. Therefore, the authority examined whether the aluminum industry in China is operating under market economy conditions. The authority notes that the Government of China has issued a *"Catalogue of Major Industries, Products, and Technologies Encouraged for Development in China"* (Encouraged Industries Catalogue) in 2000. The said catalogue identifies 'aluminium' as well as *Fully automatic high-speed multi-color printing* among others as 'encouraged' industries. GOC's State Council promulgated the *"Interim Provisions on Promoting Industrial Structure Adjustment"* for Implementation (Decision No.40 of 2005). The interim provisions refer to an industrial catalogue stating how GOC deems various industrial projects to be "encouraged", "restricted" and "eliminated". The Industrial catalogue also describe how the projects will be considered under various government policies. Aluminum is mentioned as an industry in the Industrial Catalogue as an "encouraged project." For the "encouraged" projects, Decision 40 outlines several support options available from the government, including financing. GOC has also issued the *Guidelines on Acceleration of the Adjustment of the Aluminum Industry Structure* (Aluminum Industry Guidelines) in 2006. The Aluminium Industry Guidelines discuss support to be provided to producers of various types of aluminium products. For instance, under the heading "Increase Industry Concentration, Encourage Comprehensive Usage and Conservation of Resources," the Aluminum Industry Guidelines state the following:

- a) Create favorable conditions for enterprises M&A and restructuring, and accelerate enterprises' merger and restructuring via economic means.
- b) Support aluminum, electrolytic aluminum, and aluminum processing enterprises to undertake merger and restructuring, establish internationally competitive enterprise group, realize advantage complementation, and increase industry concentration.
- c) Encourage private capital and foreign capital to participate in the reform, restructuring and transformation of state owned enterprises.
- d) Encourage backbone enterprises to keep raising technology and management levels, accelerate medium and small-sized aluminum processing enterprises' technology transformation, and improve resource utilization.

It is also noted that the Aluminum Industry Guidelines also make reference to lending activities. Under the heading, "Strengthen the Coordination and Cooperation of Credit Policy and Industrial Policy and Establish Withdrawal Mechanism Under the Policies," the Aluminum Industry Guidelines state:

*It is required to strictly abide by the rule that the minimum self-owned capital requirement for electrolytic aluminum projects shall be no less than 35 percent of the total investment. Financial institutions shall rationally allocate the lending credits taking into account the national macroeconomic adjustments, industrial policies, and ordinary lending principles. Financial institutions may continue to provide credits to oxide aluminum or electrolytic aluminum enterprises that are in compliance with national industrial policies and the market entrance threshold, provided such lending is in accordance with the ordinary lending principles. No*

*credit shall be provided to those enterprises that do not conform to national industrial policies, do not satisfy the market entrance threshold, have obsolete manufacturing processes, have been classified as prohibited, or have been ordered to cease operation. In the event that credits are mistakenly provided to such enterprises, the financial institutions shall take appropriate measures to reclaim the credits and avoid financial risk.*

Additionally, under the heading "Enhance the Implementation of Environmental Protection Regulations, Eliminate Capacities," the Aluminum Industry Guidelines state that different "financing means" shall be used "to support enterprises' environmental protection and energy savings." It is also noted that support, in the form of financing, is also discussed in the "Nonferrous Metal Industry Adjustment and Revitalization Plan" (Nonferrous Metal Plan) that was issued by the GOC in 2009. Under the heading "Increase Dedication to Technology Improvement and Technology Reform" the Nonferrous Metal Plan states:

*Set aside some funds from new central investment. Use loan interest subsidies to support R&D and technology reform in the nonferrous metals industry. Increase the level of financial support directed toward reform of energy conservation technologies. The Nonferrous Metal Plan further references financing to the aluminum industry under the heading, "Continue to Implement the Financing Policy of 'Encouragement and Discouragement', "Increase financing support to backbone enterprises in the nonferrous metals industry. Provide support to certain enterprises in issuing stock, enterprise bonds, and corporate bonds. Enterprises eligible to receive such support are those which are engaged in projects which, in addition to adhering to investment management prescriptions, are in compliance with industry policy as well as relevant environmental and land regulations; and implement acquisitions, restructuring, "Going Abroad" and technological reformation.*

92. On the basis of above, it is noted that there is significant government interference in the aluminum industry in China.

93. it is also noted that the Canadian Authorities in their Anti-dumping and subsidy investigation against 'Certain Aluminum Extrusions originating in or exported from China PR' have concluded that there is government intervention in the operation of Aluminium industry in China PR. The Canadian Authorities have referred to an annual report (Form 20-F) filed with the United States Securities and Exchange Commission (SEC) by the Aluminum Corporation of China Limited (Chalco) which provides some insight into the oversight role of the Government of China in the economy and aluminum industry in general. Chalco is a subsidiary of the Aluminum Corporation of China Limited (Chinalco), which is one of the state-owned enterprises. The Canadian Authorities have quoted in their finding that Chalco has stated the following regarding the status of the economy in China and their own risks related to conducting business in China:

*A significant portion of our business, assets and operations are located in China. The economy of China differs from the economies of most developed countries in many respects. The economy of China has been transitioning from a planned economy to*

*a market-oriented economy. Although in recent years the PRC government has implemented measures emphasizing the utilization of market forces for economic reform, the reduction of state ownership of productive assets and the establishment of sound corporate governance in business enterprises, a substantial portion of productive assets in China are still owned by the PRC government. In addition, the PRC government continues to play a significant role in regulating industry by imposing industrial policies. It also exercises significant control over China's economic growth through the allocation of resources, controlling payment of foreign currency-denominated obligations, setting monetary policy and providing preferential treatment to particular industries or companies. Some of these measures benefit the overall economy of China, but may have a materially adverse impact on us.*

94. In view of the significant government interference in the aluminum industry in China, the Authority notes that it is not appropriate to hold that Chinese aluminum industry is operating under market economy conditions. Further, the authority examined the prices of aluminum prevailing in China. The domestic industry has claimed that aluminum prices as reflected in the Shanghai Metal Exchange are significantly lower compared to LME prices. None of the exporters have rebutted those claims with appropriate evidence.

It is noted that while the users of aluminum across the world follow London Metal Exchange ('LME') as the price index, Chinese industries follow the Shanghai Metal Exchange ('ShFE'). The local producers in China buy aluminum at prices based on ShFE. It is noted that the ShFE is controlled by the Government and ShFE prices cannot be said to be fully market driven. In this regard, the exercise of Government control in the functioning of ShFE and the regulations of commodity prices by the Government is evident from "Interim Provisions for the Control of Shanghai Metal Exchange" framed by the Chinese Government, relevant portions of which are extracted below:

*Article 4: The task of the Exchange is to direct and control dealings in metal material spots and futures....."*

Thus, it appears that the object of establishing ShFE is thus to exercise control by the Government of China PR over the dealings in the metal by the miners and users. This establishes that the prices in the ShME are determined by the Government.

*Article 6 The administration board of the Shanghai Metal Exchange (hereinafter referred to as "the administration board") is formed by the Metal Material Department, the General Management Department and the Foreign Economic Cooperation Department of the Ministry of Materials and Supplies and the Planning Committee, the Office of Economic Reform, the Bureau of Materials and Supplies, the Finance Bureau, the Administration for Industry and Commerce and the Pricing Bureau of the Shanghai Municipal People's Government. "*

Thus, it is noted that the entire administration board of the ShFE is formed by Government of China PR and none of the persons on the administrative board is independent from Government control. Further, the Authority notes that European

Union vide council regulation (EC) No 925/2009 on imposing a definitive anti-dumping duty on imports of certain Aluminium Foil originating in Armenia, Brazil and the People's Republic of China' has held as follows:

*This visit confirmed that the State has a primary role in the price setting on the SHFE and interferes with the price setting mechanisms, in particular given its position as both a seller of primary aluminium and a purchaser via the State Reserve Bureau and other State bodies. In addition, the State sets daily price limits via the rules of the SHFE which have been approved by the state Regulator, the China Securities Regulatory Commission (the 'CSRC'). It is also clear that the SHFE is a closed exchange for Chinese-registered companies and Chinese citizens and that there is no effective arbitrage between the SHFE and international exchanges outside China. This is evidenced in the price significant differences between the SHFE and the international exchanges such as the LME. Furthermore where a SHFE futures contract ends in physical delivery, this can only take place in an approved warehouse within the PRC, unlike international exchanges where delivery can take place worldwide. These delivery rules ensure that the domestic Chinese market remains insulated from the worldwide market and that the price distortion benefits only Chinese companies.*

Further, it is noted that the Aluminum prices as quoted in the ShFe are significantly lower than the prices quoted in LME. Thus, the producers and exporters have not substantiated as to whether the cost of major raw material substantially reflect the market value. *The comments made by responding producer and exporter in response to disclosure statement are reiteration of their earlier submissions made to the Authority which has been examined.* For the reasons stated above, and after examination of responses, the Authority holds that aluminium prices in China are not market determined and that digital printing plates manufacturing industry in China is not operating under market economy conditions. Accordingly, the authority rejects the MET claims of the exporters in this investigation.

#### **Examination of MET Response of Kodak Group of companies**

95. The examination of market economy status was carried out in respect of following three two group of companies of Kodak who have responded to the initiation notification and submitted response to MET questionnaire.

- a) Kodak (China) Graphic Communications Company Limited, Kodak, China PR (KCGCCL)
- b) Kodak (China) Investment Company Limited, China PR (KICL), China PR

During the examination of response of these two producers and exporters from China PR, it was noted that both of them have claimed market economy status. It has been noted that M/s KCGCCL is owned by M/s KICL and M/s Kodak (China) company Ltd and both these companies are owned by M/s Kodak China Ltd which is owned by Eastman Kodak company through its holding company M/s Eastman Kodak Holdings BV. It is also noted that M/s KCGCCL is a wholly foreign-owned company incorporated in Xiamen, Fu Jian Province, the People's Republic of

China. It was also noted that M/s KCICL is the domestic seller of the subject goods in China PR and has no participation in export sales to India during the POI. It has been noted from their submissions and after onsite verifications that these companies are independent companies and all these companies have no state holdings. It has also been noted that these companies have not been transformed from any state companies. It is noted that M/s KCGCCL is the producer of the subject goods in China PR and exports the same to India directly and also through its subsidiary M/s Kodak Singapore Ltd and third countries (Singapore, Korea, New Zealand, Australia. However, all shipments to India are made directly from their factory at Xianen to India. It was also noted that none of the board of directors are from state owned company or state in these two companies. With regard to procurement of utilities and its prices, it was noted that these prices reflect normal prevailing market prices.

With regard to procurement of raw material it is noted that major raw material Aluminum is significantly procured from domestic market by the exporters locally from domestic miners in China PR. Though the producer and exporter has submitted that overwhelming portion of their raw material requirements for manufacture and sale of digital plates in China PR and India are met through by imports and from M/s \*\*\*, a non state owned company, the producer and exporter have not rebutted the fact that a significant share of raw material requirements are met through domestic companies on the basis of prices prevailing in Shanghai metal exchange. The comments made by responding producer and exporter in response to disclosure statement is reiteration of their earlier submissions made to the Authority which has been examined

This, along with reasons explained by the Authority in para 90 to 93 as above, and after examining the responses, the Authority holds that aluminum prices in China are not market determined and that digital printing plates manufacturing industry in China is not operating under market economy conditions. Accordingly, the authority rejects the MET claims of the exporters in this investigation.

**Issues concerning determination of Normal Value including constructed normal value for producers and exporters from China PR and Japan – Arguments by exporters, importers and users**

**96. Submission on Normal Value**

- There is no dumping of digital plates. The constructed normal value is highly exaggerated.
- For the purpose of computation of normal value aluminum cost is considered instead of aluminum plates cost. Conversion cost of aluminum plate is also inflated.
- Technova's selling and distribution cost is also very high and same is considered for constructing normal value.
- Technova has suppressed there are significant selling & distribution costs for producing the product. Since these costs are not incurred by the foreign producers while selling the product in the Indian market and these costs are incurred by the



importers and further since these costs are quite significant in the present product, inclusion of these costs in normal value has clearly led to inflated normal value.

- Technova has claimed higher labour cost prevailing in Japan but productivity of India is considered, whereas productivity of Japan is higher.
- The high dumping margin claimed is by highly inflating the normal value.
- The level of trade in respect of imports and domestic industry, in any case, is not the same. In respect of imports, the Designated Authority has considered the import price from foreign producers to Indian resellers. Thus, import price is the price to resellers. However, in case of domestic industry, the Designated Authority has considered the selling price and cost of production of the domestic industry to the end customers and has compared the same with import price to the resellers. The selling price to resellers, in any case, cannot be the same as compared to selling price to end consumers, more so when individual consumers are so small and 1.5-2 lacs printers are being serviced by 4-5 suppliers. the import price is required to be adjusted by 20% to account for the price difference between import price and resale price. The Designated Authority may consider the selling & distribution costs of Technova for the purpose.
- The Designated Authority considers import price from China as international prices for determining normal value while adopting constructed cost of production methodology
- Since the construction of the normal value is based on the inflated cost of production of domestic industry resulting in determinations of artificial dumping and injury margins.
- Post disclosure, the domestic industry has requested disclosure of elements of conversion cost and reasonable profit margin taken by the Authority in determination of CNV.

#### **Examination By Authority of normal value**

- In case of Japan, normal value is not constructed; rather normal value considered for cooperating producer and exporter is as per the information submitted by the responding exporter.
- With regard to price of litho grade aluminum plates taken into account for construction of normal value for producers and exporters from China PR, it is noted that the Authority has taken into account the import price of litho grade aluminum into India as imported by domestic industry for the POI. It may be recalled that for the purpose of initiation, the Authority had taken LME price of Aluminum for the POI and the conversion cost formula as per domestic industry. However, it was noted that the constructed normal value based on LME price was indeed higher. Therefore the Authority has taken into account actual litho grade imports price into India for the purpose of constructed normal value. The Normal value for china PR is based on cost of imported litho grade aluminium plate as procured by domestic industry, and conversion cost of domestic industry as verified by the Authority and reasonable profit margin. Further, it is noted that NIP as well as CNV have been determined at ex factory level by the Authority.

97. As noted in the earlier paragraphs relating to dumping, Under the above mentioned circumstances, the Authority is not in a position to apply Para 8 of Annexure 1 to the Rules to the above named Chinese companies and has to proceed in accordance with Para 7 of Annexure- I to the Rules. According to these Rules, the normal value in China can be determined on any of the following basis:
- a. On the basis of the price in a market economy third country, or
  - b. The constructed value in a market economy third country, or
  - c. The price from such a third country to other countries, including India.
  - d. If the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis including the price actually paid or payable in India for the like product duly adjusted to include reasonable profit margin.
98. The Authority notes that for determination of normal value based on third country cost and prices, the complete and exhaustive data on domestic sales or third country export sales, as well as cost of production and cooperation of such producers in third country is required. It is noted that no information with regard prices and costs prevalent in these markets could be accessed and also the responding Chinese companies have made no claim with regard to an appropriate market economy third country. Therefore, for the purpose of final determination, the Authority has constructed the normal value based on any other reasonable basis. Therefore, the normal value has been constructed based on cost of imported litho grade aluminum plate as procured by domestic industry, and conversion cost of domestic industry as verified by the Authority and reasonable profit margin. With regard to arguments made by the domestic industry, it is noted that the elements of conversions cost are in line with NIP determined for domestic industry which include the finance cost as well. The reasonable profit margin taken by the Authority is consistent with its past practices."

**Other Issues raised by Exporters and Examination by the Authority for determination of Dumping margins**

99. Various producers and exporters from subject countries have submitted that there is significant difference in cost and price of three types of digital plates i.e violet plates, thermal plates and CTCP plates ( or UV CTP plates) and these plates should be examined separately for the purpose of determination of dumping margin and injury analysis. The matter has been considered and based on examination of all issues in this case, it was considered appropriate to compare the imported subject goods in three types with domestically produced goods for determination of dumping margins and thereafter, one weighted average dumping margin has been determined for subject goods as a whole.

**Export Price And Dumping Margin for responding producers and exporters from China PR (KCGCCL, M/s Kodak Singapore (Pte) Ltd, FFPB, FFPS, Lucky)**

100. Separate export price to India in respect of all three types have been determined for each types of product under consideration as claimed by these responding producers and exporters and accepted by the Authority after examination and verifications. Price adjustments have been claimed on account of

adjustments like freight, insurance, warranty etc which have been accepted after verification of data of co-operative exporter/producer. With regard to arguments by the domestic industry about construction of the export price from Kodak and Fuji, it is noted that their export prices are in line and within the range of export prices made to independent customers and therefore they have been accepted. The export sales to India (net of all the adjustments claimed by the exporters and accepted by the Authority), were compared with the corresponding constructed normal values of their types to determine the dumping margin. These dumping margins for individual types were weighted averaged for determination of a single dumping margin for the responding exporter. After the analysis of the exporter's data, the dumping margin is worked out as mentioned in the table ahead.

#### **Dumping margin for related producers and Exporters**

101. It is noted that in the subject investigations many cooperating producers and exporters are related to each other and form a group of related companies. It has been the consistent practice of the Authority to consider related exporting producers or exporting producers belonging to the same group as one single entity for the determination of a dumping margin and thus to establish one single dumping margin for them. This is being done because calculating individual dumping margins might encourage circumvention of anti-dumping measures, thus rendering them ineffective, by enabling related exporting producers to channel their exports to India through the company with the lowest individual dumping margin.
102. In accordance with the above, the related exporting producers belonging to the same group were regarded as one single entity and attributed one single dumping margin which was calculated on the basis of the weighted average of the dumping margins of the cooperating producers in the respective groups

#### **Export Price And Dumping Margin for Non cooperating producers and exporters from China-PR**

103. Separate export price to India in respect of all three types have been determined for each three types of product under consideration as per facts available. Price adjustments have been allowed on the basis of facts available. The export sales to India (net of all the adjustments) were compared to the corresponding constructed normal values of the product type to determine the dumping margin. These dumping margin for individual types were weighted averaged for determination of a single dumping margin for the non cooperating producers and exporters. After the analysis of the data, the dumping margin is worked out as mentioned in the table.

#### **Normal value for M/s Fujifilm Corporation, Japan**

##### **Submissions by producer and exporter**

104. M/s FUJIFILM Corporation, Japan has submitted response to the exporters questionnaire. It is noted that M/s Fujifilm Corporation is 100% owned by FUJIFILM Holdings Corporation. It is also noted that the responding producer and exporter has sold subject goods in their domestic market to their affiliate company

M/s Fuji film Graphic systems (FFGS) which in turn has sold the subject goods to various dealers/distributors/ sales subsidiaries who in turn have sold the subject goods to dealers/independent users. It is also noted that in exports to India, they have stated that products sold to Indian market are the same as those to Japanese market except for LP-NNV type which is not sold to Japanese market because no violet system is adopted by Japanese newspaper companies. It has further been stated that Process-less plate which is manufactured and sold in Japanese market are different from CTP plates sold in India. It has also been submitted that while existing offset plates, including both CTP plates and conventional plates, require chemistry for development, FUJIFILM process-less plates do not need such chemistry. Existing plates cannot be developed by the same way that can be applied to process-less plates. Vice versa, process-less plates cannot be developed by the same way for exiting plates. Therefore, they have submitted that their process-plates and existing plates cannot be replaced thus their process-less plates like PRO-T2 should be excluded from the subject of investigation.

#### **Determination of Normal value for M/s Fujifilm Corporation, Japan**

105. It was first determined that whether the total domestic sales of the subject goods by the producers/exporter in the subject country was representative when compared to their total sales of the subject goods concerned sold in the exporting country. Thereafter, it was examined whether their sales are under ordinary course of trade in terms of Rule 2 of the annexure I to the anti dumping rules. The normal value has been determined after taking into account domestic selling price of subject goods in their domestic market and adjustments with regard to inland freight. Insurance etc.

#### **EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN for responding producer and exporter (M/s Fujifilm Corporation) from Japan**

106. Separate export price to India in respect of two types of product under consideration have been determined as claimed by the responding producer and exporter and accepted by the Authority. Price adjustments have been claimed on account of adjustments like freight, insurance, warranty etc which have been verified and accepted. The export sales to India (net of all the adjustments claimed by the exporter), were compared with the corresponding normal values of the product type to determine the dumping margin. These dumping margin for individual types were weighted averaged for determination of a single dumping margin for the responding exporter. After the analysis of the exporter's data, the dumping margin is worked out as mentioned in the table.

#### **Export Price And Dumping Margin for other producers and exporters from Japan**

107. The export volume and price of subject goods to India from Japan have been examined. It has been noted from the detailed examination of transaction wise data of imports of subject goods from Japan that all the known subject goods exports from Japan have been made by M/s Fujifilm Corporation, Japan. There are no known exports of subject goods from any other company from that country. In view of the above, the dumping margin determined for M/s Fujifilm Corporation, Japan has been extended to all other producers and exporters, if any from Japan.

Producer	Exporter	DM US\$/Sq M	DM%	Group DM US\$/Sq M	Group DM %
Fujifilm Corporation, Japan	Fujifilm Corporation, Japan	***	45-55%	***	45-55%
Fuji Film Printing Plate Co. Ltd. China(FFPB)	Fuji Film Printing Plate Co. Ltd, China (FFPB).	***	10-20%	***	
Fuji Film (China) Corporation Ltd.(FFPS)	Fuji Film (China) Corporation Ltd.(FFPS)	***	10-20%	***	10-20%
M/s Kodak (china) graphics communication system Ltd.	M/s Kodak (china) graphics communication system Ltd.	***	0-10%	***	
M/s Kodak (china) graphics communication system Ltd.	Kodak Singapore PTe. Ltd.	***		***	0-10%
Lucky Huanguang Graphics Co. Ltd.	Lucky Huanguang Graphics Co. Ltd.	***	45-55%	***	45-55%
Any Other producer/exporter from China PR		***	80-90%	***	80-90%
Any Other producer/exporter from Japan	Others	***	45-55%	***	45-55%

**E. INJURY****Submissions made by importers, exporters, users and user associations:**

108. The following issues have been raised by the interested parties representing importers, exporters, users and user associations on the issue of Injury

- It has been submitted that Technova increased their capacity three times from 6 Million Sqms to 18 Million Sqms during the period 2007-08 to 2010-11 and Production has increased from 2.54 Million Sq.Ms to 12.40 Million SqMs, an increase of almost five times. Further, their Capacity utilization increased to 69% in 2010-11.
- Exports Sales increased over 5 times from 0.16 Million SqMs to 0.83 SqMs during the period 2007-08 to 2010-11. The Market Share of the Petitioners has shown a steady growth from 51% in 2007-08 to 73% in 2009-10 and 71% in 2010-11.
- TechNova being the only plate manufacturing company in the country controls 71% of the domestic sales. While the company has achieved a phenomenal increase in

its all round performance, it is difficult to believe that their profits have come down so dramatically and still they continue to dump in money on capital equipment.

d) The number of employees has increased from the indexed figure of 100 in 2007-08 to only 158 in 2010-11. SQM per Employee increased from 9667 in 2007-08 to 29960 in 2010-11 i.e. over 3 times.

e) Technova has clearly pleaded before Safeguard authorities that it is suffering injury as a result of imposition of safeguard duty on aluminum products. Further, this safeguard duty was operative throughout the investigation period. The safeguard duty is no longer in force.

f) The sales price of the different imported plates is at least 5-7% higher than the sales price of the respective TechNova plates. While imported plates are getting sold at higher prices compared to the TechNova plates, one wonders as to how the said imports are causing injury to TechNova.

g) Thermal and Violet Plates are each a separate and distinguishable It was TechNova that caused market prices to decline, not imports. "Like Article" and should be examined separately.

h) The prices from Japan have been generally higher than that from China. It is perhaps for this reason, that the details of price suppression and price depression have not been indicated for China and Japan separately in the petition.

i) The claim of injury in the petition appears to be based on a grossly inflated cost of production. FFPB believes that aluminum constitutes a substantial component of the cost of production of printing plates that is about 50% or more. As against this the petitioner has claimed that the cost of aluminum is in the range of 35 to 40% of the total cost to make and sell. The Petitioner is misleading the Authority with a view to inflate the NIP, so as to create an evidence of injury, which is otherwise absent.

j) A large number of importers and users have represented that there is no justification in imposition of anti dumping duties. However, it has been submitted by these importers and users that should the Authority reject the request the users/importers for termination of the anti dumping investigations, separate reference prices for CtCP and CTP plates should be fixed by the Authority. It has also been submitted that one reference price may not be appropriate for CtCP and CTP plates.

k) Technova's profitability and ROI has improved, as per the Petition, losses have steeply declined in the last three years.

l) Technova's inventories are insignificant considering the range of product in terms of thickness, size, type etc. Full range is to be maintained for the customers throughout the country, considering these factors level of inventory is insignificant

m) There is positive growth in all volume and price parameters.

n) It has been submitted that earlier there were three plate manufacturers in India i.e M/s Technova imaging systems Pvt ltd, Stovac industries ltd and Lastra Neeraj pvt ltd. it has further been submitted that M/s Technova has monopolised the PS plate manufacturing by eliminating the two competitors. They have questioned the right of a monopolistic firm to plead for imposition of anti dumping duty on digital plate when they have 75% market share.

o) While the duty imposed on important printing rough materials and machinery are high, there are no restrictions on duty on printed materials to the country.

p) It has been submitted that the import of digital plate which were reported in significant volume from Europe, now been reported from china and Japan. Thus, this is clear case of realignment of imports between different plants of same foreign produces. It has further been submitted that dumping claims are highly exaggerated. On the issue of injury, it has been submitted that the issue of injury to domestic

industry on account of safeguard duty on aluminum plate should be considered. It has further been submitted that wide adverse implications of anti dumping duty on consumers for benefit of a monopoly producers whose performance is admittedly improving in last three year should be analyzed.

q) It has been submitted by some of the users of subject goods from Newspaper industries that material injury or threat thereof ~~cannot~~ be based on statement, therefore, all the factors of injury should be analysed by the authority. It has further been represented that the levy of anti dumping duty on the digital offset printing plates will adversely affect finances of end user buyers like them and it could cause serious disturbance to the users of plates in specific Newspaper industry which is already affected by fluctuation in FOREX and Pricing of News Print. Therefore, it is suggested that apart from other factors, the Normal Value should be analyzed by examining both (a) Cost of production in the country of origin with reasonable addition for administrative, selling and general costs and for profits. ; and (b) Cost of production in India with reasonable addition for administrative, selling and general costs and for profits vis-à-vis domestic manufacturers apart from "the material injury" aspect. So that, Indian Domestic Manufacturer should not monopolize the market and sell their product at higher prices by eliminating any competition which would otherwise benefit the domestic print industry like us.

109. The following are the submissions made by importers, exporters and users subsequent to the preliminary findings on the issue of injury and casual link.

a. Injury suffered by Technova due to imposition of safeguard duty on its raw material

(i) The raw material involved in production of the product under consideration was attracting safeguard duty during the investigation period. Technova itself admitted before Director General, Safeguards that safeguard duty has caused injury to the company. In the context of the Rules, it is an admitted position and the petitioner has itself claimed that it has suffered injury due to safeguard duty earlier imposed by the Govt. of India. Thus, injury caused to the domestic industry by such safeguard duty cannot be attributed to the alleged dumped imports and such injury must be segregated.

(ii) In this context, it would be relevant to refer to the decision of the CESTAT in the matter of Andhra Petrochemicals Ltd. Versus Designated Authority, reported at 2006 (201) E.L.T. 481 (Tri. - Del.), wherein the Hon'ble Tribunal tested the relevance and usefulness of the public statements made by the domestic industry.

(iii) In US Hot-Rolled Steel, the Appellate Body laid down the requirements that Article 3.5 imposes on the investigating authorities when performing a causation analysis.

(iv) The Appellate Body on EC — Tube or Pipe Fittings disagreed with the Panel's understanding of the term "known" in Article 3.5. The Panel had considered that the alleged causal factor was "known" to the European Commission in the context of its dumping and injury analyses, but that the factor was nevertheless not "known" in the context of its causality analysis. The Appellate Body disagreed with



this approach and considered that "a factor is either "known" to the investigating authority, or it is not "known"; it cannot be "known" in one stage of the investigation and unknown in a subsequent stage."

(v) In Guatemala — Cement II, the Panel agreed with Mexico's claim that Guatemala's authority failed to take into account certain undumped imports, and accordingly, failed to assess other factors which were injuring the domestic industry at the same time, in violation of Article 3.5.

b. **Cumulative Assessment of injury to the domestic industry**

(vi) In a situation where more than one country is involved, the rules permit cumulative assessment of injury to the domestic industry. However, such cumulative assessment of injury to the domestic industry cannot be automatic. The Designated Authority can resort to cumulative assessment only if conditions prescribed under the rules are met.

(vii) The mere fact that dumping margin in respect of imports from Japan is also more than de-minimus, the same is grossly insufficient to decide that cumulative assessment of the effects of dumped imports is warranted.

(viii) Since the authority has not even examined whether cumulative assessment of the effects of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported products, the preliminary findings, in any case, contains insufficient basis and are vitiated.

(ix) Fuji India is offering material originating in Japan and China at significantly different prices and the consumers are willing to pay different prices for the products originating in Japan and China. This clearly implies that there are some differences in the two products and cumulative assessment is inappropriate.

c. **Increase in inventories was an operational requirement and not a consequent impact of dumping**

(x) Technova sales have increased more than the increase in demand. Obviously to cater to the rising demand, Technova has to increase its inventory levels. The company has to increase its inventory levels in order to keep sufficient stock of different types/sizes of plates in stock. Technova has no option but to increase its inventory levels in order to ensure availability of the material with the company to all the consumers. The rise in inventories was therefore a need to sell the product and not an impact of dumping. The number of printers has increased. Each printer has its own requirement and accordingly different parties would have to cater to different requirement of printers.

d. **Other points relating to injury**

(xi) It is evident that the losses of the domestic industry have been declining. The mere fact that company continues to be in losses is not sufficient to hold injury.



(xii) There is no decline in market share of domestic industry. In fact, domestic industry has captured market share of third countries and the markets share of the subject countries almost remained at the same levels.

(xiii) Price undercutting has not been determined at same level. Domestic industry have compared landed price of imports with the selling price of the domestic industry. The comparison is not at same level of trade. While selling price of domestic industry includes all sales and post sales expenses, landed price of imports does not includes these expenses incurred by resellers of the imported product. Therefore, while comparing landed price of imports, all post sales expenses, SGA and technical service support expenses incurred by the resellers in India need to be added to the landed price. Alternatively, these costs incurred by the domestic industry may be excluded.

(xiv) The domestic industry has shown positive growth in all the volume and value/price parameters. Capacity, production, domestic sales, export sales, capacity utilization, profits, cash profit, ROI also show improvements.

**e. Capital employed, depreciation increased without increase in capacity**

(xv) Technova has added capacity only in 2008-09. However, the company has claimed continued increase in capital employed and depreciation. The increase shown in capital employed is because of increase claimed in assets and not working capital as the company has claimed significant increase in depreciation cost also.

**f. Capacity is more than demand**

(xvi) The capacity held by Technova is far higher than the Indian demand. Since the company is having production capacity far in excess of the domestic demand, it cannot expect reasonable plant utilization and has to suffer idling of production capacities. This injury is being wrongly attributed to dumping of the product.

(xvii) Growth of the demand in the injury period has been considered as the basis for the projected demand. Further, considering that the Designated Authority has recommended anti dumping duty, it has been considered that the volume of imports shall get restricted to 2009-10 levels. It would be seen that Technova would have to operate their plant @ 120% in order to feed the demand of the product under consideration in the market in 2013-14. Setting up of production facilities in this product is not an overnight affair.

(xviii) It has been claimed that the domestic industry has claimed excessive confidentiality. Further, it has been submitted that balance sheet for the domestic industry has not been provided to them.

110. Some other submissions made by importers, users, exporters and associations are as follows:

- It has been submitted by interested parties that costs of all the inputs have sky rocketed in recent months due to depreciation of rupees.

- It has been submitted that provisional antidumping duty of 27% is confiscatory in nature.
- It is submitted that with the imposition of provisional duty, readers are taxed and beneficiary is only one company.
- Interested parties submitted that more manufacturers of digital printing plates are required but such tactics by one of them dissuades other to put up their plants in India.
- It has also been submitted that the Government is protecting the interest of large manufacturers at the cost of hundreds of publishers who were using cheaper plates.
- It has been argued that there is a disagreement that exporters of cheaper plates were being financed by the governments in their respective countries.
- It is also submitted that to protect the interest of manufacturer then it should waive their excise duty on its products if used by registered newspaper or allow duty for free imports on actual user basis to registered newspaper as Newspaper already get certain exemption from taxes to fulfil the stipulation under the preamble Article 19 and Article 51 A of Indian constitution.
- It is been submitted that NCV of verification reports stating difference and similarities between CtCP and digital plates may be disclosed to interested parties in public file
- It is also been submitted that company's performance is deteriorating in analogue plates not digital plates
- It is submitted that the plates and chemicals both are sold to same parties, therefore chemical business should not be seen as standalone business
- Interested parties have submitted that plant wise expenditure shall be considered and separate NIP for each of the plants may be determined on the basis of actual information of three plants.
- As per CESTAT decision in bridgestone tyre case, designated authority shall consider the past level of profits and returns earned by domestic industry while granting reasonable return.
- Notional interest cost on funds is provided by promoters, since the funds have come from promoters and related parties, the interest cost is notional and should not be permitted.
- When Technova publicly claims that their pricing formula is linked to two major factors-Prices of Aluminium LME and exchange rate, how the imports are causing them injury when their prices are not even linked to imports.
- The difference in C.I.F price of thermal and violet is Rs. 5-10 per sqm, whereas difference in the NIP is US\$ 0.76 US ( as Rs. 65 ). Raw material difference between both is Rs. 5 to 10 and when there is no significant difference in the processing cost. The difference cannot be understood. When cost between analogue and digital plate is allocated on the basis of production, here some other methodology is followed. There is inconsistency in the methodology followed.
- Benchmarking price is at the level of landed price of imports at the port, significant selling & distribution cost incurred by importers in selling the product is not included in the price. Technova will have opportunity to fetch much higher price than NIP.
- Public interest demands that overall profitability with regard to chemicals and plates must be examined in considering whether the company requires to be protected

- NCV of supplementary information submitted by technova may be disclosed to interested parties.
- There is no causal link, besides other reason, restriction of exports on Technova outside india is also cause of injury .

**Submissions made by importers, users, exporters and associations in comments to disclosure statement.**

- Post disclosure various interested parties have reiterated their earlier submissions made during the course of the investigations. In particular, they have again drawn the attention of the Authority towards the fact that cumulation of dumped imports should not be carried out by the Authority for injury analysis. Further, it has been submitted by some user associations that the Authority has in the past terminated the investigations on findings that NIP of the domestic industry is lower than Net sales realization. They have stated that they are not aware of any past cases where the Authority has recorded positive findings of injury after findings that NIP is less than NSR. They have reiterated their earlier submissions made with regard to the fact that treatment of the impact of safeguard duty is inappropriate. In this connection, they have drawn the attention of the Authority towards submissions made by Technova during safeguard proceedings.
- Post disclosure, these interested parties have also submitted that the Designated Authority has not considered the aspect of public interest. They have further added that imposition of anti dumping duties on present sources shall severely limit the supply sources for the printers.
- Post disclosure, they have resubmitted that there is an absence of injury to domestic industry and causal link is not present in this case. Further, it has been submitted that investigation should be terminated with regard to Japan as injury margin is negative in respect of Japan.
- It has been represented that there is significant departure from preliminary finding and in the disclosure statement and such a drastic change in such key parameters could not have been permitted without providing opportunities to the interested parties.
- It has been represented that Digital plates cannot be produced on PS plates line. Further, it has been represented that by combining capacities for PS plates and digital plates, technova has apportioned expenses between PS and digital plate . It has been also been represented that the Authority should have examined the project report. On the issue of allocation, it has been represented that M/s Technova has claimed significant increase in profits in chemicals and significant decline in profits in sales in the POI. Further, it has been submitted that the performance of the company as shown in annual report has shown significant improvement whereas company has reported losses in digital printing plates by doing some cost accounting juggleries. Profit shown in annual report cannot be earned from chemical business as it is a miniscule activity.

- The interested parties have requested the Authority to share the basis of calculation of the NIP for the 3 types of plates separately when costs and capacities for the 3 ( CTcP, Thermal and Violet) have been merged into one in the disclosure for all calculation purposes. Various interested parties have also asked as to how the NIP for these have been calculated separately.
- On the issue of capacity, it has been represented that installed capacity for PS plates and Digital plates as per audited statement and the capacity stated in the disclosure statement shall be compared. Further, some interested parties have requested to disclose net sales realization Vs NIP of Technova for PS plates as well as digital plates. It has also been submitted that year wise sales variable cost, contribution, fixed cost(wages separately), Gross Margin, ROI, Capital employed, interest and depreciation, cash and net profit break up between analogue, digital and Chemicals business as per disclosure statement and Audited statement may be reconciled and disclosed . Further, it has been submitted that the basis of apportionment of the expenses in the 3 divisions shall be disclosed. It has also been submitted that why Profit as an index figure has reduced from 119.83 in the year 2009-10 to 37.28 in the year 2010-11 and Profit per unit indexed has reduced from an index figure of 35.57 in 2009-10 to 7.69 in the year 2010-11.
- It has been submitted that no tangible reasons have been given by the domestic industry to why reference price based duty is in appropriate in the subject case.
- It has been submitted that Indian rupee has significantly devalued and therefore anti dumping duty in US\$ shall mean about 20% over protection to the domestic industry. They have requested the Authority to recommend anti dumping duty in INR should the Authority still find it necessary to impose anti dumping duty despite their submissions that there is no justification to it.

#### Submissions made by Domestic Industry

111. The domestic industry has argued that:

- (i) Import volumes from the subject countries reached an alarming level from a very low level during 2007-08.
- (ii) Relative to domestic production, imports from the subject countries have reached a level of 36% and relative to consumption in India, imports from subject countries constituted 27%.
- (iii) The price undercutting by Chinese exporters increased from 16% in the past two years to 21% in 2010-11.
- (iv) CIF Price and Landed Value showed a sudden and significant decline during the period of investigation.
- (v) The domestic industry has enough capacity to meet the entire Indian demand and still it will be left with sufficient capacity to meet increase in future demands. However, they are not able to utilize their capacity due to dumped imports.
- (vi) The price for the Indian market is substantially lower compared to their prices in other country markets.
- (vii) Inventory of the domestic industry has increased substantially during the period of investigation, due to constant pressure of the dumped imports from the subject countries.
- (viii) Keeping in mind the increased demand and production, the overall profitability of the subject goods for the domestic industry has reduced drastically.

(ix) The Petitioner has invested in establishing one of the best technologically advanced production plant to service the needs of the Indian printing industry by borrowing substantial loans from banks and financial institutions. Dumping from the subject countries has made it extremely difficult to break even and to service the debt.

(x) The performance of the domestic industry for product under consideration has deteriorated over the injury period.

(xi) ROI (NFA Basis) of the domestic industry has significantly deteriorated over the injury period. This clearly shows the price depression and suppression effect of dumped imports from China PR that has resulted in significant losses to the domestic industry.

(xii) The ROCE is too low compared to the standard ROCE allowed by the DGAD.

(xiii) The domestic industry has recorded a positive growth in volume terms and a significantly negative growth in monetary terms during the past three years

(xiv) The imports coming into India from the subject countries are far above the de minimis level of dumping margin.

(xv) The domestic industry has requested the Authority to impose anti dumping duty on fixed duty basis. Further, they have also requested the Authority to fix the anti dumping duty separately for thermal, violet and CtCP or UV CTP plates separately. Further, it has been submitted with some illustrations from past cases that for the grades not exported to India during the POI, all others rate should be applied.

(xvi) With regard to imports made by Fuji, China they have represented that M/s Fuji China have exported large volumes of PS plates which are in fact digital plates and not the PS plates keeping in view the facts that these are priced much higher than analogue plates. They have requested the Authority to take into account these imports for determining dumping and injury margin for the producer and exporter. Further, it has been represented that as subsidiaries of M/s Fuji China and Fuji Japan have not submitted their response, they should be declared non cooperative.

(xvii) With regard to response from M/s Kodak, China PR, they have represented that since its subsidiaries in China PR and Singapore have not submitted their response, therefore, they should be termed non cooperative. Further, they have submitted that as per eximnet data, their total landed price is 245.18/Sq meter for the POI and the same should be accepted for determination of injury margin.

(xviii) It has been submitted that the domestic industry is also suffering from threat of material injury also. In its claim, the domestic industry has claimed that there is excess capacity available with the producers and exporters of subject goods in subject countries and also there is rapid rise in the volume of imports of subject goods from subject countries. They have also cited the lost sales evidence in their claim for threat of material injury.

**112. Following are the submissions made by Domestic Industry subsequent to issuance of Preliminary Finding.**

- i. The assumption that cost of production is unreasonable because of the inclusion of safeguard duty in cost of production is not correct as the quantity of raw material imported from China PR was insignificant.
- ii. There is no legal or factual basis to treat the increases in the cost of production as 'other factors' of injury. If such logic is applied, no Domestic Industry can seek the protection of antidumping duty in case their raw material costs or any other cost goes up.

- iii. If an industry is having very high costs, one cannot say that they are suffering injury because of their high cost of production. The actual costs shall be taken into account for the purposes of calculating the Non-Injurious Price.
- iv. If one has to come to a conclusion that the Domestic Industry is not able to meet the competition from dumped imports because their costs are high and not because they are forced to meet the imported goods at the dumped prices, it will turn the antidumping law on its head.
- v. The 'other factors' referred to in Paragraph 3(v) of Annexure II of the Rules cannot be interpreted to include the 'cost of production' itself.
- vi. The imports from China were too insignificant to cause any appreciable increase in the cost of production of the Domestic Industry. On the imports of 56.760 MT, Domestic Industry paid a total safeguard duty of Rs. \*\*\* lakhs during POI. This would come to USD \*\*\*per sqm, i.e. not even one hundredth of a cent.
- vii. Anti-dumping Rules do not refer to conditions of competition between the imported products as contained in Article 3.3. Hence, the Hon'ble Designated Authority has always analyzed the cumulative assessment based on the provisions contained in Anti-dumping Rules.
- viii. Assuming that the Hon'ble Designated Authority were to consider the conditions of competition between imported products per se in the factual matrix of the case at hand, the arguments of the Interested Parties are not clear.
- ix. There is no submission that Fuji plates and Kodak plates and Lucky Group plates are different from each other and they do not compete in the same market.
- x. Sales channels used by Fuji China and Fuji Japan are similar. Fuji China and Fuji Japan export their products to Fuji India who resells them in the Indian market.
- xi. In case of EC - Malleable Cast Iron or pipe fittings from Brazil - [WT/DS219/R], The WTO Panel has analyzed the issue regarding conditions of cumulation. Even though there were huge price differences, the Panel held that conditions of competition permitted cumulation. In the present case, the price differences are at very low levels in the range of 15% to 20%. Therefore, one cannot say that conditions of competition do not permit cumulation.
- xii. Interested parties have stated various reasons like operational requirement, guarding against shutdown etc for increase in inventory of the Domestic Industry without any iota of evidence to support the bald statements. It is reiterated that dumping from subject countries was a major reason for increase in inventory level as there is increased dumping by the exporters; Domestic Industry has no other option but to keep the production in stock.
- xiii. The Domestic Industry's ROCE reduced drastically and substantial working capital was blocked on account of such huge increase in inventory level.
- xiv. The new plant started off mainly with the production of analog plates. However, over a period of time, it gradually moved towards higher production of digital plates. Since the capital employed has been allocated on the basis of the production quantity of the products, in the initial year(s) major capital employed has been allocated to analog plates and gradually with the increase in production of digital plates, major portion of capital employed has been allocated to Digital Plates.
- xv. In the present investigation although sales volume, production volume, capacity utilization, wages & employment shows positive trend but growth in these factors have failed to improve the market share, profitability, inventory levels and return on capital employed of the Domestic Industry. Thus, Hon'ble Designated Authority has rightly analyzed and assessed the injury suffered by Domestic Industry caused by dumped imports.

**Capacity is more than demand**

- xvi. The Authority would appreciate that the domestic demand has actually increased close to 4 times during the corresponding period from 4.30 Million square meter to 15.47 Million square meter. This would sufficiently explain the rationale behind the addition of capacity by Domestic Industry. However, despite sufficient capacity to serve the Indian market, unfair trade practices from the subject countries have forced the Domestic Industry to sell the subject goods at un-remunerative prices. This clearly shows the injury suffered by the Domestic Industry.

**Reference price based duty is unsuitable:**

- xvii. Reference price based antidumping duty will be easily circumvented by simple over invoicing of exports. Such practice has already been observed in the case of PS Plates where the authority recommended a reference price based duty.
- xviii. Aluminum prices are extremely volatile and considerable fluctuation in price has led to a substantial rise in prices in the injury period. This will have a direct impact on the efficacy of the reference price based duties.
- xix. Present duty form should be changed to a fixed duty form to effectively counter and curtail dumping.
- xx. Following the imposition of anti dumping duty on a reference price basis after the preliminary findings, the domestic industry has reiterated its demand for imposition of anti dumping duty on fixed duty basis citing the fact that post provisional imposition of anti dumping duties, the subject goods price have increased to a level of reference price. Further, they have also cited the fact that exporters of subject goods have started circumventing the dumping duties by changing the nomenclature of subject goods and they have requested imposition of fixed duties in the subject case.

Submissions made by domestic industry in comments to disclosure statement.

- Domestic industry has submitted that authority had made adjustments in their claims relating to investment, working capital borrowings, basis of allocation of cost.
- They have submitted that investment in the new plant for the purpose of injury analysis and NIP should not be restricted to the original level.
- Further, it has been submitted by the domestic industry that details of basis of allocation should be disclosed to them
- They have also requested the authority to reexamine working capital requirements which has been included in the capital employed.

**Examination by the Authority on the issues raised by various interested parties**

113. The Authority has taken note of submissions made by the interested parties. Annexure II of AD Rules provides for objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in domestic market for the like articles; and (b) the consequent impact on domestic producers of such products. While examining the volume effect of the dumped imports, the

Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to price effect of dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increase which would have otherwise occurred to a significant degree.

114. With regard to the arguments made by various interested parties on the issue of Product under Consideration in general and inclusion of CtCP plate in particular, it is noted that the same has been analyzed under the para relating to product under consideration and like Articles. It has been argued that the domestic industry in this case is a monopoly player and imposition of anti dumping duty would jeopardize the interest of small users. It has also been argued that the anti dumping duty will protect the interest of large manufacturers at the cost of hundreds of publishers who were using cheaper plates. The matter has been examined and it is stated that the Antidumping investigations are conducted under Anti dumping rules and antidumping duties are recommended and imposed to redress unfair trade practices on account of dumped imports of subject goods from subject countries which has injured the domestic industry. With regard to some of the arguments of importers, users and associations that imposition of any Anti-dumping duty on digital plates will be unjust as printed materials are allowed duty free imports in this country, it is noted that this argument is not germane to the present investigation.
115. With regard to the arguments made by domestic industry that some of the PS plates imported by M/s. Fuji during the POI from China PR are in fact digital plates given the fact that prices of those import transactions bearing PS plates are similar to import prices for digital plates during the same period from their parent company, it is stated that matter was examined after the preliminary findings and after detailed investigations including verifications of the records of the company, volume and value of digital plates exported by the company to India have been determined by the Authority. With regard to arguments made by the domestic industry that the landed value of subject goods exported from China PR by M/s. Kodak as per their information comes to Rs. 245 per square meter, it is stated that the matter was duly examined by the Authority and export price has been determined after detailed examination including onsite verification conducted by the Authority.
116. With regard to arguments made by interested parties that injury to domestic industry is on account of safeguard duty on Aluminium and other arguments made by importers, and users for objective examination of all injury parameters concerning performance of domestic industry during the injury period, it is stated that the injury parameters mentioned in the findings have been determined after verifying and examining the records of the domestic industry. The authority observes that a transitional product specific safeguard duty was in force on the imports of Aluminium coils from China PR from 23.03.2009 to 22.03.2011. The safeguard duty was 14% and 12% during the first and second years respectively. The levy of safeguard duty was to remedy the market disruption caused by increased imports of Aluminium coils from China PR. The authority conducted a detailed examination of the impact of the said levy of safeguard duty on the domestic industry producing the subject goods. The quantity of litho-grade aluminium coils imported by the domestic industry was examined. It was found



that the domestic industry had imported insignificant quantities of litho-grade aluminium coils from China PR and the quantum of safeguard duty paid on such imports was negligible. The Authority found that the impact of safeguard duty on the raw material costs incurred by the domestic industry was negligible. Even if the safeguard duty resulted into an increase in the cost of raw materials, injury to the domestic industry has to be determined based on the costs 'as incurred' by the domestic industry and not based on 'what the costs would have been' minus the safeguard duty. Further, in this case, the costs incurred by the domestic industry had negligible impact by the levy of safeguard duty as stated above. The Authority notes that the position of the domestic industry has to be considered not in the context of ideal conditions but in the specific circumstances of the domestic industry. Some of the interested parties have argued that the levy of safeguard duty shall be treated as a 'known factor other than dumping' that caused injury to the domestic industry at the same time. Though the levy of safeguard duty could have increased the costs of the domestic industry, it did not actually increase the costs as the domestic industry had imported only negligible quantities of raw materials from China PR. In view of the above, the Authority holds that the levy of safeguard duty did not in a major way adversely affect the costs of, or the non-injurious price determined for, the domestic industry.

117. With regard to the argument that the domestic industry has invested huge amounts in creating capacity in excess of the Indian demand, the Authority examined the trend of the domestic demand and the capacity additions. The Authority finds that the demand increased from 4.36 Million sqm to 15.47 million sqm during the injury investigation period. The annual increase in demand over the previous year was 47%, 63% and 49% during 2008-09, 2009-10 and 2010-11. The average annual increase in demand during the injury investigation period was 53%. The capacity was increased from 6 Million sqm to 18 Million sqm in 2008-09 for both PUC and non PUC. It is noted that the demand accounted for 86% of the Indian capacity. Considering the rate of growth of demand in India, the capacity does not appear to be excessive. It is also noted that capacity cannot be added on an annual basis.
118. Regarding submission of interested parties regarding high input cost due to depreciation of rupees, it is noted that depreciation of rupees is a macro economic issue and is not relevant to antidumping investigation.
119. With regard to excessive confidentiality claimed by the domestic industry, it is noted that all the volume parameters in absolute terms have been disclosed by the domestic industry in the petition and confidentiality had been claimed for price parameters and after examination, the confidentiality was thereafter allowed by the Authority on the price parameters. However even with regard to all the price parameters, the figures in the indexed form have been disclosed. Further, with regard to NCV copies of balance sheet of the domestic industry, it is noted that balance sheet of domestic industry for the year 2009-10 was made available to all interested parties after the initiation of subject investigations. Further, a copy of the same for year 2010-11 was also kept in the public file and copy was made available to interested parties those who asked for the same to be sent to them.
120. Regarding duty incidence of 27% in provisional finding. It is submitted that Provisional anti dumping duty equal to the difference of landed value of imports and Benchmark price ranging from 5.20 US\$ to 6.6 US\$ had been imposed by

central government. Further, for the purpose of final findings, the Authority has carried out detailed examination of all the facts pertinent to these investigations and after examination, the dumping margins and injury margins have been determined and mentioned in the appropriate headings. As per the preliminary findings, the digital plates imported from subject countries whose landed price is above benchmark price will not attract antidumping duty in provisional measure.

121. With regard to protecting the interest of large manufacturers at the cost of hundreds of publishers who were using cheaper plates, the issue of monopoly of the domestic industry and the issue of large manufacturers producing the subject goods, it is noted that the Antidumping investigations are conducted under Anti dumping rules and antidumping duties are recommended and imposed to redress the unfair trade practices on account of dumped imports of subject goods from subject countries which has injured the domestic industry. Further, the domestic industry if it enjoys the monopoly status in the domestic market, is not disentitled to seek protection from unfair trade practices which has resulted into dumping of subject goods and injury to the domestic industry, under the Anti dumping rules. The DGAD is conducting antidumping investigations of the import of digital plates from China and Japan and provisional antidumping duties have been imposed by central government following recommendations made by DGAD after provisional examination of responses received from various interested parties. The Authority has subsequently conducted detailed and on site verification of the data submitted by various interested parties and the information gathered after such verifications are taken into account in the present final findings.
122. As regards issue of waiver of excise duty, interested parties may submit their memorandum to the concerned ministry.
123. With respect to arguments made by domestic industry to determine and impose anti dumping duties on fixed basis on one hand and arguments made by users, importers and exporters to impose anti duties, if required, on reference basis, the Authority notes that the matter was examined taking into account all the facts and submissions made by various interested parties pertaining to this case and taking into account the views of all interested parties, for the purpose of provisional findings, reference price duties for three subtypes within product under consideration was recommended by the Designated Authority and imposed by the central government. The Authority has taken into account submissions of various interested parties for the purpose of determining appropriate duty structure for the purpose of the present final findings.
124. On the issue of making available NCV copy of the verification report, it is noted that verification report is a confidential document which contains the confidential information submitted by the interested parties on confidential basis. Further, as per the practice, the copy is only given to exporter concerned and no NCV copy is prepared.
125. On the issue of cost allocations between chemicals business and plates business and also between digital and analogue plates, it is noted that injury on digital plate has been determined on the basis of cost allocation on appropriate basis after verification of relevant records of the domestic industry. Thus, since the PUC is digital plate and not analogue plates, the performance of the domestic industry in respect of digital plate has been considered in the subject investigation.

Further, the chemical division is a separate division in Technova and records of plates and chemical divisions are maintained separately.

126. On the issue of rate of return taken into account for the purpose of determination of NIP, it is noted that rate of return has been taken as per the practice followed by DGAD in line practice followed by the Authority in other investigations also.
127. Regarding notional interest paid to Directors, it is noted that the interest cost as per annual accounts of the company has been allowed as per consistent practice.
128. On the issue of linking of selling price with LME price and exchange rate, the Authority notes that based on copies of annual contracts for supply of subject goods to some of the clients, the selling price of the domestic industry has linkage with the LME prices as well as the exchange rates. However, the Authority further notes that the fluctuation in LME prices and the exchange rates may not be the only factors affecting the selling prices of the domestic industry. Furthermore, such practice is not in vogue in respect of the entire sale affected by the domestic industry in the domestic market.
129. On the issue of difference in the NIP of violet and thermal, it is noted that these products are manufactured in different plants having different costs.. Since violet is produced in new plant which is modern and carries huge investment, return and depreciation on the items produced in the new plant is higher. Further, the landed price of various types of digital plates has no direct relationship with the NIP of these plates produced by the domestic industry.
130. On the issue of Benchmarking price at the level of port, it is noted that non injurious price as well as net selling price is always determined at the ex factory level while the landed value of subject goods from subject countries are determined at the port level. This is as per consistent practice of DGAD. As far as Selling and distributions costs are concerned, the same is excluded from both the importers, resellers as well as from domestic industry.
131. On the issue of considering chemical division along with digital plate for working out profitability for the product under consideration, it is noted that anti dumping investigation is against the imports of digital plate which is the PUC in this investigations and cannot be clubbed with any other product. As AD investigation is limited to PUC. Profitability of upstream, downstream and related products is not considered in ADD investigation.
132. Regarding NCV of supplementary information submitted by Technova, it is noted that supplementary information mainly consist of Project Report, which is a confidential document and cannot be summarised.
133. Regarding restriction of export on Technova, it is noted that technova is exporting digital plates, the restriction to export is for specific country as per contract with Agfa. However, during the investigation, the injury to the domestic industry has been determined with regard to domestic operations of Technova.
134. With regard to claim of the domestic industry for threat of material injury, it is noted that there is a significant increase in the volume of imports of subject goods from subject countries during the injury period. However, the same is in line with growth of domestic sales of domestic industry during the same period. Further, the

Authority has also noted the lost sales claim made by the domestic industry. On the issue of excess capacity at the end of producers, it is noted that there is indeed a surplus capacity available with the producers of subject goods from subject countries.

Examination by the Authority on the issues raised by various interested parties after the disclosure statement

135. *The issues raised by various interested parties have been examined by the Authority under appropriate headings in this final finding.*

136. On the specific issue of cumulating of dumped imports from subject countries, it is noted that the conditions of cumulation as required to be fulfilled in terms of (iii) as above is satisfied in this case. In this regard, it is noted that imports from China PR and Japan were significantly higher than the negligible level of 3% and dumping margin is more than de minimus as prescribed under Paragraph (iii) of Annexure II to the Rules. Further, it is noted that subject goods imported from Japan as well as China PR are used interchangeably with the goods produced and sold by the domestic industry. Accordingly, goods from all the three countries (i.e., India, China PR and Japan) compete with each other in the Indian market, primarily based on price. In view of the above and as examined in detail in the appropriate headings, it is considered appropriate to, cumulatively assess the effect of imports of the subject goods from China PR and Japan on the domestically produced like article.

137. On the issue of specific vs benchmark form of anti dumping duty and whether anti dumping duties should be imposed in INR or US\$, the Authority has recommended benchmark form of anti dumping duty in US\$ after considering the factual matrix of the case and arguments made by various interested parties.

138. It has been submitted by various interested parties that there is significant departure from preliminary finding in the disclosure statement and they have contended that such a drastic change in such key parameters could not have been permitted without providing opportunities to the interested parties. The matter has been examined and it is noted that the change in the figures of cost of sales, profit and Loss per unit, Profit before Tax, Cash Profit, Capital Employed, Return on investment of domestic industry is due to allowing the investment made by the domestic industry in the new project only to the extent envisaged in the original project report based on detailed verification and examination of information submitted by the domestic industry subsequent to the preliminary findings. Further, it is stated that these figures have been revised by Authority and there is no revision in the figure by the domestic industry. In addition, it has already been mentioned in the disclosure statement that the capital cost of the new plant has been restricted to the level of investment contemplated in the original project report, for the purpose of injury analysis and determination of NIP. Accordingly depreciation and interest cost is also restricted to the original project cost affecting cost of sales, profit, cash profits, ROCE etc.

139. Regarding change in NSR, this matter has been examined by the Authority in detail based on post-disclosure submissions of the interested parties and has been clarified in these findings in the relevant paras regarding determination of non-injurious price for the domestic industry.

140. With regard to change in capacity and capacity utilisation, it is noted from the project report that the capacity of new plant was both for PUC and non PUC.
141. Regarding argument that digital plates cannot be produced on PS plates line it is noted that although it may not be possible to produce digital plate in the plant of analogue plate, but analogue plates can be produced in the digital plates plant. Technova has dedicated plants for analogue but there is no dedicated capacity for digital, the latest two plants of 18 million sqms installed by Technova is for the production of both digital and analogue plates. Further, it has been noted from the records that analogue plates were indeed produced in the new plant during the injury period.
142. Regarding submission that by combining capacities for PS plates and digital plates, technova has apportioned expenses between PS and digital plate, it has been already mentioned in the disclosure that the cost of plants producing both analogue and digital was apportioned between digital plates and analogue, both, for preliminary findings as well as in disclosure statement and also in this final findings.
143. With regard to determination of NIP, it is noted that NIP has been computed on the basis of the cost of plants manufacturing both digital and analogue plates. NIP has been computed on the basis of direct cost as well as cost allocated/apportioned on appropriate basis
144. It has been submitted by various interested parties representing some user associations that Authority should have examined the project report, it is noted that for the purpose of NIP and injury determination authority has also examined the project Report and other relevant documents. However, the same has not been put in the public file as it has been claimed and considered confidential.
145. Regarding argument that the Technova has claimed significant increase in profits in chemicals and significant decline in profits in sales in the POI, it is noted that profit margin on sales realisation in chemical division has been broadly similar throughout the injury period.
146. Regarding submission that the performance of the company as shown in annual report has shown significant improvement whereas company has reported losses in digital printing plates by doing some cost accounting juggleries, it is noted that it is the actual performance of the domestic industry in relation to subject goods produced by the company that has been taken into account by the Authority in examining injury parameters. Further, the Authority has examined the submissions made by the domestic industry and in the disclosure statement, it has been noted that there is no loss in digital plate after project cost has been restricted to the original project cost.
147. It has also been mentioned that profit shown in annual report cannot be earned from chemical business as it is a miniscule activity. It is noted that other than chemical business, Technova is earning profits in digital Print Media division and trading activity. Approximately 38% of revenue was earned from Chemical, digital Print Media division and trading activity during the POI.
148. In the comments to disclosure statement, some interested parties representing importers and users have requested the Authority to share the basis of calculation of the NIP for the 3 types of plates separately when costs and capacities for the 3 (CTcP, Thermal and Violet) have been merged into one in the disclosure for all

calculation purposes. various interested parties have also asked as to how the NIP for these have been calculated separately. The submissions have been examined by the Authority and it is noted that NIP for each type of plate produced has been determined as per the provisions of Annexure III of the anti dumping rules and for the purpose of price underselling for subject goods, weighted average NIP has been considered. For the purpose of determining injury margin, NIP of each type of plate is compared with landed value of respective plate of the co-operating exporter. This is in line with determination of dumping margin by the Authority as mentioned in the appropriate headings.

149. Regarding issue of similar installed capacity for PS plates and Digital plates as per audited statement and the capacity stated in the disclosure statement, it is noted that the combined installed capacity referred to in the disclosure statement and annual report is the same.
150. Regarding the query of net sales realization Vs NIP of Technova for PS plates as well as digital plates, it is noted that the net sales realization of digital plates and its NIP are confidential and cannot be disclosed.
151. Regarding reconciliation of year wise sales variable cost, contribution, fixed cost(wages separately), Gross Margin, ROI, Capital employed, interest and depreciation, cash and net profit break up between analogue, digital and Chemicals business as per disclosure statement and Audited statement, it is noted that these figures have been considered only after reconciliation with the audited accounts of the company. Further, the absolute figures are confidential and cannot be disclosed. However, the index figures have already been disclosed in the disclosure statement.
152. Regarding basis of apportionment of the expenses in the 3 divisions i.e it is noted that most of the expenditure of all four divisions i.e plates, digital plate media, chemicals and trading are direct and recorded separately in the books of accounts and common expenses of the company are allocated on the basis of accepted principles of determination of NIP.
153. Some of the interested parties have raised a query that why Profit as an index figure has reduced from 119.83 in the year 2009-10 to 37.28 in the year 2010-11 and Profit per unit indexed has reduced from an index figure of 35.57 in 2009-10 to 7.69 in the year 2010-11. In this connection, it is noted that these interested parties had sought a meeting/hearing with the Designated Authority and during the meeting these interested parties were explained that the reason for decline in profit in 2010-11 as compared to 2009-10 is because of steep reduction of selling price per unit (index from 88 to 84) and as compared to the reduction in cost to make and sell per unit (from 95 to 93) and it was also explained that each figures are indexed corresponding to its base year figure and therefore no conclusion can be drawn from two different indexes based on two different bases.
154. Regarding the issue of restriction of investment to its original level, it is noted that M/s Technova had provided certain clarifications relating to additional investment and after examining the clarifications authority is still of the view that the investment in the new plant needs to be restricted to the level of investment contemplated in the original project report for the purpose of injury analysis and determination of NIP. Regarding the issue of revision in Capital employed due to treatment of working capital loans as current liabilities, the Authority has revisited the issue and made suitable modifications in the capital employed as well as NIP.

155. Regarding changes in the basis of allocation made by the Authority as claimed by the domestic industry, it is noted that the Authority has adopted the appropriate basis in terms of the provisions of NIP principles outlined in Annexure III to AD Rules and the basis adopted has also been disclosed to the domestic industry.

156. On the issue of comments of some of the interested parties representing importers and user associations for extending the time to complete the investigation for detailed examination of the case, it is submitted that the subject investigation is already under extended period of time ( of three months ). Further, the submissions made by various interested parties have been examined in this final findings. In fact, it is noted that the Designated Authority had already extended the time for the interested parties to submit response to the disclosure statement by one day.

**Examination of Injury : Volume of dumped imports, price effect on account of dumped imports and its impact on the domestic industry.**

157. With regards to the submissions made by various interested parties on injury to domestic industry, it is stated that the same has been determined in terms of mandatory injury parameters as per the rules and have been mentioned in appropriate paragraphs. As regards the impact of dumped imports on the domestic industry, Para (iv) of Annexure-II of AD Rules states as under:

*"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."*

158. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and arguments of the interested parties.

**Cumulation**

159. Annexure II para (iii) of the AD Rules provides that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that: -

- a. the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two per cent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three per cent of the import of like article or where the export of individual countries is less than three per cent, the imports collectively accounts for more than seven per cent of the import of like article and
- b. cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

160. The Authority observes that:

- The margins of dumping from each of the subject countries are more than de minimus limits prescribed under the rules;



• Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the exports from the subject countries directly compete with the like articles offered by the domestic industry in the Indian market. This is evident from the following:

a. The subject goods manufactured by the producers from the subject countries *inter-se* and in comparison to the product manufactured by the domestic industry has comparable properties. In other words, the subject goods supplied from various subject countries and by the domestic industry are *inter-se* like articles.

b. The information furnished to the Authority gives a reasonable indication that there are common parties who are resorting to use of imported material from various sources and domestic material. Imported and domestic materials are, therefore, being used interchangeably and there is direct competition between the domestic product & imported product and *inter-se* imported product.

c. Volume of imports from each of the subject countries is significant and not negligible. Further, though the prices of goods imported from Japan are higher than the prices at which goods are imported from China, the price difference between Japanese products and Chinese products imported into India do not imply that they do not compete with each other or that the conditions of competition warrant non-cumulation. The price difference indicates that the Chinese goods and Japanese goods compete among themselves in the Indian market. The authority on the basis of submissions made before it do not find that any preference is being given by the Indian customers to Japanese goods or Chinese goods over the other in terms of quality or other characteristics of the products and the competition is primarily based on prices. Further, it is noted that the subject goods imported from both the countries also compete with the domestically produced goods in India. It is also noted that the subject goods imported from China or Japan are being interchangeably used with the domestically produced goods.

161. In view of the above, the Authority notes that it is appropriate to, cumulatively assess the effect of imports of the subject goods from China PR and Japan on the domestically produced like article, in the light of conditions of competition between the imported products themselves and between the like domestic product and imported subject goods.

162. Annexure-II of the AD Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

163. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the Anti Dumping Rules states as follows:

*"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in*



*sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."*

### **Volume of dumped imports and Impact on domestic Industry**

#### **Import Volumes and share of subject countries**

#### **Imports from the subject countries relative to consumption in India and production of domestic industry**

164. It is noted that the imports from subject countries have recorded a significant increase in absolute terms during injury period including POI i.e. from 1.123 million SQM in 2007-08 to 4.046 SQM during 2010-11 recording a significant increase during the injury period. Further, imports have increased significantly in absolute terms in every subsequent year.

Particulars	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11 (POI)
Imports of subject goods from subject countries	Million sqm	1.123	1.554	2.305	4.046
Trend	Indexed	100	138	205	360
China	Million sqm	0.008	0.120	1.572	3.348
Japan	Million sqm	1.116	1.434	0.732	0.697
Imports from Other Countries	Million sqm	0.964	0.791	0.298	0.291
Trend	Indexed	100	70	27	26
Total Imports	Million sqm	2.087	2.344	2.603	4.337
Trend	Indexed	100	112	125	208
Domestic Production	Million sqm	2.290	4.520	8.160	11.910
Imports from subject countries relative to domestic production		49.05%	34.38%	28.24%	33.97%
Demand	Million sqm	4.347	6.364	10.213	15.281
Imports from subject countries relative to consumption		25.84%	24.42%	22.57%	26.48%

165. It is also noted from the above table that imports of subject goods from the subject countries relative to domestic production had declined to 34% during POI from 49% during 2007-08. It is also noted that share of imports relative to consumption in India was showing declining trend in the year 2008-09 and 2009-10 but thereafter the level again reached the same level of 26% as in the year 2007-08

**Sales and demand**

166. The demand of subject goods has been determined by adding domestic sales of domestic like product with imports of subject goods from all countries. The Authority notes that demand for the subject goods had grown each year and it is further noted that demand of subject goods had increased significantly during the injury period. It is also noted that the sales of subject goods by the domestic industry has also increased significantly during the same period.

Particulars	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11 (POI)
Total Domestic sales (million SQM)	2.259	4.020	7.610	10.944
Trend	100	178	337	484
Total Imports (million SQM)	2.087	2.344	2.603	4.337
Trend	100	112	125	208
Demand (million SQM)	4.347	6.364	10.213	15.281
Trend	100	146	235	352
Imports from subject countries (million SQM)	1.123	1.554	2.305	4.046
Trend	100	138	205	360
Share of imports from subject countries in total imports	53.82%	66.28%	88.53%	93.29%

**Market shares**

167. It is noted that the market share of imports of subject goods from the subject countries as a proportion to total imports has increased significantly in the POI as against the base year. In terms of demand, it is noted that the share of subject countries declined marginally in 2008-09 and 2009-10 from 26% in 2007-08 but in the POI again reached 26%. It is also noted that as the demand for the product has increased significantly, share of domestic industry showed increasing trend each year during the injury period. In fact, it is noted that market share of domestic industry has increased significantly during the injury period.

Market Share	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11 (POI)
Demand (million SQM)	4.347	6.364	10.213	15.181
Total Domestic sales (million SQM)	2.259	4.020	7.610	10.944
Share of Domestic Industry %	52	63	74	72
Share of Domestic Industry Trend	100	122	143	139
Share of Subject countries%	25.84%	24.42%	22.57%	25.99%
Share of Subject countries Trend	100	94	87	101
Share of Other countries %	22.18%	12.42%	2.92%	1.92%
Trend	100	56	13	9

**Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry****Price Undercutting**

168. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In this regard, a comparison was made between the landed value of the product concerned and the average selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. To work out Net Sales Realization( NSR) cost of prepress chemicals supplied free of cost was also deducted. The prices of the domestic industry were determined at the ex factory level. This comparison showed that during the period of investigation, the subject goods originating in subject countries were imported in the Indian market at prices which were lower than the Domestic industry selling prices. It is thus noted that imports of subject goods were undercutting the domestic prices and margin of undercutting is considered significant in case of imports from China PR. The price undercutting margin with respect to Japan is negative.

169. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject countries have been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the cost of production, Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

Particulars	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
Net Sales Realisation (Rs. Per SQM)	***	***	***	***
Net Sales Realisation(index)	100.00	96.99	90.39	85.77
Landed Value				
Subject countries (Rs. Per SQM)	306.83	335.78	295.01	245.65
Subject countries (Index)	100.00	109.44	96.15	80.06
China (Rs. Per SQM)	261.2	273.81	283.63	236.88
China(Index)	100.00	104.83	108.59	90.69
Japan (Rs. Per SQM)	307.14	340.95	319.43	287.77
Japan(Index)	100.00	111.01	104.00	93.69
Price Undercutting				
Subject countries (Rs. Per SQM)	***	***	***	***
China (Rs. Per SQM)	***	***	***	***
Japan (Rs. Per SQM)	***	***	***	***
Price Undercutting % of Landed Value				
Subject countries	(0-10)%	(10-20)%	(0-10)%	0-10%
China	10-20%	5-15%	(0-10)%	5-15%
Japan	(0-10)%	(10-20)%	(10-20)%	(5-15)%

170. It is noted from above that the imports of subject goods from the subject countries undercut the prices of the domestic industry by \*\*\* during the POI. Individually, price undercutting in POI in the case of China was \*\*\* while there was negative undercutting in case of Japan.

**Price underselling:**

171. The Authority has also examined price depression, price suppression and price underselling if any, suffered by the domestic industry on account of dumped imports from subject countries. After due examination, it is noted that the domestic industry has suffered price underselling from China PR, however, no underselling from Japan is observed during the investigation period.

Particulars	POI
Non-injurious Price	***
Price Underselling	***
Subject countries	***
China	***
Japan	***
Price Underselling %	
Subject countries	0-10%
China	0-10%
Japan	-(5-15)%

**Price Depression**

172. It is noted that the Domestic Industry is adversely affected by the reason of price depression i.e the decline in Net selling prices during the injury period. It is further noted that though both the cost to make and sell as well as selling price of the domestic industry has declined during the injury period, except in the year 2008-09, where cost to make and sell increased. However, the decline in the selling price is more than the decline in cost to make and sell the subject goods. The price depression exists.

(Rs. Per SQM)

Particulars	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
Cost to make and sell	***	***	***	***
Cost to make and sell(index)	100.00	114.09	95.60	90.65
Increase(Decrease) from base year		14.09%	-4.40%	-9.35%
Domestic Selling Price	***	***	***	***
Domestic Selling Price(index)	100.00	97.02	90.41	85.80
Increase(Decrease) from base year		-2.98%	-9.59%	-14.20%

**Economic parameters of the domestic industry : Impact to the domestic industry on account of volume of dumped imports from subject countries and price effect on account of dumped imports**

173. Annexure II to the AD Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers

of like product. The Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

#### **Capacity, Production, Capacity Utilization**

174. The performance of the domestic industry in terms of capacity, production, capacity utilization, sales and market share is as under:-

(Million sqms)

Particulars	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11 (POI)
Installed Capacity ( Plate Division as a whole)	16.77	28.77	28.77	28.77
Production (Digital) Domestic	2.29	4.52	8.16	11.91
Production (Exports)	0.17	0.21	0.68	0.55
Production of the domestic like product.	2.47	4.73	8.84	12.46
Plates other than Product concerned production	11.55	11.35	10.90	10.60
Total Plates Production	14.02	16.08	19.74	23.06
Capacity Utilization (plates division as a whole)	84%	56%	69%	80%

It is noted that there is no dedicated installed capacity for PUC and hence the capacity utilization has been determined by taking into account the next available data i.e plates division of the company as a whole. It is noted that capacity utilization increased in the injury period due to increase in demand for PUC. The production has also increased significantly during the same period.

#### **Domestic Sales**

175. It is noted that the domestic sales as well as demand in India have increased significantly over the injury period. It is further noted that the domestic industry has increased its market share in the domestic market during the injury period.

(Million sqms)

Particulars	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11 (POI)
Domestic Sales	2.26	4.02	7.61	10.94
Indexed	100	178	337	484
Export Sales	0.16	0.21	0.74	0.83
Indexed	100	129.81	451.56	506.52
Demand	4.30	6.36	10.39	15.47
Demand Indexed	100	146.43	239.03	355.88

#### **Inventories**

176. It is noted that the inventory of the domestic industry has increased substantially during the period of investigation. Average inventory has increased both in absolute terms as well as number of days. It has been argued by interested parties that increase in average inventory is due to increase in sales, product range and increase in number of consumers, sizes, depot etc. However, the increase in average inventory in terms of number of days from \*\*\*days to \*\*\*days indicates adverse impact to the domestic industry.

Inventory	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11 (POI)
Inventory (Million Sq. Mtr.)	***	***	***	***
Inventory (Million Sq. Mtr.) (Indexed)	100	227.30	474.82	784.75
Opening Stock (Million Sqm)	***	***	***	***
Closing Stock (Million Sqm)	***	***	***	***
Average Stock (Million Sqm)	***	***	***	***
Stock as no. of days sales	***	***	***	***
Stock as no. of days sales (Indexed)	100	130	138	161

### Profits

The profitability of the domestic industry in respect of domestic-like product has been examined. It is noted that with the commissioning of new plant in 2008-09, domestic industry suffered losses in 2008-09. Thereafter, profit was increased. However, the Profit per unit has declined significantly in the POI as against base year. It has been argued by interested parties that claim of deterioration of profitability is because of excessive expenses charged by the company on account of wages, depreciation and interest. The matter has been examined in detail after verifying the records of the domestic industry and after examination, it was observed that increased charge on overall basis is because of increase in the share of production of PUC in the total production of the company in general and in new plant in particular. Further, it can be seen from the tables below that the incidence of wages, depreciation and interest is increasing in absolute terms. However, per unit of production has increased during 2008-09 and thereafter with the increase in production, the same has declined. Since the issue regarding increasing trend in depreciation, interest has also been raised, figures of the same as examined and verified are tabulated below. It is noted that depreciation and interest cost per unit increased in the year 2008-09 with the starting of new plant and thereafter the cost per unit has decreased.

### Profitability

Particulars	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11 (POI)

Profit/Loss on domestic sales(Rs. Lakhs)	***	***	***	***
Profit/Loss on domestic sales(Indexed)	100.00	(264.01)	53.29	77.69
Profit/Loss on domestic sales(Rs. Per SQM)	***	***	***	***
Profit/Loss on domestic sales(Indexed)	100.00	(148.37)	15.82	16.04

Interest	Unit	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
PUC	Rs. In Lakhs	***	***	***	***
PUC	Indexed	100.00	283.62	270.17	345.74
Per Unit	Rs. Per Sqm	***	***	***	***
Per Unit	Indexed	100.00	143.94	75.95	66.61

Depreciation		2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
PUC	Rs. In Lakhs	***	***	***	***
PUC	Indexed	100.00	234.27	333.08	417.89
Per Unit	Rs. Per Sqm	***	***	***	***
Per Unit	Indexed	100.00	118.89	93.63	80.51

### Cash Flows

177. Cash flow in the year 2008-09 is negative. Thereafter, cash flow for digital plate has increased.

		2007-08	2008-09	2009-10	2010-11(POI)
PUC	Rs. In Lakhs	***	***	***	***
Per Unit	Indexed	100.00	(78.74)	157.32	204.18
PUC	Rs. Per Sqm	***	***	***	***
Per Unit	Indexed	100.00	(44.25)	46.70	42.82

### Return on Capital Employed and ability to raise Investments

178. It has been submitted that the domestic industry has been pumping in fresh capital every year to make the industry stronger both in physical and monetary terms. The return on capital employed has been determined considering profit before interest and capital employed for the product concerned. It is noted that the return on capital employed has reduced during the injury period.

Particulars	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11 (POI)
Capital employed (Domestic) (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Capital employed (Indexed)	100.00	254.76	286.13	364.49
Return On Capital Employed (%) (Domestic)	***	***	***	***
Return On Capital Employed (%) (Indexed)	100.00	(103.63)	18.62	21.32

179. It has been argued by interested parties that Technova continued to infuse huge capital year after year in spite of their claim of low return on their investments. It has been submitted that the additional capacity was added in 2008-09, however the company has claimed increase in capital employed and depreciation each subsequent year during the injury period.

180. It is noted that with the starting of T5 Plant in the year 2008-09 in addition to capacity, increase in the total capital employed, depreciation, interest cost have been observed in the year 2008-09 for the company as a whole. Since the production capacity is common both for PUC and Non PUC, with the increase in the share of production of PUC in the total production of the company and in T5 plant each year, share of capital employed, depreciation and interest allocated to PUC have also increased.

181. The Petitioner has argued that given the current state of affairs where the product is consistently not performing well because of persistent dumping, substantial fresh investments cannot even be imagined. It is considered that dumping of the product and decline in financial performance could impact the ability of the domestic industry to raise capital investments.

182. With regard to ability to raise investments, it is noted that the domestic industry has enhanced the capacities during injury period for which fresh investments have been made. It is, however, noted that the enhancement of capacity has to be seen along with significant increase in demand of the product in the country and the fact that domestic industry has been profitable in the past with regard to production and sale of the product in the Country.

**Employment, wages & productivity:**

183. The number of employees, wages as well as the productivity per employee are as follows:

Particulars	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11(POI)
No. of employees	***	***	***	***



No. of employees (Index)	100	244	329	448
Productivity (SQM Per Employee)	***	***	***	***
Productivity (SQM Per Employee) (Indexed)	100	79	109	113
Wages and Salaries				
Wages and salaries per SQM	***	***	***	***
Wages and salaries (indexed)	100	191	342	472
Wages and salaries per SQM (indexed)	100	97	96	91

184. It is noted that the productivity has increased over the injury period. The employment and wages has also increased over the injury period. The productivity per employee have also increased after a significant fall in the year 2008-09 This parameter does not indicate any injury to the domestic industry. It has been argued by interested parties that number of employees and wages kept increasing every year despite no further additions to capacities. It is noted that there is not much change in the number of employees for the company as a whole. However, increase in number of employees is due to increased allocation due to increase in the production of PUC. It is however noted that while the wages in absolute term has risen very significantly on account of increased production wages per square meter of the PUC has come down over the injury period. Wages per sqm have declined in the POI as against base year

#### **Growth**

185. The domestic industry has recorded a positive growth in volume terms and a negative growth in financial terms during the injury period. It is noted that inventories have increased over the period. With regard to price parameters, it is noted that whereas cost of sales, selling price and return on investment have declined, the growth in profits and cash profits has been negative over the injury period.

#### **Factors Affecting Domestic Prices And Evidence Of Lost Contracts**

186. It has been submitted that the quality of the goods produced by the domestic industry is on par with the imported goods. It is also noted that the domestic industry has sufficient capacity to meet the entire demand in the country and therefore, availability of material is not a constraint. Delivery problems are also almost non-existent. The sales quantities of the domestic industry is picking up with the increase in demand and as a result of the efforts taken by the domestic industry to develop the market for digital plates in India. The market conditions are favourably disposed towards using the product produced by the domestic industry. However, it has been contended by the domestic industry that the market is forcing the domestic industry to sell the product at very low prices. It is also noted that some of the Indian customers quote the prices at which the imported goods are coming into the country and have asked the domestic industry to match the imported prices. It is thus noted that the major factor affecting the level of domestic prices is the price at which the imported goods enter the country.

#### **Magnitude and Margin of Dumping**

187. It is noted that the imports coming into India from the subject countries are above the de minimis level of dumping margin. The dumping margin in respect of subject goods from subject countries as determined in the relevant headings are considered significant.

### **Non Injurious Price**

188. The following are the submissions made by the exporters and other interested parties

- a. Since the company has set up excessive capacities, it is bound to suffer higher incidence of fixed costs. Without prejudice, the non injurious price for the company should be determined considering its capacities. The company has inefficient utilization of production capacities due to excessive capacities set up by the company and the consumers should not be burdened with these excessive fixed costs.
- b. Selling and distribution cost incurred by the Technova should not be included in determination of non injurious price, as landed price of imports does not include the selling and distribution costs being incurred by the importers.
- c. Since imports are by resellers and domestic industry is selling to dealers, the import price is required to be adjusted by 20% to account for the price difference between import price and resale price.

189. The following are the submissions made by Domestic Industry

- a. The Hon'ble Designated Authority has calculated the NIP at ex-factory level and has disallowed post manufacturing expenses while calculating NIP. Hence, the distribution expenses of the resellers of the imported goods should not be taken into account by the Hon'ble Designated Authority.
- b. NIP should be calculated by considering the level of capacity utilization that Domestic Industry can achieve and the best achieved capacity utilization level could not be relied upon due to lack of demand. This argument exemplifies lack of application of mind by the interested party and is contrary to the facts of the present case. As stated by interested party, there is a rise in demand.
- c. Lucky is only trying to mislead and create confusion in the mind of Hon'ble Designated Authority by raising and repeating issues without any factual or legal basis.

190. The following are Examination by authority on the issue of Non Injurious price determination

- a. The Authority has determined the NIP on the basis of the principles for determination of NIP mentioned in Annexure III of AD rules.

- b. As regards submission of interested parties regarding improved performance of the company as per Annual Report and the need for reexamining the profitability of Technova in analogue plates and chemicals, the following is noted. Following the representation by importers, associations and users, the Authority has done detailed analysis of cost structure of plate division. Cost in the plate division i.e. raw materials, utility, depreciation, interest, royalty etc. is directly identified with the plant. The other expenses, which are common for various rates have been allocated to the plates division and other divisions appropriate basis. Furthermore, as already elaborated in these findings the additional expenses on account of interest and depreciation on the additional investments, have not been considered by the Authority.
- c. As regards, the value of supply of free chemicals by the domestic industry along with the contract for supply of the plates, the Authority based on the examination of additional evidence noted that the domestic industry has in fact supplied some of the chemicals as free of cost along with the contracts for supply of plates. In view of the contractual obligation of the domestic industry for supply of free chemicals, the Authority notes that the value of chemicals, supplied as free, was inbuilt in the sales price of the plates. The domestic industry furnished details of the total quantity and values of chemicals supplied free of cost during the POI. However, based on the records verified by the Authority, the Authority notes that the domestic industry could not substantiate its claims both with regards to quantities and valuations of the chemicals supplied as free of cost along with the plates. In view of the same, the Authority has made appropriate adjustments on account of value of chemical supplied free of cost from the NIP. Furthermore, since the selling price for the plates also includes the element of values of chemical supplied as free, a corresponding deduction for an equivalent amount has also being made from the NSR of the domestic industry for a like-to-like comparison.
- d. As regards, the selling and distribution expenses and channels of sales of the domestic industry, the Authority notes that the domestic industry have regional offices as well as storage go downs at various places for distribution and marketing of the subject goods. These storage go downs / warehouses are operated by third parties for which warehousing expenses and incidental cost are reimbursed by the domestic industry. The domestic industry, based on the verification of documents, admitted that the expenses on storage go downs has been included in the cost of subject goods. The domestic industry further admitted that the storage and warehousing expenses being a post ex-factory cost, needs to be excluded from the cost for determination of NIP. Accordingly, these expenses relating to storage and warehousing of finish goods, being a part of distribution network and expenses have been disallowed by the Authority.
- e. As regard the submissions of the interested parties that the domestic industry has deployed extensive work force for sales of the subject goods and the same is also relates to post sales activities, the Authority notes that the domestic industry furnished the information with regards to deployment of its work force in various activities / divisions like manufacturing, administration, regional offices as well as the sale territory offices. The domestic industry also furnished the specific activities being handled / undertaken by the staff deployed for the sales activities. The domestic industry admitted that this includes a total of \*\*\* sales staff deployed as

territory sales executive. It was claimed by the domestic industry that these territory sales executive caters only to the plates and chemical division. The Authority notes that the clientage of the domestic industry for various activities including chemicals and trading activities are identical. Therefore, the Authority does not agree with the submissions of the domestic industry that the territory executives cater only to plates and chemical division. Furthermore, the domestic industry in its submissions admitted of providing 24 hour technical support and provides full portfolios of consumables and equipments. In view of the above, the Authority considers the territory sales executive as a part of distribution network of the domestic industry. The expenditure on this account, being an ex-factory cost, has been disallowed by the Authority in the determination of NIP. As stated in these findings above, the expenses to the extent related to post selling expenses and inbuilt in the selling price of the domestic industry have been adjusted from the NIP as well as NSR for comparative analysis.

f. Regarding injury due to safeguard duty on Aluminum plates or calculation of NIP after excluding safeguard duty. It is noted that as per the AD rule on determination of NIP, actual cost for the POI is to be considered. Therefore cost including safe guard duty has been considered. However, it is also noted that safeguard duty levied was specific to China PR and it was also noted that during the POI, the quantity imported from china was \*\*\* MT, out of its total consumption of 18764 MT during POI. Safeguard Duty of Rs\*\*\* lakhs was paid on Aluminum plates the incidence of cost works out to \*\*\* per sqm which is insignificant. In fact, the total domestic sourcing of litho grade aluminum was also \*\*\* MT.

191. The Authority has determined the non-injurious price for the domestic industry taking into consideration cost of production of the domestic industry. This non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed values of the subject goods to determine injury margin. In line with the determination of dumping margins, the injury margin has also been determined for the related companies together taking them as one entity. In line with the observation made in the chapter relating to export price and dumping margin for other producers and exporters from Japan and considering the fact that the Authority after detailed examination did not come across any imports of subject goods from any companies other than M/s Fujifilm Corporation, Japan, the injury margin for other producers and exporters, if any, is proposed to be at same level as that of M/s Fujifilm Corporation, Japan as determined by the Authority. The injury margin has been worked out as follows:

**Table showing Injury Margin**

Producer	Exporter	IM US\$/Sqm	IM%	IM Group US\$/Sq m	Group IM %
Fujifilm Corporation, Japan	Fujifilm Corporation, Japan	***	-(5-15)%	***	-(5-15)%
Fuji Film Printing Plate Co. Ltd. China(FFPB)	Fuji Film Printing Plate Co. Ltd. China (FFPB).	***	1-10%	***	1-10%

Fuji Film (China) Corporation Ltd.(FFPS)	Fuji Film (China) Corporation Ltd.(FFPS)	***	1-10%		
M/s Kodak (china) graphics communication system Ltd.	M/s Kodak (china) graphics communication system Ltd.	***	-(0-10)%	***	
M/s Kodak (china) graphics communication system Ltd.	Kodak Singapore PTe. Ltd.	***	-(10.20)%	***	-(0-10)%
Lucky Huanguang Graphics Co. Ltd.	Lucky Huanguang Graphics Co. Ltd.	***	30-40%	***	30-40%
Any Other producer/exporter from China PR		***	60-70%	***	60-70%
Any Other producer/exporter from Japan		***	-(5-15)%	***	-(5-15)%

192. The level of injury margin from China PR as determined above is considered significant.

#### Causal Link

193. The Authority has examined whether other factors listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry. The examination of causal link has been done as follows:

#### Imports from third countries

194. The Authority has collected the transaction-wise imports data of the subject goods from secondary sources. It is noted that imports beyond de-minimis limits had been reported only from EU. Since there are significant imports from EU, the import price from EU has been examined in detail and compared with import price from subject countries. It is found that import prices from EU were consistently higher than the import prices from subject countries.

#### Contraction in demand

195. The Authority notes that the demand for the subject goods has shown significant improvement during the injury period. Possible contraction in demand could not have caused injury to the domestic industry.

#### Changes in the pattern of consumption

196. The pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone any change, nor did any interested party make any allegation in this regard. Further, the investigation so far has not shown existence of alternate competing products and possible injury being caused by such alternate products.

**Trade Restrictive practices of and competition between foreign and domestic producers**

197. It is noted that there is a single market for the subject goods where dumped imports from subject countries compete directly with the subject goods supplied by the domestic industry. It is noted that the imported subject goods and domestically produced goods are like articles and are used for similar applications/end uses. There is no evidence of trade restrictive practices of and competition between the foreign producers and domestic producer causing injury to the domestic industry.

**Developments in Technology**

198. There is no allegation of developments in technology, nor has the investigation so far shown that possible injury to the domestic industry could have been caused by developments in technology.

**Export performance**

199. The petitioner is also exporting the subject goods. However, the Authority has considered only domestic operations and domestic profitability.

**Productivity of the Domestic Industry**

200. It is noted that there is no material change in productivity of the domestic industry. Possible decline in productivity cannot be the reason for the established injury to the domestic industry.

**Other factors : safeguard duties on aluminum from China PR and increase in the raw material cost as a result of safeguard duties**

201. It has been submitted by importers, users and other user association that imposition of safeguard duties from China PR has increased the raw material costs of the domestic industry and injury, if any, to the domestic industry, has been caused by the other factors i.e increase in the raw material costs and not the dumped imports of subject goods from the subject countries. The domestic industry has rebutted the arguments of the other interested parties and has stated that the increase in raw material costs on account of safeguard duties on Aluminum was insignificant. The Authority has examined the matter and notes that article 3.5 of the ADA and Annexure to the Anti dumping rules state that

*"It must be demonstrated that the dumped imports are, through the effects of dumping, as set forth in paragraphs 2 and 4, causing injury within the meaning of this Agreement. The demonstration of a causal relationship between the dumped imports and the injury to the domestic industry shall be based on an examination of all relevant evidence before the authorities. The authorities shall also examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, and the injuries caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumping prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers,*

*developments in technology and the export performance and productivity of the domestic industry."*

202. It is clear that, pursuant to above provision, a causal link between dumped imports and injury to the domestic industry must be established for the imposition and maintenance of an anti-dumping duty under the AD Agreement and Anti dumping rules. In this connection, it may be recalled that previous panel and Appellate Body reports make it clear that while an investigating authority is required to consider the effects of other factors known to the investigating authority which may be causing injury to the domestic industry, there is no required method of analysis in undertaking that examination. In this case, it is noted that apart from the injury caused by the dumped imports from subject countries as mentioned in the earlier paragraphs, the domestic industry was impacted by increase in the raw material costs due to imposition of safeguard duty. However, it is noted that the increase in the raw material costs on account of safeguard duty was very insignificant ( as has been mentioned in the headings concerning injury in the earlier paragraphs ).

**Other factors: Additional investment by Technova**

203. M/s Technova had initially estimated the capital cost of new digital plant at Rs \*\*\* crores. Subsequently, it had revised its project cost to Rs \*\*\* crores to upgrade the technology and enhance the capacity. In this connection, the domestic Industry submitted documents/data/information. On scrutiny of the documents/information, the Authority noticed certain deficiencies in their submissions. The DI was requested to clarify the position. Since the submissions made by the DI did not clarify the issues pointed out by the Authority, the capital cost of the new plant has been restricted to the level of investment contemplated in the original project report for the purpose of injury analysis and determination of NIP.

**Other factors : NIP lower than NSR**

204. It has been submitted by some of the interested parties that NSR is higher than NIP in this case and therefore there is no injury to the domestic industry. The matter has been examined and it is noted that NIP for the domestic industry works out to Rs.\*\*\* per sqm as against the NSR of the domestic industry of Rs. \*\*\* On the issue of NIP being lower than NSR in this case( it is marginally lower in this case), it is noted from a plain reading of Annexure II of the anti dumping rules that a determination of injury shall involve an objective examination of both (a) the volume of the dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. Thus, it is noted that the Authority examines volume of the dumped imports, price effect of dumped imports and its impact on domestic industry producing domestic like product in terms of mandatory injury parameters as mentioned in the Anti dumping rule for determination of injury to the domestic industry. Thus, the presence or absence of material injury is not decided only on the basis of fact that NSR is lower or higher than NIP. In fact as per lesser duty rule, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. In this instance case, as mentioned in the analysis above, it is

noted that dumping margin and injury margin is positive (injury margin is negative for Japan). In fact, the dumping margin from subject countries is considered significant. Further, there is a positive price effect i.e price undercutting, price depression and price underselling is positive. With regard to price effect on account of such dumped imports and its impact on the domestic industry, the analysis as mentioned above indicates that the material injury to the domestic industry has been caused on account of dumped imports.

#### **Factors establishing causal link**

205. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated due to dumped imports from the subject countries. Therefore, the causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the ground that the volume of dumped import from the subject countries have significantly increased during the injury period and the dumped subject goods were exported into India at significantly lower prices during the injury investigation period, resulting in significant price depression, undercutting and underselling which has adversely affected the operating performance of the domestic industry.

#### **G Conclusion on Injury and causation**

206. There has been a significant increase in the volume of dumped imports from subject countries at the absolute level. The market share of dumped imports in total imports of subject goods has also increased significantly. It is also noted that the dumped imports from China PR was significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. It is also ascertained that the dumped imports have had significant adverse price effect in terms of price depression and price underselling. Further, the dumping margins from responding producers and exporters from subject countries have been determined and is considered significant.
207. It is noted that dumped imports of subject goods from subject countries have adversely impacted the inventory levels of the domestic industry. Further, it is also noted that the dumped imports have had significant adverse price effect in terms of price depression and price underselling which in turn have led to significant deterioration in profits and return on investments. Therefore, the Authority on the basis of above analysis concludes that the domestic industry has suffered material injury and such injury has been caused because of dumped imports from the subject countries.
208. The Authority therefore, holds that material injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports of subject goods from the subject countries.

#### **I. Indian industry's interest & other issues:**



209. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way; and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.
210. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these product. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

#### **J. Recommendations**

211. Having regard to contentions raised, information provided and submissions made by interested parties and facts available before the Authority as recorded in the above findings and on the basis of above analysis of the state of dumping and consequent injury to domestic industry, the Authority concludes that
- (a) The product under consideration has been exported to India from the subject countries below their associated Normal values.
  - (b) The domestic industry has suffered material injury on account of subject imports from subject countries. The material injury has been caused by the dumped imports of subject goods from the subject countries. However, the Authority notes that the injury margin was negative for the goods exported from Japan as the landed value of those goods were higher than the non-injurious price determined for the domestic industry. In view of the same, Authority does not recommend any anti dumping duty on the subject goods imported from Japan.
212. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted a investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of duty is required to offset dumping and injury. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury margin, the landed value of imports of product under consideration has been compared with the non-injurious price of the domestic like product produced by domestic industry determined for the period of investigation. As injury margin in case of imports from

Japan is negative, no anti dumping duty is recommended to be imposed on subject goods being imported from Japan.

213. With regard to duty structure, keeping into account factual matrix of the case and having regard to contentions raised, information provided and submissions made by interested parties, it is deemed appropriate to recommend benchmark/reference form of anti dumping duties, equal to the difference between the amount indicated in the column 9 of the table below and landed value, to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central government on all imports of subject goods originating in or exported from China PR.

S. No	Sub heading or Tariff Item	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Specification	Amount	Currency	Unit
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	8442.502, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191, 7606.9290	Digital Offset Printing Plates*	China PR	China PR	Fuji Film Printing Plate Co. Ltd. China(FFPB)	Fuji Film Printing Plate Co. Ltd. China(FFPB)	Violet	5.81	US\$	Sqm
							Thermal	5.39	US\$	Sqm
							CtCP**	4.87	US\$	Sqm
2	8442.502, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191, 7606.9290	Digital Offset Printing Plates*	China PR	China PR	Any combination other than serial no 1		Violet	5.81	US\$	Sqm
							Thermal	5.39	US\$	Sqm
							CtCP**	4.87	US\$	Sqm
3	8442.502, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191, 7606.9290	Digital Offset Printing Plates*	China PR	China PR	Fuji Film (China) Corporation Ltd.(FFPS)	Fuji Film (China) Corporation Ltd.(FFPS)	Violet	5.81	US\$	Sqm
							Thermal	5.39	US\$	Sqm
							CtCP**	4.87	US\$	Sqm
4	8442.502, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191, 7606.9290	Digital Offset Printing Plates*	China PR	China PR	Any combination other than serial no 3		Violet	5.81	US\$	Sqm
							Thermal	5.39	US\$	Sqm
							CtCP**	4.87	US\$	Sqm
5	8442.502, 3701.3000, 3704.0090.	Digital Offset Printing	China PR	China PR	M/s Kodak (china)	M/s Kodak (china)	Violet	N/A	US\$	Sqm

	3705.1000, 7606.9191,76 06.9290	Plates*			graphi cs commu nicati on system Ltd.	graphic s commu nicatio n system Ltd.	Thermal	N/A	US\$	Sqm
							CtCP**	N/A	US\$	Sqm
6	8442.502, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191,76 06.9290	Digital Offset Printing Plates*	China PR	China PR	M/s Kodak (china) graphi cs commu nicati on system Ltd.	Kodak Singap ore Pte. Ltd..	Violet	N/A	US\$	Sqm
							Thermal	N/A	US\$	Sqm
							CtCP**	N/A	US\$	Sqm
7	8442.502, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191,76 06.9290	Digital Offset Printing Plates*	China PR	China PR	Any other combination of producer and exporter at 6 above		Violet	5.81	US\$	Sqm
							Thermal	5.39	US\$	Sqm
							CtCP**	4.87	US\$	Sqm
8	8442.502, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191,76 06.9290	Digital Offset Printing Plates*	China PR	China PR	Lucky Huang uang Graphi cs Co. Ltd.	Lucky Huang uang Graphi cs Co. Ltd.	Violet	5.81	US\$	Sqm
							Thermal	5.39	US\$	Sqm
							CtCP**	4.87	US\$	Sqm
9	8442.502, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191,76 06.9290	Digital Offset Printing Plates*	China PR	China PR	Any combination other than serial no 7		Violet	5.81	US\$	Sqm
							Thermal	5.39	US\$	Sqm
							CtCP**	4.87	US\$	Sqm
10.	8442.502, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191,76 06.9290	Digital Offset Printing Plates*	China PR	China PR	Any combination other than all above		Violet	5.81	US\$	Sqm
							Thermal	5.39	US\$	Sqm
							CtCP**	4.87	US\$	Sqm
11	8442.502, 3701.3000, 3704.0090,	Digital Offset Printing	China PR	Any other than	Any	Any	5.81	5.81	US\$	Sqm
							5.39	5.39	US\$	Sqm

	3705.1000, 7606.9191,76 06.9290	Plates*		subject countries			4.87	4.87	US\$	Sqm
12	8442.502, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191,76 06.9290	Digital Offset Printing Plates*	Any other than subject countries	China PR	Any	Any	Violet	5.81	US\$	Sqm
							Thermal	5.39	US\$	Sqm
							CtCP**	4.87	US\$	Sqm

\*Conversion factor from Kg to Sq mtr is 1 Kg=1.318 sq mts, for 28 mm thickness plate. If the thickness of the plate varies, the square meter for kg of the product will vary proportionately. 1 Sq mtr=0.7588 kg.

\*\* Computer to Conventional Plate also known as UV- CTP plate.

Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

214. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 16<sup>th</sup> March 2012.

#### **Further Procedure**

215. The following procedure would be followed subsequent to notifying the final findings: -

216. An appeal against the order of the central government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

VIJAYLAXMI JOSHI, Designated Authority